ЎЗБЕКИСТОН ССР ФА.НЛАР АКАДЕМИЯСИ

А. с. гіушкин номидаги тил ва адабиёт институти

Э. ФОЗИЛОВ

УЗБЕК ТИЛИНИНГ ТАРИХИЙ МОРФОЛОГИЯСИ

.

Масъул муҳаррир филология фанлари доктори Ғ. АБДУРАҲМОНОВ

ЎЗБЕКИСТОН ССР „ФАН“ НАШРИЁТИ

ТОШКЕН Т-1 9 6 5

4

Ф 79



У шбу китоб туркий тилларнинг энг қадимий ёд- горликлари морфологаясини ёриташга бағишланган. Бунда бой фактик материаллар асосида сўз тур- кумларининг фюрма ва маъно тараққаёти бирма-бар баён этилади. Бу китоб туркай тиллар, жумла- дан, ўзбек тили тарихий тараққиёти процессина аниқлашда катта аҳамиятга эга.



Кшпоб тал ўцитувчилари, турколог мутахас- сислар, илмі/й ходимлар ва филология факулътети студентларига мўлжалланган.

Фозилов Э.

Ғзбек тилининг тарихий морфологияси. Масъул муҳаррир филология фан. д-ри Ғ. Абдураҳмонов. Т., «Фан» нашриёти, 1964.

144 бет. (УзССР ФА A. С. Пушкин номидаги Тил ва адабиёт ин-ти).

* С. Е. М а л о в. Енисейская письменность тюрков М,—Л.,

ЕнПТ

ПМК

ОнгП

.Мн

КТм

КТб

- Тон.

Гкн.

Хуаст.

Сувр.

ПВ

Юр.

Т Т I- Т Т II Т Т III Т Т IV Т Т V-

1952.

* С. Е. М а л о в. Памятники древнетюркской письменности Мон-

голии и Киргизии. М.—Л., 1959.

* Онгинский памятник. С. Е. М а л о в. Памятники древнетюрк-

ской письменности Монголии и Киргизии. М.—Л., 1959.

* Памятник хану Могиляну. С. Е. М а л о в. Памятники древне-

тюркской письменности Монголии и Киргизии. М.—JL, 1959.

* Памятник в честь Кюль-Тегина (малая надпись). С. Е. Малов.

Памятники древнетюркской письменности. Тексты и исследо- вания. М.—Л., 1951.

—Памятник в честь Кюль-Тегина (большая надпись). С. Е. Ма- л о в. Памятники древнетюркской письменности. Тексты и ис- следования. М.—Л., 1951.

—Памятник в честь Тоньюкука. С. Е. М а л о в. Памятники древ- нетюркской письменности. Тексты и исследования. М.—Л., 1951.

* Гадательная книжка. С. Е. М а л о в. Памятники древнетюрк-

ской письменности. Тексты и исследования. М.—Л., 1951.

* Хуастуанифт. С. Е. М а л о в. Памятники древнетюркской

письменности. Тексты и исследования. М.—Л., 1951.

* Суварна („Золотой блеск“). С. Е. М а л о в. Памятники древне-

тюркской письмеиности. Тексты и исследования. М.—Л., 1951.

* Поклонение волхвов. С. Е. М а л о в. Памятники древнетюркской

письменности. Тексты и исследования. М.—Л., 1951.

* Юридические документы. С. Е. М а л о в. Памятники древне-

тюркской письменности. Тексты и исследования. М.—Л., 1951.

* W. Bang und A. von Gabain. Tiirklsche Turfantexte

I, SPAW, Phil. hist. Kl. XV, Berlin, 1929.

W. Bang, und A. von Gabain. Tiirklsche Turfantexte II SPAW, Berlin, 1929.

* W. Bang und A. von Gabain. Tiirkische Turfantexte,

1. SPAW, Berlin, 1930.

* Bang und A. von Gabain. Tiirkische Turfantexte,

1. SPAW, Berlin, 1930.

* W. Bang und A. von Gabain. Analytischer Index zu den

fiinf ersten Stiickchen der Tiirkischen Turfan texte. SPAW, XVII-XX, Berlin, 1931.

TTVI — A. von Gabaln und Q. R. Rahmeti. Tiirkische Turfan- texte VI. Das Buddhistische sutra „Sakiz Jfikmak", SPAW, X, Berlin, 1934.

T T VIII — A. von Gabai n. Tiirkische Turfantexte VIII, Texte in Brahmischrift. ADAW, 1954.

T T IX—A. von Gabain. Tiirkische Turfan texte IX, Ein Hyranus an

den Vater Mani auf „Tocharisch” B mit altttirkischer Uber- setzung, DAWB, Berlin, 1958.

T T X —A. von G a b a i n. Tiirkische Turfan — Texte X, Das Avadana des Damons Atavaka, Bearbeitet von Tadeusz Kowalski, Ber­lin, 1959.

M E—W. Bang. Manichaeische Erzahler. Museon, t. XLIV. Louvain, 1931.

Ман., I — A. Le Coq. Tiirkische Manichaica aus Chotscho, I, APAW, Berlin, 1912.

Ман., II — A Le Coq. Tiirkische Manichaica aus Chotscho, II APAW Phil-hist. Kl. Nr 3,-Berlin, 1919..

Ман., Ill — A. Le Coq. Tiirkische Manichaica aus Chotscho, III, ARAW Phil. —hist. KL, Nr 2, Berlin, 1922.

A F — A. Gabain Alttiirkische Grammatik, Leipzig, 1950.

U Sp.—■ W. W. Radloff. Uigurische Sprachdenkmaler. L., 1928.

Zwei uig. Runeninschriften — G. J. Rams ted t. Zwei uigurische Runen- inschriften in der Nord Mongolei, JSFOu XXX, Helsingfors, 1913, pp. 1-63.

Сувр. — Suvarnaprabhasa (Сутра „Золотой блеск"). Текст уйгурской ре» дакции, изд. В. В. Радловым и С. Е. Маловым. ВіЫіо- theca Buddhica, XVII, вып. I — VIII, СПб., 1913-1917.

Тш — W. Radloff. Tisastvustik. Ein in turkischer Sprache bearbeitetes buddhistisches Sutra. Bibliotheca Buddhica, XII, СП6., 1913— 1917.

T C — W. B a n g v e R. R. A r a t. Tiirlii Cehennemler iizerine Uygurca parcalar. T M.

Уйг. Шт. — W. Bang und A. von Gabain. Ein Uigurisches Fragment fiber den Manicheischen Windgott, U J b, 1928.

K P — P. Pelliot. La version ouigoure de 1’histoire des princes Kalya- namkara et Papamkara. Leiden, 1914.

M Г — W. Bang. Manichaeische Hymnen. Museon, t. XXXVIII, Louvain, 1925.

U I —Mil ller F. W. K, Uigurica (i), APAW, Berlin, 1908.

U II —Mttller F. W. K. Uigurica II, APAW, Berlin, 1910.

U III — M U 11 e r F. W. K. Uigurica III, Uigurische Avadanabruchstficke (I—VIII), APAW, 1920, Phil. — hist. Kl. N Berlin, 1922.

U IV —Mfiiler F. W. K. Uigurica IV, SPAW, Phil.-hist. Kl. XXIV, Berlin, 1931.

JIT — W. Bang und G. R. R a c h m a t i. Lieder aus Alturfan. AM, 1933.

Орк. — Hfiseyin Namik Orkun. Prens Kalyanamkara ve Papamkara. Istan­bul, 1940.

ET Y — Hfiseyin Orkun. Eski tfirk yazitlari. Istanbul, .1941, cilt I, II, III, IV.

JI. — W. Bang und G. R. A r a t. Die Legende von Oghur Qaghan. Ber­lin, 1932.

M JI W. Bang. Manichaische Laienbeichtspiegel. Museon, 1923.

ИСГТЯ J, II — Исследования no сравнительной грамматике тюркских язы- ,Vi ков, часть первая, М., 1955; часть вторая, М., 1956.

APAW — Abhandlungen der К. Preuss. Akademie der Wissenschaften, Berlin.

JSFOu — Journal de la Societe Finno - Ougrienne, Helsinki.

KCsA — Korbsi Csoma - Archlvum, Budapest.

KSz— Keleti Szemle, Budapest.

MSFOu — Memoires de la Sociele Finno - Ougrienne, Helsinki.

NSoS — Mitteilungen des Seminars fiir orientalische Sprachen, Berlin.

R O —Rocznik Orientalistyczny, Krakow.

SBAW — Sitzungsberichte der Bayerischen Akademie der Wissenschaften, Berlin.

SPAW — Sitzungsberichte der Preu ssischen Akademie der Wissenschaften, Berlin.

STO — Studia Orientalia, Helsinki.

ZDMG = Zeitschrift der Deutschen Morgenldndischen Gesellschaft, Leipzig.

\* \*

\*

бошқ. — бошңирд тили

грек — грек тили

ж. — журнал

кар. — корейс тили

нғ. — ноғой тили

•санскр., скр. — санскрит тили

сб. — сборник

ср. — пер. — средне-персидский

.сўғд. — сўғд тили

тат. — татар тили

турк. — турк тили

туркм. — туркман тили

тўх. — тўхор ТИЛИ уйғ. — уйғур 1 или хак. — хакас тили хит. — хитой тили чув. — чуваш тили шор. —- шор тили яп. • япон тили ўзб. — ўзбек тили қозоқ — қозоқ тили ңум. — қумиқ тили қ. қалп. — қораңалпоқ тили NF — Neue Folge

СУЗ БОШИ

Маълумки, ўзбек миллий тили ӱз тараққиётида мураккаб процессларни кечирди. Узбек миллий тилининг тараққиёт қо- нунлари ва унинг бошқа тиллар билан бўлган алоқаси ва му- носабати ҳанузгача тўлиқ ва мукаммал ўрганилмаган.

Шуни алоҳида қайд қилиш керакки, бу проблемани илмий ҳал ңилишда эски обидалар тилини ўрганиш, шубҳасиз, катта аҳамият касб этади.

«Узбек тилининг тарихий морфологияси» деб номланган китоб уч ңисмдан иборат:

1. Эски обидалар тилининг морфологияси
2. XI—XIV аср ёдномалар тилининг морфологияси
3. XV—XIX аср ёдгӧрликлар тилининг морфологияси.

Бу иш — «Эски обидалар тилининг морфологияси» — тур-

кий тиллар учун муштарак бўлган қадимги обидалар тилини’ ёритишга бағишланади.

Ушбу ишнинг ёзилишида ўзларининг самимий маслаҳатла- ри ва дўстлик ёрдамларини аямаган барча ўртоқларга автор чин қалбдан миннатдорчилик изҳор этади.

КИРИШ

Узбек тилининг тарихий морфологиясини илмий асосда ўр- ганиш тилшуносликнинг актуал проблемаларидан саналади. СССР ФА корреспондент аъзоси Б. А. Серебренников жуда тўғри ңайд қилганидек, туркий тиллар тарихий морфология- сини яратишда, дастлаб бу тиллар учун энг қадимда мушта- рак бўлган муҳим хусусиятларни аниқлащ керак бўлади. Бу эса ҳар бир конкрет туркий тилнинг кейинги тараққиёт процес- сини тўғри ёритишда, уни чуқур илмий таҳлил қилишда катта аҳамият касб этади.

Айрим’ морфологик формаларнинг архитипларини аниқ- лашда, ңатор туркий тилларнинг морфологик қурилишининг такомиллашииїйни ўрганиш борасида энг қадимги обидалар тили жуда муҳим манба бўлиб ҳисобланади.

Одатда ңадимги текстлар дейилганда ўрхун-енисей обида- лар тили тушунилади. Ҳаңиқатан ҳам ўрхун-енисей текстлари тил тарихи учун жуда қимматлидир. (Мазкур текстларнинг топилиш, ўңилиш ва ўрганилиш тарихи совет турколог олим- лари С. Е. Малов, И. А. Батманов, В. М. Насилов, A. М. Шчер- бакларнинг асарларида тўла ёритилган).

Урхун-енисей текстлари билан бирга уйғур, турфон, ма- нихей ёдномалари ҳам беқиёс муҳим манбалардан саналади. Шуни айтиш керакки, мазкур текстларни баъзан қадимги уй- ғурларники деб баҳолайдилар. Бизнингча, масалага бундай караш етарли асосга эга эмас.

Уйғур, манихей, турфон текстларини уйғурларники деб қа- раш мазкур текстларни чуңур ўрганмасликдан келиб чиқади. Аслида бу текстлар Урта Осиёдаги туркий халқларнинг ҳам умумий мулки деб баҳоланиши керак.

Юқорида қайд қилинган барча текстларнинг ҳар бири ўзига хос хусусиятларга эга бўлсада, улар орасида тил жиҳат- дан ўхшашлик ва яңинлик ҳам мавжуддирки, бу нарса ўз вақтида Альберт Лякок, П. Пелльо, В. Банг, А. Габэн каби олимларнинг диққатини жалб этган эди.

Бу ишда ңуйидаги обидаларнинг морфологик ңурилиши ўрганилди:

С. Е. М а л о в, Памятники древнетюркской пиоьменности, М.— Л., 1951;

Енисейская письменность тюрков, М.—Л., 1952; Памятники древнетюркской письменности Монголии и Киргизии, М.—Л., 1959; Таласские эпиграфические памятники, Материалы Уз- комстариса, 7; Два уйгурских документа, Сборник статей В. В. Бартольда, Ташкент, 1927; Древнетурецкие надгробия с надгшсями бассейна р. Талас, «Известия АН СССР», Отдел гу- манитарных наук, 1929.

П. М. Мелиоранский, Памятник в честь Кюль-Тегина, ЗВО, т. XII, вып. II—III, СПб., 1899; Документ уйгурекого письма Султана Омаршейха, ЗВО, т. XVI, вьш. I, СГТб., 1904.

В. В. Раддов, Ярлыки Токтамыша и Темир-Кутлуга, ЗВО, т. III, СПб., 1888.

В. В. Р а д л о в, П. М. Мелиоранский, Древнетюркские памятники в Кошо-Цайдаме, Труды Орханской экспедиции, вып. IV, СПб.\*‘ 1897.

И. А. Б а т м а н о в, 3. Б. A р a г а ч и, Г. Ф. Б а б у ш к и н. Современная и древняя Енисеика, Фрунзе, 1962.

И. А. Б а т м а н о в, Язык енисейских памятников древнетюркской письмен- ности, Фрунзе, 1959.

Ф Э Н И з-я-Ш э н (ҚНР) и Э. Т е н и ш е в, Три новых унгурских документа из Турфана, «Проблемы востоковедения», I960,- № 5.

Иштван Эрдейи, Новая руническая надпись из Венгрии, «Эпиграфика Всстока», XII.

3. Б. A р a г а ч и, Памятник с Элеиста, Ученые записки Тувинского научно- исследовательского института языка, литературы и истории, вып. IX.

A. М. Щер б ак, Новая руническая надпись на камне, Ученые записки Ту- винского научно-исследовательского института языка, литера- туры и истории, вып. IX; Знаки на керамике из Саркела, «Эпиграфика Востока», XII.

Э. P. Р ы г д ы л о н, О знаках на плитах с руническими надписями, «Эпи- графика Востока», IX; К древнетюркским рунам Прибайкалья, «Эпиграфика Востока», VIII. «Эпиграфика Востока» (IV, V, XI, XII) журналида A. Н. Бернштам, Э. Р. Ригдилон,

Ю. Л. A р а н ч и н, Э. P. Т е н и ш е в л а р руник обидаларидан

айрим текстларни келтиришган.

W. Radi off. Uigurische Sprachdenkmaler, L., 1928

W. Radloff una S Mai of. Suvarnaprabhasa. Bibliotheca Buddhica.

XVII, вып. 1 — XVIII, СП6., 1913—1917.

A. von Qabain. Alttiirkische Grammatik, Leipzig, 1950.

1. W. K Muller. Uigurica -1—IV. ABAW 1908; ABAW 1010; ABAW

1922; ABA W 1931. \*

A. von G a b a i n. Tlirkische Turfan — Texte VIII—X; ABAW 1954; ABAW 1958; ABAW 1959.

A. V. Le Coq. Tiirkische Manichaica aus Chotscho I—III, ABAW, Berlin,

I 1922; II 1919; III 1922.

W. Bang und A. von G a b a i n. Tiirklsche Turfan —Texte I—VII, 1929— 1936.

W. Bang und A. von Gabain. Analytischer Jndex zu den ffinf ersten Stiicken der Tfirkische Turfan — Texte SPAW, Berlin, 1931.

W. Bang und A. von Gabain. Ein uigurisches Fragment fiber den Manicheischen Windgott, uj, Bd. VIILh. 3—4, Berlin 1928..

W. Bang, Manichaeische Hymnen. Museon, t. XXXVIII, Louvain, 1925.

1. R. Rachmatl. Zur Heilkunde der Uiguren, SPAW, Phil — hist — Kl., XXIV, Berlin, 1930.

W. Radloff. Tiuastvustik-. Ein in tfirkischer Sprache bearbeitetes bud- dhistisches Sutra. Bibliotheca Bouddhica, XII, СП6., 1910.

1. J. Ramistedt. Zwei uigurische Runeninscriften in der Nord Mongo- lei, JSFOU, XXX.

W. Bang ve R. R. Aral. Tfirlfi Cehenemler fizerine Uygurca Parcalar.

Vilh. Thomsen. Dechiffrement des inscriptions de l’Orkhon et de TLehissei. Copenhague, 1894.

W. Radloff. Die Alttfirkischen Inschriften der Mongolei; 1—3, СП6., 1895;

Neue Foige, СП6., 1897.

¥. Thomsen. Turcica. Helsingfors, 1916 кабилар.

Китобда фойдаланилган обидалар ҳақидаги тўла маълу- мот „Библиография“да келтирилган.

Юқорида кўрсатилган обидаларнинг тил хусусиятларини ўрганишга бағишланган илмий ишларни уч группага бўлиш мумкин:

1. Кўпчилик тадқщотчилар эски текстларни нашр қил- ганда баъзи грамматик формаларни изоҳлаб ҳам берганлар: В. В. Радлов, П. М. Мелиоранский, С. Е. Малов, И. А. Бат- манов, A. М. Шчербак, Э. Р. Тенишев, В. Томсен, Ю. Не- мет, В. Котвич, Т. Ковальский, А. Лекок, В. Банг, А. Га- бэн, Р. Арат, М. Рясянен, Г. И. Рамстедт, X. Н. Оркун ва бошқалар.
2. Баъзи тадқиқотчилар мазкур текст тилининг грамматик характеристикасини берадилар: И. А. Батманов, Язык енисейских памятников древнетюркской письменности, Фрун- зе, 1959; И. А. Батманов, 3. Б. Арагачи, Г. Ф. Б а- б у ш к и н, Современная и древняя Енисеика, Фрунзе, 1962; В. М. Насилов, Язык орхоно-енисейских памятников, М., 1960.

Юңорида келтирилган ёдномаларнинг баъзилари Ӓ. М. Шчербак асарида ҳам кўрилган („Грамматический очерк языка тюркских текстов X—XIII вві из Восточного Туркестана“, М. — Л., 1961). Чет давлатларда чиңқан ишлар- дан проф. А. Габэн асарлари диқңатга сазовор „AlttOrkische Grammatik”, 2. verbesserte Auglage, Leipzig, 1950. A. von Gabain, Alttflrkische. Philologiae turcicae fundamenta. Jussu et auctoritate Unions Universae Studiosorum rerum orientalium, ediderunt J. Deny, K. Gronbech, H. Schell, Zeki Velidi Togan. 1, 1959, Wiesbaden.

Бу ишларда жуда бой фактик материал билан бирга, ил- мий-назарий жиҳатдан ңимматли фикрлар ҳам баён ңилинган\_

1. Баъзи бир тадқиңотчиларнинг ишлари эса, ңадимгд текстларнинг айрим морфологик, синтактик, фонетик маса- лаларига бағишланган: A. Н. Кононов, A. М. Шчербак,.

А. Исломов, Г. Айдаров, Д. Насилов, В. Г. Конд- ратьев, А. Габэн, А. Темир ва бошңалар.

Биз ўз ишимизда бу олимларнинг. қимматли илмий тад- ңиқотлари натижаларидан фойдаландик.

Ишимизда ёдгорликлардан олинган кўпгина мисоллар ҳо- зирги замон ўзбек тилига таржима ңилиб берилди, айрим ҳоллардагина таржима қилинмади. Техник сабабларга кўрд ң кўпинча н, ѳ базан ӧ, у-ӱ билан берилган ва ёдномалар- дан олинган мисоллар анча соддалашган транскрипдияда келтирилган.

от

Отлар гуруҳини ташкил ңилган сўзлар семантик нуқтаи назардан турли-туман бўлиб, грамматик жиҳатдан сўз ясовчи аффикслар, эгалик, сон, келишик ңўшимчалари билан ха- рактерланади.

Ёдгорликлардаги от туркумига кирувчи барча сўзларни икки группага, яъни атоңли ва турдош отларга ажратиш мумкин.

Булардан турдош отлар мазкур баҳснинг асосини таш- кил этади. Атоқли отлар эса нисбатан кичик бир гу.руҳни ўз ичига олади. Масалан: одамларнинг шахсий номлари [Култигин, Қапаған, Тонуңуқ, Чур, Йағлацар цан атпа, дл Туған Тутпуқ, Тәнси, Хиродас цан, Қутаи, ^рклаг қан, М(а)ғарадіі, Қолудьі Бинтун, Толу қара, Мысыр Улуғ, 9нч цара, Қол қара, Қудлуғ Тәмӱр], географик номлар[[1]](#footnote-1) [.Кӧгмән, Тднар қапығ, Шантун йазы, Амры, Аны, Бай- ырцу, Бәнлигәк, Бидилҳым, Қочу, Тоғу\, киши, ҳайвон. лаңаблари [Азман ақ 'от лақаби', Ӱгсиз 'от лаңаби'), аст- рономик номлар (Утарид 'Меркурий') каби.

Отлар ran структурасида эга, кесим, тўлдирувчи, аниң- ловчи каби функдияларда келади.

Отлар гапда бирлик ёки кўпликда, у ёки бу келишик,. ё эгалик аффикси билан қўлланади.

КЎПЛИК КАТЕГОРИЯСИ

Отлар сон жиҳатдан бирлик ва кўпликка бўлинади. Бир- лик маъносини ифодалашда махсус кўрсаткич иштирод этмайди.

Отларда кўплик маъноси морфологик, синтактик, лексик йўл билан ифода этилади. Ёдгорликларда отларнинг кўплик шакли асосан -лар, -лзрдир[[2]](#footnote-2).

Саноқли ўринлардагина кўплик аффикси -ла, -лә кўри- нишига эга: йерләтэ йатмыш кәрәк ’ерларда ётиши керак’ <ТТ VIII, 58).

Баъзан -лар аффикси эгалик қўшимчасидан сўнг келади: тәнримлэрим ’тангриларим’ (Сувр., 155).

-лар, -ләр бир қатор маънолар билан ңўлланади: Эркалаш маъносида (Pluralis honoriflcus): тӧрт бин ат- ларым йилцым 'тўрт минг отим, йилңим' (ЕнПТ., 183); тайларым 'тойларим' (ЕнПТ., 74); әмрәк ӧкӱкләрим 'се- вимли болаларим' (Сувр., 622); оғланларым 'ўғлоним' (ПВ., 134); дй әдгуләрим, тәнримләрим 'эзгуларим, танг- .риларим' (Сувр., 155) каби.

Маънони кучайтириш учун: кӧрклә оғлағу кӧзләри, 'гў- зал кўзлари' (ТТХ, 449); кинари, гнтрвита улаты тнри- ләр ырын ойунын ырлайӱ бўӧийу айаларын қавшуруп ырацтын тнры бурханығ ӧгә йыва турдылар 'Кимнари Гандарви ва бошқа тангрилар куй, ўйин қилиб, оёқларини қовуштириб узоқдан тангри Бурхонни мақтадилар' (ТТХ, 143-147); ңиёсланг: айасын цавшур (ТТХ, 262); Ѳз әтѳзләри 'ўз вужуди' (TTVI11, 69); ики әмигләри 'икки эмиги' (ТТХ, 4:46)-, кимләр 'кимдир' (TIII, 69).

Гиперболик-кучайтириш маъносида: оз ӧз кӧнулләра

'ўз юраги7 (Сувр., 609); цунчуйларнын йӱрәкләри 'бекалар- нинг юраги' (ТТХ, 12) каби.

Тахмин маъносида: ңырц йыллар '40 йилча' (ЕнПТ., 81).

Бирор нарсанинг кўплиги, ортиқлигини кўрсатади: тоз топрацлар 'тўзон' (TTVI1I, 9); ананчлар 'ишончлар' (Сувр., 625); тсанлары ағылыцлары 'бойлик ва дон омбо- ри7 (Сувр., 607).

Киши ёки предметнинг бирдан ортиқлигини билдиради: бәгләри 'беклари7 (Тон.); бурқанлар 'бурхонлар' (Хуаст., 118); әрлэр 'ботирлар7 (ЕнПТ., 26); йәкләр 'руҳлар7 (Сувр., 154); тапығчылар 'хизматчилар' (Сувр., 620); сӧзләр 'сўзлар' (Юр., XIII, 210); сӧнўкләр 'суяклар' (Сувр., 618).

Кўплик аффикси кўпинча уюшиқ бўлак составидаги сўз- ларнинг ҳар бирига қўшилиб келади: йэкләр ичкәклэр 'ар- воҳлар' (ТТХ, 328); ӧгузлэр тоғлар 'дарё ва тоғлар' (Сувр., 618); цуртлар қонузлар 'қурт-ңўнғизлар' (Сувр.,614) каби.

Баъзан уюшиқ бўлакнинг биринчи сўзига ңўшилиб, маъноси бошқа сўзларга ҳам тегишли бўлади: бристиләр ғратағ пдвахтаг 'бристаглар, храстаглар ва падвахтаглар' (Хуаст., 119); тӧрт атларым йылцым 'тўрт отим, йилңим' (ЕнПТ., 83) каби.

Айрим ўринда анщловчи бўлиб келган сифатга ңўши- лади: ацлар булут 'оқ булутлар7 (ЛТ., 5); ңаралар булут 'қора булутлар' (JIT., I).

Кўплик аффикси -лар, -лэр эски руник ёдномаларида феълларга ңўшилиб келмайди. Феъллар билан -лар, -ләр аффиксининг келиши (эга билан кесимнинг сонда мосла- шуви) сўнгги давр тилида, чунончи, турфон, манихей, уй- ғур текстларида мавжуд: дындарлар инчд кигинч бирдиләр 'диндорлар шундай жавоб бердилар7 (TTII, 2); тынлығлар бардьілар 'жониворлар келдилар' (ТТХ, 12); бәглэр ынанч- лар ӧгләнтурдиләр 'беклар ишончли одамларни ўзига кел- тирдилар' (Сувр., 625) каби.

Текшираётган давр ёдгорликларида кўплик, жамлик маъ- носида -(э)н, -(а)н, -тг аффикслари ҳам қўлланади. Булар- нинг истеъмол доираси жуда тор бўлган: әрэн 'эр' (КТб., Гкн., U III); әрән. цырқын 'эр ва ңизлар' (U III, 45); оғлан 'ўғил', ӧртән 'оташ' (АГ., 61) каби.

-т аффиксини қуйидаги сўзларда учратдик: тарқат 'рутба' (КТм., 28, тарцан); алпаут 'ботир(лар)' (U III, 65); қиёсланг: алпағу 'рутба' (КТб., М)-,тигшп (тигин); шада- пыт 'рутба, титул' (КТм., 28); урунуш 'аскар' (Сувр., 401); урунғу 'кураш, уруш'; байағут 'бок' (U II, 36, 37); байағу 'бойлик'; таиіғут 'шеър' (Ман., II, 7; 2; ңиёсланг: тағшур 'шеър ўқимоң') цыйыт /қийинчилик' (Сувр., 51), ңьійын 'азоб'; сӱт (сӱн) 'сут' каби.

-т билан келган айрим сўзлар шу давр тилида бирлик маъно- сини англатади: тигитләр, тигинләр (Сувр.,414,608, 609, 416).

Кўплик маъноси бошқа усуллар билан ҳам берилади (феъл баҳсига қаранг).

Иккинчи усулда сўзнинг ўзак-негизи орқали ифодалан- ган маъно жамлик, кўпликни кўрсатади: будун ’халң1, сӱ ңўшин, цаврағ ’тўда’, эл ’эл’, биз, сиз каби.

Булар ңаторига кӧз, кӧгуз, муйуз, икиз, тиз, мӱнӱз ка- би сўзлар ҳам киради.

Шуларда ва шунга ўхшаган сўзларда -з аффикси жуфт ёки кўплик маъно англатувчи ңўшимча сифатида ңаралади4.

Синтактик йўл билан кўплик маъноси отнинг сон ёки миңдор билдирувчи сўз билан бирикиши натижасида ҳосил бўлади: ўч әчим 7уч акам' (ЕнПТ., 61); йўз тиләким 7юз тилагим' (ТТ VIII, 53);

Сўзларнинг такрорланиши натижасида: муняа муняа

укўп', ӧкўиі ӧкўш 'жуда кўп'; әрўиі ӧкўш браман 'жуда кўп брахманлар' (U II, III, 16); ѳлгусуз ѳкуиі 'сон-саноқсиз' (U III, 12—15).

Эгалик категорияси

Бир предметнинг маълум шахсга ёки предметга қарашли эканлигини ифодалаш уч йўл билан берилади: морфологик, синтактик, морфологик-синтактик.

Морфологик усул махсус эгалик аффикслари билан ифо- даланади. Булар ңуйидагилар:

Бирлик

1. шахс -м, -ым, *-*им*, -*ум, -умъ, (-ам, -эм)
2. шахс -ң, -ың, -аң, -уң, -ўң, (-аң, -эң)
3. шахс -сы, -си, -зы, -зи, -ы, ( н), -и, (-н).

Кўплик

1. шахс -мыз, -миз, *■*муз*,* -мӱз, -ымыз, *-*имиз, -умуз,

-ўмўз, (-амаз, -әмәз)

1. шахс -ңыз, -ңиз, -ыңыз, -иңиз, -уңуз, -ўнўз (-an­

as, -әнәз)

1. шахс -сы, *-*са, -зы, -зи, -сылар, -салар, -зылар,

-залэр, -ьілар, -иләр.

Мисоллар: алтмыиі йаиіымда 'олтмиш ёшимда'

(РліПТ., II); сӱси 'аскари' (КТб., 32); Илтәреш цаған би- лиг осин. ӱяӱн, алпын ӱяӱн Табғаща йэти йәгирми сӱ- кўшди 'Элтереш хоңон билими, баҳодирлиги учун Табғочқа 17 марта ңўшин тортди'. (Тон., 64); кӧнўлўм 'кўнглим' (ТТ II, 41); әдин таварын 'мол-мулкинг' (ТТ I, 9).

Эгалик аффиксларининг -ам, -эм, -амаз, -аң, -амыз каби вариантлари жуда кам ңўлланилади: ңанамаз 'отамиз' (Ман., I, 10); адашамыз 'адашимиз' (U IV, 19); цылмыиіа- маз 'қилганимиз' (U IV, 112); сачьімаз 'сочимиз' (U III, 55); айған 'сўзинг7 (Ман., III, 23) каби.

Шуни ҳам айтиш керакки, -ым, -ам, -ум, -ўм, -уң, -ўң, -умуз, -ўліўз, -ымыз, -имиз каби вариантларнинг ңўлланилишида муайян мунтазамлик сақланмайди. Ҳатто бир сўзнинг ўзида ҳар хил вариантлар келади: ӧзўм ■'ўзим' (ПМК., 34; ТТ X); ӧзим (МН., 19; КТм).

Баъзи туркологларнинг фикрича, эгалик аффикслари ки- шилик олмошларидан келиб чиққан. Кишилик олмошлари- ;нинг (мән, сән, ол, баз, сиз) эгалик аффиксларига айла-

s Н. К. Д м и т р и е в, Категория принадлежности, ИСГТЯ, II т. М., 1956, стр. 22-27; Э. В. Севорт.ян, Категория принадлежности, ИСТГЯ, II т. М., 1956, стр. 38—44; Г. И. Р а м с т е д т, Введение в алтайское язы- кознание, Морфология, М., 1957, § 38; В. Котвич, Исследование по алтайским языкам, М., 1962; W. Radloff Die Alttiirkische Inschriften der Mongolei, Neue Folge, Спб, 1897, S. 73—74 O. Bohtlingk, Uber die Sprache der Jakuten, SPb., 1851; W. Kotwicz. Les pronoms dans les lan- gues -altaiques, Krakow, 1936, S. 10. 87, ниш процессида I шахс олмошидаи (-мән) -ән, II шахс олмошидан (сән) -сэ элементи тушиб ңолган деб изоҳ бе- рилади. Бу фикрга қўшшшш қийин.

Чунки нима сабабдан биринчи шахс олмошидан -эн эле- менти, яъни сўнгги бўғин, иккинчи шахс олмошидан би- ринчи элемент -сә тушиб ңолган ва н бурун товушига' айланган деган саволга қониқарли жавоб берилмайди. Шу- нинг учун юқоридаги фикр ҳақиңатдан узоқдек туюлади,

Бизнингча, эгалик аффикслари асосида киіпилик олмоши эмас, бошқа бир элемент бор. Бу элемент қаратқич кели- шиги аффикси билан ҳам боғлиң бўлса керак. Қиёслангг I ш.-м. II ш.-ң-, I ш. к. -м-\-з, II ш. к. -ң + з, демак, эга- лик асосан м ва ң бўлиб, булар тарихан бир манбадан пайдо бўлган қадимги сўз ясовчи -ң, -ғ, -к, -м аф-

фикслар билан ҳам боғлиқ бўлса керак.

III шахс эгалик аффиксини баъзи олимлар III шахс ол- мошига, баъзилар эса, -сын\\син элементига боғлайдилар'3.

Синтактик йўл. Бунда қаратқич келишигидаги от эга- ликни, унга мансуб бўлган предмет эгалик аффиксисиз

келиб, ңаралмишни ифодалайди: мәнин әр 'менинг ботир- ларим' (ПМК., 36); бәгин от 'бекнинг оти7 (КТб., 31); қара тәмирнин борлуң 'Қора темирнинг узумзори' (Юр., XIII, 210); ол йдкнин йумыіичы 'у руҳнинг хизматчиси' (Сувр., 156) каби.

Морфологик-синтактик йўл. Бундаэгаликнинг икки усули қайтарилади, яъни биринчи марта ңаратқич келишиги билан, иккинчи марта эса эгалик аффикси билан берилади: мәнин будуним 'менинг халқим' (МН., 17); анын савы 'унйнг cy­an' (Хуаст., 117); сәнан савын 'сенинг сўзинг' (U III, 10);

бизин кылытымыз 'бизнинг ңилмишларимиз' (ТТ IV, 37);

бизин әмгәкимиз 'бизнинг ңийинчилигимиз' (ТТХ, 68); са- зин илиниздә 'сизнинг элингизда' (ТТ II, 17) каби, >

Абстракт эгалик маъноси ңаратңич келишиги билан ву- жудга келади: биз сизин 'бяз сизники' (ТТ III, 8); сизин мэн 'мен сизники' (Ман., III, 24); мәнинлэр ол 'меники' (U III, 27).

Ёдномаларда асосан биринчи ва учинчи усул билан эга- ликни ифодалаш кенг ңўлланилган. Бошқалари эса жуда кам ўринда учрайди.

Отлар гапда бирор келишикда келиб, бошқа сўзлар би- лан турли муносабатда бўлади. Бу муносабатнинг шаклла- ниш тарихи жуда узоң ўтмишга эга.

Қадимги ёдномалардаги келишиклар баҳсини текширган олимлар обидалар тилида мавжуд бўлган келишиклар со- нини турлича кўрсатадилар: В. В. Радлов қадимги туркий ёдгорликлардаги келишикларни 8 тага бўлади: Indefinitus, Genitiv, Dativ, Accusativ, Instrumental, Locative (Ablativ), Quantitativ, Directiv[[3]](#footnote-3).

И. A. Батманов қадимги енисей ва бошқа текстларнинг келишиклари ҳаңида ёзар экан, унда 6 та келишик мавжуд- лигини қайд ңилади: именительный (основной), родительный, винительный, дательно-направительный и инструментальный, местный.[[4]](#footnote-4) В. М. Насилов ўрхун-енисей ёдномаларидаги ке- лишикларни 7 тага бўлади: основной (прямой), винительный, инструментальный (творительный), дательный, направитель- ный, местно-исходный[[5]](#footnote-5). Келишикларни бундай бўлиш А. Ис- ломовнинг эски ёдномалар тилининг келишиклар системасига бағишланган асарида ҳам учрайди[[6]](#footnote-6).

Баъзан бу келишиклар грамматик (бош, ңаратңич, ту- шум, восита) ва пайт-макон (жўналиш, ўрин-пайт, чиқиш) келишикларига ажратилади.

Ёдномаларни текшириш натижасида келишикларни грам- матик ва пайт- макон группаларига бўлиш ўринсиз топилди, чунки ңадимги ёдномаларда улар маъно ва функдияси жи- ^атидан бири иккинчиси ўрнида кенг ңўлланган. Эски оби- далар тилида ҳар бир келишик ўзининіг асосий функциясида ишлатилганда эди, у вақтда юқоридаги классификациядан фойдаланиш мумкин бўлур эди. Қадимги ёдгорликларіти- лида қуйидаги келишиклар мавжуд:

1. Бош келишик (махсус кўрсаткичга эга эмас).
2. Қаратқич келишиги -ның, -ниң, -нуң, -нўң, -наң,

~тң, -ЫҢ, -иң, -уң, -ӱң.

1. Тушум келишиги -ғ, -г, -ығ, -иг, -уғ, -ӱг, -ағ, -әг,

-ы, -■«, -н, -ны, -ни.

1. Восита келишиги -н, -ын, -ин, -ун, -ӱн, -ан, -ән.
2. Жўналиш келишиги -ғару, -гәрў, -қару, -кдрў, -ғар,

-гәр, -ру, -рў, -ра, -рә, -қа, -кә, -ға, -гэ, -а, -э.

: 6. Ўрин-пайт келишиги -да, -дэ, -та, -тә.

7. Чиқиш келишиги -дан, -дэн, -дын, -дин, -дун, -дўн, -тан, -тән, -тын, -тин, -тун, -тўн.

Келишиклар аффикси ўзак ёки негизга привативлик, сои, эгалик аффиксларидан сўнг қўшилиб келади. Бир ўзакка икки келишик аффикси ңўшилиб келиши ҳам учрайди: мун- тада /бунда/ (U III, 69; Ман., III 25); бизинә 'бизга' (КТб., Сувр.) бизинтэ 'бизда' (Тон., Ман., 33); бизнидә 'бизда' (Сувр,, 611); антада 'унда', ўша ерда' (Хуаст., 118; Usp., 14, Ман., II); сэнтадэ 'сенда' (U IV, 36); тантақа 'эртага' (Usp.. 13) каби.

Ёдномаларда қаратңич келишигидан сўнг жўналиш, ўрин- пайт, чиқиш каби келишикларнинг қўлланиши кўп мисол- ларда учрайди. Қадимги текстларда ўрин пайт, жўналиш (асосан- ра кўрсаткичидан сўнг) келишикларидан сўнг -ги, -ғы, -ңы, -ки аффиксларининг келиши мумкин:

Келкшик аффиксларининг айрим маънолари кўмакчи сўзлар орқали ҳам ифодаланади (бу ҳаңда кўмакчилар баҳ- сига ңаранг).

Келишик аффиксларини қабул қилган бир талай сўзлар ваңт ўтиши билан равишлашиб (адвербиализация) кетган.

Отдан бошқа сўзларнинг олмош, от маъносига кўчган (отлашган) келишиклар билан турланиши кенг тарқӓлган ҳодисадир (келишикларнинг бу ҳолатда ўзига хос маъно ва функцияларга эга эканлиги ҳақида тегишли ўринда ёри- тамиз.)

БОЩ КЕЛИШИК

Бош келишикдаги сўз шахс, предмет ва ҳодйсаларнинг номини кўрсатиб, бошқа келишиклар унга ңўшилиб келади.

Бош келишикнинг махсус кўрсаткичи бўлмай[[7]](#footnote-7), ran структурасида бир кўп маъно ва функцияларга эга. Бу маъно ва функциялар айниқса эски руник обидалари тилида мавжуд бўлиб, ёдномаларда бош келишик бошңа келишикларнинг деярли ҳамма функциясини бажариб келади. Бу ҳол эски ёдномаларда келишиклар системасининг маъно ва функция- лари ҳали тўла шаклланиб етмаганлиги, феълларнинг бош-. қариш функдиялари ҳали бирмунча тугалланмаганлиги, ran егруктураси, сўз тартиби ва уларнинг тузилиши каби ҳо- латлар билан изоҳланади.

Бош келишикдаги сўзлар ёдномаларда эга вазифасида қўлланади. Унинг бу функцияси энг кенг тарқалган функ- ция саналади. ол am анта ӧлтіі 'у от ўша жойда ўлди' (КТб., 31); Табғач қаған йағымыз эрти 'Табғоч хоқон душ- манимиз эди' (Тон., 62); бурқанлар кәлмши 'бурхонлар келди' (ТТ VI, 06); ол ймә барти 'у ҳам борди' (ТТ VIII, 13); каби.

Эски ёдномалар учун шу нарса характерлики, эга вази- фасида кўпйнча жонли предметлар ңўлланади. Масалан: Тўнюқуқ ёдномасидаги 122 гапнинг фақат 11 тасида эга ва- зифасида жонсиз предмет келади[[8]](#footnote-8). Жонли предметнинг эга вазифасида кўп келиши Култегин ёдномасида ҳам қайд қи- линади. Юқоридаги ёдгорликларда жонли предметнинг бун- чалик кўп ңўлланиши ёдномаларкинг мазмуни билан изоҳ- ланади. Руник ёдномаларда эга вазифасида кишилик олмош- ларининг келиши жуда сийрак учрайди. Кишилик олмоши- нинг қўлланиши иш-ҳаракатнинг бажарилишида субъектнинг ҳаракатини алоҳида ңайд қилиш таңозоси билан боғлиқ.

А. Исломовнинг кузатишича, 144 шахсли гапнинг фақат 18 тасида эга кишилик олмошлари билан ифодаланган. Руник обидалар тилида иш-ҳаракатни бажарувчи субъект- нинг ҳаракати ӧз, ӧзӱм олмоши билан алоҳида кучайти- рилади.

Бош келишикдаги сўз гапда қўшма кесим составида унинг от ңисми вазифасида ңўлланади. Қўшма кесим әр 'эмоң', бол 'бўлмоқ' феъллари ёрдамида ифодаланади: ӧзӱм іиад әртим "ўзим шод эдим7 (КТб., 30); аз будун йағы болты 'аз халқи душман бўлди' (КТб., 32); отлы сувлы

тэг тўтўшлўг болурлар 'ўт ва сувдек бир-бирига қарши бўладилар' (ТТ VI, 64—5).

Предикатив аффикслар билан кесим бўлиб келади: ол барча йэкләрнин қылынчы ол 'у барча руҳларнинг иши- дир' (ТТ VI, 66-7).

Бош келишик ңаратңич келишиги функциясида. Бунда бош келишикдаги от изофанинг биринчи компоненти бўлиб; келади. Изофали конструкдияда ңатнашган ңаралмиш эгалик аффикси ёки эгалик аффиксисиз келиши мумкин. Эгалик аф- фиксини олмай келган изофали бирикма келиб чиқиши жи- ҳатидан энг қадимийдир.

Бунинг сўнгги тараққиёти натижасида изофали бирикма- даги кейинги компонент (қаралмиши) эгалик аффикси билан ңўллана бошлаган.

Эски ёдномалар тилида иккала ҳолатнинг қўлланишини учратамиз: тоцуз оғуз будун 'тўңңиз ўғуз халқи' (Тон.,61); турк будун 'турк халқи' (Тон., 61); изгил будун 'изгил халқи' (КТб., 32); турк бғуз бәгләри будун 'турк ва ўғуз беклари, халқи' (КТб., 30); қырқыз будуны 'ңирғиз халңи' (Тон., 63).

Изофали бирикмадаги бош сўзда ңаратқич келишиги- нинг қўлланилиши тил тараққиётининг сўнгги даврига таал- луңлидир.

Бош келишик тушум келишиги функциясида. Бундай вақтда бош келишикдаги сўз объектни билдиради: Табғач^ цанта бәдизчи кәлӱртӱм 'Табғоч хондан наңқош келтир- дим' (КТм., 28); ӱч отуз балыц сыды 'йигирма уч шаҳарни йўң ңилди' (Тон., 62); Бәнгӱ таш тоцытдым 'мангу тош тикдим' (КТм., 28); босӱш кӧнӱл ңотғыл 'ңайғули кўнгил- ни ңўйгил' (ТТ I, II); Тэтрў сацынч тарцарғил 'ёмон ха- ёлни қўйғил' (ТТ, II); ӧз ӧдўнўз биртиниз 'ўз маслаҳатин- гизни бердингиз' (ТТ III, 101) каби.

Бош келишик восита келишиги функциясида. Бу ҳолат руник ёдномаларида кўп учрайди: эки ўч бин сўмўз кәлти- гимиз 'икки-уч минг аскар билан кетишимиз (керак)' (Тон.,62); сў барын тида 'қўшин билан бор деди' (Тон., 63); оғуз- ғару сў таиіыкдымыз 'ўғуз томон қўшин билан чиқдик' (КТб., 33); сў сўләпән 'аскар билан чщиб' (КТб., 29); тил талашур 'тил билан талашади' (ТТ I, 10);

Бош келишик жўналиш келишиги функциясида. Сиз дындарлар йарльщасар 'сиз диндорларга буюрсангизА (ТТ II, 49).

Бош келишик ўрин-пайт келишиғи функциясида. Мағы Қурған цишлап йазына оғузғару сў ташыцдымыз 'Мағк- кўрғонда қишлаб, ёзда ўғузлар томон қўшин тортдик' (КТб., 33); *ўя әлиг йашым адырылдым* 'ңирң уч ёшимда айрилдим' (ЕнПТ., 43); *Ӧтӱкән йир олурып* 'Ўтикан ерда қолиб '(КТм., 28); *ӧкуиі тэлим ӧгрўт кӧнӱл тутғыл* 'жуда кўп шодлик, хурсандлик кўнгилда тутгин' (ТТ I, 11).

Бош келишик чиңиш келишиги функциясида. Қадашым адырылдым, ыйу қунда ңутуйым, сәкиз оғлым адырылдым ’дўстларимдан айрилдим, ңасрдаги канизакларимдан айрил- дим, саккизта ўғлимдан айрилдим' (ЕнПТ., 68); эдгӱ цада- шым адырылдым 'эзгу дўстларимдан айрилдим' (ЕнПТ.,36); йол азсар 'йўлдан адашса' (ТТ I, 18); ажун ажунта узун ӧдӱн тәгинўрләр 'ҳаётдан ҳаётга узун ваңт олиб борадилар' (U III, 4); кӧнўлтәки эдгўләри кўн кўнинә ӧнтих 'кўнгил- даги эзгу (ниятлари) кундан кунга ўсди' (ТТ III, 131).

Бош келишик изоҳловчи функциясида. Иним Кўлти- гин 'иним Култегин!' (КТб.)

Бош келишик ундалма (вокатив) функциясида. Тўрк бәгләр будун, буны әиіидин! 'Турк беклари, халңи буни эшитингГ (КТм., 28).

ҚАРАТҚИЧ КЕЛИШИГИ

Қаратқич келишиги қуйидаги аффикслар билан ифода- ланган: -ның, -наң, -нуң, -нўң, -наң, -нәң, -ың, -аң, -уң, -ўңп. Бу аффикслардан -ның, -нуң, -наң, -ьің, -уң, -уң шакллари ңаттиқ ўзакли сўзлар билан, -наң, -нўң, -нәң, -аң, -ўң юмшоқ ўзакли сўзлар билан келади. Маса- лан: цаннын, Байырқунун, бурханларнан, тадыцын. Чу- рьін, кимўн, йўлтўзнин, кәнтўнўн, кишинән, бизин.

Брахми ёзувли турфон текстларида -нѳң шакли ҳам уч- райди ӧгнӧн 'онанинг' (ТТ VIII, 30).

Бу аффиксларни ишлатишда маълум бир мунтазамлик, аффикс қўшилган сўз билан қатъий уйғунлашиш каби ҳо- лат бир ңоидага келмаган. Юңорида санаб ўтилган вариант- ларнинг қадимги ӧбидаларда ңўлланиши маълум бир сўз туркумига кирган сўзлар билан белгиланмайди, яъни сўнгги давр тилларида, масалан, „Қутадғу билик“ „Девону луғотит турк“ да қаратқич келишигининг -ың, -иң, -уң, -ӱң шакл- ларининг қўлланилиш доираси олмошлар билан чегараланган бўлиб, улар бошқа сўзлар билан ишлатилмаса[[9]](#footnote-9), ўрхун- енисей, уйғур, турфон, манихей ёдномаларида эса бундай чегараланиш кузатилмайди. Масалан: мәнин, бизин, бэгину әвин, бэгнин, бурханларнан, бурханларнин каби.

Қаратңич келишигининг руник обидалар тилида қўлланиш доираси тор бўлган, сўнгроң уйғур, манихей, турфон текст- ларида ва бошқа ёдгорликларда кенгайган. Унинг маъноси қаралмиш билан ифодаланган предметнинг маълум шахс, предметга тегишли, ңарашли эканлигини англатади: Билгэ цағанын будуны 'Билга хоқоннинг халңи' (Онг., П. 9); мәнин сӱм 'менинг аскарим' (ПМК., 37); мәнин сабым 'ме- нинг сўзим' (КТм., 28); Кўлтигинин алтунун кӱмӱшин 'Култегиннинг олтинини, кумушини' (КТб., 30); мәнин кў- чўм 'менинг кучим' (Сувр., 613); бу мәнин этӧзўм 'бу ме- нинг вужудим' (Сувр., 611); мәнин, саңынчым ’менинг фик- рим' (ТТ VIII, 28); мәнин, синлим 'менинг синглим' (ТТХ, 484); бурханларнан әрдиниси, 'бурханларнинг шеърлари' (U III, 30; 32-3); улуғларньш цылынчларығ цылтымыз 'улуғларнинг ишларини ңилдик' (ТТ IV, 2-3) каби.

Юңоридаги мисолларда қаратқич келишиги билан келган сўз ңаралмиш билан шахсда мослашади. Қаратңич келиши- гидаги сўз ўз ңаралмиши билан мослашмай келиши ҳам мумкин: әнин кииіії уйңинг кишиси' (Хуаст., 117); Сизин әр am' сизнинг эр отингиз' (ЕнПТ., 50); Қууш бақшьінун оц йир' Қууш бахшининг ери' (Юр. II, 206); Қул қара Қобузнын йир 'Қул қора Қўбузнинг ери' (Юр., II, 206); Хормузда тәнринин дидим тэг 'Ҳўрмузда тангрининг Ди- дим тек' (ТТ IX, 11); бодиствнынсўнўкләр 'бўдисатванинг суяклари' (Сувр., 625) каби.

Бутуннинг бўлагини — ңаратқич бутунни, ңаралмиш унинг бир қисмини, бўлагини англатади:

адығын қарны 'айиңнинг қорни' (Гкн., 80); тӧнўзўназы- ғы 'тўнғизнинг озиқ тиши' (Гкн. 80); бодиствньш ӧмгәни 'бўдисатванинг томоғи' (Сувр., 618); кишиләрнин бойунлары 'кишиларнинг бўйинлари' (Сувр., 156); бишикнин булуны 'бе- шикнинг бурчаги' (ПВ., 135).

Қаратңич келишиги турли муносабат ва алоңани бил- диради: тўрк будунын илин тӧрўсин тута бирмииі\ущ халңининг элини, давлатини қувватлади' (КТм., 2S); атава- ки йәкнин кӱвдтлиг тағы 'атаваки руҳнинг ңувончли тоғи' (ТТ X, 21); әрклиг қаннын бу йарлыцы 'эрклик хоннинг бу буйруғи' (Сувр., 156); хамағнын умуғьі ъшағы 'ҳамманинг ишончи, умиди' (ТТ X, 111); нәчә-нәчә киіии- ләрнан, сансыз сақышсыз ӧзлӱгӱг ӧлўрмәкләрин кӧртўм 'сон-саноңсиз кишиларнинг ўлганини кўрдим' (Сувр., 155).

Ңаратқич иелишигидаги сўз тўдадан ңисм, партитив маъноларини англатади: ол уч оғрыларнын бирин аз низ- вани оғрынта олурмиіи айығ кишилэр 'у уч ўғрилардан бирини аз низвани (бахиллик) юзасидан ёмон кишилар ўлдирдилар' (ТТ II, 16).

Қаратңич келишиги абстракт эгалик маъңосини англа- тади: ол мәнин, 'у меники' (ТТ X, 291); пьшығ әрсзр сэ- нин men 'агар пишган бўлса сеникй деб' (ТТ VIII, 12); ңа- йу мәнин әрдиләр эрсәр 'қайси бири меники бўлганда эди' (ТТ VIII, 29); бу нишан баз шәгўнин ол 'бу нишон икко- вимизникидур7 (Юр., XVI, 213); бу нииіан мән Иляинпн ол 'бу нишон мен элчиники' (Юр., XXVIII, 216); бу нишан мән Мәркиднин ол 'бу нишон мен Маркидники' (Юр., III, 210) каби.

Ңаратңич келишиги тушум келишиги функциясида ңўлланади: айығлы савыннын айлырты йоқ 'яхши ёмон сўзингнинг фарқи йўқ (ТТ I, Ю); ол айығ ңылытнун билмәз эртим 'у ёмон ишларни билмас эдим' (Сувр.1, 155) каби.

Қаратңич келишиги нисбат бериш, қиёслаш маъносида: бодиств тигиннин улуғьі 'бўдисатва тегиндан энг улуғи' (Сувр., 618); цаннинулуғы, 'хондан улуғи' (Сувр., 607); баш башнын ймә ананд 'бошлиқларнинг бошлиғи — Ананд' (TT.VIII, 12).

Ёдномаларда ңарашлилик муносабатини ифодалашнинг қаратңич келишигидан бошқа усуллари ҳам мавжуд.

Қаратңич билан қаралмиш ўртасидаги муносабат -лик, -лық, -лиг, -лӱг, -лығ, -луғ каби аффикслар орқали ифо- даланади. Бунда қаратңич келишигининг аффикси маъно ва функция жиҳатидан -лық -лығ шаклларига мос келади: цанлық суси 'хоннинғ аскари' (Гкн., 84); билиглиг шату 'билимнинг їиотиси' (ТТ III, 15); ӧтӱнмэклиг ӧрт 'ўтинч- нинг оташи' (U III, 51); әтӧзлӱг ағылыц 'вужуднинг хази- наси' (U III, 15); ишиг ӧзлӱг әрдани 'ҳаётнинг қимматба- ҳолиги, устунлиги' (U III, 11); амранмақлығ кӱч 'севгининг кучи' (ТТ VIII, 10); Бурхан эсанки — лығ йолта 'Бурхон эсанкининг йўлида' (ТТ X, 10) каби.

ТУШУМ КЕЛИШИГИ

Тушум келишиги ңуйидаги аффикслар орқали ифодалан- ган: -ғ, -г, -ығ, -иг, -уғ, -ўғ,-ағ,-эг, -ы, -и, -н, -ни,-ныхъ.

Ёдномалар тилида -ғ, -ығ, -уғ, -ағ (қаттиң унли ўзак- да), -г, -иг, ӱг, -әг (юмшоқ унли ўзакда) аффикслари ту- шум келишигининг бошқа аффиксларига нисбатан кенгроқ ңўлланган.

-ығ, -иг, -уғ, -ўг, -ағ, -эг шаклларининг қўлланишида маълум бир мунтазамлик сақланмайди.

Ҳатто бир ёдноманинг ўзида ҳам бу формаларнинг қўл- ланишида изчиллик саңланмайди: савығ 'сўзни '(ТТХ, 10 61) сйвағ 'сўзни' (ТТ X, 477, 466, 21); бурханағ 'бурхонни' (ТТХ, 333, 367); бурханьіғ 'бурхонни' (ТТ X, 147, 320/321); субуғ 'сўзни' (Тон., 63); сабығ 'сўзни' (Тон., 63); ца- рағуғ 'соқчиларни' (Тон., 64); йағығ 'душманни' (Тон., 64); номуғ 'китобни' (Хуаст., 117);ноліб/,ғ/китобни/ (Хуаст., 118); алтунуғ 'олтинни' (ТТ 1,9); номуғ 'китобни' (ТТ IX, 18) каби.

Бир ўринда тушум келишиги аффикси -ғ сўзнинг сўнгги 'бўғинидаги унлини ўзгартиради: сутруғ 'сутрани' (ТТ VIII, 30; санскритча: сутра).

Бу формалар отлардан олдин кўрсатиш, кишилик-кўрса- тиш олмошлари келганда ңўлланади: ол сабығ әиіидип 'ўша сўзни эшитиб' (Тон., 63); ол йылцығ алып 'ӱша йилңилар- ни олиб' (Мн., 18); ол сабығ алып 'ўша сўзларга қулоқ солиб' (КТм., 28); бу сабағ әшитип 'бу сўзни эшитиб' (U III, 10-7); бо қызығ мунда оқ титәйин бу ңизни шу ерда қолдирайин' (ТТХ, 543); бу мунча савьіғ ичиләринә сӧзләп 'акаларига бу сўзларни сўзлаб' (Сувр., 611); Мағы- лар ол ташны алып, 'Малилар ўша тошниолиб' (ПВ., 135) „кабилар.

Тушум келишигидаги сўз сон билан келганда: йитинч әриг цыличлады 'еттинчи эрни ңиличлади' (КТб., 32); әки зриг удыиіру 'икки эрни кетма-кет санчди' (КТб., 32); то- ңуз әрна санчды 'тўқңиз эрни санчди' (КТб., 33); он әриг блӱртимиз 'ўнта эрни ўлдирдик' (КТб., 33); ики йилтизиг ӱч ӧдки номуғ билтимиз /икки илдизни (асосни) у замон- ли китобни билдик' (Хуаст., 118); 5 ӱчмәкләриг '5 учишни' (ТТ VIII, 14).

Тушум келишигидаги сўз бир сони билан келади. Бунда бир саноқ маъносига эга: бир әриг санчды 'бир эрни санч- ди' (КТб., 32); бир оғушығ 'бир қабилани' (Мн., 17); бир әриг 'бир эрни' (ЕнПТ., 79) каби.

Тушум келишигидаги сўз аниқловчи билан бирга келган- да: Қырцыз цаған, ӧлӱрти қиз, илин алтымыз'үуіу>ғт хо- ңонини ўлдирдик, элини олдик' (КТб., 32); Тӱргиш будунығ уда басдымыз 'Тургаш халқини уйқуда босдик' (КТб., 32); тпӱкэл билгэ пгэнри бурханығ йоқ йодун цылмазун 'жу- да билимли тангри бурхонни йўң қилмасун' (ТТХ, 320); ким әрди әрки бо бӱпіӱн йиртинчӱ йир сувдацы алңу әлп- ларьіғ утмыш йигәдмиш 'ким экан (у) бу бутун ер юзида- ги баҳодирларни йўқотган' (ТТХ, 22); Сансыз сақыиісыз дзлӱгӱг 'сон-саноқсиз жонлиларни' (Сувр., 155); улуғлар- нынн цылынчларығ цылтымыз 'улуғларнинг қилганларини ^илдик' (ТТ IV, 2-3).

Тушум келишигидаги сўз атоқли от бўлганда: аз әлтә- \*бәриг тутди 'аз элтабарни тутди' (КТб., 32); Кӱлтигининг <аз әрин иртӱрӱ ытымыз 'Култегинни оз эр билан юбор- .дик' (КТб., 32); ӧтрӱ анта бултылар Мси.хат,әнриг'хя.уъ.' дан сўнг Мсиха — тангрини топдилар' (ПВ., 134).

Тушум келишигидаги сўз жонли предметни билдирган- ,да: тылығ кэлӱрта 'жосусни келтирди' (Тон., 63); тига- миг тиләп 'шаҳзодани ңидириб' (Сувр., 621) каби.

Тушум келишигидаги сўз билан кесим ўртасида бир ёкш бир неча сўз келганда: қыйннығ кӧнлутә ай 'жазони кўнг- лингдагидек эт' (Тон., 63); будунығ анта буздым 'халңи- ни ўша жойда тор-мор қилдим' (МН., 16).

-ны, -нии. Таркибида тил орңа унлилари мавжуд бўл- ган қаттиқ ўзакли сўзларга -кы, юмшоқ ўзакли сӱзларга -ни қўшилиб келади. Руник обидаларида бу шакл камроқ уч- райди. Мазкур аффикс кишилик олмошлари билзн (бизни— ЕнПТ., 34; бизни — Сувр.), эгалик аффиксининг- кўплигин» ңабул қилган сўзлар билан (билигимизни кӧнўлўмўзни — Хуаст., 118; ӧзўмўзни — ТТХ, 183; мунумузни — Сувр., 154),. бирор анщловчи билан келган сўзларда (йўз әлиг бӧзни— Юр. XVI, 210 ол битигләрни — Юр., I, 102, қатун кишини Юр. XVI каби) учрайди.

-н аффикси биринчи, иккинчи, учинчи шахс бирлик эга- лик қўшимчасини олган сўзлардан сўнг қўшилиб ке- лади: длп Шалчы аңын бинип 'алп Шолчи оқ отига ўти- риб' (КТб., 32-33); иниси әчисин билмәз әрти, оғлы цан- ын билмәз әрти 'укалари акаларини билмас эди, ўғилларк оталарини билмас эди' (КТб., 33); бу сабымын әіиид 'бу сўзимни эшит' (КТм., 27); Мәнин сабымын сымады'т&пипг сўзимга қулоқ солмади' (КТм., 28); Илинин тӧрўнин 'эл- ингни давлатингни' (КТб., 30); тылтақымын 'сабабини' (Сувр., 154); бу әтӧзўмин 'бу вужудимни' (Сувр., 613);; ӧгўмин кӧнўлўмин 'фикру хаёлимни, кўнглимни' (ТТ X,. 463); савын. 'сўзини' (ТТ I, 7); ӧзўнин 'ўзингни' (ТТ 1, 7); кӧнўлўннин 'кўнглингни' (ТТ I, 8) каби.

-ы, -и. Бу аффикс муайян бир доирадаги сўзлар билан ишлатилади. Кимч (ТТ.); аны (Тон., МН); мәни (ТТ, Юр.); cu.hu (ТТ, Сувр.); бини (Тон.).

Баъзан мәнни ҳам учрайди (ТТ VIII, 61) каби.

Тушум келишигининг асосий функцияси иш-ҳаракат- ни ўз устига олган объектини ифодалашдир. Бу кели- шикдаги сўзларнинг кўпчилиги шу маънода ңўлланади: as

10 Проф. А. Габэн -ны, -ни формаси -ғ, -ығ, иг аффиксларидан кейин пайдо бўлиб бошқа тиллардан кирган сўзлар билан қўлланади деб ёзади: A. v о n G a b а і п. Das Alturkische, S. 28; A. von Gabain, Alttiirkische Grammatik, Leipzig, S, 87. A. Габэннинг фикрича энг қадим- ги ёдгорликлардан бошлаб ҳозиргача бу форма қўлланилган. Ҳозир- ча маълум бўлган ёдномалардан энг қадимийси ,Хуастуанифит“ саналади. Бу ёдномада ҳам -ны, -ни мавжуд бўлиб, -г, -ғ аффикслари билан парал- лел келади; йириг тэңриг ким йаратмыиі 'ер-кўкни яратди' (Хуаст., 118> билигимизни кѳңүлүмүзни „илмимизни, билимимизни, кўнглимизни\*1 (Хуаст., 118).

әлтә бэриг myтоы 'аз элта барни тутди' СКТб., 32); ол сабығ алып 'ўша еўзга кириб' (КТм., 28); бу савағ әіиитип 'бу сўзни эшитиб (U III, 107); улуғларнин қьілынчларығ цылтымыз 'улуғлариинг ишларини ңилдик' (ТТ IV, 2-3); йана камағ тәмирәг кжтӱ йаняар 'яна ҳамма темирни ўзи янчар' (Ман., 1,8) каби.

Тушум келишиги иш-ҳаракат ёки воқеа-ҳодисанинг мавжуд бўлишини, эгаллашини англатади: қаньш қағанығ әяим цатунығ кӧтӱрмииі тәнра 'отамни хоқон ңилиб, онамни бекач хоним қилиб кўтарган тангри' (КТб., 31); азығ ӱкӱишг кӧртиг 'озни кўп кўрдик' (Онг., П, 9).

Тушум келишигидаги сўз бор бўлиш, ҳозир бўлиш, міівжудлик (яъни бунла тушум келишиги -ли аффиксига тўғри келади), цурол, восита маъноларини англатади: баз цағаныг балбал тикмииі 'Баз хоқонли балбал тикди/ (КТб., 30); қуғ сәнӱниг балбӓл тикә биртим 'қуғсенгун- ли балбал ўтқаздим' (МН., 18); будуньіғ тәнри 'халқи бор- тангри' (ПМК., 35); қықырмыиі ӱнӱг 'қийқирган ун билан' (ТТ X, 365); балгэ билагиг кўяўг кӱяләндӱргӱлӱк гполу тўгәл пышрунмацлығ әдгўг әксўксўз бўтўргўлўк йўз бу- йанлығ итигин интингўлўк, толу тўгәл билгә билигиг тўпкәргўлўк, алғу бурқанлар ўзэ ӧгатмши (Сувр., 155).

Тушум келитиги ңаратңич келишиги, эгалик маъноси- да ңўлланади. Тўрк будунығ аты кўса йоқ болчазун ■турк халқининг оти, шуҳрати йўқ бўлмасин' (КТб., 31); нэн бунуғ йоқ 'ҳеч ғаминг йўқ' (КТм.,28); мәнин. эр 'менинг кишиларим' (ПМК., 36); бизин киіииләркә 'бизнинг киши- ларга' (Юр., II. 106); цолурбиз сизин 'сизники бўлиб қо- лурмиз' (ТТ IX, 9); сэнан тэп 'сеники деб' (TT.VIII, 12).

Тушум келишиги жўналиш, ўрин-пайт, чиңиш кели^ шиклари маъносида ңўлланади: ӧтўкән йәриг цонтым 'ўтикан ерига қўндим' (Тон., 62); Қара сәнәриг йәрләдам, Қора сенгерда жойлашдим' (ЕнПТ., 44); Чуғай қузын, Қо- ра ңумуғ олурур әртимиз 'Чуғай ңуз, Қора қумда жой қилдик! (Тон., 6'); Ани субуғ баралым 'Ани сувидан бо- райлик' (Тон., 62); ишлэмиш тонларағ кәтмиш кәрәк 'тўқилган тўнлардан воз кечиш керак' (ТТ VIII, 58); айығ цылыняымни кднтў ӧкўнўп 'ёмон ишларимдан ўзим койиб' (Сувр., 155); ўяәгўни бирисин қабып 'учовидан бирисини тутиб' (Сувр., 627); бизна та адын ким болғай 'биздан бошңа яна ким ҳам бўлади' (Сувр., 611).

Руник ёдномаларида тушум келишигидаги сўзларуюшиб- келганда уларнинг ҳаммасига тушум келишиги қўшимчаси ңўшилиб келади: йабғуғ шадығ анта бәрмииі'ябгуни шод- ни ўшанда берган' (КТб., 30); сачын цулацын, йанақын бычды 'сочини, қулоғини, ёноңини кесди' (МН., 19); суйу- музны йазуқумузны босуйу ӧтӱнмәк кәргэк әрти 'айби- миз, гуноҳларимиздан ңутулиш учун ўтиниш керак эди' (Хуаст., 119); әбин барңин. йылқысын йулмадым 'уйини, ңасрини поймол ңилмадим' (ПМК., 35) каби.

Руник обидалари тилида жуда кам ҳоллардагина тушум келишиги гапнинг сўнгги бўлагига қўшилиб келади: анта бтру тўргәш қарлуқығ табарын алып 'шундан сўнг тўр- гаш ңарлуңнинг мол-мулкини олиб' (ПМК., 36); алтун кӱ- мўшиг әгритэб әлдә киши қазғандым 'олтин-кумушни, ңим- матбаҳо газмолларни ва кишиларни олдим' (ЕнПТ., 33).

Сўнгги давр ёдгорликларида иккала ҳолатнинг параллел іуУлланишини кўрамиз. Мӱн цатағларығ цартығ бәзиг йириниг цанығ игиг ағрығығ қорқынчығ айманчығ 'ңайғу ғам, яра, жароҳат, ңон, йиринг, касал, оғриң, ңўрңинч, хавф- сирашни' (Сувр., 614); кәц алқьіғығ 'кенглик ва бепоён- ликни' (ТТ VIII, 25) каби.

Қуйида тушум келишиги билан келган феълларнинг ай- римлари келтирилади: ӧлўр- 'ўлдирмоң'; санч- 'санчмоң'; цырмалаш- 'қирмалашмоң'; тарңар- 'тарқамоң'\кӧзўн- 'кў- ринмоң' сӧзлә- 'сўзлшоү,'\әшид- 'эшитмоқ'; турғур- 'турғаз- моқ'; оңы 'ўқимоқ'; ут-йигәд- 'енгмоц'; бул- 'топмоң'; кӧтур- 'кўтармоқ'; кӧр- 'кўрмоқ'; бил- 'билмоң'; тит- 'титмоқ'; ти- 'демоқ'; ӧгит- 'мақтамоқ'; йар- 'ёрмоң'; ки- шә- 'кишанламоң'; артат- 'йўқотмоқ'; қон- 'турмоқ, ҳаёт кечирмоқ'; кэл- 'келмоқ'; айт- 'жавоб ңилдирмоқ'; қон- тур- 'жойлаштирмоң'; башғур- 'бошқармоң, ўргатмоқ'; ит- 'қилмоң, этмоқ'; әлсирә- 'давлатини йўқ ңилмоң'; ңағансы- ра- хонликни йўқотмоқ'; әр- 'эмоқ'; баз цыл- 'тинчлантир- моқ'; кәч- 'кечмоң'; бан- 'боғламоң'; ал- 'олмоқ'; баиіла- 'бошламоң'; цылычла- 'қиличламоң'; бин- 'минмоң'; JV\*-'yp- моц'; бар- 'бермоқ'; бас- ,босмоқ'; йоры- 'юрмоқ'; ыд, ыт- 'юбормоң'; йи- 'емоқ'; сы- 'синдирмоң': олур- 'қолмоң'; йәрлә- 'уй-жой ңилмоң'; сацын- 'ўйламоқ'; йаратыт- 'ярат- тирмоң'; сӧкўр- 'чўктирмоқ'; игид- 'кўтарилмоң'; йағыла- 'уришмоқ'; цыс- 'ңисмоқ'; йығ- 'йиңитмоқ'; аш- 'ошмоң'; хәлтўр- 'келтирмоқ'; йўгўрт- 'югуртирмоқ'; буз- 'енгмоң'; СУЧ~ 'урмоң'; йўкўнтўр- 'юкинтирмоқ';бол- 'бўлмоц'; тик- 'тикмоқ'; адырыл- 'айрилмоқ'; йоқ йодун цыл- 'йўңотмоқ'; тилә- 'тиламоқ'; адыр- 'айирмоң'; ңаб- 'ушламоқ, ңамамоқ'; қод- 'ңўймоқ'; cam- 'сотмоқ'; ач• 'очмоқ'; боиіў 'бўшалмоң'; тут- 'тутмоң'; йиби- 'елпимоқ'; йоққыш- 'йўң ңилмоқ' каби.

Келтирилган мисоллардан кўриниб турибдики, тушум келишиги ўтимли ва ўтимсиз феъллар билан ңўлланган.

ВОСИТА КЕЛИШИГИ

Восита келишиги -н, -ын, -ин, -ун, -ӱн, -ан, -эни аф- фикслари билан ифодаланган. -ан, -ән шакллари жуда кам учрайди:т^и/73«, цамуған.

-н унли товуш билан тугаган ўзакдан сўнг, -ын, -ун ңат- тиқ ўзаклардан сўнг, -ин, -ӱн юмшоқ ўзакли сўзлардан сўнг ңўшилиб келади.

Восита келишиги иш-ҳаракатнинг содир бўлиш, рўёб- га чиңиш, воңеа-ҳодисанинг юз бериш ўрнини билдиради: Ӧтукән ирин, қишладым 'Ўтикан ерида қишладим' (ПМК., 36); кииш ажунын булмыш йалнукларығ 'киши дунёда топган хатоларини' (ТТ X, 16-17); тәнридәм кут буйан кднтўн, орпанды 'улуғ тангри бахти давлати ўзингда ўр- нагади' (ТТ I, 72); бағрын йатып 'бағрида ётиб' (ТТ IV, 6) каби.

Восита келишиги кш-ҳаракатнинг бошланиш нуқтаси, чиңиш, ўтиш ўрни, процесснинг юз берган ўрни каби маъ- ноларни билдиради: бу йолын. йорысар 'агар бу йўлдан юрса' (Тон., 62); ол йолын йорысар' у йўлдан юрса' (Тон.,. 62); кергӱн сацышын Шьіп башын йўрә кәлти 'Кўргу, Са- қиш Син — бошидан юриб келди' (ПМК., 35); бу цылыяыя ўзўти бошунмағай 'бу ишидан вужуди бўшалмагай (ТТ II, 31-32); тукэл билгә тнри тнриси бурхан әсанкилығ йол- та бодиствлар йорығын йорыйур әркән... 'тугал билимли тангриларнинг тангриси бурхон Асанкининг йўлида Вўди- сатва йўриғидан юрар экан... (ТТХ, 10) каби.

Восита келишигидаги сўз ҳаракатнинг ўзига йўналган- лигини, процесснинг восита келишигидаги сўзга ңаратил- ганлигини, сабабини билдиради: шин ташын адынчығ бә- диз уртуртым 'ичига, ташқарисига бошқача нақш урдир- дим' (КТм., 28); бәгләрин будуным әртднў этимағ итди. 'бекларига, халқига юқори мартаба мойил қилди' (Мн., 19); буща ташын бэнкун тикәр бзн 'ғамда тошга мангу ёд- горлик ўрнатаман' (ЕнПТ., 95); йадылып орун орун сайу ҳар жойга ёйилиб' (Сувр., 622); ая барс аямақ сувсамақ әмгәкин әртингў сыцылып унакниа ӧлгәла турур 'оч барс очиңиш, сувсаш ңийинчилиги туфайли жуда сиқилиб ўла- ёзди' (Сувр., 610); анын. қорқды, бәзди 'шу сабабли қўрқди, безди' (ТТ II, 32) каби.

Восита келишиги пайт маъносини англатади: ол йыл кӱзӱн илэрў йорыдым 'ўша йил кузда илгари (шарққа)га юрдим (ПМК., 36); отуз артуцы сәкиз йаиіы.ма қышын қытан тапа сўләдим отуз артуқы тоқуз йашыма йазын татабы тапа сўләдим 'ўттиз саккиз ёшимда қишда ңи- танглар томои қўшин тортдим, ўттиз тўққиз ёшимда ёзда Татабилар томон ңўшин тортдим' (Мн., 18); йарын йаңра— йур 'эрталаб яғлар' (Гнк., 81); кўнин сайу тәнрикэ 'ҳар куни тангрига' (Хуаст., 119); йайын сўлэдим 'ёзда қўшин тортдим' (Мн., 18) каби.

Иш-ҳаракатнинг давом қилиш пайтини билдиради: йы- лин айьін турқару әв барң ичинтә 'йил, ой бўйи уй—ңаср ичида' (ТТ VIII, 71).

Восита келишиги кўпинча биргалик (комитатив) маъ- носини билдиради. Тўрк будун қанин болмайын ,'турк халқи хони билан бўлмай' (Тон.. 61); цағаньімын суләгп- димиз 'хоқон билан ңўшин тортдик' (Тон., 64); Улуғ Ир- кин азқына әрин тәзип барды 'Улуғ Эркин озгина эр би- лан қочиб кетди' (КТб., Зі) утру әки айлығ киши оғлын соцуиімыш 'сўнгра икки ойлик фарзанди билан учрашди (ГКн.. 80); басқуқын кәлўрўп 'басқуқ билан келиб' (ТТХ., 366); савларын сәзләіишг 'ўзаро сўзлашиб' (Сувр., 609);

Восита келишиги иш, процесснинг юз беришидаги ңу- рол, восита маъноларини англатиб келади. Бу маъно кенг истеъмолда бўлган семантика саналади: тилин сӧзләп.. цол- ңаңын эшидші 'тили билан сўзлаб... қулоғибилан эшитиб'... (Хуаст., 119); адаңын, йорып... әлагин сунуп... 'оёғи би- лан юриб... қўли билан пайпаслаб'... (Хуаст., 120); сўнўгин ачдымыз 'найза билан очдик' (Тон., 662); әлигин тутды 'қўли билан тутди' (КТб., 32); оцын атып 'ўқ билан отиб' (ТТ IV, 12); царацлыцын кўтэ тўрўрлар 'қўшин билан се- ни кутиб турурлар' ССувр., 155); кўшн тутиб 'куч билан тутиб' (Юр., XVI, 213); йашльіғ кӧзин йығлайу 'ёшли кўз билан йиғлаб' (ТТХ, 298); цылыяын. сатғалы оғрадьі 'қи- лич билан санчгани отилди' (ТТХ, 353); қаттығ ўнин ңы- қьірты 'қаттиқ ун овоз билан ңийқирди' (ТТХ, 361); қолын бўдийў 'қўли билан ўйнаб' (Ӧ II, 24) каби.

Восита келишиги иш-ҳаракатнинг бажарилишйдаги ҳолатини, бажарилиш усулини ифодалайди: әртиш ўгў- зӱг кәчигсизин кәчдимаз'Иртиш дарёсини кўприксиз кеч- дик' (Тон., 63); тәнршо арығын тәгмәди, 'тангрига тоза (бў- либ) етмади' (Хуаст., 118); Кўлтиган йидағын оплайу тәгди 'Култегин яёв ҳужумга отилди (КТб., 31 );тоз топрақ ӧзин сӧн- ди 'тўзон ўзича сўнди, тушди' (ТТI, 7); айанчан кӧнӱлин йӱ- зсӱнгу 'ҳурмат, эҳтиромга тўлган кўнгил билан ўгиниш керак' >(ТТ III, I); кӧзин қуванып 'кўзи билан қувониб' (ТТ X, 438); сацынчлығ кӧнўлин алпын әмгәкин, ил орнынта олурғалы тынлады 'ўйчан хаёл ва машаққат билан тахтга ўтиришга розилик берди' (ӧ III, 10-8) каби.

Восита келишиги бирор нарсанинг предметда мавжуд- лйгини, бирор нарсадан юзага келганини англатади: әрин улғатым 'эр бўлиб улғайдим' (ЕнПТ., 57); тәмирән ■мтил — 'темирдан қилинмоқ' (Ман., 8, 11); адайын лачын \*оёқли лочин' (Сувр., 67); тўзўн қанларым 'ҳимматли ота- ларим' (U III, II, 11) каби.

Айрим мисолларда восита келишиги аффикси -луг аф- «фикси билан қўшилиб келиб, мураккаб форма ҳосил қилади: -лугун. Бу шакл восита маъносида қўлланади: йәкләрлўгўн йсәнўш 'руҳлар билан урушмоқ' (АГ., 30).

Ру.ник ёдномаларида мавжуд бўлмаган -ла, -лә аффикси уйғур, турфон текстларида восита келишиги аффикси ўрни- да қўлланган. Мазкур аффикснинг истеъмол доираси чеклан- сан бўлиб пайт, ҳолат каби маъноларда ишлатилади: тўнлә елўмлўг оғры кэлап 'тунда ўлим келтирувчи ўғри келиб' <U III, 14; 8—10); цара тўнлә 'ңора тунда' (U III, 25, 18); јкимләрнин тўнлэ йәмә кўндўзйәмә 'кимларнинг тунда ҳам, кундуз ҳам' (ТТ VIII, 14); кӧрклә кәвсәк тоқьілық инимиз әртин 'кўркка эга қоматли инимиз эдинг' (Сувр., 619) каби.

Руник ва бошқа қадимги ёдгорликларда восита келиши- ти аффикси уюшиң бўлакни ташкил қилган ҳар бир сўз- га қўшилиб келади: йадағын йоланын 'яёв яланг' (КТб., 31); сацынчын сӧзин қылынчын, йэмә кӧзин кӧрўп... 'хаёл иш ва кўз билан кўриб (Хуаст., 119) каби.

Сўнгги даврда уюшиқ гапнинг ҳар бир компонентига ёки унинг энг кейинги сузига қўшилиб келишини кузатамиз: кўсўиіин сацытын, ыдмыш 'орзу-умид билан юборди' (ТТХ, 501); кәнўл ўнан 'кўнгул ва овози билан' (Сувр., 155); пусуслуғ цадғулуқын 'ғам-қайғу билан' (Сувр., 627) каби.

Восита келишиги билан феълларнинг рўйхатини келти- ришдан аввал шуни ҳам қайд қилиш керакки, текширилаёт- тан давр ёдномалари тилида восита келишигининг маънола- рн бирлә, ўзә каби кўмакчилар билан ҳам берилган.

Бу кўмакчиларнинг истеъмол доираси кейинги давр ти- лида кенгайиб, восита келишигининг маънолари ва функция- лари ңисман кўмакчиларга ва ңисман бошңа келишикларгап жўналиш, ўрин-пайт, чиқиш келишикларига аста-секин ўтади...

Анализ қилинаётган даврда буларнинг параллел истеъ- молда бўлганини кузатамиз.

Қуйида восита келишиги билан феълларнинг баъзиларинш келтирамиз: қышла^-қкшламоц': йоры-'юрмоң; сўлә-'уриш- моң, қўшин тортмоқ', -ыд, ыт,-'юбормоң', йанра-'ҳўнграмоқ',. ары-'пок бўлмоқ, оримоқ', йурә кәл-'юриб келмоқ/ тут~ 'тутмоқ', бол-'бўлмоң', кәл-'келмоң', ташьіңг-^арши чиң- моң, тошиқмоқ', сӧз./гз-/сўзламоқ, гапирмоң', әиіид-'эшит-- моң', ӧплә-'атака, ҳужум қилмоқ', ая-'очмоқ', бар-'бормоқ'\*, қабыиі-'цовушмоқ', бим^минмоқ', ^-'урмоң', ит-'этмоң', бар-'бермоң', кдч-'кечмоң', соцуш-'учрашмоқ', тәк-'тегмоқ',.' /ТШ/^ТИКМОҢ', ңьіл-'цвлиоц', урсыц-' урилмоң', сықыл-'zvl- қилмоң', шт-дитмоқ', йолун^сўрамоң, тиланмоң', цыцы- ^«-'ңийңирмоң', бир-'бермоқ', салын-'солинмоү,' , тоқы-'ур- моқ' у/лы^улимоқ', тәбрә-'тебршоқ', me-'демоқ', ӧлур-ўл- моң',, кир-'трмоү,', тынла-'тингламоқ', йығла-'ілшлг.ыоц', оқы-’ўцтл.ӧц', кувғн-'цувоямоц', титрэ-'титрамоң', кӧр-'кўр- моқ', /јга^г-^олмоқ', санч-'санчмоқ', ^«^-'билмоқ' кабилар.

Восита келишиги ўтимли ва ўтимсиз феъллар билан кел- ган.

ЖЎНАЛИШ КЕЛИШИГИ

Жўналиш келишиги аффикслари -ғару,-гәрў, -қару, -кд- рў, -гӓр, -ғар, -ру, -рў, -ра, -рә, -қа, -кэ, -ға, -гә, -йа„ -йэ, -а, -з18 дир. *-ғару, -гәру, -қару, -кәру* истеъмол дои-

18 W. Radloff. Die A It tiirkische Jnschriften der Mongolei, NF, SPb.. 1897, S. 63. C. E. Малов, Памятники древнетюркской письменности„ стр. 45; В. М. Насилов, Язык орхоно-енисейских памятников, М., 1960; Э. В. Севортян, Категория падежз. ИСГТЯ II, стр. 60; А. Исля- м о в, Употребление падежей в языке древнетюркских памятников, . стр. 276; О. В. Захарова. Дательно-направительный падеж в языке- „Кутадгу билиг\ стр. 74; A. М. Щербак, Грамматический очерк языка тюркских текстов X-XIII вв. из Восточного Туркестана, М.—Л., 1961,.

стр. 85; Ф. Г. Исхаков, Имя существительное, ИСГТЯ II, стр. 103; J. Deny. Grammaire de la langue turgue. Paris, 1921.

Баъзи тадңиңотларда жўналиш келишиги қўшимчаларига таба., таба- ру кўмакчиси киритилади, бу ҳақда С. Муталлибов „Морфология ва лек- сика тарихидан қисқача очерк" асарида қуйидагиларни ёзади: „XI аср

тилида жўналиш келишиги яна бошқа формалар билан ҳам ифодаланган. Масалан; ул манинг тобору келди. іобору ңўшимчаси ишнинг тамом бўлганлигини ҳам англатади. Манинг тобо келди, Бақа кўрман аймиш бу сўзлар тобо гапларида тобору, тобо сўзлари жўналиш келишигіг раси кенг бўлган аффикс саналади. Бу аффикс охири унли, жарангли ва жарангсиз ундошлар билан тугаган сўзларга қўшилиб келади. Мазкур шаклларнинг жарангли ундош би- лан бошланган варианти (-ғару, -гәру) Култегин, Тўню- қуц обидалари тилида учраса, бошқаларида иккала вариант қўлланади: тэнрикәрӱ 'тангрига, тангри томон' (Хуаст.,119),

тәнригэрӱ (Гкн., 84) каби.

Жўналиш келишигининг -ғару, -гәрӱ шакллари ҳара- катнинг ташңарига бўлган йўналишини кўрсатади. Жў-

налиш келишигида келган сўз ҳаракатнинг жўналиш ўрни- ни билдиради: Табғачғару Қуны сэнӱнггӱ ыдмыш Кытан- гару Тонра сәмиг ыдмыш 'Табғочіа Қуни Сенгунки, Қи- тангга Тўнграсемни юборган '(Тон., 61 )\ Мағыцурған қыш- лап йазына оғузғару сӱ ташықдымыз 'Мағиңўрғонда ңишлаб, ёзда ўғузлар сари қўшин тортдик' (КТб., 33): тән- ри йирингәру барғаймән 'тангри ерига бораман' (TT1I, 1); кәнтӱ тойынгару 'ўз шаҳари томон' (Le Coq, S. 13, AW 1909, 1210)

Агар кесим тугалланган ҳаракатни англатса, бунда жўна- лиш келишигидаги сўз ишнинг сўнгги чегарасини, нуқтаси- ни кўрсатади; биз уйғурғару кэлтӱк 7биз уйғур мамлака- тига келдик' (Ман., Ill, 46); ол ӧдӱн тзнра илиг бӧгӱ хан қхврағару кәлти 'ўшанда. тангри Илиг — Bvry хон йиғилиш- га келди' (ТТ II, 33-34).

Жўналиш келишигидаги объект узоң ёки яқин бўлиши мумкиы ва шунга кўра ҳаракат узоңдаги ёки яңиндаги пред- метга ңаратилган, йўналтирилган бўлади. Умуман -ғару, -гәру аффикси ҳаракат қайси нуқта, чегарада бўлиши упинг узоқ, яңинидан қатъий назар ңўшилаверади: бизинару кә- лӱрди 'бизга келтирди' (Хуаст., 119); эбинэру кәлмиш'уйүі- га келди' (Гкн., 30); уйасьшару ӧгирә сәбинӱ кәлир '(барс)

қўшимчаси -га аффикси функциясида келгап (38-бет). Келтирилган сўз- лардан кўринадики, „Очерк" автори форма, қўшимча ва сўз ўртасидаги тушунчаларнинг фарқига бормасдан тобо, тоборуга нисбатан қўллаган. Даставвал шуни қайд қилиш керакки, тобо, тобору (тўғри ўқилиши: тапа |] таба тапару || табару) форма ҳам эмас, қўшимча ҳам эмас. Тапа, тапару соф ңўшимчадир. Мазкур кўмакчилар С. М у т а л л и б о в ёзга- пидек, ишнинг тамом бўлганини англатмайди. Эски ёдномаларда, жумла- дан, XI аср тилида бу кўмакчи ҳаракатнинг бирор томонга йўналганлиги- пи кўрсатиб, сари, томон, қараб маъноларига тўғри келади (ПМК., 37, ТТХ, 71; 152; U III, 53). Бундан ташқари тапа қарши маъносида (оғуз будун тапа 'ўғузларга ңарши' КТб., 31; Табғач maria 'Табғочларга қар- ши' КТб., 31), мақсад маъносида (отун сансар тапа тоғмыш тәг му 'гӱё гуноҳли Сансар учун туғилгандекми?' U III, 20; иг тапа кѳоэрсэн 'касал тўғрисида сўрасанг' TT1I, 10) ңўлланади.

уясига томон қувониб севиниб келур' (Гкн., 82); тәбәсинә- рў бармыиі 'теваси томон келди' (Гкн, 80); сизинәру 'сиз томон' (Ман., III, 24); ханғару 'хонга' (Ман; III, 31); ӧзў- нўзгарў 'ўзингизга' (Ман., III, 27); қўтунузғару 'бахтингиз томон' (Man., III. 31) каби.

Маңсад маъносини англатади: кўшг бәртўкгәрў сацын.- маты 'куч беришни ўйламади' (КТб., 29).

-ғару, -гәрӱ аффикси сўзлар жонли предмет англатувчи отлар {қағанғару, оғузғару, уйғурғару, ханғару, илаггәрў, апа тарқанғару, тәбәсинәру 'туясига', бәгинәрў, йонты- нару каби), ўрин, жой, макон англатувчи отлар (йиркәрў, йыіиғару, Табғачғару, уйасынару, әбингәрў каби), абстракт маъноли отлар (тәнригәрў), ӧзўтгәрў 'руҳга' (Ман., III, 31), ңутуңузғару 'бахтингизга' (Ман., III, 25), олмошлар (бизинә- рў, санару, банару, сизингәрў ва ҳоказо) каби сўз груп- паларига қўшилиб келган. Бу сўзлар ёдномалар лексикаси- нинг катта бир гуруҳини ташкил қилади. Демак, бу давр ёдномалар тилида -гару, -гэру шакллари жўналиш келиши- гининг маҳсулдор аффикси саналади.

Мазкур аффикс кўпинча ҳаракат, юриш феъллари (les verbes de mouvement) бошқарган сўзларга қўшилиб келган: бар-'бормоқ', «^-'эргашмоқ', аш-'ошмоц', кәл-'келмоц', та- шшр-Дошиқмоқ', сўлә- 'қўшин тортмоқ', ^«-'ңонмоқ', йәт- етмоқ', тўиі-'тушмоқ'" каби.

Баъзан бошқа феъллар билан бошқарилган сўзларга қў- шилиб келган: ӧтӱн-'ўтинмоң', сақын-'ўРілшоц', аіїыд-'айт- моқ', mym-'iутмоқ' каби.

-ғару, -гәрў аффиксини қабул қилган баъзи сўзлар шу келишик ңўшимчаси архаиклашиб ўз функциясини йўқот- гандан сўнг равиш ңаторига ўтиб кетган.

-zap. Бу аффикс -гару шаклининг редукцияга учраши натижасида ҳосил бўлган кўрсаткич бўлиб, асосан, мән, сән, ол, бу олмошлари билан ишлатилган. Бу аффикс ол олмошига ңўшилганда, олмошнинг сўнгги ундоши н га ай- ланади ва жўналиш келишигининг бош ундоши г билан би- рикиб, бурун (ң) товушини ҳосил қилади: анар 'унга'. Мән, сән олмошларига қўшилганда, буларнинг ўзаги ңаттиқлаша- ди: маңар, саңар.

Едномаларда анар баъзан анару шакли билан параллел ңўлланган: анар кӧрў билин'ут кўриб билинг' (КТм., II); анару сўләмәсәр 'унга қарши чиқмаса' (Тон., 20); анару ТТХ. 503) каби.

-ру, -ру, -ра, -рэ. Бу аффикс жуда кам қўллангаи.

Шу сабабли баъзи тадңиңотларда мазкур форманинг мав- жудлигига шубҳа билдирилади[[10]](#footnote-10).

Ёдномалар анализи шуни кўрсатадики, бу аффикс ңадим- да мавжуд бўлган ва ёдномалар ёзилган даврларда анча ар- хаиклашган кўрсаткичлардандир.

Бунга ңуйидаги мисолларни келтирамиз: ташру әтилти 'ташқарига чиқилди' (ЕнПТ., 73); эбрӱ кәлӱртим 'уйга кел- тирдим' (МН., 16)\дбимрӱ барды 'уйимга борди' (ПМК., 36); цатығ йасын. қоруп ағулуғ оқын, йӱрэкрә уруп 'қаттиқ ёйини ңуриб, ағули ўқини юракка уриб' (U III, 55); бодисвт оғушлуғ йананин йӱрэкрә урды' Бўдисатва туркумига ңа- рашлк бўлган (фил)нинг юрагига урди (и III, 59, 4).

Бир ңатор сўзларда -ра, -рә, -ру, -рў келишик аффикси функциясини йўқотиб, ўша сўзлар билан бирикиб бир маъно англатувчи сўз бўлиб кетган. Булар ёрдамчи, кўмакчи сўз- лар, равишлар группасига ўтган сўзлардир. Масалан: ачрә, нару, бәрӱ кабилар.

-а, -ә аффиксининг истеъмол доираси тор бўлиб, у би- ринчи шахс эгалик аффикси -м билан келган қаттиқ ўзакли сўзнинг сўнггига -а, юмшоқ ўзакли сўзнинг сўнггига -ә тар- зида қўшилиб келган; орнума; сизимә.

Айрим ўринларда эгалик аффиксини олмаган сўзлар би- лан келишини учратиш мумкин: сазә 'сизга' (ЕнПТ., 76, 80, 100; ПМК., 63); таға 'тоқңа' (Мн., 17); ктә 'кечңурун' (Гкн., 80).

Уйғур, манихей — брахми ёзув ёдгорликларида ҳам -а, -ә шакллари асосан биринчи шахс бирлик эгалик аффикси билан ңўлланади. Унинг эгалик аффиксини қабул қилмаган сўзлар билан ишлатилишини фаңат бир мартагина учратдик. Бу мисолда -а восита маъносини билдиради: сизни әмгәт- тим аяа сувсамаңа 'очлик', сувсаш билан сизни қийнадим' (ТТ II, 37).

-ка, -кз, -ға, -га, -гә. Жўналиш келишигининг энг кўп •ңўлланувчи аффикси бўлган -ңа, -кә, -ға охири унли, жа- рангли ва жарангсиз ундошлар билан тугаган сўзларга ңў- шилиб келади, -га шакли учинчи шахс бирлик эгалик аф- фиксини олиб келган ңаттиқ ўзакли сўзлар билан ишлатила- ди. -гә аффикси эса иккинчи ва учинчи шахс бирлик эгалик аффиксларини ңабул қилиб келган юмшоқ ўзакли сўзларга ңўшилиб келади. Мән, сән олмошларига қўшилиб келганда булар регрессив ассимиляция натижасида мана, сана шакл- ларига эга бўлади. Саноңли сўзлардагина жўналиш келиши- ги аффиксларининг икки марта такрорланиб келгани мав- жуд: цутуйымғақа (ЕнГіТ., 22).

Жўналиш келишигининг бошқа формалари ңуйидаги маъноларда ишлатилади:

1. Ҳаракатнинг умумак ташңи объектга бўлган йўна- лишини, ташқарига қаратилганлигини кўрсатади: Табғая

цанға бардым 'Табғоч хонига бордим' (ЕнПТ.; 33); илгэрӱ кўн тоғсыцңа 'илгари кун чщиш (шарң) томонга' (КТм., 27).

Бу маъно жўналиш келишигининг энг асосий ва қадимий семантикаларидан биридир. Бу ўринда проф. А. -Габэннинг: „Жўналиш келишиги қадимгк вақтда ўрин келишиги бўл- ган“, —деган фикрига[[11]](#footnote-11) ңўшилиш ңийин. Чунки бу кели- шикнинг макон маъноси унинг йўналиш маъносидан ташкил топган.

Йўналиш маъноси кўмакчи сўзлар билан конкретлашади. Чунончи ўрхун-енисей, турфон, манихей обидалари тилида йўналиш маъносини конкретлаштириш учун тәги сўзи қўл- ланади.

Макон-йўналиш маъносининг аниңлашишида, конкретла- шишида тәги кўмакчисидан бошқа сўзлар ҳам иштирок эта бошлайди. Сўнгги давр тилида, руник ёдномаларида учра- маган, йақын сўзини қайд ңилиш мумкин: Мамьіка қызңа йацын кәлип... 'Мамика ңизга яңин келиб' (ТТХ, 471);. барзқа йақьін барты 'барсга яқин борди' (Сувр., 616) каби.

Жўналиш келишиги процесс царатилган, йўналган предметйи кўрсатади. Бунда кесим орқали англашилган продесс жўналиш келишигидаги объектга ңаратилган бўла- ди. Табғая ңағанқа кӧрмиш 'Табғоч хоқонга бўйсунди' (КТб.); Табғая цағанца йағы болмыиі 'Табғоч хоқонга ёв бўлди' (КТб.); йасы таиіца йаратытдым. 'ясси тошга ёз- дирдим' (ПМК., 36).

Жўналиш келищиги маңсад маъносини билдиради: цан- лықсўси авқа ўнмиіи 'хон аскари овга чиқди'(Гкн., 84); Қан сўкә бармыш 'хон урушга борди' (Гкн., 82); әр абца бар- мыш 'эр овга борди' (Гкн., 81); илитўкэ барты 'дам олиш- га борди' (Сувр., 608) каби.

Жўналиш келишиги пайт маъносини билдиради. Бу келишикнинг қўшимчасини олган сўзнинг семантикасига қа- раб пайт маъноси узоң муддатли ёки маълум даражада чек- ланган бўлади. Пайт маъносини ифодалашда букелишикаф- фикслари йыл, ай, од (вақт), кўн, йаиі, йанық (число), йіхз цыш каби семантикаси пайт-вақт тушунчаси билан боғлиқ бўлган сонларга қўшилиб келади.

Кўл тигин, ңон йылңа йити йәгирмикэ учдьі 'Култегин қўй йили ўн еттинчида учди (ўлди)7 (КТб., 33); Сәкизит аіі бир йанықа сӱ йоры&ын 'саккизинчи ой биринчи число- да аскар тортайин' (ПМК., 35); бӱкӱнка кўнкә тәги 'бу- гунги кунгача' (ТТХ, 97); Йаньі йылнын, икийгрмитайы- на 'янги йилнинг 12 ойида' (ТТ I, 10) каби.

Баъзан пайтнинг давомлилигини билдиради: кӱнинә айына 'кун бўйи, ой бўйи' (АГ., 30).

Жўналиш келишигининг пайт маъноси ўрхун-енисей ёд- номалари тилида жуда кенг тараңқий қилган. Кейинчалик эса бу семантиканинг нисбатан торая борншини кўрамиз. Чунки бу семантика энди ўрин-пайт келишиги ёрдамида бе- рила бошлайди.

Ишнинг, процесснинг, ҳолатникг юз беришидаги са- бабни билдиради: нәкә қорқурбиз 'нега ңўрқамиз' (Тон.,63); турук болмышымқа ики йаным йиркэ киршг уйулуп тә- лингэли турур 'чарчаганим учун икки ёним ерга кириб ўйилиб тилиниб турар' (U III, 37, 2-3);

азу ӧни сӧзләшмәккә 'ёки турли нарсалар ҳаңида сўз- лашгани туфайли/ (ТТ VIII, 49); ағрымышка 'оғригани ту- файли' (U III, 37) каби,

Ңурол, восита комитатив, яъни биргалик маъноларини англатади: тоқуз оғузца йәти, сўнўиі сӱнўшдўктә 'тўңқиз ўғуз билан етти марта урушганда... (ПМК., 27); бӧрикә со- оцушмыиі 'бўри билач учрашган' (Гкн., 182); эдгўгә бӧкмә- дим 'ззгуга тўймадим' (ЕнПТ, 38); Тигуй Тайиіы баиілап Қыдай тайшыларқа кәнәншәрмән 'Титуй Тайшидан тортиб ңидай тайшилар билан кенгашаман' (Юр., I, 202); ол ца- мышлығ арықца таврақ бардылар 'ўша заҳот ңамишли ариқдан бордилар' (Сувр., 625); йўккә йаралмыіи 'юк билан ортилган' (ТТ VIII, 16) каби.

Ишнинг бажарилишидаги ҳолат маъносини билдириб келади: қырқызығ уца басдымыз 'қирғизларни уйқусидабос- дик' (Тон., 62).

Жўналиш келишиги ўрин, макон маъносини англатади: нән йәрдәки қағанлығ будунца бўнтӱги бар әрсәр 'бирор ердаги хоңоннинг халңи орасида иш ёқмаси бор бўлса... (Тон.,-64); Табғач илинә қыльінтым 'Табғоч элида илм олдим' (Тон., 61); нәлўк тонғаіі ол кўнәшкэ олурур ол 'нима сабабдан музласин, қуёшда ўтирса7 (Гкн., 84); Бу бу- луцқа экин тпурса... 'бу узумзорга экин экилса"' (Юр., X, IX, 214); икинди ажуна 'иккинчи дунёга' (ТТ VIII, 31).

Баъзан макон маъносини ифодалашда жўналиш келиши- гининг -йа, -йә шакллари ңўлланилган: бэрйиә 'берида' (Тон , 61); йырайа 'шимолда' (Тон., 61); курыйа 'ғарбда' (ПМК., 35) каби.

Бу форма кейинги давр ёдгорликларида учрамайди.

Бирор нарсадан ажралиш, маҳрум бўлиш, тарк этиш каби маъноларни англатади:уйа/? бәгимкэ адырылтым, уйар қадашымқа адырылтым 'донгдор бегимдан айрилдим, машҳур дўстларимдан айрилдим' (ЕнПТ., 21); әгӱк цатун йәримкә адырьілтым 'эгук — ңатун еримдан айрилдим' (ЕнПТ., 19) каби.

Ўхшатиш, қиёслаш, нисбат бериш каби маъноларни англатади: Бу маъно ўрхун-енисей обидалари тилида учра- майди. Асосан, турфон текстларида келади: ӧз қорқынчы- на, артуцрақ цорцуп... 'ўз қўрңинчидан ортиқроң ңўрқиб' (ТТХ).

Жўналиш келишиги изоҳлаш маъносида: улаща бәр- дим 'кира учун арава ҳаңи бердим' (USp., 31); ңаланқа әлчигә бәрмииіим 'элчига солиқ юзасидан бердим' (Usp.,38).

Жўналиш келишиги аниқловчи вазифасида: бына башы 'минг боши' (АГ., 29); турнайацуиі 'турна ңуш' (Гкн., 84); пусус цадғуқа кӧнӱли 'тўла ңайғули кўнгли' (Сувр., 623) каби.

Жўналиш келишигининг юңорида келтирилган маънола- ридан кўриниб турибдики, бу келишик гапда мақсад, сабаб, равиш ҳоли, воситали тўлдирувчи, кесим каби функцияда ңўлланади.

Жўналиш келишиги уюшиб келган сўзларнинг ҳар би- рига ёки уларнинг энг сўнггисига қўшилиб келади: будуны- ма кӱнимә цадаиіыма адирьілдым 'халқимдан, ңабиламдан, дўстларимданажралдим (ЕнПТ., 3\);инимә оғлыма ӧтләдим 'инимга, ўғлимга насиҳат бердим' (Онг., П, 9);ңаныи элимкэ тапдым 'хонимга, элимга хизмат ңилдим' (ЕнПТ., 37); бағым- будунымқа адьірылдым 'қабила, бўлинмам, халңимдан аж- ралдим' (ЕнПТ., 52) каби.

Сўнгги давр тилида ҳам бу ҳолат саңланган: ӧякә қанқа 'онамга, отамга' (Сувр., 619).

Жўналиш келишиги билан келган феълларнинг баъзила- ри қуйида келтирилади: ңылын — 'қилинмоқ'; цорц-'үўрң-

моқ'; қазған-'эўтлиоц'\ бар-'б ормоң'; тайан-'т аянмоң'; адырыл- адырын^аілралмоц'; бӧдг-^баҳр олмоқ, баҳраманд бўлмоқ'; йо/ш^юрмоң7; тап-'топинмоң'; йағы- бол-'душман

бўлмоқ7; сӱлз-'қўшин тортмоқ'; әр-'эио\(\ кит-'кетмоң'; кир-'кирмоқ'; ӧл-'ўлмоқ'; тәг-'тчгмоц'; ӧтӱн-'ўтинмоқ7; уч- 'учмоқ'; Агӧр^кўрмоқ'; ӧй^айтмоқ7; кэл- келмоң'; ти-'демоқ'; турғу/^турғизмоң7; cw-'cwimor'; о/јгы-^ңимоң'; эгирт-'ба- ңирмоң'; илин-' илинмоқ7; /ўыл^қилмоқ'; йз^?лa-/кyйлaмoқ,; йалбар-^ёлвормок7; шшк-7ишонмоқ, инонмоң'; md-'ccmiOR7; бити-'tзмоң'; /^«-'қўнмоқ'; нд/и-^лтмоң7; сыц-'сщмоң';

йоу>бі/?г-/юритмоқ/; йа/п^ётмоң'; тәгур-чешгыоц' \ алсық- 'олдирмоқ7; сзви/ге^севдирмоң'; mo/fW-'epMOR7; уч-'учиоц' \ /изз-7югурмсщ7; эмгән,— ә^кә«-7қийналмоң7; со^ууиі-'учраш- моқ'; тик-'ткмоц'■, тарқар- 'тарқамоң'; бас-'босмоң'; урсуц- 'урилмоқ7; бан-'боғланмоқ, боғламоқ7 кабилар.

**ЎРИН-ПАЙТ кејіишиги**

Ўрин-пайт келишиги ңуйидаги аффикслар билан ифода- ланган; -да, -дә, -та, -тә[[12]](#footnote-12).

Охири жарангли ва жарангсиз ундошлар билан тугаган қаттиқ ўзакли сўзлардан сўнг -да, -та, юмшоң ўзакли сўз- лардан сўнг -дә, -тә аффикслари ңўлланилган.

Ўрин-пайт келишиги иш-ҳаракатнинг содир бўлиш, рўёбга чиңиш, воңеа-ҳодисанинг юз бериш ўрнини бил- диради: Тайған кӧлтә тирилтим 7Тайған йўлда аскар тўпладим7 (ПМК., 36); Бурғуда йэтдим 'бурғуда етдим/ (ПМК., 35); исиг қумга ағанамыиі тәг 'иссиқ қумда оғана- гандек' (Сувр., 626); бурханда 7бурханда7 (ТТХ, 54); бой- нинда 'бўйнида' (ТТ VIII, 53) каби.

Иш-ҳаракатнинг ёки ҳодиса-воқеанинг бажарилиш пай- тини билдиради; ол кунтә тэгди 'ўша куни етди7 (Тон., 64); алты йашымта цан адырылдым 7олти ёшимда отасиз қол- дим7 (ЕнПТ., 64); уч йашьімда цансыз болдым 'уч ёшимда отасиз бўлдим' (ЕнПТ., 21); цырц йашымда адырылдым 'қирң ёшимда айрилдим' (ЕнПТ., 80) каби.

Бу маъно асосан енисей ёдномалари тилида учрайди. Бошқа руник ёдномалар тилида худди шу маънода жўналиш келишиги ишлатилади.

Шуни қайд ңилиш керакки, енисей обидаларида вақт, пайт маъносида ўрин-пайт билан параллел равишда жўналиш келишиги ҳам қўлланади. Баъзан бир жумлада иккала ке- лишик ҳам учрайди: бэиі йашымтә цансыз цалып тоқуз йғгирми йашымға ӧгсўз болтум цатығланып отуз йаіиим- ға огӧ болтым 'беш ёшимда отасиз қолиб, 19 ёшимда она- сиз қолиб қатиғланиб, 30 ёшимда ўга бўлдим' (ЕнПТ., 81); бир йэтмиіи йашымға кӧк тэнридэ '61 ёшимда кўк ос- мон' (ЕнПТ, 81); бәіа йәгирми йашимда табғая қанға '15 ёшимда Табғоч хонга' (ЕнНТ., 33) каби.

Ӱрин-пайт келишигининг вақт маъносида келиши тур- фон, манихей, уйғур ва бошңа ёдгорликларида ҳам мав- жуд: бӱкӱнки кўнтэ 'бугунги кунда' (Сувр., 622); ол оғурта 'ўша вақтда' (Сувр., 607).

Юқоридагилардан маълумки, бу келишикнинг пайт маъ- носи ўзаги пайт-вақт семантикаси билан боғлиқ бўлган сўз- лар орқали ифодаланади. Шу билан бирга, пайт маъноси ҳаракат, ҳолат, воңеа-ҳодиса билдирувчи отлар орқали ҳам берилади.

Кўл тәгин ол сӱнӱиідә отуз йашайур әрта 'Култегин ўша уруш вақтида ўттиз ёшда эди' (КТб., 32); Тургәиі бу- дхяығ уда басдым 'Тургаш халңини уйқусида босдим' (МН., 17).

Бу давр тилида мазкур маъно айниқса сифатдошнинг -дук, -дўк формалари билан кенг учрайди.

Иш-ҳаракатнинг, воңеа-ҳодисанинг бошланищ ўрни, чиңиш нуцтасини билдиради. Бу маъно текширилаётган давр ёдномаларида жуда кенг истеъмолда бўлган; Тўнўт қа- ғаида бӧлӧн кәлти "Гебег хоқонидан қул келди' (КТб.,33); қырқызда йантымыз 'қирғизлардан қайтдик' (Тон., 61); йағыда бошана бошаналадим 'душмандан ңутулдим' (ПМК., 36); олғлы ӧгинтә қанынта ӧбкәләпән 'ўғли она- отасидан ўпкаланиб' (Гкн., 84) каби.

Енисей ёдномаларида бу маъно кўпроқ адырыл -'айрил- моқ^ феъли билан ңўлланади.

Ўрин-пайт келишигининг шу маъноси уйғур, турфон, манихей текстларида ҳам кенг қўлланилган: кўзинтә исиг йашы, тӧкўйў...'кўзидан иссик ёш тўкиб'...(Сувр., 624); ймә mcyti йазуқларынта озты 'тез орада гуноҳларидан ңутулдилар' (ТТ IV,14); ӧдўн кўнтўн булунда ӧгрўтлўг йил йилтирди 'атрофдан майин шамол эсди' (ТТ I, 3); ағыр әмгәктә қуртулзунлар 'оғир қийинчиликдан қутулсинлар' (ТТ VI, 21); бәг әбантэ ӧнўп бардылар 'бег уйидан қайтиб кетдилар' (U III, Ю-9); шиг ӧзўнтә адрилғали ануқ тур- ғыл 'иссиң жонингдан ажралишга тайёр тургил' (U III, 56,11); тўкәл билгэ тәнри тэнриси бурханта адын кимни.... 'тўла билимли тангри тангриси бурхондан ўзга кимки' (ТТХ, 107-110) каби.

Процесснинг юз берган, пайдо бўлган жойини билди- ради: тәнрадә болмьіш 'осмонда пайдо бўлган' (КТм.,27); йағыз йирдә тикә ӧнти 'қора ердан ғовға кўтарилди' (ТТ I, 10); ағызларынта йалын ӧнти 'оғизларидан олов чикди' (ТТ IX, 10); цатунынта тоғмыш 'хотинидан туғил- ган'„(Сувр., 607) каби.

Ўрин-пайт келишиги қиёслаш, нисбат берищ, ўхша- тиш маъносида: бизинтә әки, учы сынарча артуц дрти ■икки учи бизга ңараганда ярим марта кўп ортиқ эди' '{Тон, 63); ӧзумтә йигләр 'ўзимдан яхши' (АГ, 30); йаруқ- та йаруц 'энг ёруғ' (АГ., 30) каби.

Иш-ҳаракатнинг бирор прецметга йўналганлигини кўр- сатади: Тинэси оғлы йатығма тағда тэгмши 'Тинеси ўғ- ли ётган тоққа етди' (Тон., 64); тунцәр тағда тзгиптоңы- дым 'Тунгкер тоңңа етиб ҳужум ңилдим' (МН., 18); Улар- ни "барча бир йирдә йығынлар тиринләр 'уларни барча- ■сини бир ерга йиғинглар, тўпланглар', (U III, 28; 5—6); Кӧнӱл ичинтә от кирди 'кўнгил ичига ўт кирди' (ТТI, 7); әтӧзӱндэ ааағчал тәг орнағу бирда 'сенинг ўзингга тўр- дан жой берди' (ТТ I, 11); кәнту ӧзи ӧк кӧнӱлинтә кел- ти 'ўзининг кўнглига келди' (ТТ X, 36); йўрэкимтә сан- чиғjuipun 'юрагимга санчиң кириб' (ӧ III, 37,7).

Ўрин-пайт келишиги сабаб, восита, ңурол, комитатив каби маънӧларни билдиради: идииіимта айацымта Ӧна қанчо, барырмғн 'идишсиз қандай бораман' (Гкн., 63); оғ- -ланым әрдэ марымынча бол 'ӱғлим ботирликда устозинг каби бўл' (ЕнПТ., 84); анын кӱчинтә 'унинг кучи билан' (ТТ IX, 18); бириси толғақта тынммыи алты 'бириситўл- ғоқ билан нафасимни олди' (Сувр., 154); тойын тӧрӱсинтә йорыцаӓ му мән 'руҳий қоидалар билан юраманми?' (Юр., I, 202) каби.

Ўрин-пайт келишигидаги сўзлар ran таркибида ўрин, гіайт ҳоли, воситали тўлдирувчи, кесим каби функцияларда келади.

Ўрин-пайт келишиги жўналиш келишиги функциясида келади: әр әрдәмимдэ бӧкмэдам 'эрдамимга, ботирлигимга тўймадим' (ЕнПТ., 80); ӧашын йирдә йойды 'бошини ерга бекитди' (U III, 64; 17) каби.

Руник ёдномаларида бу келишик ңўшимчалари уюшиң бўлакли сўзларнинг деярли ҳар бирига ңўшилиб келади: ыда ташда цалмышы 'дарахтзор тошда қолгани' (Тон., 61).

Сўнгги давр тилида уюшиб келган сӱзларнинг ҳар бири- га ёки уларнинг охиргисига ңўшилиб келади: тағда арық- та 'тоғда ариңда' (Сувр., 608); бурханнин кўчинтэ кў- сўнинтә 'бурхоннинг кучида,истагида (ТТ X, 246); йалбар- мақ ағырынмақ мўнрәмәк ыняыцламацта улаты әиіит- кәли умағулуқ ўнләри ўзә йанғура турур 'ёлвориш, оғриқ, дод-вой, эшитиб бўлмайдиган товушлар билан янграр'' (Сувр., 156).

Қуйида ўрин-пайт келишиги билан келган феълларнинг баъзиларини келтирамиз: ӧбкәлә- 'ғазабланмоқ'; тәз- 'югур- моң'; оз- 'ўзмоқ'; ңал- 'қолмоқ'; бол- 'бўлмоқ'; бар- 'кет- моқ'; тилә- 'тиламоқ'; цыл- 'қилмоң'; әр- 'эмоқ'; соқуш- 'учрашмоң'; тамқала ||| тамғала- 'тамғаламоң'; ази- 'сез- моц'-,йәт- 'етмоқ'; ңатил- 'қўшилмоң'; цонтур- 'ңўндирмоқ'" йәрлә- 'жойлашмоқ'; санч- 'санчмоқ'; бэр- 'бермоқ'; тоқьі- 'тўқнашмоц'; олур- 'ўтирмоқ'; соқуш- 'уришмоқ'; цо- 'қўй- моқ'; ӧл- 'ўлмоқ'; тәк- 'тикмок'; буз- 'бузмоң'; йантур- 'қайтармоқ'; цабыш- 'қовушмоқ'; йӧгтўр- 'кўтармоқ'; тәг- 'тегмоқ, етмоқ'; кӧр- 'кўрмоқ'; тәкзин- 'кезмоқ'; бӧк- 'тўй- моқ'; адырьіл- 'айирмоқ'; боиіун- 'бўшалмоқ'; ӧтўн- 'ўтин- моқ'; кэл- 'келмоң'; йан- 'ңайтмоң'; ай- 'айтмоң'; тут- 'тутмоқ'; кит- 'кетмоң'; адыр- 'айирмоң'; бан- 'боғламоқ';: ңубран- 'ңўшилмок'; олур- 'бўлмоң'; истэ- 'изламоқ', иста- моқ'; тапыш- 'топишмоқ'; бўрт- 'бўртмоң'; саяыл- 'сочил- моқ'; ағына- 'оғанамоқ', қал- 'қолмоң', тӧк- 'тўкмоң', тоғ- 'туғилмоң', тапыш- 'топишмоқ', ңод- 'ңўймоң'; арыт- 'аритмоқ'; йапын- 'ёпинмоқ'; йўри- || йоры- 'юрмоң', илт- 'элтмоң', қуртул^ңутулмоқ' кабилар.

ЧИҢИШ КЕЛИШИГИ

•Чиқиш келишиги қуйидаги аффикслар билан ифодалан- ган: -дан, -дан, -дын, -дин, -дун, -дўн, -тан, -тән, -тын, -тан, -тун, -тўн[[13]](#footnote-13).

Ўрхун-енисей ёдномалари тилида чиңиш келишиги В. В. Радловнинг фикрича, мавжуд бўлмаган[[14]](#footnote-14). Бу фикрни. кейинчалик бир қатор олимлар ҳам тасдиқлади[[15]](#footnote-15).

Кейинги текширишлар натижасида ўрхун-енисей ёднома- лари тилида мазкур келйшикнинг мавжудлиги аниңланди[[16]](#footnote-16).

Руник обидаларда чиқиш келишиги жуда кам учрайди: йарықлығ цантан (В. Радловда кандын) колип йана әлт- ди? 'қурол-яроғлик қайдан келиб сени тарңатди, тор-мор қилди' (КТб., 30; Мелиоранский 70; Радлов 136); сўнўглиг цантан. кәлипән сӱрә әлтди 'найзалик қайдан келиб суриб кетди' (КТб., 30; Мелиоранский 70; Радлов 136); ӧндэнца- ғанғару сӱ йўрылым тимис 'ўнгдан (шарқдан) хоңон томон ңўшин тортайлик деди' (Тон., 63).

Баъзан чиқиш келишиги тошларга икки марта ўйилган: оғуздан тан (В. Радловда оғуздьіндьш) кӧрӱг кәлти 'ўғуз- лардан жосус келди' (Тон., 61); ташдындын 'ташқаридан' [G. Ramstedt Zwel Uig. Runenschriften] каби.

Уйғур, манихей, турфон ёзув ёдгорликларида чиқиш ке- лишиги кенг истеъмолда бўлган. Буларда чиңиш келишиги иш-ҳаракатнинг бошланиш нуңтасини, чиқиш ўрнини, жойи- ни билдиради: ол аның ким таштан ашқа ичкӱкэ қат- man эрӱр 'уни ким таііщаридан ошга, ичкиликка таклиф ңилмоңда' (Ман., Ill, 6-6); балыцдын, балыңца улушдын улушңа элдин длкә тынчы савчи болуп йорыдымыз 'ша- ҳардан шаҳарга, қабиладан қабилага, элдан элга эшитувчи,. сўз ташувчи бўлиб юрдик' (ТТ IV, 20—21); тэнри йэрин- тән инти 'тангри ўз еридан тушди' (Ман., III., 35); әвтин барцтын ӧнтиләр 'уйдан, ңасрдан чиңдилар' (ТТ, III., 137); тоньі баштан адақа тәги 'тўни бошдан оёңңача' (Ман., 13) каби.

Ҳаракат ёки процесс кимдан ёки нимадан бошлангани- ни билдиради: ӧз ңонўлӱнизләртин 'ўз кўнгилларингиздаи' (ТТ VIII, 43); кәнтў ӧлләринтин. 'ўзларингдан' (U II 48); ики кӧзӱнтин. 'икки кўзидан' (ТТ X 339); тәнридэн та- мыдан йоқару ағдуцта 'осмондан, жаҳаннамдан юңори кў- тарилганда../(Ман., 13) каби.

Ҳаракат ёки процесснинг бошланиш пайтини, вақтини билдиради: мән илкисиздин бәру 'бошидан бошлаб' (Сувр.,

1. ; ӧнўнч айынтын бэру' 10 ойдан бери (USp., 532); анындын бәрӱ 'ўшандан бери' (Юр., I, 202) каби.

Бирор нарсадан ажралиш, холос бўлиш, ңутулиш маъ- носини билдиради: бальщ сувынтын адьірылып 'балиқ сувдан айрилиб../ (Сувр., 626), әмкәкләринтин 'мушкул- ликларидан қутулиб' (Сувр., 155).

Ҳаракат ёки процесснинг содир бўлган ўрнини билди- риб, ўрин-пайт келишигига мос келади: илтин цантын босуш бар 'элда, хонда қайғу бор' (ТТ I, 9).

Сабаб маъносини билдиради: ағрығтын 'оғриқ туфай- ли' (ТТ VIII, 67).

Ҳаракат ёки прѳцесснинг йўналишини билдиради; цайудын йынақ 'қайси томондан' (ТТ X 83); тағдын йынақ 'тоғ томондан' (Сувр., 156); ташдын сынар 'ташқаридан' (ТТ IX, 42); тӧртдин сынар 'тўрт томондан' (U II, 37); қайудын сынар 'қайси тарафга' (U IV, 36); кӱнтин, йынақ 'жанубга' (U II, 45).

Чиқиш келишигининг йынақ, сынар каби сўзлар билан келиши қуйироңда батафсил изоҳланган.

Бир предметни бошңа бир предмет билак чоғиштириш маъносини билдиради: бу сән антан кэркәк 'бу сен ундан кёраксан' (ТТ VIII, 65); тзнри-а анмынтынӱстӱнки'танг- ри Ангминдан юңориси' (ТТ X, 303).

Чиқиш келишигидаги сўз тўдадан қисм, бутундан бў- ла-к каби маъноларни билдиради: ол тпаиітын алып. ӧн- рзни таиіқа қшп 'у тошдак олиб олдиндаги тошга ташла!' (ТТ VIII, 64).

Тушум келишиги функциясида қўлданади: бәгтин ииіи- тин кәрсәрсән савқа қирқ - элирсэн 'бекдан иши ҳақида сўрасанг, мақтовга сазоворсан' (ТТ I, 14).

Уюшиң бўлакли гапларда кўпинча ҳар бир сўзга қўши- либ келади: бэгтин ишитин (ТТ I, 14); двтин барқтын ӧнтилэр 'уй-жойдин кетдилар' (ТТ III, 137) каби.

Қуйида чиқиш келишиги билан келган феълларнинг баъ- зилари келтирилади: олур- 'ўтирмоқ'; тәг-'ҳужум ңилмоқ'; кәл- 'келмоц'; эр- 'змоң'; ал- 'олмоң'; ӱн- 'унмоң, пайдо бўлмоқ'; бар- 'бормоқ'; кӧр- 'кўрмоң'; тӱш- 'тушмоң';ады- рьіл- 'айирмоқ,; тоғ- 'туғилмоң'; тарцар- 'тарқамоқ' каби.

АКУАТИВ ФОРМАСИ

Акуатив формаси сифатида -ча, -чә шакллари ва -тзг, -тзк, -тағ кўмакчилари ңўлланади. Буларни баъзи олим- лар (В. В. Радлов, А. Г а б э н) келишик бобида кўришади.

-ча, -чэіъ формаси ўхшатиш, ңиёслаш маъноларида: цанын субча йўгўрти сӧнўкун тағча йатды 'қонинг сув- дай оқди, суякларинг тоғ бўлиб ётди' (КТб., 31); цуиіча 'қушдай' (ЕнПТ., 95); ӧтчә борча кәлти 'ўт ва олов каби келди' (КТб., 32); кӱн /яан/гычз'кун тангридай' (Ман.,Ш, 33).

Тахмин, чама маъносида: йӱзчә әр 'қарийб юзга яқин киши' (Мн., 18); әлигчә эр '50 га яңин киши' (Тон., 43); азча 'озгина' каби.

Иш-ҳаракатнинг бажарилиш усули, йўли: торусанчә 'қонун бўйича' (КТб., 30); номча тӧручэ 'қоида- конун бў- йича' (Хуаст,, 119); кӧнлӱнчэ 'истаганича' (Тон., 63); кӧн- лӱнчә 'кўнглингдек' (ТТ 1, 7); қанча (,қанынча) 'ңандай қи- либ' (ГКн., 83); кучум йитмиишнчә 'кучим етганча' (Юр., I, 203); тәнинчә 'тенг қилиб' (Юр., XIII) каби.

Сифатдошга (-қуя, -қын, -ғын, -гин, -кин) қўшилиб пайт маъносини билдиради: бузқута 'ўлганча' (Онг., П, 9); биркинчә 'берганча' (Юр., XXVII, 215); ймә тарҳан кішін- чэ 'Тархон келганча' (ТТ II, 19) каби.

Пайт маъноси бошқа сўз туркумидан ҳам ҳосил бўлади: бурунча 'бурунги (одат) бўйича' (Юр., I, 202); анчацыта 'шу орада'. (Сувр., 620) каби.

Иш-ҳаракатнинг бажарилиш ҳолатини англатади: йоғур- ча 'кетиши билан' (Тон., 27); улуғ оғлым ағрып йоқ бол- ча 'катта ўғлим оғриб йўқ бўлганда' (МН., 18).

Восита, сабаб маъносида: сәвикинчә йорып севгандан юриб (Хуаст., 118); они йолча бармыш 'бошқа йўлдан бор- ган' (ПВ., 136); сизин, савьшызча ӧтӱнӱзчә йорығаймн 'сизнинг сўзингиз, маслаҳатингиз билан юраман' (ТТ II, 49-50); ӧни йолча йорутды 'бошқа йўлдан юритди' (ПВ., 136).

Кўплик, жамлик, кучайтириш маъкосида: қалты би- лииіинизләрчд 'худди билимингиздай' (ТТ VIII, 8); қалты амраіимышынызләрчә' худди сизнинг севгингиздай' (ТТ VIII,8); кимчә ким 'кимда ким' (Юр., XVI, 213) каби.

Бир қатор сўзлар равиш гуруҳига ўтган.

■тәг, -тәк, -тағ’л. Бу аффикс ўхшатиш, қиёслаш, тақ- ңослаш маъносида ңўлланади: қаған сўси бӧри, тәг 'хоқон аскари бўридек' (КТб., 29); йағысы қон тэг 'душмани қўй- дек' (КТб., 29); Умай тәг 'Умай каби' (КТб., 31); кәйик муйузи тәг 'кийик шоҳидек' (ТТ I, 8); цас тини тәг 'қас товушидек' (ТТ1,11 );әм — тыцы тәк'эндигидек' (Сувр., 116); антағ каби.

Ўхшатиш, қиёслаш маънолари юқоридаги аффиксларнинг иштирокисиз ҳам берилади. Бу усул энг қадимий бўлса ке- рак. Масалан: атын кӱн йатылды 'отинг хушбўй модда каби ёйилди' (ТТ I, 13); аяығ ӱнин сығта йағмур йағыт- дылар 'ңаттиқ товуш билан йиғлаб ёмғио каби ёш оқизди- лар' (U III, 13, 5-6).

ОТЛАРНИНГ ЯСАЛИШИ

Маълумки, тилдаги янги сўзларнинг кўпчилиги ңадимдан .мавжуд бўлган ўша тилнинг ички воситалари орңали яса- лади. Бу воситаларга синтактик, морфологик, фонетик лексик каби усуллар киради.

Бу давр тилида морфологик ва синтактик йўл билан сўз ясаш кенг истеъмолда бўлган.

Синтактик йўл билан от ясаш. Икки (баъзан ундан ортиқ) сўз ўзаги ўзаро бирикишидан ңўшма сўзлар пайдо бўлиб, буларнинг қуйидаги кўринишлари мавжуд.

Икки синоним сўзнинг ўзаро қўшилиши натижасида ташкил топган жуфт сўзлар: әтӧз (Сувр., Ман., U, 11); йыдйыпар 'хушбўйлик' (UI, 30); адманал 'шуҳрат, (USp., 60); ағы барам 'бойлик' (Ман., 1, 15); куа яәяәк 'туп' (U 1, 30); умуц ынац "дўст, ўртоқ7 (Сувр., 612).

Компонентлари бир-бирига зид маъноли сўзларнинг би- рикишидан ташкил топган жуфт сўзлар: оғул қыз (Ман., I, 15); ака ини (USp., 22).

Баъзан жуфт сўзлар -лы, -ла жуфт боғдовчиси билан қўлланади: пгӱнли кӱнли 'туну кун, сутка7 (МН., 19); ини- ли әшли. (КТб., 29); тпәрсли онлы әдгули айығлы 'ўнг- тескари ва яхши-ёмон' (ТТ VI, 196) каби.

Сифатловчи синтагма типидаги қўшма сўзлар: тииіи ки- ши Охотин, аёл' (Ман., III., 22); удяьі әр 'чўпон' (КР., 35); йултузяы әр 'мунажжим' (Ман., III, 30); кәйакчи әр 'овчи' (U III, 58); қарабаш 'чўри, асира' (USp., 110), Кул тәгин 'киши исми' (КТб.,); оғулумын ӧлтӱрӱп аньш әтиузэ кәс- мә аш кигӱрӱ тәгинтим 'ўғлимни ўлдириб, унинг этидан қийма ош пиширдим' (U III 65, 1-2).

Морфологик усул билан от ясаш. Ёдномаларда аффик- сация йўли билан от ясаш жуда кенг истеъмолда бўлган. Қуйида бу аффиксларни келтирамиз.

-чы, -чи^. Бу аффикс шахс билдирувчи отлар ясайди. Ёдномаларда -ча, -чы қўшимчаси жуда маҳсулдордир.

Отларга ңўщилиб шахснинг маълум фаолиятига ман- -суб эканини кўрсатади: тәнрачи 7тангрига хизмат ңилувчи, воисгўй7 (Хуаст., 117), тэнри > хит. тәнри 'тангри, худо, осмон7; номчи'шариат йўлининг тарғиботчиси7 (Хуаст., 117) ном 'китоб, ңоида7, (тўх, сўғд., ном, грек. номос); сабчы; 'воисгўй; оратор7 (Гқн., 81, саб7 сўз, ran7); тѳтүкчи 7судья, ңонуншунос7 (ТТ VIII, 29, тѳр — т+әк); тапығчы, тапағчьі 'хизматчи7 (Сувр., 620); тапығ 7хизмат7 (ТТ X 249); әлчи 'элчи7 (Юр., XIX); буйанчи динга эътиңод қилувчи7 (Юр.,

і, 202, буйан < скр. бунйа 7хизмат);

Бирор характер-хусусиятига кўра шахс номини бил- диради: армацчы 7йўлдан оздирувчи, васваса ңилувчи7 (КТб., 29; арбақ, армақ < арба — 7аврамоң7); ӧчғшчи 7ўча- кувчи7 (ТТ IX, 41; очдш — учрашув); тағунчы, 7тилёғламачи7 (ТТ X 457, тағун 7хуш'омад7) каби.

Қурол, ускуна англатувчи отларга ңўшилиб, ўзак орңали ифодаланган маънонинг эгаси зканлигини кўр- сатади: цобузчы 7қўбузчи7 (ПМК., 79); сӱнӱгчи "найзачі^ {ПМК., 83); сӱнӱг 7найза7 каби.

Предмет англатувчи сўзларга ңўшилиб, шахснинг ўзак орңали ифода этилган иш билан шуғулланишини кӱрсатади: бэдизчи 7наққош7 (КТб., МН., бәдаз 'нақш,7 тамғачы 7тамгачи7 (КТм.); ығаччы 7ёғоч' (билан) ишловчи7 (ТТ VII, 90, иғач 7ёғоч7); қанлычы 7аравакаш7 (ТТ VIII, 95); цанлы 7извош, арава7, тузчы 7туз ишлаб чиқарувчи7 (TT.VIII, 100); битиг- чи 7хаттот7 (ТТ IX, 40; битиг — 7хат7); әмчи 7табиб7 (ПВ-, 135; әм ўсимлик); жуфт ҳолда: отачы, әмчи; тарығчы 7деҳқон7 (ТТ X, 14); овчы 7овчи7 (КР., 8); балығчы 7балиңчи7 (КР., 8); бағчы 7боғбон7 (USp., 22) каби.

Шахснинг вақтинча ҳолатини ёки предметорцали ифо- даланган маънога муносабатини кўрсатади: йуғчы сьіғыт- чы 7азада йиғловчи7 (КТб., 29); ӧтғгчи 7ңарздор7 (Хуаст.,117; ӧтәг қарз7); туруиічы 7ҳимоячи, ҳомий7 (Сувр., 156; туруиі 7ҳимоя7); алымчы 7кредитор7 (Сувр., 155); биримчи 7ңарз- дор7 (Хуаст., 119) каби маъноларда келади.

-чы, -чи аффикси -ғу, -гў сифатдошига қўшилиб қўшма аффикс -ғучы, -гуча аффиксини ясайди. Бу сифатдош ор- қали ясалган отларнинг айримлари отлашиб келиши ҳам мумкин.

-чы, -чи аффикси -да, -дә, -та, -тә шаклларига қўши- либ -дачы, -дәча, -тачы, -пгэчи сифатдош аффиксини ясайди.

-хан, -қан (ҳит < хуан 'администратор'); цаған, 'улуғ хон, хоқон'[[17]](#footnote-17); бурқан 'будда' (Хуаст., 117); ҳит <бийәт, бур 'будда'; Илиққан 'киши оти' (ПВ., 135); Тарқан 'ки- ши оти' (Тон., КТм., ЕнПТ.); кар < map 'билимдон; эксперт'.

-даш: қа қадаиі 'катта ва кичик ака' (ТТ VI, 63-4); адаш цадаш 'дўст, биродар, қариндош' (Хуаст., 90); қақӓ- даш 'ңариндош' (U 111 6; 2).

-гўн, -ғун, -қун, -гўн\ кәлинӱн 'келин (лар)' (КТб.,49); инийӱгӱн 'ини (лар)' (КТб., 51); цуняуйғун 'бека (лар)'; элгин 'ҳиммат' (Еі-іПТ.,) каби.

-ч: огучим 'онажоиим' (АГ., 59); атачым 'отажоним'

(АГ., 59).

-чға, -чқа: авыяға 'ота, кекса чол' (КР., 19), абучқа

(USp., 32) 'қари, кекса чол, ота'.

-лығ, -лиг, -луқ, -лук, -луғ, -луг-Р Руник ёдномаларни дастлаб ўңиган олим В. Томсен, бу ёдномалардан -лық, -лик абстракт маъноли отлар, -льіғ, лиг сифатлар ясалишини қайд қилади.

П. М. Мелиоранский Култегин текстини анализ қилиш асосида -лық, -лик абстракт отлар, -лығ, -лиг нисбий сифатлар ясаши ҳақида ёзади.

В. В. Радлов юқорида зикр этилган аффиксларни от ва сифат ясовчи кўрсаткич сифатида карайди:і0. Бу аффикслар от ва сифат ясашда иштирок ңилади.

Бу давр тилида энг кенг тарқалган маъно ўзак орңали ифодаланган семантикага эгаликни билдириш:[[18]](#footnote-18) йарақ- лығ 'қуролли' (КТб., Тон.,); сӱнўглиг 'найзали, найзабоз' (КТб., 30); кўялиг 'кучли' (Тон., 62)., бәгилик 'қаттиқ7 (КТб., 32); тӧрт бутлуғ 'тўрт оёқли7 (Хуаст., 117); ағу- луғ 'заҳарли' (Хуаст., 117); сәкиз адаклығ 'саккиз оёқли' (ЕнПТ); туғлығ 'байроңдор, байроқли' (ПМК., 35); тамға- лық 'тамғали' (ЕнПТ., 49);алтунлығ 'олтинли' (ЕнПТ, 26); цутлуғ 'қутли, бахтли7 (ЕнПТ., 84); цанатлығ "қанотли7 (Гкн., 80); булутлуғ 'булутли7 (Гкн., 84); мәнилиг 'ңувонч- ли' (Гкн., 84); зрдәмлиг 'эрдамли7 (Гкн., 81); йағлығ 'ёғ- ли (Гкн., 81); тэнрилиг 'тангрили7 (Гкн., 81); айлығ'ойли7 (Гкн., 81); бәглиг 'бегли' (Гкн., 84); эрклиг'кучлк' (Гкн., 81); тонлуғ 'тўили' (Сувр., 154; тон < скр. thauna 'кийим'); сәвиглиг 'севимли' (Сувр., 607) каби.

Йалтрықлығ 'ялтироқ' (Сувр., 155); атлығ 'отли' (Сувр., 156); бәлгўлўг 'белгили' (Сувр., 155); бусушлуғ сақынялығ 'қайғу ғамли' (ТТ X, 64); пацырлығ кӧзлўгләр 'пакирли кўзлилар' (ТТ IX, 16); бутлуғ 'бутли' (ТТ IX, 17); орнағ- лығ 'жойли' (ТТ VIII, 12); иглиг 'хаста' (ТТ VIII, 12)-,асығ- лығ 'фойдали' (ТТ VIII, 43) каби.

Юңорида келтирилган мисолларнинг кўпчилиги нисбий сифатлардир. Эгалик маъносидаги отларга қуйидагиларни ҳам келтириш мумкин: башлығ 'бошлиң' (КТб., 29—30);қул- лығ 'қулдор'(КТб., 30); кўнлиг 'ңул эгаси' (КТб., 30); ат- лығ 'отлиқ' (Сувр., 154) каби.

Белғи, хусусият, ҳолат каби маъноларни аиглатади: кўрлиг 'алдам7 (КТб., 29); тзблаг 'ғаламислик' (КТб., 29); иялиг 'ҳомиладор' (ТТ X, 36); ӧлмзклт 'ўлим' (Сувр.,613); тьінлығ, тынләг 'жонивор7 (ТТ X 524); кӧнўлўг, кӧнӧллӧг 'ахлоң, онг, фикр, хаёл' (ТТ VIII, 68); адғырлыц айғир по- даси' (Гкн., 80); сувлуг 'тошқин7 (ТТ VIII, 15)\чихшапатлиг /онглилик, ахлоқ кодекси' (ТТ VIII, 85 <сўғд, чихшапат < тўх. siksanada 'ңоида, ахлоң'); урғуғ йўзлўг 'қавм-қардош' (Юр., XVI); уғулуқ 'имконият7 (Сувр., 154) каби.

Сўзнинг ўзағида ифодаланган предметнинг тўпланган, жам бўлган ўрнини кўрсатади: бӧрлўк 'узумзор' (10 p., XXII, XIX); цамыиллығ 'қамишзор7; әтлик 'гўшт дўкони' (ТТ V, 12); йэмишлик 'боғзор7 (U I, 28; Сувр., 31); қуш- луғ 'ңушлар жойи' (Гкн., 84) каби.

Бирор нарсанинг саңланиш ўрнини, жойини кўрсатади:

ағылыц 'ңимматбаҳо нарса сақланадиган жой' (Сувр., 607); барымльіғ 'омбор' (Сувр., 607) каби.

Бирор предметни англатади: узунтонлуғ 'кийим'

(Хуаст., 117); кӧрӱклӱг 'дераза' (Гкн., 81); бурунлуғ 'бу- рундуң' (Гкн., 81) каби.

Сўз ўзагининг модификацияси учун хизмат қилади: нзгӱлӱн 'нимага' (ПВ., 135); қылытлығ 'қилиң' (ТТ VIII, 30); қамағлық 'ҳамма' (ТТ VII, 41) кабилар. Сифат бобида ңай- тариң бўлишига йўл ңўймаслик мақсӓдида мазкур шакллар- нинг сифат ясовчи маънолари от бобида берилди.

Феълдан от ясаш. -чақ: ӧруняақ 'жой' (U III, 31,9,10). -нч, -нчу: сацыня 'фикр, ўй, хаёл, сезги' (Хуаст., ТТ., Сувр.,^ва бошңалар); сәвинч 'севинч' (ТТ., Сувр.,); цилынч 'иш, ңилиң, кирдикор' (Хуаст., ТТ);кӱв2и^'қувонч'(ТТ VIII); иринч. 'бахтсизлик' (Сувр., ТТ); цорцыня 'қўрқинч' (Гкн., ТТ, Сувр. ва боищалар); айыня 'хавфсираш' (Сувр.); кӧ- зуня 'армуғон, совға' (ПВ-, 135); ӧтўняў арз, доклад, илти- мос' (Тон.,); бусаня 'ғам, ңайғу' (Гкн., 80); булғаня 'изти- роб, гангиш, эсанкираш' (Тон.,); тарқанч 'тарқаш' (Тон.,); абынчу 'овунч' (Гкн.); алцыняу 'ўлим' (Ман.); тайаня 'та- янч' (U III); айманя 'қўрқиш' (Сувр.) кабилар.

-ш: йумыш 'иш' (Сувр.); ағьіш 'оғиш' (ТТ); инииі 'ту- шиш' (ТТ); бӱгӱш 'оқлик' (U II, 9, 12); тәркиш 'шоши- линч' (Ман., III, 17, 14); кӧиіӱіи 'истак' (Сувр., 615).

-м\ батьім 'ботим' (КТб., МН.); ӧлум 'ўлим' (Гкн., 81); бирам 'ңарз' (Сувр.,); бирим алым 'солиқ' (Юр., XIX); йәйим 'озиң-овқат' (USp., 3); йарнм 'ярим' (Юр., XXIV) каби. -тық: йантық 'ён бағир, қиялик' (Тон., 26).

-т: сығыт 'ңаттиқ йиғи' (КТб., 29); йығыт сығыт 'йи- ғи-сиғи' (Сувр., 154); ӧлӱг 'ўлим' (U III, 4, 12); арт 'довон ошиш' (Гкн., 10) каби.

-дәгс: бэлиндэк 'паралич' (Сувр., 154); әмйўрўндәк 'до- ри-дармон' (Сувр., 615).

-мур: йағмур 'ёмғир' (U III, 13); алмир 'олғич'.

-қақ -кәк, -ғақ: йәк иякәк 'демон, руҳ' (Хуаст., 57); йумғац 'думалоц' (ПВ., 135); цызғақ (ЕнПТ, 693); йалпы- рац 'барг, япроң' (Тш., 32) каби.

-қ, -к, -ғ, -г, -ық, -ик, -уқ, -ӱк:[[19]](#footnote-19) йышмақ 'юмшоң' (КТм., 27); орнаң 'жой'(Сувр., 614); отруғ'орол' (ТТ V, 30); орнағ 'тахт' (ТТ V, 30); царац 'кўз қорачиғи' (ТТ V, 35);

цылыц 'қилиқ' (ТТ V, 37); билик 'билим' (ТТ V, 9), йаруц 'ёриц' (Гкн., 39, Сувр.); цышлағ 'ңишлоң' (Гкн., 78, TTV); йайлағ 'яйлов' (Гкн., 86).

-қу, -ку, -ғу, -гӱ: бәлгу 'белги' (Сувр., 612); бэлин- ләгӱ 'ңўрқинч, даҳшаг' (Сувр., 608); цутрулғу 'ңутулиш' (Сувр., 10); тапьінғу йўкўнгў 'топиниш, юкиниш' (ПВ., 135); орнанғу 'жой' (ТТ V, 30).

-н, -ын, -ин, -ун, -ӱн, -ан, -ән: йалын 'ёлңин, аланга' (Сувр., 616); йаран 'яроқли' (Гкн., ЬЪ)\әкин 'экин' (Юр., 19); царын 'ңорин' (Гкн., 10); қойун 'ңўйин' (Сувр., 6); йалан 'ёлцин' (U III, 30, 31); толун ай 'тўлин ой' (АГ., 79).

-ған, -гән, -ғын, -гин, -ғун, -гун, -қан, -кән, -қун, -кӱн, -қын, -кин:[[20]](#footnote-20) қузғун 'ботир' (Гкн., 83); базған 'бо- сувчи' (Ман., 1, 8, 10); таркин 'кўпчилик' (Сувр., 614) каби.

-ға, -гэ, -қа, -кә\ қысқа 'ңисңа' (АГ.); ӧзгә 'ўзга' (USp., 32); бошца 'бошқа' (АГ., 62);

-ғач, -гәч, -қач, -кәч\ қысғач 'қисқич' (Ман., 1,8); ач- цач 'очңич' (АГ., 71).

-а, -э, -ы, -и, -у, -ӱ: әгғ, угэ, 'мақтов' (USp., 288); қайа 'қоя' (Гкн., 99); кӧзўнў 'кўзгу' (ЕнПТ.,); йахшы 'яхши' (USp., 234); эгри 'эгри' (Тон., 48); цалысыз 'ңолдиқсиз' (АГ., 70); цутада 'бахт' (U II, 86, 38) каби.

-д: йыд 'ҳид' (Сувр.); mod 'тўла' (АГ., 70); кид 'кет' (Сувр.).

і 2 -гўл: тирнәгўл 'йиғувчи' (MJ1., 36).

-п: толп 'бари', топ 'ҳамма'; қоп 'ҳамма' каби.

-л: ынал 'рутба' (АГ., 72); тўкэл 'тугал' (ТТ).

Бир кўп отлар бошқа сўз туркумларининг субстантива- цияси (отлашиши) натижасида пайдо бўлган. Бу давр тили- да -мақ, -мәк ҳам от ва ҳаракат номи ясаган: ӧтўнмәк 'ибодат, дуо, намоз; пушаймон, тавба' (Хуаст., 124); бузул- мац 'бузилиш' (Сувр., 613); артамақ 'йўң ңилиш' (Сувр.,

1. ; унытмақ 'унутиш' (ТТ VII, 10); йанылмақ 'адашиш' (ТТ VIII, 10); атқанмац 'сўкиниш' (ТТ VI, 462); ачмақ'оч- лик' (Сувр., 610); қуванмақ 'ңувониш' (ТТ VIII, 34) каби.’

СИФАТ

Сифат предметнинг белгисини билдириш учун хизмат қилади. Одатда предметнинг белгиси бевосита ёки билвосита (предметнинг бошқа бир предметга бўлган муносабати ооңали) ифодаланади. Шунга кўра сифатлар икки группага бўлинади: аслий сифатлар, нисбий сифатлар.

Ёдгорликларда аслий сифатларнинг қўлланилиши харак- терлидир. Уларнинг предметга хос бўлган қуйидаги маъ- ноларда келишини учратамиз.

Предметнинғ рангини, тусини билдиради: ала 'ола7; ақ 'ок'-, боз 'бўз'-, қара 'ңора'; йаиіыл 'яшил'; кӧк 'кўк'; йа- ғыз 'ңорамтир, к}7лранг, ңўнғир'; ӧрӱн 'оң, оқиш'; йӱрӱн 'оқ'; қызыл 'ңизил'; ӱләз 'ңора, қоп-қора'; тўнәриг 'қора, даҳшатли/ каби.

Предметиинг хусусиятини билдиради: исиг 7иссиң'; тў- ла 'тўла'; ачығ 'аччиқ7; қары 'қари', йаш 'ёш'; сәмиз 'се- миз7; арығ 'тоза7; йўйқа 'юпқа7; қуруғ 'қуруқ'-, улуғ 'улуғ7; йымшац 'юмшоқ'; соғуғ 'совуқ' каби.

Предметнинг сифати хусусиятини, характерини билди- ради: ала 'ңаҳрамон; билгәл 'билимли7; қузғун 'ботир' каби-

Предметнинг пайт-маконга нисбатан сифатини билди- ради: идиз 'катта, новча', ӧн 'ўнг'; кӧни 'тўғри'; пгӱз 'тўғ- ри'; әгри 'эгри'; асра 'паст7; қалын 'қалин'; сол /чап/; шӱк 'тўғри'; қын 'тўғри'; ырақ 'йироқ' каби.

Предметнинг ички сифатини билдиради: сӱ әсән 'омон- эсон'; йәг 'яхши'; кәд 'бағри тош, раҳмсиз, шафқатсиз'; айьіғ 'ёмон'; йабьіз йаблац 'ёвуз'; йавуз'ёвуз'-,әдгӱ 'эзгу'; игид 'ёмон, сохта' каби.

Предметнинг сонини, миңдор ва даражасини билдира- ди: аз 'оз'; қабы 'оз'; ӧкӱш 'кўп'; сансыз ӧкуш 'жуда кўп'; тэлим 'кўп'; цоп иіиин 'ҳамма ишинг' (ТТ, 13) каби.

Предметнинг ташңи сифатини билдиради: арық 'ориқ'; тәглўк 'кўр', туруқ 'озғин' каби.

Сўз ўзагида ифодаланган предметга, бирор хусусиятга эга эканликни билдиради: әрддмлиг'ёрАшля'-,әрклиг 'куч-, ли'; йьілсығ 'бой' каби.

Сўз ўзагида ифодаланган предмет, хусусиятга зга эмасликни билдиради: йазуңсуз 'гуноҳсиз'; әтлигсиз 'эт- сиз'; цорцунчсуз 'қўрқинчсиз' каби.

Эстетик тушунчани билдиради: кӧвсәк 'чиройли, келиш- ган'; силиқ 'чиройли'; сӱсӱк 'пок, тоза' каби.

Предметнинг бошңа бир ңатор сифат хусусиятларини билдиради: бай 'бой'; чығай 'камбағал'; ач 'оч'; йугурук чопонғич бош 'бўш'; ӧлӱг 'ўлик'; чыған 'камбағал' каби.

Булардан ташқари ёдгорликларда бошқа маънода келган сифатларни ҳам учратиш мумкин.

Пайт маъносида келувчи сифатлар: бӱгӱнки 'бугуңги'; әмтықы 'эндиги, ҳозирги'; йаны 'янги'; йайлығ 'ёзги'; бән- гу 'мангу'; мәнгу 'мангу' каби.

Предметнинг ўринга, пайтга муносабатини билдиради: бшпигддки 'хатдаги'; йәрдәки 'ердаги'; кӧнўлтәки 'кўнгил- даги'; балықтацы 'шаҳардаги'; ажунтақы 'дунёдаги' қаби.

Ёдгорликларда учраган сифатлардан юқорида санаб ўтил- ганларнинг состави туб ва ясама сўзлардан иборатдир.

Предметнинг белгиси ўта ортиқлигини кўрсатувчи иңтен- сив формалар ёдгорликларда сифатнинг биринчи бўғинини маълум тартибда такрорлаш ёки сифатларнинг олдидан мах- сус сўзларни келтириш йўли билан берилади.

Оддий даражадаги сифатнинг биринчи бўғинини маълум таргибда такрорлаш йўли орқали интенсив маънони бериш эски руник ёдномалари тилида учрамайди. Бу усул уйғур, турфон текстларида саноқли ўринларда келади; қап цара тўнлә 'ңоп-қора тунда' (ТТ III, 28); цып қызыл 'қип-ңи- зил' (U IV, 8, 38) каби.

Интенсив, орттирма маънонинг оддий даражада келган сифатлар олдида махсус сўзларнинг келиши билан бери- лиш усули ёдномаларда кенг истеъмолда бўлган. Масалан: ән, ан: ән илки 'энг биринчи, биринчи' (КТб.,31); ан ӧнрә ӧз орнынта йатып 'энг аввал ўз ўрнида ётиб'(U III, 43,29); ан башлайу 'энг аввал' (Сувр., 154) каби.

аңығ: анығ йаблақ 'жуда ёмон' (Гкн., 53); анығ әдгў 'жуда соз, эзгу' (Гкн., 9).

кәд, кәт (В. Банг бу сўз сўғд тилидан ўзлаштирилган деб ёзади):кэд кәнўл тэгўрўп тилэнләр 'жуда ўтинчли кӱнгил билан тиланглар' (ПВ., 134).

түз; тўз кәринчсиз бурдан қутын бултунуз 'ҳеч нарса билан тенглаша олмайдиган Бурхон бахтини топди' (ТТ,

Ill, 66); тўз кәритсиз 'жуда юқори' (ТТ IV, 57); тўз кә- ринчсиз 'ҳеч тенглаша олмайдиган' (ТТ II, 13).

йиг: йиг ўстўнки, бурхан цутын булуп 'энг юңоридаги Бурхон бахтин топиб' (ТТ IV, 57); йиг ўстўнки тәнримиз 'энг юқоридаги тангримиз' (ТТ III, 166); йиг бахшысы 'энг уста ўқитувчиси' (U III., 62,9).

чуң: балыцта чун силк туруп арцышларца сав тў- тўзўб инчэ тип пиідиләр (U III, 29, 14—5).

әртингү, әртингү; эртингў ағыр 'ўта оғир' (ПВ., 135); эртингў улуғ бай 'жуда кучли, улуғ бой' (ТТ VI, 72); әр~ тингў улуғ тўрлўг иш 'жуда кўп турли иш' (U III, 27,8); сацалы әртингу кӧп әрди 'соқоли жуда кўп эди' (U III, 30, 30).

әртүдин: әртўдин ачуғын 'жуда очиқ' (ПВ., 134). бәдүк: бәдўк улуғ 'жуда катта' (Сувр., 338). артуң: артуқ әрўш әрўр 'жуда кўп эди' (ТТ II, 61); артуң кўчлўг 'жуда кучли' (ТТ VI, 73).

чоң: чоц йалынлығ 'жуда оташли' (USp., 46). түгәл: тпўгэл билгә тәнри 'жуда билимли тангри' (U Шу 62, 29).

үр: ўр кич ӧдун 'жуда кеч ваңт' (U III., 14, 12); ур

кич болты 'жуда кеч бўлди' (U III, 90, 19).

цоп: қоп тўрлуг 'жуда кўп турли' (U III., 27). әти, ады, иди: әти 'жуда, ўта' (КТб., 33); иди әсўк 'жуда ңалбаки' (Сувр., 627); иди адыран 'жуда бошңа' (Сувр., 612); ады (ТТ II 30).

Орттириш, кучайтириш маънолари синтактик бирликлар орңали ҳам берилади: йаруқта йаруц улуғ әрдәмлиг 'ёруғ- лардан ёруғ улуғ санъатли' (АГ„ 172); тўкәл билгэ тғн~ ри. тәнриси бурхан 'илмида етишган тангриларнинг тангри- си бурхон' (ТТ X, 10); улуғ тәнриләр улуғи 'буюк танг-

риларнинг улуғи' (АГ., 172); тэнри тғнриси бурхан 'танг-

риларнинг тангриси Бурхон (Будда)' (ТТ IV, 46-7); улуғ

улуғы тўкәл билгә билиглиг тәнри тәнриси 'улуғларнинг улуғи, тўла билимли тангриларнинг тангриси (ТТ VIv 05—6) каби.

Бундай ҳолат ёдгорликларда кам учрайди.

Сифатнинг ңиёслаш, чоғиштириш маъноси -раң, -рәк аф- фикслари ва аналитик йўл билан ифода этилади: -раң, -рәк аффиксларининг руник обидалар тилида қўлланишига дуч келмадик.

Бу форма манихей, турфон, уйғур текстларида учрайди: йагрәк 'яхшироң' (Сувр., 154); ӧкўшрәк 'кўпроқ' (Ман., 31); ортуцрац 'ортиңроқ' (ТТ 11, 71).

Чоғиштириш, қиёслаш маъносини ифодалашда ўрин-пайт келишиги билан -рак, -рәк қўшимчаларини ңабул ңилган ёки бу аффиксларни олмаган сифатлар иштирок этиши мум- кин: вжырда ймә цатығрақ сэшн кӧнӱлӱнин утғурац билтим 'диамантдан ҳам ңаттиқроң кўнглинг борлигини энди яхши билдим' (U III, 26; 14-6); бу йартинччўдә синидә ўстўн сәвгўлўк таплағулуқ эд тавар булмазман 'бу дунёда сендан устун севимли, итоат қилишли молу мулк тогшас- ман' (U III, 83; 3-4); мунтада йэгрәк 'бундан яхши (роң)' (КР„ 23).

Текширилаётган давр тилида озбўлса-да, сифатларнинг от- лашиш ҳодисасига дуч келамиз: кичиккә тәги 'кичиккача' (Хуаст., 117); адгўси уйуры 'бойи ва зўри' (Гкн., 42); ӧрў- нўм царам 'оқ ңора отим' (ЕнПТ., 63); ӧрўнки цотьщы севинти 'юқоридагилар, пастдагилар севинди7 (ТТ I, 12).

СИФАТЛАРНИНГ ЯСАЛИШИ

Синтактик усул билан сифат ясалиши. Бу усулда икки (баъзан уч) сифат ўзаклари ўзаро бирикиб жуфт, ңўшма сифатлар ташкил этади: йабыз йаблаң 'ёмон' (ТТ III, 15); чоғлуғ йалынлығ 'оташли, оловли' (ТТ I, 11); аруц туруц 'озғин' (ТТ I, 10); ач туруқ 'оч' (Сувр., 612); иринч йар- лығ 'камбағал, ңашшоң' (Сувр., 612); йоц чығай 'ңашшоқ' (ТТ II, 13); асан тўкәл 'соғ' (КР., 19); әдгу ӧгли, 'дониш- манд' (КР., 18); адасьіз тудасыз 'хавфсиз' (КР., 18) каби.

Морфологик усул билан сифат ясалиши. Сифат ясовчи аффикслар асосан от ва феълларга ңўшилиб келади:

-чық, -чик, -чиг: адынчығ (адын 'бошңа') 'боищача, мах- сус' (КТм., МН.); танланчығ (танлан 'ҳайратда қолмоң') 'ажойиб, ажабланарли' (ПВ., 135; ТТ X, 450); мунадынчығ (.мунадын 'ҳайрон қолмоқ,) 'ҳайрон ‘ ңоларли' (ТТ X, 21, U IV, 28); цорцынчығ 'ңўрқинчли' (Сувр., 613), йарсынчығ 'қўрқинчли, даҳшатли' (Сувр., 613); танланчығ мунадын- чығ (жуфт ҳолда) 'ажойиб, ғаройиб' (U III, 39, ТТ X, 21), йарсынчың 'ңўрңинчли, даҳшатли (Сувр., 613); йарынсыц йарьшчық (жуфт ҳолда) (Сувр., 614); кәйиргәнчик 'ҳаяжонли, ташвишли' (Сувр., 633)-,кӧзләнчиг 'истакли' (АГ., 66), цасын,- чығ цорқынчығ /қўрңинчли/ (ТТ VI, 91) каби.

-дам, -тәм: әрдәм 'эр хусусиятига эга' (ЕнПТ., Гкн.. ТТ VIII); йинтәм 'доимий' (Сувр., 157); биртәм 'тўла' (Сувр., 157); кӱндәм 'қуёшли' (ТТ V, 27), тәнридэм 'ило- ҳий7 (XT V, 46) каби.

г-чыл-. атчыл 'отга кўнгли мойил' (ЕнПТ., 98).

-ғы, -ги, -цы, -ки\ йырйацы 'шимолий7 (Тон., 61); сув ичрэки 'сувдаги' (Ман., 1,35); ажундақи 'дунёдаги' (Сувр., 155); ӱстӱнки устидаги' (ТТ IV, 57); ўстўнги,' баланддаги' (ТТ Ш, 165); анкўнги ажунда 'энг сўнгги дунёда' (U III, 90, 19); йазғы 'ёзги' (U I, 32) каби.

-кәи\ тәнрикән 'илоҳий' (Ман., I, 31); пғрикән, 'пари- ваш' (Man., II, 32), йәтикән 'етти юлдуз (катта айиң)' (ТТ VII, 65);

-к, -қа, -ғ, -г: артуқ 'ортиқ' (ТТ II, 6\);тунәриг 'ашад- дий' (ТТ IX, 41); цанығ 'даҳшатли' (ТТ III, 67); цуруғ 'қу- руқ' (ТТ); арыз 'тоза7 (U I); ӧтўг 'ўтинчли' (ТТ I, 8); йа- ғуц 'яңин' (ТТ V, 54); ақсағ 'шал' (Ман., III, 49); соғыч 'совуқ' (ТТ I, 11); исиг 'иссиқ' (Сувр., 623) каби.

-ил, -ыл, -ал, -зл: цызыл 'қизил' (Тон., 52); тўгәл 7ту- гал, тўла' (ТТ IV, 55; U III, 62; 9); йӧрунил 'ёрңин' (Сувр.,28). -ғуя, -ңын: цузғун 'ботир' (Гкн., 83); асқын, 'осилган' -мыр: алмыр 'қизғанч7 (ТТ VI, 71).

-ыз, -из, -3: идиз 'баланд' (Сувр., 616); йабиз, йавуз 'ёвуз7 (КТб., 26).

-ғу, -гў,-ку, -кӱ: адынағу (Сувр., 611); әдгў 'эзгу' (Хуаст., 118);

-ц: цазан 'ңозонган' (ЕнПТ., 38); булун 'бурчак, эл, че- гара' (КТб., 28); ӧрўн 'оқ' (Гкн.,83);отун, 'ўтин' (АГ., 65); айанчан 'ҳурматли' (ТТ V, 9); кӧвәнчэн 'қувончли' (ТТ VI, 72). -та, -тә: қанта 'қонли' (АГ., 66).

Ёдномаларда бир ңатор сифатлар мавжудки, булар кели- шик, равишдош ва бошқа сўз ясовчи аффикслар орқали ясалган: кѳрклә 'чиройли'; толул 'тўлин'; адын 'бошңа7; әски 'эски7; устун 'баланд7; алдын 'пастки7; толу, тола 'тўла' каби (равиш баҳсига қаранг).

олмош

Ёдгорликларда мавжуд бўлган олмошларни ўзига хос маъно ва функциялари жиҳатидан ңуйидаги олти группага бўлиш мумкин:

Кишилик олмошлари Кўрсатиш олмошлари Ўзлик олмоши Сӱроқ олмошлари Биргалик олмошлари Белгилаш олмошлари

КИШИЛИК ОЛМОШЛАРИ

Тарихан туркий тилларда кишилик олмошлари биринчи ва иккинчи шахсда махсус сўзлар билан ифодаланган, учин- чи шахс кишилик олмоши кўрсатиш олмоши сифатида ңўл- ланган.

Биринчи шахс кишилик олмоши ёдномаларда мән ва бәнх шаклларига эга. Бу сўзларнинг ўзаро фарқи б || м дан иборат бўлиб, маъно ва функция жиҳатдан адъекватдир. Бән шакли текширилаётган давр обидаларидан Тўнюқуң, Моюнчур, енисей каби текстларда учрайди. Бу сўз келиб чиңиши жиҳатидан ўғузчадир. Мән ёдномаларда ^зига нис- батан кўпроқ учрайди. У Култегин, Моғиланхон, „Ирқ би-

1 A. Н. К о н о н о в, И. А. Б а т м а ң о в фикрича, бу икки вариантдан бән. қадимий бўлиб, мен эса бурун товуши и-нинг таъсири натижасида пайдо бўлган- A. Н. Кононов, Грамматика современного узбекского литературного языка, стр. 172, И. А. Батманов, Язык енисейских па- мятников древнетюркской письмеңности, Фрунзе, 1959, стр. 70. Мэн ҳа- ңида қаранг: Г. И. Р а м с т е д т, Введение в алтайское языкознание, М., 1957, стр. 69-70.

тиг“. „Суварна“, манихей, уйғур, турфон текстларида кенғ истеъмолда бўлган.

Иккинчи шахс кишилик олмоши сифатида сэн қўллана- ди. Биринчи ва иккинчи шахс кўплиги биз, саз сўзлари орқали ифодаланади. Демак, кишилик олмошлари мэн, бән^ сән, биз, сиз билан ифода этилган. Булардан н, з ундош- лар ва ә, и унлиларнинг табиати ҳаңида бир ңанча олим- ларнинг (чунончи В. Шотт, В. В. Радл о в, В. Мункачи,

С. Е. Малов, A. Н. Кононов, Н. А. Баскаков,

В. Котвич, Л. Лигети, В. Банг, А. Габэн каби) фикрлари мавжуддир[[21]](#footnote-21).

Кишилик олмошларининг келишиклар билан турланиши отларга ўхшайди.

Кишилик олмошларининг ёдгорликларда турланиши ту- бандагича: мән, бән.

**Бош келишик** мән, бән

Ңаратқич келишиги мәнин (баъзан мэнин. ПМК., 36); ми- нин (КР., 80); бәнин.

Тушум келишиги мини (Сувр., Юр., ТТХ каби); мәна (ТТ IX, 12) мәнни (ТТ VIII, 61), бани Жўналиш келишиги мана, бана

Ўрин-пайт келишиги минтә (Ман., 29); мәнтә, мандадэ (U IV, 286), минтәдә (U II, 21)

Чиқиш келишиги *мәндин, минтин, мәнтин*

*сән*

**Бош келишик** сдн**,** сн

**Ңаратңич келишиги** сәнин. баъзан синин (U III, 8). **Тушум келишиги** сини, сэни **Жўналиш келишиги** сана

Ўрин-пайт келишиги *синтэ, синтәдә* (ТТ X, 32, UI*V);cu- нидә* (ТТ, V), *синтидә* (Сувр., 326).

Чиқнш келишиги сәнтин, синитин (ТТ X 536, U III, 48).

*биз*

**Бош келищик** биз

**Ңаратңич келишиги** бизин (сўнгги даврда бизнин ТТ VII).. **Тушум келишиги** бизни

Жўналиш келишиги бизкғ (ЕнПТ., 66, КТб.,); биз(и) нә,.

бизинә (КТб., Сувр., ПВ. ва бошқалар), бизинәрӱ,

*бизинэр*

Ўрин-пайт келишиги *биз(и)нтә* (Тон.,); *бизинтә (Жан.,* 1, 35); *бизнидғ* (Сувр., 611); *бизтә*

Чиңиш келишиги *биздин, бизнидин, бизиндин*

*сиз*

**Бош келишик** сиз, сизләр

Қаратқич келишиги *сизин, сазнин* (Ман., I, 10); *сизлэр-*

*нин*

Тушум келишиги *сизни, сизләрни*

Жўналиш келишиги *сиз(и)ңә, сизинә, сизә, сизимә, сиз- лэркә, сизларинэ* Ўрин-пайт келишиги *сиздэ, сизинтэ* (Ман., 1, 10); *сизнидә, сизиндә, сизләрдэ* Чиңиш келишиги *сиздин, сизнидин.*

Кишилик олмошларининг мән, сән шакллари кўплик қў- шимчаси -ләр ни ңабул ңилиб келмайди. Фақат сўзловчи, тингловчи шахсни билдиради. Биринчи шахснинг кўплиги ҳам -ләр аффиксини олмайди ва мэн, сән каби шахслардан иборат бўлган бир гуруҳни кўрсатади. Бу сўз фақат кўп- ликни ифода этади. Сиз[[22]](#footnote-22) олмоши кўплик ва ҳурмат маъно- ларида келади. Руник обидалар тилида унинг кўплик маъно- да қўлланиши ңайд этилади. Сўнгроқ ҳурмат маънода кели- шини учратамиз: сиз тәнрим 'сиз тангримсиз' (ТТ III; 42); сизләр киртинизләр 'сизләр кирдингизлар' (ПВ., 135).

Шахсга нисбатан ҳурмат маъносида қўллана бошлаши сабабли сиз бирлик деб тасаввур этилиб, кўплик семанти- касини англатишда -ләр ңўшимчасини ңабул ңилади. Киши- лик олмошларининг восита келишигида қўлланишини учрат- мадик.

Кишилик олмошлари ёдномаларда жуда кенг истеъмолда бўлган. Балки уларнинг бунчалик кўп қўлланиши феълларда шахс билдириш ҳали тўла шаклланмаганлигидандир. Бирин- чи, иккинчи шахс предикатив аффикслар тарихан биринчи, иккинчи шахс кишилик олмошларидан келиб чиққан.

КЎРСАТИШ ОЛМОШЛАРИ

Кўрсатиш олмошлари ол, бу (бо)лардан иборатдир. Ўр- хун-енисей обидалар тилида шу олмоши йўң даражада. Ол олмошининг морфологик состави туркологияда қуйидагича тахминланади: ол қадаман ан, ин, ын бўлиб, булар и/ы ўзагига бориб тақалади. Қадимда туркий тилларда и, ы ол- моши мавжуд бўлган. Бу ҳақда О. Бётлинг дастлаб маълу- мот берган. Кейинги текширишлар бу фикрни тасдиқлади.

Эски ёдгорликларда ыји олмошидан бир ңанча дереват- лар сақланган, чунончи инчип || ынчып — dann, aber, namlich (ТТ VIII, UII, ТТХ); aber, trotz (TTV); ынча II инчә — so (ТТ VIII), ein solcher (TTX)1; инчәк II ыняақ, (U II, Ман., I, ТТ II) яъни 'шундай қилиб, лекин, бироқ' каби маъноларга эга: ынарӱ || инәрӱ 'нари' ва бошңалар. Мазкур олмош би- лан а ҳам боғлиқ.

„Суварнаида бир ўринда ан учратдик: ан битиг 'бу ки- тобда' (Сувр., 155).

ҳам дереватларда сақланиб қолган: аняа—та || аняада 'шундан сўнг, ўшанда' (ТТ V, Сувр.,); антағ\\атәг 'шун- дай' (Тон., КТб., Гкн., Сувр., ЕнПТ.; Ман., II); атағын- ча, аняақынча 'шу орадаг (Сувр.,); аняулайу 'шундай' (ТТ IX), антырдын. 'ўшандан' (U II, 45); андыран., антран 'шундан бошлаб' (Сувр., 612) каби.

Шундай қилиб ол олмоши ңадимги ёдгорликларда мав- жуд бўлиб, унинг архитипи обидаларда саңланиб ңолмаган. Ол олмоши бу каби асосан кўрсатиш маъносида қўлланил- ган. Мазкур олмошлар отлар каби келишиклар билан тур- ланган:

**Бош келишик** ол, бу (бо)

**Қаратқич келишиги** анын, мунун **Тушум келишиги** аны, буны **(Мн., КТп.,);** муны **Жўналиш келишиги** анар, ана, анару **(ТТ** X, 32); муна **Ўрин-пайт келишиги** анта, анда, антада (Хуаст., 118, U I, 30, Ман., II, (J III); антадата (АГ., 94); мун-

тада (Сувр., U III, Ман., III); мунта (Сувр.); бун- та (ЕнПТ, 98, КТм., 28); мунда (ТТ VIII), мунтуда (КР., 37).

Чкңиш келишиги антын

Восита келишиги *анин олар, булар*

Бош келишик *олар, булар (болар)*

Қаратңич келишиги аларнын, буларнын Тушум келишиги оларны, буларны Жўналиш келкшиги оларца, буларца Ўрин-пайт келишиги оларда, буларда Чикиш келишиги олардын, булардьм

Ўрхун-енисей обидалар тилида ол ва бу олмошлари бир семантик ңаторни ташкил қилади: ол — бу.

Ёдгорликларда бу олмошлар дейктик ва ӓнафорик маъно- ларни билдиради: ол сабығ әшитип, цағанғару ол сабығ ыттым 'у сўзни эшитиб хоңонга буларни айтдим' (Тон.,62); ол am анта ӧлта 'бу от ўша жойда ўлди'(КТб., 31); ол ӧдӱн ол икки ти?итләр' ўшанда бу икки маликлар' (Сувр., 176); ол ӧдӱн бу ўч тигитләр 'ўша вақт бу уч маликлар' (Сувр., 174) каби.

Ол ёдномаларда предикатив аффикс вазифасида келади: бардуц йирдә әдгӱг ол дринч 'борган ерда мартаба топдик' (КТб., 39).

Худди шу функцияда бу олмоши ҳам учрайди0: бирӱк битаг оцымыиі әдгу цылыня әрдэма бу 'хат, китоб ўқиган эрдамлилардир/

Ёдномаларда ол ва бу олмошлари ўрин-макон, восита ке- лишиклари билан келганда, кўпинча, равиш бўлиб қўлланади (ТТ VI, 70).

ЎЗЛИК олмоши

Текширилаётган давр тилида ӧз, кәнт.ӱ, кэндӱ кўпинча от бўлиб келади. Бу сўзлар шахс, вужуд, умр, ҳаёт, ўзлик каби маъноларда кўлланган: ӧзун узун болсун 'ёшинг, ҳаё- тинг узун бўлсин' (Гкн., 83) ; амрағ исиг ӧзин ӱзгил 'унинг севимли жонини узгил' (U III, 55; 5).

Шу сабабли бўлсакерак ёдномаларда ӧз1 кўпинча әт cy­an билан жуфт, баъзан такрорий сўз бўлиб келади; ӧтӧз (U III, 54); әтәзўм 'вужуд' (Сувр., 175); ӧз ѳз (U III, 54); ӧз әтӧзӱнӱзлэркә (ТТ VIII, 43); ӧз әтӧзкә (ТТ VIII, 46) каби.

ӧз, әтпӧз отлар каби турланади:

*ӧз, эпгӧз*

Бош келишик ӧз, ӧз әтӧзләри (ПВ., 135).

Қаратқич келишиги ӧзўн (Мн., 19, Гкн., 83); этӧзўн (Сувр.).

Тушум келишиги ӧзин (Гкн., Ман., 1); ӧзўмизни ӧзўлин (КТм., ТТХ 539); зтӧзлўг (ТТ VIII, 32;Сувр.,); әтӧ- зан (U III, 54); этӧзўмин (Сувр.).

Воемта келишиги ӧзин (ЕнПТ., ТТ I, 7); әтӧзин (Сувр., 179). Жўналиш келишиги ӧзимә (Мн., 19); ѳзинэ (Гкн., 82);ӧзи- нә (TTV Сувр.), ӧзўмкә (ТТХ, 537); ӧзикә (Гкн., 82). Ўрин-пайт келищиги ӧзтә (Сувр., 611); ӧздә (ЕнПТ., 22);

әтӧзинтә (ТТ VIII, ТТХ, U, II).

Чиңиш келишиги ӧзлэринтин (U II, 48); әтӧзўмтин (Сувр.). кәнтў, кәндў (ТТ, VIII).[[23]](#footnote-23) Бу сўз ўрхун обидаларида ӧз олмоши билан параллел ңўлланган. Енисей ёдномаларида бу олмошларнинг қўллани- шига дуч келмадик, кәнтӱ ӧз сўзига нисбатан камроқ учрайди.

Агар ӧз бир қатор дереватларга эга бўлса, (ӧзлўк, ӧзгә, кәнтў сўзидан ясалган бирорта ясама сўз мавжуд эмас. Кэнту ҳам жуфт сўз ясашда иштирок ңилади: кәнтўӧзи (U II, 48); кэндў ӧзи (ТТ VIII, Сувр.); әзкзнтў (ТТ I, 40). Баъзан такрорланиб ҳам келади.

Кәнтў сўзи тубандагича турланади:

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| бош.к. | қарат. к. | тушум к. | восита  к. | жўналиш к. | ў.-п. к. | чиқиш к. |
| ман | МдНЩ,  миниң | мани,  мәна  мднин |  | маңа | минта, манта, миндида, минтада | мандину  минтиНу  мантин |
| бдн | баниқ | бани |  | баңа |  |  |
| can,  ен | саниқ, синиң | сини,  сәна |  | саңа | синтэ;• син-  тадду сини-  да, синтида | сантан  синитан |
| биз | бизиң,  базнаң | бизна |  | базка, бизиңа бизицару, би~ зиңар | бизта, бизинта, бизнида | биздиНу  бизнидину  бизиңдан |
| саз,  сиз-  лэр | сизиқ> сизниң, сизләр- ниң | CU3H.U,  сизлар-  ни |  | сизиңд, сиза, сизима» саз- ларка, сизла- риңа | сизда, си- зантпа, сиз- надду сиз- ларда | сиздин,  сизнидин |
| ол | анық | аны | анын | аңару аңау аңару | антсіу анда, антада | антын |
| бу(бо) | мунуң | буны, муны |  | муна, муңсір | бунта.у  мунта,  мунда,  мунтада,  мунтуда |  |
| олар | аларньің | олпрны |  | оларқа | оларда | олардын |
| булар  болар | булар- ның | буларны |  | буларқа | буларда | булардын |
| ѳз | ѳзуқ | ѳзан,  ѳзимизни | ѳзин | ѳзамду ѳзаңду әзумкд, ѳзака | ѳзта, ѳзда | ѳзларинтин |
| чанту | кэнту-  нуң | кднтуни>  канту-  ңан | кан-  тун | кантукд, кэн- туңка | кантута | кантудин |

бош келишик кәнтӱ

царатңич келишиги кәнтӱнӱн,

тушум келишиги кэнтӱни, кәнтўнин (ТТ I, 8)

восита келишиги кэнтӱн (ТТ I, 7)

жўналиш келишиги кәнтўкд, кәнтўнкә (ТТ I, 40)

ўрин-пайт келишиги кәнтӱтә

чщиш келишиги кәнтӱтин

СЎРОҚ олмоши

Сўроқ олмошлари ўзига хос семантика билан фарқлана- ди. Кўпчилик сўроқ олмошлари асосан уч ўзак билан боғ- лиқ, яъни қа, нә, ким. Нә 'нима' нэ бар әрмииі 'нима бор эди' (Хуаст., 118), кучайтириш маъносида: бар му нә 'ахир борми?' (Тон., 62); ңайси маъносида: нә цағанцаишиг кў- яиг бәрурмен 'қайси хоқонга ишимни, кучимни бераман' (КТб., 2У); нә киши 'ңайси киши' (Мн., 17); 'нима бўлибди' маъносида: сўт оқып кәлти нә 'сут оқиб кетди, нима бў- либди?' (Сувр., 621); 'ңандай' маъносвда: нә ойун 'ңандай ўйин' (Сувр., 157) каби.

Бу олмошнинг турли аффикслар, жумладан, келишик аф- фикслари ва кўмакчнлар ңўшилиб келган ңуйидаги ҳолатла- ри учрайди:

нә учун: ўрхун-енисей обидаларида бу бирикма ңўллан- майди. Турфон, „суварна“, манихей текстларида ңўлланиши ңайд этилади: нә ўяўн тир тисәр 'нима учун деб сўраса' (ТТХ 544, ТТ VIII, 40); нә ўяўн 'нима учун' (Ман., I, 23, 29) каби.

нә йанлығ: нэ йэнлығ ймә... 'қаидай қилиб'(ТТ VIII, 8). нә йирдэ: нә йирдә 'қай ерда' (Хуаст., 118). нәгӱ'. биз икэгў нәгу тшг ӧтўнәлим 'биз иккаламиз қан- дай қилиб ўтинайлик' (Сувр., 620); бу барс нәгу йийур 'бу барс нима емоқда' (Сувр., 610); нәгў ишкә оғрылар мән 'ңайси ишга ўзимни йўлласам' [Юр., I, 202]. нгімә: нимд 'нима' (ТТ VIII).

нэгўлўк: сизләр нэгўлўк аняа кәд қаяарсизләр 'сизлар нима сабабдан бунча тез ңочасизлар?' (Сувр., 154).

нэлўк: цанығ нәлўк ол бәглиг ол кӧнәки нәлўк тон- ғай ол 'қандай ңилиб сув қурисин, агар у бекники бўлса, қандай қилиб ариқ қурисин' (Гкн., 84); сән. нәлўг кэлдиң 'нима учун сен келдинг' (Ман., 33).

нәгўл: бу олмош нәлук олмошининг метатезага учраган вариантидир. нәгул 'нима учун' (ТТ VI, 32).

нәкэ\ нәкә цорцурбиз 'нимага ңўрңармиз' (Тон., 63).

нәдә'. нэдә ӧтрӱ йоқ 'нима учун йўң' (Ман., Ill, 12). нәчә: нәяә йазынтымыз 'ңанчалик адашсак'(Хуаст., 51); нәяә тәнлиг 'неча танлик' (ТТ X, 37).

Баъзан такрорланиб ҳам келади: нәяә нэяә кишиләрнин... 'неча -неча кишиларнинг../ (Сувр., 155).

*нәчэдэ'■ нәяэдә Анити атлығ* 'шунда Анити отлик'

(ТТ X 539); нәяәдә Иняў атлығ 'шунда Инжу отлик'

(Сувр., 619).

нәчэкәтәги: нәяэкәтәги 'қачонгача, ңандай қилиб'

(ТТ VIII, 43).

нәчўк: нәяӱк йорыйын, 'қандай юриб' (Гкн., 83); әмти нәчүк қылайин 'энди қандай ңилай' (Сувр., 155).

нәчўкин: нәчүкин турур муны тэг 'қандай ңилиб бун- дай турур' (Сувр., 626); нәяӱкин әреәр... 'на бўлса ҳам' (Сувр., 609).

нәтәг: нәтәг ол 'қандай' (Гкн., Ъ\)\нэтэг қылмыш'цан- дай ңилган' (Сувр., 155).

нәмән'. нәмән 'ңандай қилиб' (Ман., I, 10, 9). кәгўдә\ нэгўдә 'ңайда' (U II, 5, 17). ңач: цая кӱн 'неча кун' (ТТ V, КР, 6); ңая цата 'неча марта' (КР., 8). Ўрхун-енисей ёдномаларида цая нэн эрсэр бирикмаси кўп учрайди: цая нән эрсәр 'нима бўлса ҳам' (Тон., 63).

қачан: Бу олмош асосан уйғур, турфон, манихей оби- даларида келади: цаяан ӧлӱм йағы 'ңачон ўлим—душмаи(ёв)' (Сувр., ТТ X 547); қаяан йиркә тәндўктә 'қачон ерга ет- ганда' (Сувр., 627) каби.

ңайу. Бу олмош уйғур, турфон, манихей обидалар ти- лида кенг истеъмолда бўлган: ңайу ол ўя 'қайси ол уч'... (ТТ VIII, 67); кайу йултуз 'қайси юлдуз' (U II, 4, 22); цайуда 'ңай ерда' (U IV, 8); цайулар 'қайсилар' (ТТ V, 13); цайутын сынар 'ңай томондан' (U II, 19; 2) каби.

Баъзан қанйу шаклида ҳам учрайди: ңанйу 'ңайси' (Ман., III, 20, 4); қанйуда 'қайда' (U II, 6; 13); қанйуғару 'ңай ерга' (ТТ VI, 23); цанйуда 'ңайерда' (ТТ II, 11) каби.

қаны: әлим амты ңаны 'элим энди қани?' (КТб., 29); цағаным цаны 'хоқоним ңани?' (КТб., 29).

қанта, қанда: кияиг оғлум қанта 'кйчик ўғлим қай- да?' (Сувр., 624); цанда 'ңайда' (ТТ VIII, 45).

қалты: Бу олмош 'Хуастуанифт', уйғӱр, манихей, тур- фон текстларида кенг истеъмолда бўлгаң.

ңалты: цалты 'ңандай ңилиб' (Хуаст., 118); қалты турк (U IV, 41); цалты 'ңандай, ўхшаш, шундай' Щ 608, 613, 625; U I 58) каби.

ким'. Бу олмош ўрхун ёдномаларидан Култегин, Моғи- лонхон текстларда қайд этилган. Сўроң олмоши сифатида 'Хуастуанифт', уйғур, манихей, турфон кабитекстларда кенг истеъмолда бўлган.

ким артаты 'ким йўң қилади' (КТб., 30); кин йарат- мыиі 'ким яратган' (Хуаст., 118)\кимкә 'кимга' (ТТ VIII, 15); 'кимни' (ТТ X 107); кимләр (ТТ VIII 41) каби.

Юқорида санаб ўтилган олмошлардан цачан, қайу, қанйу, ким ўрхун-енисей ёдномаларидан сўнг яратилган обидалар тилида нисбий боғловчилар вазифасида ҳам қўл- ланади (бу ҳақда боғловчилар баҳсига қаранг).

БИРГАЛИК ОЛМОШИ

Шахс ва предметнинг иш-ҳаракатда умумий иштирокини ва ҳаракат шахс ва предметга тўла оид эканлигини кўрса- тувчи сўзлар сифатида алқу, қоп, бӱтӱн йумқы, бунча, ңамағ, тӧзў кабилар учрайди.

қоп' руник обидалар тилида кенг истеъмолда бўлган: цоп йағы әрмиш 'ҳамма душман эди' (КТб., 30); цоп йазуқ- да 'ҳамма гуноҳлардан/ [Хуаст., 119). Айни маънода сўнгги обидаларда келади (Ман., 9, ТТ IX, 11, Ман., 36; ТТ VIII) каби.

бунча: Бу сўз кўп маъноларни англатиб келади. Бу маъ- ноларга бари, барча ҳам киради (КТб., 33, ПМК., 37).

барча (<ба 4 Р + -ча)\ Бу олмош манихей, турфон,уй- ғур текстларида келади: баряа 'ҳамма, бутун, бари' (ТТ,

Ман., Сувр.) каби.

ңамағ (қиёсланг: ср. nep<hamag ^амма'). Бу сўзчинг ёдномаларда ңуйидаги вариантлари бор: қамығ, қамуғ, қамағу, ңамағун, қамығун. Бундаги сўнгги -н восита ке- лишиги аффиксидир. Буларнинг маъноси 'ҳамма барча, ба- ри' дир (Хуаст., Гкн., Сувр., U, Ман., ТТ. Гкн., Usp ва бошңалар).

тӧзӱ 'ҳамма, барча' (Сувр., 624).

алқу (<ал+қу). Бу сўз бир неча вариантга эга: алғу, алқуғу, алқа алқуғун; алқу тынлығ 'ҳамма, барча жо- ниворлар' (ТТ X 98).

Айни маънода уйғур, турфон, манихей текстларида уч- райди.

йумқы (<йум + қы) 'бирга, бари' (Сувр., 622). бўтўн (<\_бўт + ўн): бўтўн. әтӧзи, 'бутун вужуди'’

(Сувр., 156), қаранг: (ТТ X, 251, 293; ТТ VIII, 88) каби.

Баъзан юңорида санаб ўтилган белгилаш олмошлари Жўфт ҳолда келади: цамағ 'барча ҳамма' (ТТ IX, 41) каби. тӧзў, тӧзә, тӧзўн 'ҳамма' (Ман., I, ТТХ 51, ТТ V каби).

БЕЛГИЛАШ ОЛМОШЛАРИ

Белгилаш олмошларига сайу, тәгмэ, нәң каби сўзлар- 'ни киритса бўлади. Сайу сўзи белгилаб, аниңлаб келган сўзлардан сўнг келади. У руник, уйғур, турфон, манихей обидаларида учрайди: кӱн ай сайу 'ҳар кун ва ҳар ой' (Хуаст., 119); йир сайу 'ҳар ерда' (Сувр., 625); сайу 'ҳар' (ТТ X, 436) каби.

^тәгмэ: енисей ёдномалари, турфон, манихей текстларида ;келади.

нәң\ нзн йәрдәки 'ҳар қандай ёрдами' (Тон., 64).

Бу сўз биргалик маъносида ҳам келади (ТТ VIII). Баъзан такрорланиб ңўлланган: нән нэн сабым әрсэр 'ңандай сў- зим бўлса ҳам' (КТб.). Шуни ңайд қилиш керӓкки, нәң бў- лишсизлик маъносини кўрсатмайди. Бўлишсизлик семантика нәң орқали берилмасдан, шу нәң келган гапнинг кесими ібилан ифодаланади: нәнбунығйоқ'ҳеч ғамим йўқ (КТм., 27).

сон

Тил системасида маълум бир группа сўзлар борки, булар- абстракт сонни, миңдорни, саноқни, тўғрироғи, предметнинг санаш, жойлашиш, бажарилиш тартибини билдиради. Шуни ңайд ңилиш керакки, туркий тилларда сон системаси, ҳар ңайси халқ тилида бўлгани каби, бирданига эмас, балки ас- та-секин гіайдо бўлиб, ўзгариб келган. Шунинг учун сонлар, умуман, тил системасида энг қадимги ингредентлардандир,. деган ңараш унчалик ишонарли эмас. Чунки бу фикр баъзи тиллар учун тўғри бўлса-да, лекин бошқа баъзи тиллар учун, тўғри бўлиб чиңмайди, чунки айрим тилларда сон катего- риясига нисбатан янги ёки бошңа тиллардан ўзлашган сўз- лар саналади[[24]](#footnote-24). Маълумки, ҳозирги туркий тилларда мил- лион, маллаард каби сўзлар ҳинд-европа системасидаги тиллардан ўзлашган. Қадимги ёдномалар тилида астрономик катта сонларни ифодаловчи сўзлар хитой, санскрит каби тиллардан ўзлашган.

Саноң сонлар. Текширилаётган давр обидаларида саноқ; сонлар ңуйидаги формада ңайд қилинади:

*бир* (баъзан *бирр*, *пирр)* — 1 *әлик, элиг* —50 *ики (эки)* — 2 *алтмыш {алтмыс)* —60

*ӱч* — 3 *йатмши (йдтмши)* — 70

тӧрт 4 (бир ўринда чар сў- сәкиз, он —80

зига дуч келдик UIII, 30, 26) тоқуз он— 90 биш (баъзан биі, бәш) йӱз —100

алты — 6

йити (баъзан йти, йэти, йи mux - ТТ III, 79)

ман (баъзан бин, бын) —1000

тӱмдн —10000

бан (ҳит. wan яп. <мап— )

*сзкиз*—8 *тоцуз—* 9 *он* —10

*йигирми* (*йәгирми*.) —20

отуз —30 кырц —40

10000

тӱк тўмән сон-саноқсиз колти (<саискр. коти);най-

йейа). »

Булар жуда катта астроно-

ут (<санскр. найута) асанки (<санскр. асамкх-

мик сонларни билдиради.

Юқорида келтирилган саноқ сонлардан аксарияти туб сонлардир. Бу сонлар ёрдамида саксон, тўқсон каби ясама 'Сонлар ҳосил қилинади: сәкиз он, тоқуз он.

Тарихий жиҳатдан 20, 60, 70 сонлари ҳам ясамадир.

Ёдномаларда ҳамма саноқ сонлар бир маънолидир. Би- -,роқ бир сони бундан мустасно. Бу сон ўзининг асл маъно- ■сидан ташқари қандайдир, кимдир, нимадар каби маъно- ларни ҳам билдиради. Бундай ҳолларда предмет ёки белгини умуман ёки тахминан кўрсатиб, конкрет моҳияти, сони аниңланмайди.

Масалан: бар тапығяы 'ңандайдир хизматчи' (Сувр.,177); бар балыц 'қандайдир бир шаҳар' (Сувр., 156).

Бир саноқ сон яна ңуйидаги маъноларни ҳам билдиради, чунончи 'айрим, баъзи бир' [бир киши йанылсар КТм., 28]; 'ўхщащ7, 'бир хил', 'айни ўзи' [сабы бар Тон.,63]; 'катта' [бу бир йумғац таш ПВ., 135]; 'ңўрңинч', 'ашаддий' [бир антағ сав Сувр., 177]; 'марта', 'фаңат', 'ёлғиз' \бир тод- сар КТм., 28; кәгмән йолы бир эмиш Тон., 62]; 'жуда', 'жуда ҳам', 'фақатгина^бир тәгурмәди КТб., 31; бар улуғ Сувр., 173; бир кӧзингә тзш ТТ II, 29]; 'бу даражада' [бир йаруцы ТТ VIII, 32] кабилар.

Юңоридаги маъноларнинг ишлатилишида контекстнинг ҳам роли бор. Бир сонининг қайд ңилинган семантик функ- цияларидан асосий ўринни ўз маъноси 'бир' ташкил этади ундан сўнг 'ноаниқлик' маъноси туради.

Бир, икки, ӱч, тӧрт, бииі, алты, йити, сәказ каби саноқ сонлар катта миқдордаги сонларни ясаш учун хизмат қилади. Ёдгорликларда катта мщдордаги сонлар ясалишида паст миңдордаги сондан сўнг ўнликлар келади:

1. — бир йәгирми (Хуаст., 118, ПМК., Сувр. каби)
2. — ика йәгирми, (КТб., ТТ III, ТТ IV, ТТ X каби)
3. — ўя йәгирми, (КТб. каби)
4. — тӧрт йәгирми (Хуаст. каби)
5. — бииі йәгирми (ЕнПТ., ТТ VIII каби)
6. — алты йэгирми, (КТб., ЕнПТ., ТТ IV, U III каби)
7. — йәти йәгирма (КТм,, ЕнПТ., МН., ТТ III каби)
8. — сәкиз йәгирми (МН., ПМК., ТТ I, ТТ III)
9. — тоқуз йдгирми (МН., ТТ I).

Саноң сонларнинг йигирми (йәгирми) — 20 дан ортиқ миңдордагилари ҳам мавжуд: 21 — бир отуз (ЕнПТ., КТб.г ТТ VIII); 22 — ики, әки отуз (МН., ПМК.); 23 — ӱч отуз. (Тон.,); 24 — тӧрт отуз (ТТ II, ТТ III); 2Ъ — биш отуз (ТТ IX); 26 —алты отуз (ПМК., ЕнПТ., ТТ IX); 27— йэти отуз (КТб., МН., ТТ IX), 28 — сәкиз отуз (ТТ IX); 29 — тоқуз отуз (ТТ IX); 31 — бир цырц (КТб.); 32 — ики ңырқ (ТТ I), 33 —уч қырқ (ТТ I); 35 — бәш қырқ (ЕнПТ.); 36 — алты цырц (ТТ I); 38 — сэкиз цирц (U III ЕнПТ); 39 — то- цуз цырц (ЕнПТ., U III); 42 — ики (әки) әлиг (ЕнПТ., ТТ VIII); 43 — ӱя элиг (ЕнПТ., ТТ IX); 45 — биш (бәш.) элиг (ТТ I, ТТ VIII); 46 — алты әлиг (ТТ I); 49 — тӧкӱз әлиг (ТТ I, ЕнПТ.); 61 — бир йәтмиш (ЕнПТ., U III); 63 — уя йәтмиш (ЕнПТ.); 65 — бәш йәтмииі (Онг., II.); 67 — йәти йәтмиш (ЕнПТ.); 68 — сәкиз йэтмиш (ЕнПТ.); 79 — тоцуз сэкизон (U III); 115—йӱз бэш йигирмә (ЕнПТ.); 145 — йӱз бши илиг (U III); 162 — йӱз ики, йитмыш (U III.); тоцуз он тӧрт — 94: (U III); тоцуз он биш — 95 (U III.) каби.

Санашнинг бу хил системаси билан бирга Култегин, Моғи- лонхон обидаларида ва бошқа обидалар тилида параллел ра- вишда бошңа бир хил санаш усули, яъни ўнликдан сўнг аниқ маънога эга бўлган бирлик келади. Бунда ўнлик ва бирлик сонлар ўртасида артуц 'оргиқ' сўзи келади: цырц артуңы йити йолы 'ңирқ етти марта' (КТб., 30); отуз ар- туқы тӧрт 'ўттиз тўрт' (МН., 18); отуз артуцы бир 'ўт- тиз бир' (МН., 17); отуз артуқы уя 'ўттиз уч' (МН., 17); отуз артуцы сәкиз 'ўттиз саккиз' (МН., 18); бир тӱмән артуцы йәти бин '17 минг' (МН., 18) каби.

Сўнгги пайтлардаги обидаларда бу иккинчи хил санаш: системаси аста-секин биринчи хил санаш системасини сиңиб чиқара бошлаб, ўзи кенг ңўллана бошлайди. Тилнинг та- раққиёти натижасида артуқ сўзи аста-секин истеъмолдан чиқа бошлайди.

Шундай қилиб, ҳозирги туркий тилларда мавжуд бўлган санаш системасининг шаклланиши учун жуда кўп ваңтлар- ўтган. Биринчи типдаги санаш системаси фаңат уйғурлар тилида 11 дан 30 гача бўлган сонларда сақланиб ңолган[[25]](#footnote-25).

Ёдномаларда 102, 105, 190, 250, 300, 350 каби саноң сонлар ңуйидаги тартибда ҳосил қилинади: аввал бирлик, кейин юзлик, минглик ва бодщалар келади, масалан алты йўз— 6С0 (ЕнПТ., 73); йдти йӱз — 700 (КТб.); минг — 1000 (Гкн.,); йўз ики—\02 (Юр., XIII); йӱз биш — \05 (U III); ика йўз әлиг — 250 (U III); тпӧрпг йўз тоцуз он олтьі — 496 (TTIV); йўз тоцуз — 190 (ТТ X); тӧрт тумэн — 40000 (МН.,); он тумдн— 10000 (Тон.) каби.

Тартиб сонлар. Тартиб сонлар предмет сирасини, тарти- бини билдириб -нч, -инч, -ӱчн, -унч ва -нти, -нди аф- фикслари ёрдамида ясалади. Ҳамма тартиб сонлар саноң сонлардан юңоридаги аффикслар орңали ясалади.

Бироң бир сонининг ўзи тартиб сон ясашда деярли иш- тирок этмайди. Қадимги обидаларда биринчи сўзи ўрнида илки (ил олдинги томон, олд“ + ки сўз ясовчи аффикс). Илки сўзи биринчи маъносида Култегин, Моғилонхон „Ху- астуанифт“ каби ёдномаларда учрайди: илки күн 'биринчи кун' (МН., 18), илки сү 'биринчи, олдинги аскар7 (МН., 17) каби.

Нисбатан кейинги даврлардаги ёзув обидалар тилида илки сўзи билан бирга биринчи маъносида баиітьінқы, баштын сўзи қўлланади: баштынқы (Сувр., 155); баштын (Сувр.,493); баштынқы ўлўш ^иринчи бўлим' (U III 4) каби.

Айрим ўринларда бар сўзининг ўзи биринчи маъносида келади: бир Кушал әдгү 'биринчи Кушала эзгу' (U III 5) каби.

Бир сонининг -нчи аффикси билан келиши анча кейинги давр тилларида учрайди.

-нти, -нди[[26]](#footnote-26) кўрсаткичлари фаңат ики сони билан қўл- ланади. Ёдномаларда тез-тез канти || әкинта формалари, баъзан эса иканди формаси учраб туради; ҳатто баъзи бир ёзув ёдгорликларида иккала вариант ҳам учрайди икинти, икинди /иккинчи/ (ТТ VIII, 31, 60, 72).

Мазкур сон жўналиш келишигининг кўрсаткичи билан ңўлланиб, икки хил кўринишга эга: бир икиндикә, бир икин- дишкә 'бири иккинчисига'. Бу форманинг турфон текстлари, „Олтун ёруң“, „Уйгурика“да учраши ҳам ңайд этилган. Баъзи ҳолларда бу формалар параллел ҳам ңўлланади: бир икиндикэ, бар икиндишкә 'бири иккинчисига' (ТТ VIII, 71, 80). Бу бирикмада феъл биргалик даража аффиксини олади: бир шинтикэ қарышур 'бири иккинчиси билан ңоришар' (ТТ VIII, 71); бир икинтикд тәтилэр 'бир-бирига гапирди- лар' [U III, 65]; бир икинтикә савлашып /бир-бирига сўз- лашиб' (ТТ II 55-56); бир икинтишкэ оқышу 'бири иккин- чисига ўқиб' [U III, 68] каби.

Лекин ушбу бирикмада феъл ҳар вақт биргалик дара- жада келавермайди: бир икинтишкә тидиләр 'бир-бирига дедилар' (ТТ X, 250, 25).

Бирикмаларнинг параллел ңўлланиши, буларнинг семан- тик оттенкалари билан изоҳланади, бошңача ңилиб айтганда, феъл биргалик даража формасида келганда, биргалик (ўзаро) ҳаракатнинг маълум даражада кучайиши кўзга яққол таш- ланади. /^аънонинг бу оттенкаси биргалик даража кўрсат- кичи -ш билан ифодаланади.

Шуни айтмоқ керакки, ёдгорликларда 'иккинчи' маъно- сида адын 'бошқа иккинчи' (қиёсланг: ёқутча атин) қўлла- нади: икинти ажун [U III86], адын ажун (ТТ X 12).

*бир йигарманч—ўн* биринчи *ики йтирминч*—ўн иккинчи *ӱч йигирминч — ўн* учинчи *тӧрт йигирминч* — ўн тўр- тинчи

биш йигирманч —ўн бе- шинчи

алты йигирминч — ўн ол- тинчи

йити йигирминч — ўн ет- тинчи

сәкиз йигирминч — ўн сак- кизинчи тоқуз йигирминч — ўн тўқ- қизинчи йигирминч — йигирм анчи

3, 4, 5, 6, 7 ва шу каби тартиб сонлар ёдгорликларда -нч аффикси ёрдамида ҳосил қилинади:

илки (баиітыщы) — биринчи икинти (иканди) — иккинчи ӱяӱнч — учинчи тӧртӱт — тўртикчи

бишиня — бешинчи

алтынч — олтинчи

йитинч — еттинчи

сэкизинч — саккизинчи

тоқузунч —- тўққизинчи

онунч — ўнинчи

Обидалар тилида жўналиш келишигининг аффикси саноқ соннинг аниқланмиши, ыумератив сўзи йўқ бўлган тақдирда унга ңўшилиб келади ва тартиб маъносини англатади: бир отузка — 21-нчида (ПМК., 37); йәти, отузца — 27-нчида (КТб., 33) каби. Бу ҳодиса 20 дан ортиң бўлган сонларда ҳам учрайди: бир йэгирмикә — 11-нчида (ПМК., 36); йити йәгирмикә — 17-нчида (КТб., 33); бииі йәгирмикә — 15-нчида '{ПМК., 35)- алты йәгирмикә — 16-нчида (ПМК., 38); сэкиз їшгирмикә — 18-нчида (Юр., XXVIII) каби.

Сўнгти давр ёдгорликларида бу хил тартиб сонлар ис- теъмолдан чиқади. Тартиб сонлар -нч орңали ифодаланади: тсы. йигирминч '12-нчи' (ТТ I, 10); беш йӱз артуцы ики ютузунч — 523-нчи (Ман., I, 12) каби.

Жамловчи сонлар. Ёдномаларда жамловчи сонлар -гў, ~әгў, -ағў, -ўкў, -кў аффикслари ёрдамида ҳосил ңилинади.

-гў аффикси тарихий жиҳатдан ңадимги сўз ясовчи -гў аффиксига бориб таңалади. Жамловчи сон маъносида кўп ■ҳолларда бирдан ўнгача бўлган саноқ сонлар қўлланади. Жамловчи сон аффиксининг бир сонига ңўшилиб келиши барнинг ңадимда кўп маъноли бўлиши билан изоҳланади. Жамловчи сонларга мисоллар: барэгӱ — биров (Сувр., 154); икәгӱ, икигӱ, иккикў 'икков' (Юр., XVI, 212; Юр., XXVIII, 216; ТТ VIII, 64; U III, 82); ўчәгӱ.ӱчўкў (Тон., 61; TTVIII, 10; Сувр., 177) каби.

Жуда спорадик тарзда -әгў аффикси 10 дан юқори сон- ларга қўшилади: йӱз йӱзэгу 'юз-юз бўлиб' (ТТ III, 76).

Айрим мисолларда -гўн, -и, -гўлўк аффикслари ҳам жамловчи сон ясайди: икигӱн 'икков' (Ман., III, 14); әкӱн -икков (Ман., 8); биргӱлӱк 'ҳамма' (U III, 15, 19) каби.

Айирувчи сонлар. Булар саноқ сонларга -рәр, -ар, -әр, -cap аффиксларини қўшиш билан ясалади: бирәр 'биттадан' (ТТ VII, 28); барәр бирэр 'битта-биттадан' (U III, 37); ики ўчрәр — шкя учтадан (ТТ VIII, 65); икирәр — иккитадан {ТТ VIII, 68); ӱчәр 'учтадан' (U II, 29); бишәр 'бештадан' (КР., 24); алтырар 'олтитадан' (USp., 34); тоцусар — тўқ- қизтадан (ТТ VIII, 64); онар 'ўнтадан' (ТТ II, 91).

Восита келишиги кўрсаткичи -ин, -ын ҳам айирувчи (Сон ясайди: бирин 'биттадан' (ТТ VIII, 30); әкин 'иккитадан' |ОнгН, 9] каби.

-си, -иси каби эгалик аффикслари ҳам айирув сони -ясайди: бирин 'бириси' (Сувр., 154); бири әкиси 'бири ик- киси' (КТб. 32); тӧртӱнчи 'тӱртинчиси' (Сувр., 154); мкинтиси 'иккинчиси' (Сувр., 173) каби.

-дин ҳам айирувчи сон ясайди: икадин 'иккитадан' ,{Ман., III, 8].

Баъзи ҳолларда айирув маъноси такрорйўли билан ифо- даланади: бир-бир 'биттадан' [ТТ VIII; 64]-, бир бир әр 'бит- тадан киши' (ТТ II, 91) каби.

Доналик сон. Булар -та, -да ёрдамида ясалади. Ўрхун- енисей ёдномаларида бу аффикс учрамайди. Булар қадимги <обидалардан турфон текстларида келади: бирта 'битта' (ТТ VIII, 73); йәтмиш ишда 'етмиш иккита' (ТТ VIII, 65)"[[27]](#footnote-27) каби.

Чама сонлар. Тахминий саноқ тушунчасини билдириш учун аффиксация усули билан ҳосил қилинган формалар> эски ёдномалар тилида учрамайди. Бу маъно синтактик усул; билан берилади, яъни қуйи тартибдаги бирлик сони юңори. миқдордаги сон билан келади: бир ики 'бир иккита/г

(ПМК., 36); әки ўч 'икки уч' (Тон., 62); тӧрт, бәш 'тўртта,. бешта' (ТТ VIII, 65) каби.

Ноаниқ сонлар. Бу сонлар шу билан характерланадики,, булар саноқ маъносини равиш функцияси билан, баъзиларш эса сифат функцияси билан бирлаштиради. Бунинг туб са- баби (фаңат) сифат ва миқдорнинг ички боғланишидадир4..

Текстларда ноаниңлик маъносида кўпинча ңуйидаги ра- виш ва белгилаш олмошлари ңўлланади: ӱкӱш 'кўп', тәлиж 'кўп', сансыз 'сонсиз', әруиі, ўлўксўз, әрўш әлгўсўз ӧкўиі сансыз ӧкўш 'сон-саноқсиз', бунсуз 'сонсиз'; коп 'кўп', аз 'оз', атакыйа 'озгина', барча 'барча', цамағ, ңамуғ, ца- мығ 'ҳамма', қамағу, ңамағун, алқу, бўтўн, йумқы. 'барча,, ҳамма' кабилар. Шуни ҳам қайд ңилиш керакки, бир груп- па сўзлар борки, булар 'қисм', 'ярим', 'ҳовуч' каби маъно-- ларни ифодалайди: ўлўг 'қисм' (Тон., 61); ўләсик

(П. М. Мелиоранский ўңишича ӧлсик 'қисм' (КТм., 28);. йарым, бӧлўк ўлўш 'ярим' (ТТ X, 63; Юр., XXVIII); сы- нар 'ярим' (МН., 17); ўч йарим тӧрт йарым (ТТ VIII, 63); айача аиі бирмииі, атудча сув тутмыиі 'бир ҳовуч ош берган; бир ҳовуч сув тутган' (Сувр., 168) каби.

Нумератив сўзлар. Саноқ системасида нумератив сўзлар^ сонлардан сўнг қўлланади. Ёдномаларда нумератив сўзлар вазифасида ңуйидагилар келади:

йолы — марта: уч йолы 'уч марта' (U II, 41); тӧрт

йолы 'тўрт марта' (МН., 17); биш йолы 'беш марта' (КТб., 32);, алтьі йолы 'олти марта' (МН., 17); бир йоли 'бир марта' (ТТ VIII, 51); қырқ артуци йити йолы 'ңирқ етти марта' (ЕнПТ., 6!); бир икинти ўчўнч йолы арызун, алцынзун 'бир, икки, уч марта тоза бўлсин, йўқолсин' (ТТ IV, 65).

ңат, ңата 'марта': ики. цата 'икки марта' [ЕнПТ., ТТ VIII, USp]; ўчўнч цата 'учинчи марта' (Сувр., 156); ўчәр цата 'уч марта' [U I, 29]; бииі цата 'беш мартал (ПМК., 72); алты цат 'олти марта' (ТТ X 24); бши цат 'беш марта' (ТТ III, 59): тоқуз цат 'тўңқиз марта' (Гкн., 83);;

он қат 'ўн марта' (ТТ I, 11); тоцқуз тӱрлӱг цат '9 мар- та' (ТТ IV, 42-43); бирәр отуз цата '21 марта' (U I, 45), қальш, бағ, бағлық 'боғ': йӱз ики бағ, йўз ики бағ- лыц '102 боғ' (Юрм XIII, 210); алтыбағ'олти боғ' (ЕнПТ);: йўз әлиг цалын '150 боғ' (Юр., XVI, 212).

mac, кӱрііу кўр, бадыр 'ўлчов'; отуз mac '30 ўлчов" (Юр., II, 206); бир кўр бор 'бир қумғон май' (Юр., II, 206); ики кўри 'икки ўлчов кюри' (Юр., VII, 208); он ики бадыр> '12 бадир' (Юр., XXVII, 215); йәгирми ики, бадыр '22 бодир; (ўлчов)' (Юр., XXVII, 215).

әңим 'ңисм' ўч әним 'уч ңисм' (ТТ X, 216). тўрлўг 'тур, турли': ики, тўрлўг (ТТ VIII); ўч тўрлўг (U III, ТТ X 42); тӧрт тўрлўг (ТТ VIII, 46); бәш тўрлўг (ТТ IV, 26); алты тўрлўг (ТТ X, 18); йити тўрлўг [Ху- аст., 118];

тўрлўгин 'марта' мин тўрлўшн титрәйур 'минг мар- та титрамоңда' (ТТ I, 13); йўз тўрлўгин 'юз марта' (ТТ I, 17) каби.

қурлайу 'марта'; ўч цурлайу 'уч марта' (Тш., 29). йапағ 'қат': бииі йапағ 'беш ңат' [U III, 33, 37]. қуврағ 'тўда'; манлиг тўмэнлиг ңуврағ 'минглик ту- манлик тўда' (ТТ II, 57);

йаңлығ 'хил': бир йанлығ 'бир хил' (АГ., 105).

Эски ёдгорликларда дам марта, цатларда англашилади- ган маъно нумератив сўзларсиз ҳам берилган: йәти сўнўшди 'етти марта уришди' (Тон., 64); тоқуз тәзгинип 'тўқңиз марта айланиб' (ЕнПТ., 61); он йәт сўнўиіди '17 марта уришди' (Тон., 64); ики қата тамьірым тоцып ўчўнч то- қыйу уматын тинә турур 'икки марта юрагим уриб учин- чи марта ура олмасдан, нафасим тўхтайди' (U III, 37; 27-8); тӧрт алңыш 'тўрт карра маңтов' (Хуаст., 118).

Юқоридаги мисоллардан кўринадики, нумератив сўзлар сўнгроқ тараққий этган ва вақтлар ўтиши натижасида сон- лар билан ңўллана бошлаган.

Текширилаётгаи давр обидаларида сонлар субстантивлаш- ган (отлашган) от функдиясида ңўлланган ва от сингари турланган: икәгўнин, икәгўнўн (Юр., XVI, 213); икәгўкә (Юр.. XVI); бир йигирминчқа '11 га' (ПМК.); ўчәгўни (Сувр., 179); биш йигирмидә '15 да' [U III, 46, 14-5] каби.

Қадимги текстларда тартиб сонлар равишлашган ҳолда, яъни равиш функциясида учрайди: ўчўнч 'учинчидан'

(Гкн., 80); тӧртўнч 'тӱртинчидан' (Хуаст., 117); бииіинч 'бешинчидан' (Хуаст., 117) каби.

Сонларга махсус аффикслар қўшилиб равиік ясалади: икиләйў ўчләйў 'икки уч марта' [U III, 59, 5];бирлә 'бирга'; икирчкў 'икки марта'; биргәрў 'бирга7; икинтиш 'ңарама- ңарши' [U III, 23, 4] каби.

Баъзи ёдгорликларда саноқ сонлар отлар билан бирга бир тушунчани ифодалашда иштирок этади. Бу ҳол хитой, санскрпт тилларидан қилинган таржима асарларда учрайди. Бундай тушунчалар калька йўли билан пайдо бўлган: алты цачығ (U II, 12); сәкиз тўрлўг әмгәк [ТТ III, 27J; тӧрт тоғум биш ажун алты йолтақы тьінлығлар бирлә (Сувр., 133) каби.

Ёдномаларда 'мангу' тушунчаси аналитик тарзда берилади: бын йиллыц тўмэн кўнлак 'мангу' (ПМК, 36); мин йыл тўмэн кўн 'мангу' (Юр., XIII; XVI).

**ФЕЪЛ**

Обидалар тилида феъл формалари кенг тараңңий этган- Обидаларда феъл формалари ранг-баранг ва мураккаб сис- темани ташкил қилади.

Феъл аспектлари. Ҳар бир феъл категориясида мавжуд бўлган тўрт аспектдан бири бўлиши мумкин; яъни: тасдиқ ёки инкор, бўлишли ёки бўлишсиз.

Феълнинг тасдиң формаси II шахс буйруң шаклига тўғри келади.

Инкор формаси феъл ўзагига -мә, -ма аффиксининг ңў- шилиши билан ҳосил б$глади: қылма, кәлмә, кәрмә каби.

Феълнинг бўлишли формаси феъл ўзак-негизига равиш- дош формалари ва у феълининг (бу феъл иш- ҳаракат, во- қеа-ҳодисанинг бўла олиши, юзага чщишини билдириб келади) қўшилиши орқали ясалади. Тимин ӧк әдгү қылын- чығ адыртлағалы уйур 'ҳозироң яхши ёмон ишларни аж- рата олади' [U III, 12]; сатығ биргәли уғайму әрки сн ''сота оласанми?' [U III, 51; 11] каби.

Феълнинг бўлишсизлик формаси феъл ўзак-негизига равишдош ңўшимчалари, +у феълига +ма, -мэ аффикс- ларининг қўшилиши билан ҳосил бўлади: уяар қуіа уяу умадьін тпурды 'учар ңуш уча олмасдан турди' (ТТ I, 7); тәбрәтгәли цамиіатғалы умазлар 'тебрата олмаслар' (ТТ X, 329); анынтынлғлар ӧпкэ нызбанныларын, ыйа баса умадын... 'шу сабабли нафасликлар юрак ғазабини боса олмасдан' (ТТ II, 17) каби.

Феълнинг шахс, сон формалари. Шахс ва сон форма- ларининг қуйидаги кўринишлари учрайди. 1 группа пара- дигмаларида I-II шахс кишилик олмошлари, I-II шахс пре- дикатив аффикси сифатида келади. Ш шахс бирлик учун эса ол, бу, турур сўзлари иштирок этади. III шахс кўп- лиги учун сўнгги давр ёдномаларида -лар, -ләр шакллари

ңатнашади:

бирлик кўплик

1. ш. -мән (бән) I ш. -биз
2. ш. -сән II ш. -сиз

III ш. -баъзан ол, бу, турур III ш. (-лар, -ләр)

Мисоллар: бән кӱн тикәр бән 'мангу тош тикаман' (ЕнПТ., 95); тапынур биз әиіидурбиз 'топинамиз эшитамиз' (ТТ IV, 24); бу йан эдгу цылыт цылғу ол 'яхши ва эзгу яшлар қилиш керак' (ТТ I, 9) каби.

Мазкур группани ташкил ңилган I-II шахс кишилик ол- мошларининг состави ңадимда тор унлилардан иборат бўлган.

1. группа парадигмаси эгалик аффикслари иштирокида тузилади:

бирлик кўплик

1. ш. *-м -°мыз, -°миз, -муз, -мўз,*

*-°мәз, °маз*

1. ш, *-°н -°ныз(лар), -°низ(ләр)*

III ш. *-ы, -и* баъзан *ол, турур -ы, -и* (-*лар, -ләр).*

Мисоллар: сатдым (ПМК); кэлўртўм (ЕнПТ., 57) бәр- тин (Онг., II 9), йағды (Гкн., 84); басдымьіз (КТб., 32); йўкўнтўмўз (Хуаст., 117); болтумуз (Хуаст., 117); барды- ныз (Онг., II 9); кәлтўнизләр (U 111,9, 4); ажунларығ кӧр- киттиниз 'дунёларни кўргаздингиз' (ТТ III, 58); кәнўлин- тәки йиг номуғ уцытыныз 'кўнгилдаги ток билимини ўр- гатдингиз' (ТТ III, 58) каби.

Баъзан бир феъл формасида I-II тип парадигмалари формалари бирга келиши мумкин. Бу ҳодиса кесимлик аф- фиксларининг ңўлланишида ңатъий мунтазамликнинг йўқли- гини кўрсатади. Энг ңадимги даврларда туркий тилларда кесимлик аффикслари бўлмаган. Кейинроқ бориб, кишилик олмошлари ва эгалик формалари кесимлик аффиксига ўтган.

1. группа парадигмаси эса буйруң феълининг ңўшимча- лари воситаси билан тузилади:

II шахс -ғыл, -гил, -қыл, -кал, -ың, -иң, -ыңыз, -иңиз. IV группа парадигмаси истак-хоҳиш майлининг ңў- шимчалари воситаси билан тузилади:

I iu. ***-ай, -эй, -айын, -эйин -алым, -әлим*** ill in. ***-сун, -зун, -сўн, -зўн, сун[***лар], ***-зун[***лар], ***-сўн***

***-су, -зу***, ***-сў,*** -***зў***, ***-чун*** [ләр], -зӱя[ләр].

Ёдномалар тилида инфинитив ңўшимчаси -мақ, -мәк ҳаракат номи, от маъноларини англатиб келади. Баъзан инкор формаси -ма, -мә ни олиб келиши мумкин: қылма- мац (ТТ III, 137) каби.

Майл категорияси. Ёдномаларда феъл майлларининг .қуйидаги турлари мавжуд:

1. буйруң майли
2. истак майли
3. шарт майли
4. аниңлик майли

ИСТАК МАЙЛИ

Истак майлининг формаси I шахс учун -айын, -әйан, -йын, -йяядир. I шахс кўплик формаси -алым, -әлим ва -лым, -лим тарзидадир. Истак майлининг III шахси -зун, -зўн, -сун, -сўн орқали ифодаланади. Бу форманинг ңисқарган -зу, -зў, -су, -сў вариантлари ^ам учрайди. Са- ноқли ўринларда -чун варианти ҳам бор. III шахс кўшшги -зунлар -зўнләр, -сунлар, -сўнләрт\). Истак майлининг яарадигмаси қуйидагичадир:

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| ішахс | бирлик | кўплик |
| I | -айын, -эйин, -йын, -йин | -алым, -әлим, -лым, -лим |
| II | — | — |
| III | -зун, -зүн,- -зу, -зү, -чун, -сун, -сүн, -су, -сү | -зун, -зүн, -зунлар, -зүнләр, -сун, -сүн, -сунлар, -сүнләр |

Биринчи шахснинг кўплиги Тўнюқуң, Мағилонхон, Моян» чур, онегин, уйғур, турфон, манихей каби ёдномаларда! кенг истеъмолда бўлган: нә басиналим тәгәлим тидим 'нимага енгилайлик, қўшин тортайлик' (Тон., 63); адырыл- малым азмалым 'айрилайлик, озмайлик' (Онг., II, 9); ңабы- иіалым 'бирга бўлайлик' (ПМК., 37); ӧтўнэлим сӧзләлим 'ўтинайлик, сўзлайлик' (Сувр., 620); барып йўкўнэлим 'бо- риб ўтинайлик' (ПВ., 134); бош болальш 'бош бўлайлик' (ТТ IV, 32-33); йазуқлуғ болмалым 'гуноҳлик бўлмайлик' (ТТ IV, 65); биз басутчы болалым 'биз ёрдамчи бўлайлик'”' (U III, 9-4).

III шахс истак майлининг қўшимчалари истак, хоҳиш; маънолари III шахсга ңаратилган бўлади: йир суб идисиз- болмасун 'ер-сув эгасиз бўлмасин' (КТб., 30); тӧритзӱн 'терлатсин' (Гкн., 83); ынча болмазун 'шундай бўлмасинл (Сувр., 608); әмгәксиз болсун 'қийинчиликсиз бўлсинг (ТТ IV, 60); йўкўнмииі сайу арызун 'юкинган сари тоза? бўлсин' (ТТ III, 5) каби.

Бу шаклнинг қисқарган вариантлари -зу, -зӱ ва -чун ёд- номаларда истеъмол доираси чекланган форма саналадиг тэнри йарлиқазу 'тангри ёрлиқласин' (Тон., 64; КТб., 31); болзу 'бўлсин' (ПМК., 80); будун болчун 'халқ бўлсин'[[28]](#footnote-28)’ (КТб., 28). \_

-сун, -сӱн шакллари руник обидаларида учрамайди. Бу~ лар сўнгги давр тилида ңайд қилинган: сатсун 'сотсин' (Юр., XIII, 210); сӧзләри йорымасун 'сўзлари амалда бўл- масун' (Юр., XVI, 213); цалсун 'қолсин' (ПМК., 85). -

Руник обидаларида III шахс кўплиги -зун, -зўн билаш берилади (Онг., II, 9; ЕнПТ., 95; Тон., 63) каби.

-зунлар, -сунлар, -зӱнләр, -сӱнләр вариантлари сўнг- ги даврларда қайд қилинган: сӧзлэри йорымасунлар 'сӱз- лари ўтмасин' (ТТ I, 17); йинтәм. нырбанта тоғзунлар\* 'Нирвонда ҳар вацт туғилсинлар' (ТТ III, 166-167); кӧнй бирсўнлэр 'тўғри берсинлар' (Юр., VII, 208); цылмасунлар 'қилмасинлар' (Юр., XIII, 210) каби.

**БУЙРУҢ МАЙЛИ**

Буйруң асосан II шахсга қаратилади ва иш-ҳарақатни бажаришга ундайди. Буйруң майлининг ифодаланиши ңуйи- дагича:

1. Феъл асоси (ўзак-негизи) билак; қорқма әдгўти ӧтўн, айьінма әдгӱти йалбар 'қўрқма, яхши ўтин, яхши ёлвор' (Гкн., 81); оғланым қанқа man, цатығлан 'ўғлоним хонга топин, ңатиғлан' (ЕнПТ., 84); уч ңата оңи'уч марта. ўңи' (ТТ VIII, 72); сӧзлэ [ТТ VIII, 19] каби.

Баъзан ўрхун-енисей ва бошқа обидаларда юңоридаги усул билан ифодаланган . буйруқ формаси кўплик маънода ҳам ишлатилган: атлат 'отланинглар!' (Тон., 62); тоқуз оғуз бәгләри будуны бу сабымын әдгӱти әшид, цатыгды тынла 'тўңқиз ўғуз беклари халқи бу сўзимни яхшигина зшитинг, ңаттиқ тингланг (КТм., 28); қатығты ба, эдгӱти ба! 'ңаттиқ боғланг, яхши боғланг!' (Гкн., 81).

1. Буйруң маъноси -ғыл, -гил, -ңыл, -кил шакллари орңали ифодалакади; цатығланеыл 'қаттиқлангин' (ЕнПТ,, 29); ңылғыл 'ңилгин' (ТТ Х,279); турғыл 'тургин' (U III, 56); алғыл 'олгин' (ТТ VIII, 65) тутғыл 'тутгил' [U I, 7J; әшидгил 'эшитгин' (U III, 5); биргил 'бергин' (ПМК., 35); олурқыл 'ўтиргин' (U III, 83; 5-6); ӧтӱнгйл 'ўтингин' (ТТ X, 91); сақлану кӧргил 'саңлаб кўр' (ТТХ,426); иткил йаратцыл 'этғин яратгин' (Сувр., 156) каби.

Баъзида бу аффикс кўплик маънода келади: сабымыл тӱкдти әишдгил 'сўзларимни тӱла эшитинглар' (КТм., 27; қиёсланг: КТб., 30; КТм., 28).

Буйруқ майлининг кўплиги -ың, -иң формаси ёрдамида ифода этилади: йәмә игидиң! әмгәтмәң; толғатмаң! 'яна кў- таринг, ңийнатманг, тўлғатманг' (МН., 19); буны кѳру би- лиң! 'буни кўриб билинг!' (КТм., 28); ңара будуным датығ- ланың 'бутун халқим даттиңланинг!' (ЕнПТ., 26): ймә амранмақ билигин ағрлаң айад тапың 'севги, муҳаббат тим- солини ҳурматланг, аянг, иззатланг' (ТТ III, 3); алың әмти 'олинг энди' (ТТ III, 13) каби.

Баъзи ўринларда бу форма якка шахсга нисбатан ҳам ңўлланади: сү барың 'аскар билан бор!7 (Тон., 63).

1. Буйрук формаси -ыңлар, -иңләр, -уңлар, -ӱңләр тарзида ҳам ңўлланади.

Бу форма руник обидалар тилида учрамайди. Мазкур форма „Ирқ битиг“ асари, уйғур, манихей, брахми ёзув ёдномаларида истеъмолда бўлган. „Ирң битиг“да -ыл, -аң, -ыңлар, -иңләр ўртасида фӓрқ йўқ даражада.

Буйруқ -уңлар, -ӱңләр, -ыңлар, -иң/іәрдә кўпчиликка ңаратилгандир: маңа кәлүрүнләр 'менга келтиринглар'

[U III, 12, 14]; кәрүнләр аның ачығ әмгәникин 'унинг аччиқ гурбатини кўринг' [U III, 24, 4]; әшидиңләр 'эшитинглар' (Сувр., 154); барыңлар 'боринглар' (Сувр., 154).

ШАРТ МАЙЛИ

Шарт майлининг формаси -cap, -сәр руник, уйғур, ма- нихей, брахми ёзув обидаларида учрайди. Ушбу форманинг ңисңарган варианти -са, -сә, -за, -зә турфон текстлари, юридик ҳужжатларда (Юр., XIX) -cap, -сәр билан параллел истеъмолда бўлган: йарлықасар кәрсэр кэлса (кәлзә), тудса (тудза), таплаза тапламаза каби. Бу дазр ёднома- дари тилида -са, -сэ шаклларининг истеъмол доираси жуда чекланган. Масалан, брахми ёзувли турфон текстида фақат икки ўринда -са, -сә келади: барсалар 'борсалар' (ТТ VJ11, A 17); діиитсәләр 'эшитсалар' (ТТ VIII, A 25). Бошқа феъл- лар билан -cap, -сәр қўлланади: болмасар 'бўлмаса' (ТТ VIII В I); болсар 'бўлса' (ТТ VIII, Е44), әрсәр 'эса' (ТТ VIII, 33)’. бушанмасар 'бўшамаса' (ТТ VIII, A 36); алсар 'олса'’ (ТТ VIII, A 38); қыл ар 'қилса' (ТТ VIII, A 45); татмасар 'татмаса' (ТТ VIII, С9); сақынмасар 'ўйламаса' (ТТ VIII, Д 16); кэтмэсәр 'кетмаса' (ТТ VIII, К 10); оқытсар 'ўкитса' (ТТ VIII, О 16); кәлсәр 'келса' (ТТ VIII, A 41); зрмәсәр 'эмаса' (ТТ VIII, Д 26); кӱсәсәр "хоҳласа7 (ТТ VIII, Е 45); тәсәсәр (ТТ VIII, К I); тэсәр. (ТТ VIII, Н 6); тӱкәрмәсәр 'тугамаса' (ТТ VIII, 43); тӱкәмәрсдр 'тугамаса' (ТТ VIII, 36); усар (ТТ VIII,. 14); тәрсәр (ТТ VIII, 33); синмәсәр 'синмаса' (ТТ VIII, М 21); ичсәр 'ичса' (ТТ VIII, М 21) каби,

■ Ўрхун-енисей ёдномаларида шарт феълининг предикатив аффикслар билан келиши учрамайди. Шарт майлининг тус- ланищи уйғур, манихей, турфон текстларида қайд қилинади. Руник ёдномаларини текширган олимлар шарт формасининг белгиси сифатдош, от ясашда қўлланган деб тахмин қили- шади.

. Шарт .майлининг туслапиши ңуйидагичаднр:

I. *оцысар мән, оқысар биз, кәлсәр мән, кдлсәр сиз*

1. *ӧқысар сән, оқьїсар сиз(ләр), кәлсәр сән, кәлсәр сиз(лэр)* III. *окысар ол, оқысар{лар), кәлсәр{ол), кәлсәр(ләр).* Мисоллар:
2. ш. оқысар мән (Сувр., 6), кӧрсәр мән (Сувр., 12), оз-

ғуру умасармн (U III, 41, 3)

1. ш. цылсарсен (U III, 69), усар сән (Сувр., 11),
2. ш. кэлмәсәр (Сувр., 620);"
3. ш. ӧкӱнсәр биз (ТТ IV, 26-27), ӧлсэрбиз (Сувр., 620);
4. ш. оцысар сиз (ТТ), тудсарсизләр (Сувр., 405);
5. ш. сӧзсәрләр (Сувр., 10), бдгләр болсарлар (U III., 69, 20)

каби. •

Шарт формаси билан уюшиб келган икки ёки ундан ор- тиқ феълларда предикатив аффикси охирги феълга ңўшилиб келади: бирӧк әмты бу әмгәк әмгзнгәли қорқсар аймансәр сән... [U III, 31; 12-13] каби.

Шарт майлининг маъноси ва қўлланиши. Қўшма ran кесимида ифодаланган, лекин бажарилмаган иш-ҳаракатнинг маълум шароитда бажарилиши мумкинлигини англатади. Бунда -cap, -сәр билан келган феъл эргаш гапнинг кесими бӱлиб, бош гапдаги ҳаракат билан боғланган бўлади: Бу цағанында бәгләриндә йэриндә сувында адырылмасар тӱрк будун ӧзӱн әдгӱ кӧртәяа ән 'турк халқи хоннинг, бекла- ринг, еринг, сувингдан айрилмасанг, ўзинг эзғу кўрасан (топасан)' (МН., 19); бирмәдин кәчўрсэрмән ил йакынча тӱша билә кӧни билўрмән 'бермасдан кечиктирсам эл ода- тича фойдаси билан тўғри бераман7 (Юр , XXVII, 215); иг тапа кӧрсәр сән тӧрӱ йавыз 'касалга дучор. бўлсанг бой- лик ҳалок бўлади7 (ТТ I, 11); тўдўш кирши цылмасар сән ӧзўнә цамағ адатын озғайсән 'баҳс ңилиб талашмасанг, ўзингни бутун хавф-хатарликдан ңутңарасан' (ТТ 1, 14)

каби.

Шарт феъли ёрдамида сабаб эргаш гапнинг кесими ифо- даланади: бир тодсар, ачсыц ӧтәзсән 7бир тўқ бўлганда, очликни унутасан7 јКТм., 28]; ўзә тәнри басмасар, асра йар тәлинмәсәр, тўрк будун, илинин тӧрўшш кәм ар- таты 'устингда тангри босмаса, остингда ер тилинмаса, турк халқи, ким (сенинг) давлатингни йўқ қилад-и' (МН , 69); їюл азсар әв тапмаз 'йўлдан адашганда, уй топилмас' (ТТ I, 8); кииіи сӧзләсәр сав алцынур 'киши беҳуда сўз- ласа сўздан путур кет.ади' (ТТ I, 8) каби. \*

Пайт эргаш гапнинг кесими; шарт феъли бидан ифодала- нади. Бунда эргаш гапда шарт маъно оттенкаси сақланади:. бир каиіи йанылсар, уғ.ышы будуны бәтўкинз тәгн кыд- маз әрмииі 'бирор одам адашганда, уни (тутиб) ўз қавмига юбормас эди7 (КТм., 28); мунтағ тисәрмэн ӧпгрў ол йәк- ләр мана ыняа тидиләр 'шундай дегандан сўкг ўша арвоҳ- лар менга қуйидагиларни айтишдилар7 (Сувр;, 155); тағдыи йынаққа кӧрсәрмән, тӧртә әрклиг қан олурур 'тоғдан атрофга қараганда, тўрида Эрклик хон ўтирар' (Сувр., 156); қачон бодиствнин әтезин башы бирмиш йар орунца тәг- диләр әрсәр 'қачон бўдисатванинг бутун вужуди берилган ерга етганда7 (Сувр., 625); сув тамыры цурысар йаш йа- вышғу цурыйур 7сув куриганда7 яшил барглар қурийди7 (ТТ I, 9) каби.

Истак, мақсад, хоҳиш маъноларини англатади: ўчэгу барлэ кна ӧлсәр баз '(қани эндн) учовимиз биргӓ ўлсак?7 (Сувр., 620); бу туста тириг әсән қавыіисар, ӧлсәр мәнин ӧтӧзу '{қани энди) бу тусда тирик омон-эсон бирга бўлсам мен ӱзим ўлсам' (Сувр., 623), азцына ктиги ә әмгәкин ӧг- сәрмэн 'озгина кичкина мушкулига ярасам' [UIII, 31; 11]каби.

Ўрхун-енисей текстларида -cap, -cap, -са, -сә билан ифодаланган шарт эргаш гапнинг кесими бошида ўрни би- лан нәң (Тон., 64), нәң, наң (КТм., 28) каби олмошлар қўлланади. Сўнгроқ қачон, бирӱр, бироқ кабилар қўллана бошлаган.

Шарт формаси эр феълига қўшилиб әрсэр элемеитини ясайди ва бу эрсәр бир ңатор функцияларга эга: истак, за- рурлик каби модал оттенкаларни беришда, эргаш ran билан (кўпинча сабаб англатувчи, тўсиңсиз эргаш ran билан) бош гапни боғловчи элемент сифатида қўлланади.

кэлир әрсәр, кў әр ӱкӱлӱр, кәлмэз әрсәр тылығ савығ альі олур '(борди-ю) келса, ботир эр кўпаяди, келмаса, турли хабарларни тўпла' (Тон., 63); Суйда бару сақынчым сӧзин, қылычын он тӱрлӱг суй йазуқ қылтьімыз әрсәр, нияә икид игдәдимиз әрсәр, йәмэ нәчә игдәйӱ антықдымыз әрсэр икид киши тонуқы болтумуз эрсәр, йәмэ йазуксуз кииіиг нәчә сӧзләдимиз әрсәр кӧнӱлин билигин артатды- мыз ярсәр, йәмә нәчә ўкўш тынлығығ туралығығ ӧлўр- дўмўъ әрсәр, кўн ай тәнри тапламаз исиг нэчд ишләдамиз әрсәр, йәмә илки ӧзўн бу ӧзун узун тонлуғ урылар ӧз бо- луп нәчэ йазынтымыз йанылтымыз әрсәр; тәнрим әмти бу он тўрлўг йазуғда босуну ӧтўнўр биз Тумроҳликда юриб сў- зимиз ва қилмишимиз билан ўн турли гуноҳ, қанча сохта ҳара- катлар қилган, яна неча ёлғон қасамлар ичган, сохта кишилар (манфаати) учун гувоҳлик берган, яна қанчалаб гуноҳсиз кишиларни таъңиб ңилган, яна қанча ёлғон сўзларни ишла- тиб, уйдирма ва миш-мишлар тарқатиб кўплаб кишиларни камситган, дилини ва эътиңодини бузган, нечалаб макрона ишлар қилган ва яна кўплаб жонли жониворларни жонсиз ңилган, ңуёш ва ой тангрига хуш келмас ишларни ңанчалаб ңилган, яна қўли баланд (узун) бу давр аёлларига вужуди- мизни топшириб ңўйиб, неча адашган ва гуноҳлар ңилган, бунча кўп нафасликларни йўқ ңилган бўлсак, эй тангрим энди бу ўн турлиг гуноҳларимиз учун тавба қилиб кечи- рим сўраймиз, ўтинамиз' (Хуаст., 117).

Бол феъли шарт аффиксини қабул қилган феъллар билан келиб ҳар хил модал оттенкаларини кўрсатади: ўр оғул кӧсэсэр, бплтун әд тавар тиләсәр, болтун таптин 'ботир ўғил тилар бўлдинг, молу мулк тилар бўлдинг, топ- динг' (ТТ 1, 7).

Кдномаларда ңуйидаги формалар феълнинг ҳозирги, ҳо- зирги-келаси ва ўтган замон шаклларини ташкил ңилади:

1 *-УР, ЎР, аР*. *-эр, -ыр, -up, -йур, -йўр,* 2. *-ғалыр, -гә- лир, -қалыр, -кәлир,* 3. *-дачы, -дәчи, -тачы, -тәчи*;

1. *-чы, -чи\* 5. *-ғай, -гәй; -қай, -кәй,* 6. *-ғу, -гў, -ку, -қў;* 7. *-ғулуқ, -гўлўк, -гӱлӱг, -қулуң, -кӱлӱк; 8. -ту- рур;* 9. *-мыш әргәй;* 10. *-ти әргәй;* 11. *-сун, -сӱн, -зун, -зўн, -әйин, -йин-{-әрти;* 12. *-д, -т;* 13. *-д, -т әрти;*
2. *-йуқ, -йўк, -йуғ, -йўг;* 15. *-йуқ, -йўқ, -йуғ, -йўг+әрти;* 16. *-дуқ, -дўк, -дуғ, -дўг, -дық, -дик, -дығ, -диг;* 17. *-дуқ, -дўк, -дуғ*, *-дўг, -дық, -дик, -дығ, -диг, -туқ, -тўг, -туғ, -туг, -тық, -тик, -тығ, -тиг зрди;* 18. *-мыш, -маиі, -муиі, -мўш;* 19. *-мыиі, -миш эрди;* 20. *-мыш, миш әрмииі;* 21. *-ур, -ўр, -ыр, -up, -ар, -әр, -йур, -йўр эрти;* 22. *-ғай, -қай, -кәй, -гәй әзти;* 23. *-ур, ўр, -ар, -әр, -ыр, -up, -йур, -йўр әрмиш;* 24. *-дачьі. -дәчи, -та- чы, -тәчи әрди;* 25. *-дачы, -дәчи, -тачы, -тэчи әрмиш; -д, -т әрмиш* каби.

ҲОЗИРГИ-КЕЛАСИ ЗАМОН

-УР> 'ЎР> ~аР’ ӘР' 'Ь1Р- -йур, -йўр. Бу замон формаси феъл ўзак-негизларига -ур, -ўр, -up, -әр, -ыр, -up, -йур, -йўр шакллари ва шахс аффиксларини цўшиш оркали пайдо бўлади:

**бирлик**

1. ш. *қазғанур мән ӧтӱнӱрмән* (баъзан *цазғанур бән)*
2. ш. *қазғанур сдн ӧтўнўр сән*

III ш. *ңазғанур* (баъзан *қаз- ӧтўнўр* (баъзан *ӧтўнўр ол)*

*ғанур ол)*

**кўплик**

1. ш. *қазғанур биз ӧпгўнӱр биз*
2. ш. *қазғанур сиз* (баъзан *ӧтўнўр сиз (баъзанӧтўнўр-*

*қазғанур сизлэр*) *сизләр*

1. ш. *цазғанур* (*қазғанурлар) ӧтўнўр (ӧтўнўрлзр*)

Мисоллар: I шахс қазғанур мән (КТб., 29); барырман

(ГКн., 83); йәйӱрмән (ТТ X, 277); тиләйўрмән. (Сувр., 83); ииіләйўр биз (Хуаст., 119); сӧзләйўр биз (Хуаст., 119); тәкинўр биз (ТТ IX, 9) каби.

II шахс: усарсән (Сувр., 15Б)\йалгпрыйур сән (TTIX, 11); билирсиз (КТб., 31); цачарсизләр (Сувр., 154) каби.

Ш шахс: кӧрӱр (КТм., 27); олурур ол (Гкн., 84); ўкў- лўр (Тон., 63); цабышыр (Тон., 61); барырлар (ТТ X, 552); тўиіэр (Сувр., 618); сӧзләшәрләр (Сувр., 155) каби.

-ур, -ўр формаси иш-ҳаракатнинг нутц момектидан сўнг бажарилишини билдиради: йоццыіиалим! — тир мән 'йўңотайлик дейманГ (Тон., 61); алцу ңа қадаиі оғул цыз эӧ тавар барча мунта ңалып мән адырилип адын ажун,- қа барыр мн (U Ш, 3-4): бэг әр сыцылур иш булмадын 'иш топмасдан бек сйқиляпти' (Т I, 7), сизлэркә йрлыцайур мн 'сизларга буюряпман' (ТТ II, 75) каби.

Иш-ҳаракатнинг умумий бажарилиши, ҳаракатникг да- вом этишининг доимий белгисини билдиради: кимкэ илиг цазғанур мзп? нә цағанца исиг кўчиг бирўрмән 'ким учун эл олмоқдаман?...Қайси хоңонга куч- ғайратимни бераман?' (КТб, 29); йарын кәчә әиіурмән 'эрталаб, кечаси ңатнайман' (Гкн., 80); талуйда йатыпан. тапладуцымын тутармәк сәбдукимин йийур мән "денгизда бўлиб менга ёққан (нар- саларни) тутаман, севганимни ейман' (Гкн., 80); йәк ичкәк әгирўр йағы йавлақ алтайур (ТТ 1,80); бу йердғ мун- луғун интуру басынтуру йоры йурсызлар (Man. III, 30); бу борлуцнын сычысы ӧндўни Қара Тәмирнинг борлуц ады- рар, кӧӧўни йынақ сычысы окән адырар, кидин йынақсы- чысы ӧкән ӧк адырар, тағтын сычысы Сурыка тәмиш борлық адырар (Юр., XIII, 210) каби.

~УР> -ӰР формаси иш-ҳаракатнинг нутц моментида ба~ жарилишини кўрсатади: ағыр айамақын эсәнгўләйў ӧкўш кӧнгўл айыту ыдур биз 'зўр эҳтиром билан ҳаётидан сў- раб, бутун кўнгил билан тилаймиз (Ht VII—182 б.).

Иш ҳаракатнкнг келажакда бажарилишини билдирадиг *Ил* — *Тәмиртин. бар кўри кўнжит алтым кўз ики кӱра кўнжат бирўр мән* (Юр., VII, 208); *кўз йаныдаики бадыр кўнжад кӧни бирўрмән, бирмэдин. кәчўрсзр мән ил йанын- ча тӱши. бирлә кони бирўрмән* (Юр., XXVII, 215) *ан ки~ чага Мғастви тигин тацы тапышу тәгинмдз тиләйў тэгинўрләр* (Сувр., 623); *мн адрылып адын ажунқа ба- рыр^мн* (U III, 6;4) каби.

Утмишда бўлган иш-ҳаракатни ҳикоя килишда кўлла- ниши мумкин: *антағ ачығ тарқа дмгәкләринтин озцалы цутрулцали умағай еәнтиг мунылайу сӧзләш.әрләр* (Сувр., 155); *бирисин цабип илтўр болур* (Сувр., 627).

әрки сўзи билан қўлланиб, модаллик оттенкасига эга бўлади: булу тэгинўр әрки. 'балки етар' (U III, 76: 1) каби.

-қалыр, -кәлир, -ғалыр, -гэлир. Бу аффикс орқали ҳозирги-келаси замон феъли ҳосил ңилиниб, иш-ҳаракат- нинг бажарилиш пайтини билдиради.

-қалыр, -кәлир, -ғалыр, -гәлир шакллари ёрдамида ташкил топган ҳозирги-келаси замон феъли камроң истеъ- молда бўлиб, воқеа-ҳодисанинг умуман (умум замон) аниқ ҳозирги замонда ёки келажакда бажарклишини билдкради: /?£ қуруп от атқалыр,

*Йалынг қылыч тутуп ок ӱзкәлио*,

*Тыт сӧгӱт будықы йӱз тӱрлӱгин. титрайӱр,* , ,, *Артуч сӧгӱт будықы йӱз тӱрлӱгӱн ырғалур, бәрклиг йәк шкдклэр ил тутцалыр. босуя цатғу иг ағрығлар орнағ тутңалыр бэгтин иіиитин кәрсәрсн сувңакиркәлирсн илтин қантын кзрсэрсн алқамаққа піӱшкәлир сн* 'Ёй қурибоқ отади.

Яланг қилич тутибоң узади,

Тилоғоч бутоқи минг марта титрайди,

Совур арча бутоқи юз марта қайрилади, титрайди.

Берк руҳлар (демон) элни қўлда тутади,

Қайғу-алам, оғриғ касал (бир) ўриндан силжитмайди. Бек ва бекач ҳақида сўрасанг. шуҳрат қозонасан, '

Эл ва хон ҳақида сӱрасанг мақтовга сазовор бўласан'

(ТТ і, 162-171).

-дачы, -дәчи, -тачы, -тәчи. Бу сифатдош шакллари шахс аффикслари билан қўшилиб келаси замон феъли ясайди:

**бирлик кўплик**

1. ш. *цалтачы мән,*, *кәлтэ- қалтачы*, *кәлтәчи биз*

*чимән*

1. ш. *цалтаяи сән, кдлтәчисән калтаяысиз, кэлтәчл сиз*
2. ш. қалтаяы (ол, турур) цалтачы (лар,) кәлтәчи

кәлтәчи (ол, турур) (лэр)

Мисоллар: киртәчи сән (МН., 19); болтачисән (МН., 19); ӧлӱртәчи (Тон., 61); цамылтачы ол (U 111); цалтачы биз (Тон., Хуаст., 119); йанылтачысиз (КТм., Мел., 63); илин- тӱртӧчиләр (ТТ VII, 11) каби.

-дачы, -дэчи, -тачы, -тәча шакллари айрим ўринлар- да згалик аффикси билан тусланиб келаси замон феъли ҳосил қилади: сән қуруғ қалтӓчың 'сен куPvк коласан' (USp., 24).

Мазкур форманинг бўлишсизлик маъноси асосан-жа, баъзан йоқ сўзи билан ифода этилади; уйатмадачылар (ТТ

VIII, 44); ол йәкнин ӱстӱн тнри алтын йалнуқта ким әрсәр кучин тыдтачы йоқ 'осмондаги тангри, ердаги инсон ичида ҳеч ким йўқки, руҳнинг кучини ушлагани'(ТТ X 1,57).

Бу форма иш-ҳаракатнинг келажакда бажарилиши ёки 'ҳаракатнинг нутқ моментидан кейин аниқ бажарилишини бвлдиради. Руник обидаларида кўпинча шарт эргаш гапли қўшма гапдаги асосий ҳаракатнинг кесими бўлиб келади: Ол йиргэрӱ барсар, тӱрк будун, ӧлтсшсән' ӧтӱкән йир олурып, арқьии тиркиш ысар, нән бунуғ йоц, ӧтўкән йыиі олурсар, бәнгу ил тута олуртачы — сән тўрк будун тоқ ўша ерга борсанг турк халқи ўласан. Ўтикан ердабўлиб (созға учун), карвон юборасан, ҳеч бир ғаминг йўқ, ўтикан халқи орасида қолсанг, мангу эл яратиб қоласан (КТм.,28); ол әки кииіи бар әрсәр, сини Табғачығ ӧлўртзчи, тирмэн, онрэ Қытанығ олўртәчи тирмән, бини оғузуғ ӧлўртэчи ӧк тирмән 'агар киши бўлса, сени Табғочни ўлдиради, дей- ман. Олдида қитангни ўлдиради — дейман. Мени ўғузни, ал- батта, ўлдиради,—дейман' [Тон., 61]; анча сақынтым, кӧздә йашкәлсэр,эти.дэ кӧнўлтэ сығыт кэлсәр, йантуру сақын- тым, қатығды сақинтым; әки илад улайу инийигўним оғла- ным бәгләримбудунымкӧзиқаиіы йаблақ болтачы man, са- қынтым 'кўп ўйладим, кўзда ёш келса, вужудида йиғи- сиғи келса, яна ңайта ўйладим, чуңур хаёлга чулғади. Икки шод ва иним, ўғлим, бекларим, халқимнинг кўзи-қочіи ёмон бӱлади деб ўйладим' (КТб., 33);

-дачы, -дәчи, -тачы, -тәча формаси келаси замон маъ- носида ңўлланади: бӧдкә қӧримә бэглзр гу йанилтачысиз 'будга (тахтга) кирган беклар ахир хато ңиласиз'(КТм., 28); ӧнрэ қытанда, бәрийә Табғачда қуруйа қурданта, йыра- йа оғузда, зки ўч бин сўмӱз кәлтэчи биз 'ўнга (шарцқа) Қитангга, жанубга, Табғочга, ғарбга, қурданга, шимолга ўғузга, икки уч минг аскаримиз билан кедамиз' (Top., 62).

Қәӓрәдэ ӧндин йантачы 'Қайрадан қайтаман' (ПМК., 34); улуғ ағыр йўк тәг тўшдэчи цамилтачи ол 'катта оғир юкдек тушади' (ТТ III, 18): мэнгу оруща тәгўрдэчи 'мангу ўринга олиб боради' [U III, 11,5] каби.

Иш-ҳаракатнинг доимий, турғун белгиларини англатади: номы уч йавлақ йолта тӱиімиш тынлығларығ ӧрў тар- тып низванилағ йағыдын оз ғурдачы ол 'Бурхон китоби- нинг (илмининг) ңиймати шундаки, уч ёмон йўлга тушган жонликларни юцори кўтариб (ңутқариб) Низвони ёвдан қут- қаради' [U III, 18; 31-32]; илиг бэг кӧнўли ўкўш савағ бил- тэяи ол 'Илиг бек кўнгли кўп сўзни билади' [ТТ X, 498] каби.

Эҳтимол, модал маъно оттенкалари кӱк юкламаси орқа- ли берилади: айғуяысы билгэ әрмиш, қач нән әрсәр ӧл ӱртәяи кӱк 'маслаҳатчиси билимлп экан, нима бўлса ҳам ғолиб чи- кади, шекилли' (Тон., 62); қая нэн эрсәр бизни ӧлӱртәяи кӱк 'нима бўлса ҳам бизни ўлдиради шекилли' [Тон., 63].

-дачы, -дәча, -тачьі, -тәчи формаси бол- билан ке- лади: бу қамғ тӱрк будун тнринә йазуқ қы.лтаяы болғай- лар 'бу ҳамма турк халқи тангрига гуноҳ ңилувчи бўлади- лар' [ТТ II, 10].

*-дачы, -дәчи*, -*тачы*, *-тэчи,* формаси *әр* билан келади: *синан ӱтӱня ни ғригинасни әртәяи әрӱоләр* [TP VIII 69]; *нызваныз ӱклиттәяиләр эрӱр* (ТТ VIII, 10); *уттаяьі эрмэзмән* [ТТ VIII, 46] каби.

-чы, -чи, -мачы, -мэча. Бу шакллар шахс аффикслари билан қўшилиши натижасида ҳозирги-келаси замон феъли ҳосил бўлади. Иш-ҳаракатнкнг нутқ моментидан сўнг содир бўлишини билдиради (долженствование оттенкасига эга) ӧлмәяи йәтмәяи сэн 'қийналасан ўласан (қийналишинг, ўли- шинг керак) (ПМК., 36)\бу йолын йорсар, йарамаяы 'бу йӱлдан юрсанг ярамайди (Тон., 62); цаяан нән әсӱк сӧз- ләмәяи мән 'ҳеч қачон ёлғон сўзламайман' (АГ., 116), ол ада ймә сизләркэ тәгмэяи ол 'бу бало сизларга тегади7 (АГ., 116); булуняы ол (Ман., III, 11,14) каби.

-ғай, -қай, -кәй, -гәй. Бу форма келаси замон ҳосил қилади:

бирлик кўплик

1. ш. *болғай мән. кәлкэй сән болғай биз, келгәй биз*
2. ш. *болғайсэн, кәлгәй сән болғайсиз, келгәй сиз*
3. ш. *болғай (ол), кәлгдй (ол) болғай(лар), кәлгәй(ләр)*

Бўлишсизлик формаси -ма, -мә орқали ҳосил ңилинади: болмағай, кэлмэгәй. Сўроқ юкламаси шахс аффиксидан с>'нг ёки олдин келади: йорықай мун мән (Юр., I, 202) каби. Учинчи шахс бирлик /чун ўрни билан ол ңўлланади: пл- гәй ол (Гкн. 81); кәткәй ол (ТТ V, 62) каби.

Бу форма иш-ҳаракатнинг келажакда бажарилишини билдиради. Иш-ҳаракат, воқеа-ҳодисанинг маълум бир мо- ментда содир бўлишини кўрсатмасдан, ҳаракат умуман ке- лажакда рўй беришини англатади. Мунтада кәзиринятын,- лығ болғай му 'бундан бошңа тубан жонлик бўладими?' (Сувр., 616); нәгӱдә болғай ол 'ңандай ңилсин' (Гкн., 82); бәглик йарағай (Гкн., 80); ада әртгәй әдгў кәлгәй 'адоват ўтади, яхшилик келади' (ТТ 1,9); аны ўяӱн тәнри йирин бўлғайбиз 'шунинг учун тангри ерини топамиз' (ТТ II, 17); сиз мини йарлыцағай номқа тутғай дындор цылғайсиз (ТТII, 39-40); қанйуда йығыіиацларғ сартларғ булсар алцуны ӧлӱргәй бар тириг ыдмағайлар (ТТ II, 15-16) каби.

Мазкур формада келган феълнинг семантикаси ва гапкинг контекстига қараб -ғай, -қай гумон, тахмин, тилак, маңсад, истак, хоҳиш каби маъноларни англатиши мумкин (Сувр., 620, ПВ., 135; Сувр., 529-30 каби).

Бу давр тилида -ғай, -қай, -кәй, -гәй модал маъно от- тенкаларини англатиб келмаган. Модал мазмуни әринч, әрки каби сўзлар орңали берилган: қодғай әрки 'қўяр ше- килли' (XT X, 259); булғай әркы биз (Сувр., 609); ңайу тапағ болғаи әрка [U IV, 77]; әдгӱ ном тынлағалыбул- ғай әрка мән (U III. 29; 4-5); ол әрдин бизнә ада туда кәлгәй зрки [U III, 56; 2-3], кэнтӱ билингәй әрит (КР., 10) каби.

Баъзи ўринда -ғай, -қай, -кәй, -гәй шакллари -ға, -ка, -кә, -гэ кўринишга эга. Буларнинг қайси бири энг қа- димги форма- деган саволга ҳозирги олимлар орасида бкр фикр мавжуд бўлмай, баъзилар даставвал -ғай, -қай шакл- лари бўлиб, булардан -ға, ~қа пайдо бўлган деб гумон ңи- лишади. Бизнингча бу икки кўриниш қадимги вақтдаги диа- лектал хусусият билан изоҳланади. Мазкур формалар руник обидалар тилида учрамайди.

-ғу, -гў, -ку, -кӱ. Бу сифатдош формаси эгалик аффикс- лари билан тусланиб келаси замон феълини ҳосил ңилади. Бўлишсизлик формаси -ма, -мэ шакллари ва инкор билди- рувчи йоқ сўзи ёрдамида ифодаланади: цылмақу (ТТ IV, 18); барғусы йоң (ТТ X, 465) каби.

Текширилган ёдномалар тилида асосан учинчи шахсда қўлланади.

Иш-ҳаракатнинг келажакда бажарилишини билдиради; мәнин кӧнӱлӱм йӱрдкин синтәдә әни кирип барғусы йоқ 'менинг юрагим, кўнглим сендан ўзгани истамайди' (ТТ X, 465-66) каби.

Иш-ҳаракатнинг бажарилиши кераклигини, лозимлигини англатади. Торушта тӱдӱштә санланғу ол әд йол тилэ- мәктә ышаеғу ол 'уруш-жанжалдан сақланиш керак, бой- лик, бахт орттиришдан эҳтиётлик керак' (ТТ X, 15),

-ғулуц, -гўлўк, -гулук, -қулуқ, -кўлўк. Бу сифатдош формаси предика-тив функдиясида, асосан III шахсда кёла-ди.

Мазкур функцияда қўлланиши (эс ки) ўрхун-енисей обида- лар тилида қайд этилмаган.

-ғулук, -гӱлӱк уйғур, брахми, манихей сбидалар тилида кенг истеъмолда бўлган. У иш-ҳаракатнинг бажарилиши кераклигини, лозимлигини,истак, мақсадки англатиб келади: кӧнӱл ичинтә от кирда ңадғу бар бошунғулуғ —

'кўнпіл ичига ўт кирди,

кайғу бор (ундан албапа) ңутулиш керэк' (ТТ1,7), аш ичкў йоц ким бу оланурмыш ачбасрығ тигўргўлўк 'озиқ-овңат йўңки, бу ўлаётіан оч барсни тирилткришга' (Сувр., 610); ңаранг: (Сувр., 615, 616, 614, 154, 611, 627 ка- би); бу толп сансар ичиьтәки тынғларығ нәчэ әмгәкгў- лўк толғатғулуқ бу Сансар кчидаіи жонивсрларви ңан- дай^ңийнамоң, тўлғатмоқ керак (бӱлади)' (ТТ 11, 16) каби.

Ўрни билан Ш шахс предикатив кўрсаткичи ол билан ңўшилиб келади: кузәтгўлўк ол 'кузатиш керак (бўлади)' (ТТ VIII, 7); эшигўлўк ол 'зшитиш керак (бўлади)' (ТТ VIII, 15; яна ңаранг: ТТ VIII, 23, 39, 42, 43 каби).

Баъзан бўлишсизлик маъносида зрмәз билан ңўлланади: алғулуцум әрмәз 'ола билыайман' [U 111,59,4]; айығ ңлынч- ларығ цылғулуц әрмәз 'ёмон кшларни ңилиш керак эмас' (ТТ VIII, 25); ада туда тәгўргәли уғулуц әрмғзләр (U IV, 259); нән алинларқа тайанып оз йигиткўлўк әрмәз (ТТ VIII, 39, яна қаранг: ТТ VIII, 25, 39, 35, 18 каби).

турур. Ёдномаларда турур отларга қўшилиб келиб предикатив қўшимча сифатида қўлланади: ай қызым мани бирлә ба.р оғушлуғ турур сән 'эй қизим мен билан бир уруғдансан' (ТТ X, 472); Таштын бир антағ сав турур 'ташқарида шундай бир ran -сўз бор' (Сувр., 622); пусусы әмгәки ӱкўш пгурур 'қайғу-ғами кўпдир' (Сувр., 623); ағыр турур 'оғирдир' (ПВ„ 135); мутулайу сав турур 'шундай сўз мавжуддир' (Сувр., 154); цутрулғум йоц турур 'ңу- тулиш иложим йўқдир' (Сувр., 155); икки эмиклзри итиг- лиғ йаратығлығ турур (ТТ X, 446); цоп оғрын илиг бәг- нин йарлығын тыцлағалы ануц турур 'биз ҳар доим Илиг бекнинг буйруғини танлагали тайёрмиз' [U 111, 28; 14; яна ңа-ранг: ТТ I, 8, U III, 43; 11] каби,

-матын, -мәтан равишдоши билан келиб ҳаракат-ҳо- латнинг бажарилиш пайтини кўрсатади: бир цары ӧкўзўг билин, бичә қомурсға йимииі қамшайу уматьш турур'бнр қари ҳўкизни майда чумолилар талаб егани учун юра ол- маяпти' (Гкн., 82); аки ӧкўзўг бир боцарсьіца кдлмииі қам- шайу умагпын турур 'икки ҳўкиз бир арңонга боғлангани учун юра олмаяпти' [Гкн., 82]; йылқы йәмэ кӧтўрў ту- рур 'йилқи (от) ҳам кўтара олмаяпти [ПВ., 135].

-ып, -an равишдоши билан қўлланиб, ҳозирги замон да- вом маъносини англатади: йана бир қул алңальі мани би- лән кәналәшап турур 'яна бир қул 'олиш маңсадида мен билан маслаҳатлашмоқда' [Юр., I, 203]; тәкші турур 'тег- моқда' [ТТ IX, 16] каби.

Баъзан -гәла, -ғальі равишдоши билан келади: мунаәм- ти балық ичанә киргәли турур 'энди шаҳар ичига кир- моңчидир' (ТТ X, 12) ӧлгэли турур 'ўлмоқчидир' (Сувр., 610).

-у, -ӱ, -а, -ә, йу, ~йӱ равишдоши билан қўлланадщзте- зӱм ӧк кӧзунӱ турур 'вужудим кўринмоңда' (ТТ X, 462); босуш цадғу бэлгўси әнирэ турур 'қайғу-алам белгисини изламоқда' (ТТ I, 10); барча йанқыра турур 'барча (нарса) янграмоқда' (U II, 24); ӧтәкларин адырлайу турурлар 'гу- ноҳлари билан бир-биридан фарқланмоқда' (Сувр , 156);

сини кўтә турурлар 'сени кутмоқдалар' (Сувр., 155); ца- шы қапақы кӧзўнў турур'цош-қово?п кўринмоқда' (ТТ Х,437); аллығ чәвишлик кашиләр алтайу турур 'мунофиқ, фи- рибгар кишилар алданмоқда' (ТТ I, 7); йыты йыпары бура тУРУР 'ҳиди бурқимоқда' (ТТ 1, 15) каби.

тУРУР эски ёдномаларда -аур сифатдоши билан ҳам қўлланиб келади: йарғун кийикмән йайлағ тағыма ағы- пан йайлайур турур мән (Гкн., 64). Бу ҳолат бошқа шахс- лар учун ҳам қадимда характерли бўлиши тахмин қилинади.

\* $

\*

Текширилаётган давр тилида яна бир қатор замон фор- малари мавжудки, буларни санаб ўтишга тўғри келади: Ўтган замон -п әр феъли: айығ қылычымни кәнту ӧкў- нўп әрти 'ёмон ишларим ҳақида ўзим пушаймон ңилган эдим' (Сувр., 155).

*-мыш: Азу бизин эмрәк ӧкўмўмўз эн кичиги Мғаст- виғ ычцынмыш әртәй му биз* (Сувр., 622).

*-д, -та әр: йәкләр тзгпрмиләйў авлап илтилэр әр- гәй* (U IV, 232).

-сун, -сўн, -зун, зўн, -әйин, -йин (истак майли аффикс- лари -әр). Бу конструкция ҳақида В. В. Радлов алоҳида тўхталиб, унинг эски ёдномалар тилида оптатив (истак), бажариб бўлмайдиган истак маъносини билдирганини қайд ңилади:[[29]](#footnote-29) йарылсун әрта 'ёрилса эди, лекин ёрилмади', карәйин эрти 'кирсам бўлар эди, лекин кира олмадим'.

Уйғур, брахми ёзувларида мазкур конструкцияни учра- тамиз: *кӧрмэйин әрти яуны тэг улуғ ачығ эмгәкиг* (Сувр.. 62л); *йир йарьілзун әрти, йиркә кирәйин әрти* (U I, 37), *амрацлартын адырылғулуқ, змгәк болмазун әрти* (Сувр., 609) каби.

ЎТГАН ЗАМОН ФЕЪЛЛАРИ

-д, -т[[30]](#footnote-30). Бу форма эгалик аффиксларинлнг ңўшилиши; билан ҳосил ңилинади.

**Бирлик**

1. ш. ***-бым,*** *-дим,* ***-тым, -тим, -дум, -дўм, -тум, тўм,***

***-дым, -дәм, -там***, ***-тәм.***

1. ш. ***-ӧың, -диң, -тың***, ***-таң, -дуң, -дӱң, -туң, -тўң>***
2. ш. -ды, -ди, -ты, -ти.

**Кўплик**

1. ш. ***-дымыз, -димиз,*** -***тымыз***, ***-тимиз^ -дамаз, -дә-***

***-мәз, -тамаз, -тәмәз, -тымаз, -дымаз.***

1. ш. ***-дыңьіз{лар), -диңиз(лар), -тыңыз(лар),*** *-****тиңиз***\*

- ***(лар), -тығыз{лар).***

1. ш. ***-дьі, -тьі, -дылар, -тылар, -диләр (тиләр).*** Мисоллар:

**Бирлик**

I шахс тоқыдым (МН., 17); тутдьім (МН., 18); йағы- ладым (ЕнПТ., 81); йорыдым (МН., 17); йорытдым (Тон., 63); аиідым (Тон., 63); йайладым (МК, 36); йақаладым (ПМК., 36); анчуладым (ПМК., 36); цобратдым (КТм., 28); сатдьім (ПМК., 36); йаратытдым (ПМК., 36); йаратдьім (МН., 19); азыдым (ЕнПТ., 81); қысдьім (Тон., 61); йандым (МН., 17); йолуцдым (ПМК., 35); адырындым (ЕнПТ., 63); тапдым (ЕнПТ., 21)); табдым (ЕнПТ., 21): сӱләдим (МН.,

1. ; тидим (ПМК., 35); итдим (МН., 16); битидим

(КТм., 28); сақынтым (КТб., 33); адырылдым (ЕнПТ.,79);

ағылтым (ПМК., 64); олуртым (МН., і8); бантым (ЕнПТ., 17); йонтым (ЕнПТ., 19); ылтым (ЕнПТ., 39, 51, 80), қа- тылтим (ПМК., 35); бәдизтим (КТм., 28); йўкўнтўртим (МН., 19); ӧлӱртим (ЕнПТ., 17)-,сәчилинтим- (ПМК., 68)\ти- рилтим (ПМК., 36); киртим (ЕнПТ., 57); сӧкўріпим{ЖН.,

1. ; сӱләтим (Онг., II, 9); болтум (ПМК., 72); ағтуртум (Тон., 62); ӧлўрдўм (ЕнПТ., 33); кәлӱртӱм (ЕнПТ., 57); тәгӱртӱм (Тон., 62).

1! шахс: бэртин (Онг.,11, 9); ӧлтин йәтдан (ПМК.,36); ӱркиттіт (Гкн., 81), йигәдтин бәдутун (ТТ I, 7); йўгўр- дўн (U III, 31,8).

Ill шахс: йорыды (Гкн., 84); йағди {Гкн., 84); турды (Гкн., 81); қылычлаӧы, санчди (КТб., 32)-,учды (ПМК., 35); цысды (Онг., II, 8); бишди (Гкн., 84); ўнди (Гкн., 81); ачикди (\*МН., 18); тәди. (ЕнПТ., 84); боғузлантьі (Тон., 62); қал- ты (Гкн., 83); азты (Гкн., 81): йўзти, (МН., 17); ӧлўрти (МН., 18); бирти (ПМК., 35) каби.

Кўплик

1. шахс: басдыяыз (КТб., 32); таіиықдымыз (КТб., 33); буздымыз (КТб., 31); ачдымыз (Тон., 63); алқадымыз (КТб,, 53); бадымыз (Хуаст., 119); сўләдимиз (Тон., 64); әртўртимиз (КТб., 33); адырылтьімыз (ПМК., 45); йан- ылтымыз (Хусат., 120); тўпиўртимиз {Тон., 62); болтумуз (Хуаст., 117); ӧлўртўшіз (Хуаст., 32); йўкўнтўмўз (Хуаст., 117); удунтумуз (Хуаст., 117).
2. шахс: бардыныз (Онг., II, 9); адырылдьшыз (ЕнПТ., 48); ііоғладыныз (ЕнПТ., 77); тўшӱртиниз (ЕнПТ., 55); кәлтингизләр (U III, 9,4) каби.
3. шахс: кәлти (КТб., 33) каби.

БЎЛИШСИЗЛИК ФОРЛ1АДА

1. шахс: цылмадим (Г1МК., 36); йўлмадым (ПМК., 35); олурмадым (КТб. 31); удымадым (КТб., 31); бӧкмэдим (Г1МК., ЕнПТ); ӧлўрмәдим (ЕнПТ., 33); тәгмәдим (КТм., 27); кӧрмәдим (ЕнПТ., 84); билинмәдим (ЕвПТ., 64) каби.
2. шахс: ңылмадын, алмадын, (ЕнПТ., 53) каби.
3. шахс: цзлмады (Тон., 61); симады (КТм., 28); бир- мәди (КТб., 33); тапламады (МН., 17); қалматы (ПМК., 35); олурматы (Тон., 64); сацынматы (КТб., 29) каби.

I шахс: бармадымыч (Хуаст., 119); бўтмәдимиз (ЕнПТ., 150); ҳорқмадымыз (Тон., 63) каби.

1. шахс: кәлмәдііниз (ЕнПТ., 59); номлатыныз (ТТ 111,13),
2. шахс: кӧрмәди, ияикмәди (ПМК.,); қалматы (ПМК.); сымады (ЕнПТ., ПМК.) каби.
3. шахс: бармадымыз (Хуаст., 119)\қорқмадымыз (Тон., 63).
4. шахс: кәлмәданиз (ЕнПТ., 59); бўтмәдиниз (ЕнПТ., 150).
5. шахс: кӧрмзди (ЕнПТ., ПМК.)

Ёдномаларда айрим ўринларда эга билан кесим ўртаси- даги мослашув ўзига хос характерга эга: буным йоц■ әр- дим 'ғамим йўқ эди' (ЕнПТ., 26), ңиёсланг: кәнтӱ будуным дрти (КТб., 32) биз әка сў болты 'биз икки ңўщин бўл- дик' (Тон., 62); ңиёсланг: ӧзӱм цари болтым (Тон., 64) каби.

Ўтган замон -д, -т феъли иш-ҳаракатнинг ўтмишда ба- жарилганлиги, унинг содир бўлишида сўзловчи иштирок 'этганлиги, ўзи қатнашганлиги, иш-ҳаракатнинг аниқ бажа- рилганлигини билдиради: ол суб цоды бардымыз 'ўша сув бўйига бордик' (Тон., 62); Алтун әлаг кәшаг бәлимтә бан- тым 'олтиндан белбоғ белимга боғладим/ (ЕнПТ., 17);әкаай кӱтдим кдлмәди 7икки ой кутдим келмади' (Г1МК.., 35); йӱрӱн булыт ӧнӱп йағмур йағды 'оқ булут пайдо бўлиб ёмғир ёғди' (ТТ I, 7); цылыт тӱшин уцыттыныз (ёмон) ишнинг натижасини тушунтирдинг7 (ТТ III, 11) каби.

Иш-ҳаракатнинг ўтмишда бажарилганлигини хикоя қи- лиш, айтиб беришда қўлланади: қамуқ балыңқа тәгдим қунладым, алтым суси кәлти 'ҳамма шаҳарларга ҳужум қилдвм, асир олдим, аскари келди '(Онг. II., 9);...тоқыт- дым йығдым басдым йайдым 'енгдим, йиңитдим, босдим; ҳақа- ны цырцыз будуны ияикди,, йӱкӱнти, йантымыз 'уришдик, санчдик, ғолиб чиңдим' (Онг II, 9); сӱнўиідамиз, санчды- мыз қанын олуртимиз. Хаңанқа ңырқыз будуны шикди йӱкўнти, йантымыз 'уришдик, санчдик, хоңонини ӱлдир- дик. Хоқонга ңирғиз хальси таслим бўлди, қайтдик' (Тон., 63) каби.

Ўтмишда реал рўй бермаган иш-ҳаракатни англатишда ңўлланади: кӧк тәнридә болтум 'кўк тангрида бўлдим' (ПМК., 72).

-д, -т формаси әрка сўзи билан қўлланиб иш-ҳаракат- нинг бажарилишидаги модал маъно оттенкаларини билдира- ди: мән кәргзк әрдим әрки 'мен керак эдим шекилли' (U III, 70, 26-27) каби.

-д, -т әрти. Феъл ўзак-негизларига -д, -т эгалик кўр- саткичлари -dpmti феълининг ңўшилиши орқали ҳосил ңи- линади. Мазкур форма ўрхун -енисей обидалар тилида учра- майди.

Турфон, манихей, уйғур, ёзув тилида ңўлланиши ңайд этилади ва иш-ҳаракатнинг узоқ ўтмишда содир бўлганини англатада: *Ил цан адына тойын болуп буйан бирзӱн узик бош батиг бириб мини алды әрти йандуру сатцалы ал- мады әрти* (Юр., I, 203); *тӱлӱмтә мән бигўлўг кӧртўм әрти бу бзлгўг. Азығ тиишм ңонрилуп тушут кэлар болты әрти* [Сувр., 627]; *биз цамағун йылқыларнын ӧнрә йалануқ ажунлардацы айығ цылынглар кўчинтә, бу оғур- та йылқы ашуныта тороумуз әрти* [Сувр., 154]; *ӧкўш тәлим тынлығлар булти әрти* [ТТ 111, 21 *\-,сӧзләдимәрти* [U 111, 6,11] каби.

Бўлишсизлик маъноси әрмәз оркали ҳам ифодаланади: пусусца эмгәккэ басытып тәбрәнчсиз болтум әрмәз му (Сувр., 627) каби.

-йуқ, йўк, -йуғ, йўг. Бу форма ўтган замон феълини ҳосил қилади. Ўтган замон -йуқ, -йӱк феъли руник ёдно- маларда учрамайди. У сўнгги текстлар тилида ңўлланган. Унинг парадигмаси ңуйидагичадир:

кўплик

бирлик

1. ш. *сақынйуқ мән, кәлйўк сақынйуң биз, кэлйўк биз*

*мән*

1. ш. *сақьінйуқ сән, кәлйўк сақынйуқсыз, кәлйўксиз*

*сән*

Ш *ш. саңынйуқ ол,кәлйўкол сақын йуқ, кәлйўк*

Мисоллар:

царыйуц биз (U 111, 55) орғайуқ сиз [U 111,48] тўкәмәйук (ТТ VIII

1. ш. тўшәйўк мән (U III, 54)
2. ш. сақынйуқ [U III, 48]
3. ш. кәсйук ол ]ТТ X, 277,

U III, 64)

Бу феъл формаси маъно томонидан ўтмишда анщ бажа- рилган иш-ҳаракатнинг натижаси мавжудлигини билдиради: бәгимни тӧрўсин яызығын, ид (т) йукмән 'бегимнинг йўл- йўриғини улоңтирдим' [ТТ III, 85,7]; тнри тнриси бурхан ймә тӧрўсўз тоқусуз әмранмақ тәгинмэкиг артуқрақ йирйўк ол 'тангриларнинг тангриси Бурхон [Будда] ҳам шариатга хилоф бўлган севги ҳисларини қоралаган [U III, 83, 25-6]; ол оғурда бу мунтағ тўл тўиіәйўк 'ўша вақтда шундайтуш кўрдим' [U III, 54, 13-5]; мәни алтуқ 'мени олди' (Юр., I, 203); башымыз дағы цара сачымыз учы бӧлўки цырғылатйуқ ол 'бошимиз ва ңора сочимиз учи оқариб бўлди' [U III, 55, 16]; оғулын титгәли сана йақын кэл-

йӱк ол 'ўғлини титиб ! ташлагани сенга яңин келди' [U III, 64, 4-5]; санару йацын кәлйўк биз 'сенга яңин келди' [U IV, 21-22]; барча пок ғатағ байуқ сән 'бутун (вужу- димни) қаттиқ боғладинг' [U III, 83,2; яна қаранг: ТТ X, 277^485, 483, 335[.

Ўтган замон -йуң, -йӱк феъли әрка сўзи билан келиб, модал маъно оттенкасига эга бўлади: улуғ илиг нәгу қыл- ғалы оғрайуқ эрки 'улуғ хоңон нима қилишни истар экан' [U III, 68, 23-4].

-йуқ, -йўк, -йуғ, йўг + әр. Бу форма иш-ҳаракатнинг узоқ ўтмишда бажарилганлиги ва унинг натижаси мавжуд бўлганлигини кўрсатади: караза тон кәдйўк эрди, 'караза (монах) тўн кийган эди' [U III, 57,7]; инчип ймә ол упаси- на арғант сансардын интин йоғуч эртйуә әрд«... цьілйуғ әрди,, алқу цилғулуғ ишләрин алғйуғ әрди 'шундай ңилиб Аргант Упасена аста-секин Сансардан бекинган зди...(иш) ңилган эди. Ҳамма қилган ишларини (қилиш керак эмас эди) олган эди' [U III, 88,2-4 [ каби.

Баъзан -йуқ, -йўк феъли әрмиш билан ҳам келади: ан битиг ичинтә сәнин. ӧз йаш саны сацыиіы тацы тукәмә- йўк әрмиіи тәг 'у китобда (ёзилишича) сенинг умр ёшинг гўё тугамаган экан' (Сувр., 155).

-дуқ, -дўк, дӱғ, -дўг, -дық, -дик,-дығ,-даг. Бу шакл- лар ўтган замон феълини ҳосил ңилади. Мазкур форманинг характерли хусусияти шахс кўрсаткичларини олмасдан ке- лишидадир. Учала шахс бирлик ва кўплик учун ҳам -дуқ, -дўк, -дуғ, -дўг ишлатилади.

Ўрхун-енисей ёдномаларида ўтган замон -дуқ, -дўк феъли нисбатан кенг истеъмолда бўлган. У иш-ҳаракатнинг ўтмиш- да аниқ бажарилганлиги, сӱзловчининг ўзи кўрганлиги, бил- ганлиги ва шу ҳаракат тўғрисида гувоҳ сифатида хабар берганлигини кўрсатади: ўзә тәнри асра йәр йарылқадук учун, кӧзин кӧрмәдук кулқақын әшидмәдук 'юқорида осмон, пастда ер ёрлақагани учун кўз билан кўрмадим, қулоқ би- лан эшитмадим' (МН., 19); йир сайу бардығ, цоп анта ал- ңынтығ, арылтығ 'ҳамма томонга борди, ўшанда жуда ҳо- риди, чарчади' (КТм., 28); ыдуқ ӧтўкән йыиі будун бардығ, илгәру барығма бардығ, цурығару барығма бардығ 'сен (ўзинг) муңаддас ўтукан халңи кетдинг. Илгари (шарқка) бо- рувчилар (билан) бординг, ғарбга борувчилар билан бор- динг' ]КТб., 30); турк будун ӧл.тиг 'турк халңи (сен) ўлдинг' ]КТм., 28]; Бӱкәгӱкдә сэкиз оғуз тоцуз та- тар ңалмадуц: 'Букагукда саккиз ўғиз, тўққиз татар ңол- мади' [ПМК., 35]; йағру барып ўкӱш киши ӧлтиг 'яңин бориб сизлар кўп кишилар билан ўлдингиз' (КТм., 28);

оғлын кишисин утузмадуң 'ўғлини, хотинини ютқизмади' (Гкн., 82); әлтәрәс цағанта адьірылмадуқ йаньілмадуқ 'Элтереш хоқондан айрилмадик, янглишмадик' (ОнгП., 9); цамыш ара цалмыш тәнри унамадуц 'ңамиш орасида кол- ган тангри кўнмади' (Гкн., 83) каби. Қуйида яна икки ми- солда ўтган замон -д феъли билан -дуқ феълини солишти- ринг: инимә оғлыма ата ӧтләдим ңалйуруп әлтәрәиі қағанта адырылмадуқ йаньілмадуқ (Онг., II, 9), исинә әр кәлти ңарлуқ исанә кэлмэдук тиди (ПМК., 36).

Юқорида келтирилган мисоллардан шундай хулоса келиб чиңадики, -дуқ, -дўк, -дуғ, дўг, -дығ, -диг, дың^ -дик формалари руник обидалар тилида кенг истеъмолда бўлган.

Ўтган замон -дуқ, -дўк (ва бошңалар) феъли ҳақида Маҳмуд Кошғарийнинг маълумотлари алоҳида диққатга са- зовордир. М. Кошғарийнинг хабар беришича яғма, тухси, чигил, арғу, уйғур, то Чингача бўлган ңабилалар ўтган за- мон аниқ феълини ясашда иттифоқдирлар. Ўғузлар, қипчоқ- ларнинг баъзилари, суворинлар ва баъзи арғулар тилида \*дуң, -дўк шакли ўтган замон аниқ феъли ясайди.[[31]](#footnote-31) Маҳмуд Кошғарий мазкур форманинг қўлланишига мисоллар ҳам берган:

1. ш. мән йа цурдуц' мен ёй ңурдим' (МК 11,64)

IS ш. мән мунда турдуқ 'мен бу ерда турдим' (МК II, 65) мән анар тавар бэрдук 'мен унга мол бердим' (МК II, 65)

1. ш. тапындуғ 'топиндинг' [МК II, 194]

сән аны цаяурдуғ 'сен уни қочирдинг' (МК II, 194)

1. ш. ол йа қурдуқ 'у ёй қурди' (МК II, 64)

ол аны урдуц 'у уни урди' (МК II, 65) ол кәлдӱк 'у келди' (МК II, 65)

Бўлишсизлик формадан бармадуқ 'бормади' [МК II, 65] кәлмәдӱк 'келмади' (МК II, 66)

1. ш. биз йа цурдуц 'бизлар ёй ңурдик' (МК II, 64)

биз ағдуқ 'биз юқори чщдик' (МК II, 65) баз кәлдӱк 'биз келдик' {МК II, 65)

1. ш. олар тағқа ағдуц 'улар тоққа чиқдилар' (МК II, 65)

олар әвкә кирдӱк 'улар уйга кирдилар' (МК II, 65)

каби.

Ўтган замон -дуқ, -дўк формаси әринч сўзи билан ҳам келиб модал маъно оттенкасига эга бўлади: анта кәсрә иниси, эгасин тәг ңылынмадуқ әриня, еглы, цанын тәг цы- лынмадуц әриня 'шундан сўнг иниси акасидек бӱлмади ше- килли' [КТб., 29] каби.

-дуқ, -дўк, -дуғ, -дўг, -дық, -дак, -дьіғ, -диг, -туқ, -тўк, -туғ, -тўг, -тьіқ, -так, -тығ, -таг әрда. Феъл ўзакларига -дуқ, -дўк, -туқ, -тўг сифатдош шакллафи қўшилиб ва әр ёрдамчи феълининг аниң ўтган замон шакли (яъни әрди) орқали ўтган замон феъли ҳосил ңилинади. Бу иш-ҳаракатнинг узоң ўтмишда рўй берганини билдиради: йабыс бат биз, азығ ўкӱиіиг кӧртаг әрти 'ёмонмиз, озни кўп кўрган эдиіў (Онг., II, 9) каби.

Ёдномаларда ўтган замон (-дуқ, -дўк, -туқ, ўтўк әр- ди) феълининг бўлишсизлик формасига ҳам Дуч келдик: бу одатын озғулуқ йолунг оруқунг кӧзӱнмэз инчкӱнг бул- туқ әмгз 'бу балодан ңутулиш йўлинг кўринмади (сенга) осойишталик ва шодлик топилмади' (ТТ I, 7, 20-2); әмран- мац нызваньі оларда арыты булгпуғ әмаз 'уларда ҳеч қан- дай севги завңи топилмайди" [ТТ X, 526] каби.

-мьіш, -миш, -муш, -мўш. Феъл 5'зак-негизларига

-мыш^ -миш, -муиі, -мўш^ сифатдош шакллари ва шахс кўрсаткичларининг қўшилиши натижасида ӱтган замон феъ- ли ясалади:

бирлик кўплик

1. ш. *ыщынмыш мэн, итмиш ыяқынмыш биз, итмиш биз*

*мән*

1. ш. *ыяқынмыш сән, итмиш ыяқынмыиісиз*, *итмашсиз*

*сән*

III ш. *ыяқынмыш* (*ол, турур*) *ыяңынмши* (*лар), итмиш итмииі* (*ол, турур)* (*ләр).*

Мисоллар: ыяцынмыиі мән (Сувр., 626); итмши мән

(Гкн., 83); йитӱрмиш мән (Сувр., 623; ЕнПТ., 29); тўсд- миш ол [Сувр., 177]; кәмишбиз [ПВ., 135, ЕнПТ., 95]; қав- затылмышлар [ТТ VIII, 15]; тавар болмишлар [ТТ VIII, 9] каби.

Бўлишсизлик формаси -ма, -мә билан ўтган замон феъ- ли қўлланмайди. Айрим мисолларда бўлишсизлик маъноси йоң сўзи билан берилади: бәгим ма манайавузйаманцыл-

\* Бу форма этимологиясининг ҳозирги тиллардаги маъноси ҳаңида қаранг: Н. К. Д м и т р и е в, К вопросу о значении османской глагольной формы на -мыш, Записки Коллегии востоковедов при Азиатском музее AH СССР, т. II, вып. 1, A. Н. К о н о н о в, Турецкая глагольная форма на -миш, Ученые записки ЛГУ, серия филология, 20, Ленинград, 1939, стр. 34-39.

мышы йоц 'бегим менга ҳеч бир ёмонлик қилгани йўқ'1 [Юр., 1, 203] каби.

Мазкур форма эгалик аффикслари билан ҳам предикатив- лик функциясида қўлланади; бәш йәгирми йашда алынмы- шим 'ўн беш ёшда олиндим' (ЕнПТ., 29); әрдәм цан Ал- туға бәрмиши 'эрдамли Алту отага бағишланади' (ЕнПТ., 58) каби.

Баъзи ўринда шахс ва эгалик кўрсаткичлари қўлланмай- ди: анта ӧтру тургэш царлуцығ табарын алыб әбин йулып бармыш әбимэ тўиімши 'ўшандан сўнг қорлуқларнииг мол-мулкини сотиб, уйларини яксон ңилдим (ҳамма нарса- ларини) уйимга келтирдим' [ПМК., 36]; қара цум ашмыш 'ңора қумдан ўтдик' (ПМК., 35); йӱкӱнӱр кўн бэдизмаш тобинздиган куни ясатдим' (ПМК., 45) каби.

Қадимги ёдномалар тилида -мыш, -миш формаси иш- ҳаракатнинг ўтмишда содир бўлганини қайд ңилиш, ҳикоя ңилиб бериш, ҳаракатнинг бирин-кетин бажарилишини кўр- сатиш учун қўлланади: Табғакғару куны сэнунуг удмыиі цытанғару Тонра сәмиг ыдмыиі саб аняа ыдмыш 'Табғоч томон куни Сенгунни юборибди. Қитангга Тонгра — Семни юбо- рибди' [Тон., 61); Анын.бармыш, анар йатып, бир атлығ бар- мыіи тийин 'km бўйлаб борган, ўша жойда ётиб, бир отлиқ йўл юрган дебди у' (Тон., 62)\цаш шинтәтӧрўмиш 'қош ичи- да туғилган^ТТ \\\,\\Ъ\\эгўмиз апамыз Бумын каған тӧрт булунығ қы.смыш, йығмыш йаймыш басмыш олцан болтуцда кәср әл йитмиш ыяғынмыиі 'Отамиз Бумин хоқон тўрт та- рафни ңисган, йиқитган, ғолиб чиңқан шундан с.ўнг (ўша хон йўқ бўлгандан) кейин халқ(имиз) йўңолди, тарқалди,, (Онг.,11, 8).

Юңорида келтирилган -мыш, -маиб' билан ҳосил қилин- ган ўтган замоннинг маънолари руник ёдномалар тилида. кенг истеъмолда бўлган. Булар уйғур, турфон, манихей. текстларида ҳам кенг истеъмолда бўлган.

Иш-ҳаракат ўтмишда бўлган, лекин сўзловчи ўз кў- зи билан кўрмаган: цанлыц сўси ацца унмьіш, сағыр ичра әлик кийик кирмиш, ңан әшигин тутмыш, цара ңамығ сўси ӧгирәр, тир 'хоннинг аскари уйга ңайтибди, сағир (ту- зоҳ) ичига эллик кийик кирибди, хон қўли билан тутибди,. халқининг, аскарларининг ҳаммаси севинар дер' (Гкн., 64); тәнрилиг қуртға йуртда цалмыш 'тангри йўлидаги (ўлим олдидаги) хотин уйда ңолибди' [Гкн., 81] каби.

Бу ўринда -мыш, -миш замони ҳақида XI аср автори Маҳмуд Кошғарийнинг „Девону луғотит турк“ асаридаги маълумоти диққатга сазовордир. Маҳмуд Кошғарий мазкур формани ңуйидагича таърифлайди: (-мыш, -миш) сифат- дошига келсак, бу ҳамма боблар учун бир тартибга эга, яъни буйруң феълининг охирига м билан ш қўши- лади. [Масалан] йа цур дейилади, яъни ёй ңур [ёйни

тузат] сифатдошга айлантириб цурмыш ёй ҳам дейилади. Ўзакнинг ҳарфи ўз ҳолича қолиб, унга ўтимли феълларда мана шу икки ҳарф орттирилади: м ва ш [-мыш,

-миш\. Керакли ўринда -мыш, -миш ўтимсиз феъл бўл-

О о- - Ӧ-

ганда ҳам қўшилади. Масалан: звкә бармыш,

яъни уйга кетибди, лекин мен буни билганим йўқ 0 0\*. 0^0,

ол мана кәлмииі 'у менинг олдимга ке- либди, лекин мен буни билганим йўқ/ -мыш, -маш бу ер-

Оь- 0 ^

да барды, яъни кетди ^јХ.Г' кәлди, яъни келди ка-

би феъллардаги (-ды),—ди ңўшимчаси ўрнида ңўлла-

нади. Бу иккисининг ўртасидаги фард шундай: керакли феъл- лардаги (-ды) -да ңўшимчаси ҳаракатнинг сўзловчи- нинг кўз олдида содир бўлганлигини ва унинг олдида бажа-

рилганлигини билдиради. [Масалан] агар ј барды дейилса, у кетди ва унинг кетганини мен аниқ кўрдим деган маъно-

*О*

ни билдиради, \*.\*..« -мыш, -миш эса ҳаракатнинг сўзлов- чининг йўқлигида содир бўлганини билдиради. [Масалан]:

0 О „ Q,

ол бармыш яъни у борибди, у кетибди, мен эса 0 0,0,

буни билмадим, кўрмадим. Jf ол кәлмиіи 'у ке-

либди, лекин мен уни кўрмадим0.

Демак, XI аср тилида ҳам гумон, тусмол, шубҳа каби модал маъно оттенкалари мавжуд бўлмаган,

Бу маъно оттенкалари ңадимда махсус сўзлар, чунончи әринч, әрки. орқали ифода этилган: балигсиз қаған олыр- мыш әринч' билимсиз хоқон тахтга ўтирган шекилли' [КТб.,29] каби.

G М. Кошғарий, Девону луғотит турк, Тошкент, 1961, 62—63-бетлар.

-мыш, -миш шакли билан ҳосил қилинган феъл форма- си кәргәк сўзи билан ңўлланганда ҳаракатнинг содир бў- лиши лозимлигини англатади -.муняа сацынмыш кәргәк 'шун- дай фикр юритиш керак' (U III, Ман., III, 13);муны билмииі кәргәк 'буни билиш керак' [ТТ II, 16] каби.

Мазкур форма болур билан қўлланганда иш-??аракатнинг ҳозирги-келаси замонда бажарилишини билдиради: улуғ әд- гу қылынялар цылмыш болур 'улуғ эзгу ишлар қилишади- ган бўлади' |ТТ II, 18] каби.

-мыш, -миш әрди. Феъл ўзак-негизларига -мыш, -миш + әрди эгалик аффиксларини ңўшиш ёрдамида ўтган замон формаси ясалади ва иш-ҳаракатнинг узоң ўтмишда содир бўлиб, шу ҳаракатдан сўнг иккинчи бир ҳаракат ба- жарилган бўлишини, ўтмишда бажарилган ҳаракатни ҳикоя ңилишда ишлатилади: илки сӱ ташыцмыш әрти, әкин сӱ әбдә әрти, 'биринчи отряд жангга кирган эди, иккинчи ңў- шин уйда эди' [Мн., 17]; ол ӧдкә цул цуллығ болмыш, әр- ти кӱн кунлиг болмыш әрти 'ўша вақт ңул қул эгаси бўлган, чўри чўрилик бўлган эди' (КТб., 30); цатун йоц болмуиі әрти 'хотиним ўлган эди' (Тон., 63); ӧткэ цанқа сәвитмиш әртин 'ота-онанг севган эди' [Сувр., 619]; йити кўн әртмииі эрти. 'етти кун ўтган эди' (Сувр., 609); ӧтӱн- диләр кам кәлўрмииі әрдилэр 'ўтиндиларки, уларни келти- ришган эди' [ПВ., 134]; кәнту ӧзи ӧк цылмыш әрда 'ўт қилган эди' [U III, 90; 18] каби.

Бўлишсизлик формаси: сӧзләтилмиш әрмәз (ТТ VIII, 18); кўрәтмиіи әрмәз (ТТ VIII, 9) каби.

-мыш, -маш феъли әрӱр билан қўлланади: йарыц ўзэ йарықланмыш әрӱр (ТТ VIII, 16); йәг татытығ булмыіи әрӱр (ТТ VIII, 53) каби.

-мыш, -миш эрмиіи. Бу замон формаси ёдномаларда тор доирада ишлатилади: билгә цағанына эрмиш бәрмиш 'билвмнинг хоқонига берган экан' (КТб., 30); адығлы то- нызлы арт ӱзә соцушмыш әрмаіи, адығын ңарны йарыл. мыиі токузун, азығы сынмыиі 'айиң билан тўнғиз тоғдан ошадиган жойда дуч келиб тўкнашибди, айиқнинг ңорни ёрилибди, тўнғизнинг тйши синибди' (Гкн., 80) каби.

-ур, -ӱр, -ыр, -up, -ар, -әр, -йур, -йўрәоти. Бу феъл формаси феъл ўзак-негизларига ҳозирги-келаси замон сифат- дош ңўшимчалари -ур, ўр, -ыр, -up, -ар, (-әр,- йур, -йўр;- ларни ңўшиш ва әрти орттириш орқали ҳосил ңилинади. Бўлишсизлик формаси -маз, -мэз әрти дир. Бу фор- ма маълум бир давр ичида давом қилиб, такрорланиб турган иш-ҳаракатни, воқеа-ҳодиса ўтмишда бўлганини билдиради. Бунда диққат ҳаракатнинг бажарилишида бўлган натижасига эмас, балки воқеа-ҳодисанинг продесс ҳолида эканлигини кўрсатади: иниси әчисин билмәз әрти, оғлы цанын билмәз әрти 'укаси энасини билмас эди, ўғиллари оталарини билмас эди' (КТб., 30); тӱрк будун Табғачқа кӧ- рӱр әрти 'турк халқи Табғочка бўйсунган эди' [Тон., 61]; ол суб қоды. бардымыз, санағалы тӱшӱртимиз, атығ ыца байур әртимиз ол 'сув бўйи бордик, отларни дарахтларга боғладик' [Тон., 62ј; Кўлпшгин ол сўнўіидә отуз йашайур әрти 'Култегин ўша урушда 30 ёшда эди' [КТб., 32]; йум- шақ савлар сэвләйўр әрда 'ёқимли сўзлар гапирар эди' (КТб., 54); оларны барча игитин ағриғынтын ошғурур әнәтўрўр әрти 'уларнинг барчасини касал оғриғидан даво- лар, шифолар эди' [Сувр., 586]; илиг бәг узаты бизна бўр- тэр әрти қарвайур әрди [U III, 17, 15-6]; ким болур әрти, 'ким бўлар эди' (ТТ II, 96).

III шахс кўплик кесимлик кўрсаткичи -лар, -ләр асосий феълга ңўшилиб келиши мумкин: кӧрўрләр әрти, сизанэ титрў 'сизга томон (тўғри) ңарар эдилар' [ТТ III, 81-82]; ӧни барырлар әрди 'бир-бирига томон боришар эди'[ТТ VIII,27] каби.

-ур, -ўр, -ыр, -up, -ар, -әр, йур, -йӱр формаси әркән билан келганда иш-ҳаракатнинг бажарилиш пайтини, вақти- ни (рус тилидаги „когда, в то время как, пока, между тем как“ каби оборотларга тўғри келади) билдиради: ймә алқа- нур эркән 'ухлаб ётар экан' (Хуаст., 118]; йатып удыйур әркән 'ухлаб ётар эркан' (Сувр. 620]; бу сав таңы кәчмэз кдн 'бу ran ҳали (орадан) кетмаган' (Сувр., 623); йатар әркән 'ётар экан' [Сувр., 620) каби.

ғай, -қай, -кәй, -гәй, -әрти. Феъл ўзак-негизларига -ғай, -қай, -кэй, -гәй әрти (әрди) ларни қўшиш орқали ўтган замон формаси ҳосил ңилинади.

Иш-ҳаракатнинг узоқ ўтмишда содир бўлганини билди- ради: *нән болмағай әрди цанда әрсәр турдачы* (ТТ VIII, 45); *бу йиркә нэн тәгмэгзн әрти* [КР., 42]; *бу әмгәкиндин. оз*- *ғалы цутрулғалы уғай грдин* (Сувр., 11) каби.

Кўпликда ңуйицагича бўлиши мумкин: киркәйләр әрди

[ТТ VIII, 69]. Бу феъл формаси ҳам әрки сўзи билан ке- лади: нә ал алтац цылсар мн тикилдйӱ тираг ӧз болғай әртим әрки (Сувр., 155). каби.

-Р. 'УР, ~ЎР, -ар, -әр, -ыр, -up, -йур, -йӱр әрмиш. Феъл ўзак-негизларига -р, -ур, -ўр, -ар, -ӧр, -ыр, -up, -йур, -йўр ва әрмииіларнияг ңўшилиши билан ҳосил бўлади. Бу феъл иш-ҳаракатнинг ўтмишда бўлганини, тамомланган- ги хоқонли халқда ишёқмаси бор бўлса, не кулфатга муб- тало бўлар эди [не ғами бор бўлар эди]. Турк билимли хо- јқон элида ёздирдим, мен билимли Тўнюңуң' [Тон., 64].

СИФАТДОШ

Сифатдош ҳам феъллик, ҳам сифатлик белгиларига эга бўлиб, маъно ва функциялари билан қадимги обидалар ти- лида ўзига хос ўрин тутган.

Сифатдош қуйидаги аффикслар орқали ясалади: -дук, -дўк, -туң, -тўк, -туғ, -тўг. Бу сифатдош шаклларининг ишлатилишида ңатъий бир мунтазамлик сақланмайди: йаңыл- дуң, билтүк, болтуң қылынтуқ, қылындуқ,тәкдүқ, тәктук, каби. Руник обидаларида бу форма унли товуш билан тугаган феъллардан кейин -дуқ, -дўк шаклларида келади. Уйғур ёзув- ларида иккала (жарангли ва жарангсиз) вариант ңўлланади. Бу уйғур ёзувида жараніли ва жарангсизларнинг ўзаро фарңланмаганидан келиб чиңади.

Мазкур форма кўп функцияларда қўлланади. Ушбу си- фатдош отлашиб келиб, от каби кўплик, эгалик ңўшимча- ларини ўзига ңабул ңилади, келишиклар билан турланади, шунингдек кўмакчилар билан бирга келади. Бу форманинг субстантивлашган ҳолати текширилган текстларда оз миқдор- даги сўзлардагина учрайди: умдуқ 'умид' (АГ., 70); тәгдў- кин 'ҳужумини' (КТб., 31); билтўкими 'билганимни' (ПМК., 28); цазғантуц 'ғалаба учун' (Тон., 64); тәкдӱк ӱчӱн 'ҳужум, уруш учун' (ЕнПТ., 26); тәбрәтӱк сайу 'тебратган сайин' (ТТ 1, 12); олуртуқ сайу 'ўтирган сайин' (ТТ I, 12) каби.

Сифатлашган ҳолда аниқловчи вазифасини ўтайди. -дуқ, -дўк сифатдошининг аниқловчи функдиясида келиши обида- лар тилида кенг тарқалган ҳодисадир: ӧтӱнтӱк ӧтӱнчӱм

'қилинган илтимосим' (Тон., 62); қағанладуқ цағанын 'ҳукм •сурган хоңонини '(Онг., 11, 8); йандуң йол 'ңайтган йўл' (Тон., 64); бардуң йир 'борган ер' (КТб., 30).

Мазкур функцияда бўлишсизлик аффиксини қабул қилиб келиши мумкин: иишдмәдӱк әткӱ 'эшитилмаган сўз'

<Тон., 65); цут булмадуқ мидик тынлығлар 'бахт кўрма- ган содда одаімлар' (Сувр., 41) каби.

Шуни ҳам қайд ңилиш лозим бўладики, дастлабки ңўл- ланишида -дуқ, -дўк формаси эгалик аффикслари билан ишлатилмаган, бошқача ңилиб айтганда, ҳозирги турк тили- да мавжуд бўлган -дук нинг эгалик аффикси билан келиши

V

яъни benim tanidlgim adam 'мен таниган одам' типидаги ҳо- лйгинй, такрорланганлигини билдиради: йоқаду барыр эр- миш 'ўлимга дуч кела бошлаган эди' [КТб., 29]; анча баиіғурур эрмаш 'шундай ўргатар эди' [КТм., 28]; тӱрк будун йорыйур ғрмиш'туркхалціі (кўчиб) юрарэди' [Тон.,61]; билмәз әрмиіи 'билмас эди' (Тон., 61); кӧрӱр әрмииі мн 'кўрар эдим' (Сувр., 627); амты сатар тир әрмииі 'энди Сотаман дер эди' [Юрм 1,203]; тацы булмас әрмииі 'яна топмас эди' (Сувр., 621) каби.

-дачы, -дәчи, -тачи, -тәчи, -әрди. Бу феъл формаси- нинг тусланиш парадигмаси ңуйидагича:

! ш. *ңылтачы әртам қилтачы әртимиз (биз*)

II ш. *цылтачы әртин цилтачы әртагиз* (*әртишіз*)

III ш. *цылтаяы әрти қылтачи әрти(ләр)*

-дачы, -дәчи, -тачы, -тәча, әрда (әрти) ўтган замон феъл формаси ўтмишда иш-ҳаракатнинг потенциал бажарили- шига, унинг содир бўлишига имконият борлигини англатишда ңўлланади: мән инилигӱ бута башлайу қазғанмасар,тўрк будун ӧлтәчи әрти,йоқ болтачы әрти'атар мен зўр ҳара-, кат билан бунча нарсани қўлга киритмасам турк халқи ўлар, йўқ бўлар эди' (Мн., 17); Кўлтегин йоқ әрсәр, қоп әлтә- чи әртиниз (КТб., 31); тӱрк будун адақ қамашды йаблац болтачы әрти 'турк халқи чарчаб ёмон аҳволга тушар эди' (Мн., 17);... тириги кӱн болтачы әрти, ӧлӱги йуртда йолта қалтачы әртиниз 'тириги ңул бўлур, ўлиги юртда, йўлда қолур эди' [КТб., 33]; илтәрәіи цаған қазғанмасар, йоқ әрти әрсәр, иән ӧзӱм билгә 'Гонуқуқ қазшанмасар, бэн йоц әртим әрсәр, қапаған қаған тўрк сир будин йи- ринтә бод йәмә, будун йәмә, киши йәмә иди йоқ әртәчи эрти 'Илтереш хоқон қўлга олмаганда эди, йўқ бўлғанда эди, мен ўзим билимли Тўнюңуқ қўлга киритмаганимда эди, мен йўқ бўлганимда эди, Қапағон хоқон, турк сир халқи ерида давлат ҳам, халқ ҳам, киши ҳам, бошлиқ ҳам йўң бў- лар эди' [Тон , 64].

-дачы, -дәчи, [ пгачы, -тәчи] әрди формалари әрки сўзи билан келиб модал маъно оттенкасига эга: ким әрти әрки ӧлўртәчи., ӧкӱк киам чақсини тэгуртәчи муны тэг пусус қадғу әмгәккә 'ким ўлдирар экан сени, азиз ўғлим, ким сени бундек қайғу аламга дучор қилди' (Сувр., 626), ким дрти әрки, бычтачы ӧкӱк киам ӧтәзин, 'ким кесар экан менинг севимли ўғлимнинг этини (Сувр., 626) каби.

*-дачы, -дэчи*, *-тәчи, -тәчи әрмиш.* Бу феъл формаси ёдномаларда кам учрайди: *нәп йәрдэки қағанлық будунқа бӱнтӱги бар эрсәр, нә буны бар әртәчи әрмиш. Тўрк бил- гә қаған илинә бититдим бән билгә Тонуқуқ* 'бирор ерда- латлар, вақтлар ўтиши билан, кейинги пайгларда тилнинг тараңқиёти ва тил системасиниңг сўнгги ривожи, такомили натижасида пайдо бўлган.

Текширилган давр тилида -дуқ, -дўк ңўшма гапнинг кесими бўлиб қўлланади. Обидаларда қўшма гапнинг икки гуруҳи учрайди: бир гуруҳида эгалик аффикслари бор бўл- са, иккинчи гуруҳида эгалик аффикслари йўқ. Бироң эгалик аффикслари бўлмаган қўшма гаплар нисбатан кўп процент- ни ташкил ңилади. Кейинроқ эгалик аффикслари бу хил аффикслари йўң ңўшма гапларда кўпроқ ңўллана бошлайди. Бу ҳолат ran структурасида иш-ҳаракатнинг бажарувчисини дифференциация ңилиш, грамматик субъектни кучайтириш, учун хизмат ь.илади.

-дуқ, -дӱк кўмакчиси билан қўшма ran составидаги са- баб эргаш гапнинг кесими вазифасида ңўлланади: анта кисрә тәнри билиг бәртӱк ӱчӱн ӧзум ӧк цаған қысдым 'шундан сўнг тангри билим бергани учун, хоқон бўлишни истадим' (Тон., 61); куч биртӱ ӱчӱн, анта санчдым, йан- дим (Тангри) куч бергани учун ўша жойда (уларни) санч- дим, енгдим7 (МН., 17; яна қаранг: МН., 17; Тон., 63;ЕнПТ., 26; Тон., 64; 29-30) каби.

Худди шу функцияда эгалик аффикси билан: мэн ӧзӱм цаған олуртуқьім ӱчўн тўрк будунығ... 'мен ўзим хоқон бўлганим учун турк халқини' (МН., 17); тпднри йарлықа- дуқын ўчӱн ӧзим ңутым бар ўчўн 'тангри мадад ңилгани учун, ўзимнинг бахтим бор учун... (КТм., 28; Онг.,11, 9).

ўчўн кўмакчиси билан бирга келган -дуц, -дўк форма- сининг пайт, ӱрин равиш, маңсад ҳоллари вазифасида кели- ши функциялари руник обидаларда учрамайди. Бу хил синтактик функдиялар -дуң, -дўк аффиксининг келишик ңўшимчаларини қабул қилиши натижасида берилади. Маса- лан: -дуқ, -дўк аффикси жўналиш келишиги қўшимчаси билан келганда мақсад, пайт ҳоли функцияларини бажара- ди: бунча исиг кўчаг биртўкгәру сацынматы 'бунча кучи- нинг беришини ўйламади7 (КТб., 29); мән ӧзим цаған олур- туқыма (йир сайу) бармыш будун 'мен хоцон бўлиб ўтир- ганда ҳар ерга кетган халқ../ (КТб., 31; МН., 16).

Тушум келишигида келганда аниқловчи, тўлдирувчи. функдияларини бажаради: Табладуцымын тутармдн, сәбдӱ- кимин йийӱрмән 'кўнгилга хуш келган нарсани ов ңиламан, севган нарсани ейман7 (Гкн.).

Ёдгорликларда -дуқ, -дўк ўрин-пайт келишиги аффикси билан ңўлланади ва асосан пайт маъносини (баъзан сабаб ҳоли маъносини) англатади. -дуқ, -дўк аффиксининг маз- кур функцияси жуда кенг тарқалган бўлиб, мунтазам ха- рактерга эгадир.

Мағы Қўрған цышладуцта йут болгпы 'Мағиқўрғонда ңишлаган пайтда офат рўй берди' (МН., 17); қаным қаған учдуқда, иним Кӱлтәгин йита йашда цалты 'Отам хоқон ўлганда, иним Култегин етти ёшда қолди, (КТб., 31).

Шу нарса диққатга сазоворки, Култегин обидаларида ўрин» пайт келишиги билан -дуқ, -дўк ўртасида эгалик аф- фиксининг келиши учрайди. дчим қаған или цамашығ болтуқынта будун... 'тоғам—хоңоннингэли ңўзғолончи бўл- ганда, халқ../ (КТб., 32)

Эгалик аффиксининг бу ўринда ңўлланишини бошқа оби- даларда учратмадик: ӧлум ӧди йағудуңта 'ўлим вақти кел- ганда../ (U III, 43, 28); игләмэклиг толы йағмур сизләрни ӱзә йағдуғта бир орунқа тәбрәтсиз йатғуруп... 'офат ёмғири сизларга тўла ёқңанда, бир жойда ҳаракатсиз ётқи- зиб' 1,0111, 14,5-7)\тӱкәлбилгдтнри тнриси Бурхан кӧк ңа- лығта уяуп бардуқта ӱч мин 'тугал билимли тангрилар- нинг тангриси Бурхон кўкка учиб борганда, уч минг../ (ТТХ, 138) каби.

Пайт маъносини аниқлаш, конкретлаш учун ңачон, ӧт- ру, кисрэ каби сўзлар ңўлланади: ол қан йоқ болтуқда кәсрә...' ухон йўқ бўлгандан сўнг' (Онг., II, 8); йағру цон- туқда кэсрә 'яңин жойлашгандан сўнг' (КТм., 28); бир әа қабығына илтдӱктд ӧтрӱ ол кӧк 'бир уй эшигига етган- дан сўнг, у кўк' (Сувр., 154).

Қачон сўзи гапнинг бошида келади. Унинг ran бошида келиши руник обидалар тилида учрамайди. Қачон сўзининг пайт маъноли эргаш гапнинг бошида ңўлланиши асосан тар- жима адабиётларда учрайди: цачан йиркә тәгдӱктә... 'қа- чон ерга етганда../ (Сувр., 616) цачон барс ӱскинӱз тэг- дӱктә ӧтрӱ ол ӧдӱн, 'ңачон барс олдига етганда'(Сувр., 616) каби.

-дуқ, -дӱк замон формаси ясашда ңўлланади.

-йуқ, -йӱк. Бу сифатдош ўрхун-енисей ёдномалар тили- да учрамайди. Мазкур форма манихей, уйғур, брахми, араб ёзув обидаларида қўлланган.

-йўқ, -йўк сифатдоши отлар каби келишик, кўплик, эғалик аффикслари, кўмакчилар билан бирга ңўлланиши мумкин: гпиләгӱ оц тггинч болмайуққа ' ўз тилаги рўёбга чщмагаии учун' (Сувр. 610); бэглиг бир қўр бор тәгмәйӱк ӱчӱн 'бир беклик кюр (ўлчов) шароб келтирилмагани учун' (Юр. II, 206); тәгирмилдйӱки йағын 'ңуршаб олинган ёвинг' (ТТ I, 9); сыйуң 'парчаланган нарса7 (КР., 54); бӱтмзйӱк тәг 'битмагандек' (U I, 9; 52).

Аниқловчи функциясида келади: ... йуқ айығ қылынч- ларығ икиләйу тацы қылмазмән 'ңилмаган ёмон ишларни яна қайта қилмасман' (Сувр., 138); ӧвкә кӧнул ӧритмәй- ўк тынлығ мэн эрур мэн 'ўпка, жаҳл қилмайдиган жони- ворман' (U 111, 42); әв ийәси турқару булғанйуқ кӧнўл- лўг 'уй эгаси доимо булғанган кўнгилли../ (ТТ VI, 65-66 ТТ VIII); ол тўкәмәйўк ташығ 'у тугамаган тошни' (ТТ VIII, 71); булцанйуц тынлығлар 'шов-шув кўтарган жониворлар' (ТТ III, 162); әдгу тшпйўк номлуғ 'эзгу деган китоб' (ТТ III, 108).

-йуқ, -йўк форіманинг юқоридаги -дуқ, -дӱк сифатдоши билан ўхшашлиги бор, улар генетик жиҳатдан ўзаро боғ- лиңдир. Лекин текшираётган давр тилида бу сифатдошлар ўзаро фарқланади ва иккн формани ташкил ңилади.

-йуқ, -йўк формаси билан ясалган сифатдошнинг отла- шиш, адъектив функцияда келиши учун кенг қўлланмаган.

-дачы, -дәчи, -тачы, --тәча, -дажы, -дәжи, -та- жы, -тәжа, -дачы. Бу сифатдош кенг истеъмолда бўлган. Сифатдошнинг -дажы, -дэжи, -тажы, -тәжи, -дачы шакллари фақат турфон текстларида (ТТ VIII—IX) келади: бартажыца 'борувчига' (ТТ VIII, 38)\ суқлакдажи '’ҳунар, кас.6' (ТТ VIII, 39); тарцардажы 'тарқатувчи' (ТТ IX, 12). Ёлғиз бир ўринда брахми ёзувида ёзилган ёднома бўлмиш турфон тексти VIILaa дачы формасини учратдик: пӱшәр- даяы 'пиширувчи' (ТТ VIII, 67).

-дажы, -дәжи, -тажы, -тәжи, шакллар мавжуд бўлган ' обидаларда булар билан параллел равишда -тачы, -тәчи, -дачы, -дэчи формалари ҳам қўлланган. •Сўнгги шакллар -дажы, -дәжи га нисбатан кўпроқ уч- райди.

Сифатдошнинг мазкур формаси ёдномаларда кенг истеъ- молда бўлган. У ёки бу формасининг ңўлланишида маълум бир мунтазамлик сақланмайди: булдаяи (U III 74, 14); бул- таяы (U III, 74, 16) каби.

Мазкур сифатдош отлашиб келади: удачына 'кучига' (ЕнПТ.) бартажықа 'борувчига' (ТТ VIII, ЕнПТ.); ишлэ- тэяиг 'ишловчини' (ТТ VIII, 43); бардаяыларығ 'борувчи- ларни' (ТТ VIII, 11); иратындаяынын 'яратувчининг' (ТТ VIII, 18); пиіирундачынын 'пиширувчининг' (ТТ VIII, 17); цылтаяыеы 'қилувчиси' (ТТ VIII, 51); ӧлтәяиси ''ўлдирув- чиси' (MH.,);йa^paта6шлгa«^6^лaJг?ығ/яpaтилгaнлapни, (ТТIII, 75); ӧлўргләяи 'қотил' (Сувр., 626); башладаяы 'раҳбар' (Сувр., 607); цутрулдаяы 'озод ңилувчи' (ТТ IX, 13); ая- таяы 'очувчи' (ТТ IX, 13) каби.

Руник обидаларида субстантивлашган ҳолатлари саноқла мисолларда (қўшлыдачы 'овчи', удачы 'эрк') учраса, бошқиі ёдгорликларда отлашиш ҳоллари жуда кўпдир.

-дачы, -дәчи ёрдамида ясалган сифатдошларнинг нега- тив, куантатив аффикслар билан ҳам қўлланиши мавжуд: ӧлтәчичә 'ўлимга қадар' (МН., 16); сарғуртачысыз (ТТ VIII, 8) каби.

Аниңловчи вазифасида кенг ңўлланган: ӧлтәчи будунығ 'ўлувчи халқни' (КТб., 31); игләдәчи иглигләр 'азобланувчя хасталар' (U III, 45, 17); ӧнрз йорыдачы йирчы 'олдида юрувчи йўл кўрсатувчи' (U III, 57; 11); цутрулдачы тын,- лығлар 'қутулган жонлилар' (U III, 11, 7'); ӱндәчи тил 'ундовчи тил7 (ТТ I, II); қатығлантачы цутлуғлар 'қат- тиғланувчи бахтликлар7 (ТТ IV, 47); сана удрунтачы кииіи 'сенга ңарши бўлган кишилар' (ТТ I, 9); йўлдачы киши 'йўловчи киши' (Юр. II, 206) каби.

-мыш, -миш, баъзан -муш, -мӱш7 ёдномаларда кенг истеъмолда бўлган сифатдош ясовчи аффикслар саналади.

Мазкур кўрсаткич билан ясалган сифатдошлар кщорида: келтирилган аффикслар биланясалган сифатдошлар каби от- лашиб, эгалик, кўшшк, келишик аффикслари, акуатив фор- малари, кўмакчи сўзлар билан кенг қўлланган: тоғмыишм 'қариндошим' (Юр XIII, 210); асығ цылмышын 'фойда ңи- лишинг' (ТТ VIII, 36); йир тәбрәмиіиин кӧрӱп 'зилзилани кўриб' (Сувр.. 618); амраіимышыныз 'муҳаббатингиз' (ТТ VIII, 8) каби.

Келишикларда келиши:йимиш 'мева'(Сувр., 608); йавал- мишларнын бахшиси, (ТТ VIII, 45); йатмышын кӧрӱп (Сувр., 625); цылмыиіығ кәрӱр (Сувр., 155); тэгмшиин (Гкн., 84); бармыиіығ (TTVIII, 19)\Кдлмашин (U III, 56; 4); бипшмиишн (ЕнПТ., 44); болмышымқа (U III, 37,2); уртул- мишләркә (ТТ VIII, 11); адырылмышда (ПМК, 45); бир- миштә (ТТ X. 435); иығынмыиіта (ТТ VIII, 7) каби.

Мазкур форма қаратқич, ўрин-пайт, чикиш келишиклари- да спедифик хусусиятларга эга.

r Н. К. Д м и т р и е в мазкур сифатдош формасини мўғул тилидаги -мал, -мэл билан солиштиради Н. К. Дмитриев, К вопросу о значе- нии османской глагольной формы на -мыш. Записки Коллегии и Восто- коведов при Азиатском музее AH СССР, т. II, вып. I, JL, 1926, стр. 91— 96. Унинг бу этимологияси Г. И. Рамстедт, В. К о т в и ч томонидан такрорланган. W. К о t w і s z. Studia rad jezykami altaiskimi S. 277; Г. И. P a м стедт сўнгроқ бошңача тушунтиришга ҳаракат ңилган -мыш<-м + кш буидаги иш предмет, нарсадир. В. Б а н г ва К. Бро- келмани -мыш<м+ш Rasanen, Materialien zur Morphologie 93.

-мыш, -миш аффиксли сўзларнинг қаратқич келишигида келиши руиик обидалар тилида учрамайди. Қаратқич кели- шигидаги -мыш, -маш нинг аниқловчи функциясида қўл- ланиши турфон текстида учрайди (ТТ VIII, 45). Бошқа ёд- горликларда бундай ҳолатга дуч келмадик.

Жўналиш келишигида мазкур форма сабаб маъносини англатувчи эргаш ran ҳосил қилади: мән тирилмишкэ сиз- ләр нәгўлўк анча кэд қачарсызлар 'мен тирилганим учун сизлар нимага бунча тез ңочмоқдасизлар' (Сувр., 154); сэн мунча мунча тынлығларығ ӧ лўртмишкэ ол сәнин исиг ӧз алымчыларнын оғурынта анын сэниалғалыытдылар 'сен бунча кўп жонлиларни ўлдирганинг сабабли, у сенинг жон- ингни олиш учун юборди' (Сувр., 155) каби.

Бажарилиш ҳолатини билдиради: тимишкә битидим 'ай- тиб турганда ёздим' (Юр., II, 206).

-мыш, -маш ўрин-пайт келишидаги пайт эргаш гапнинг кесими бўлиб цўлланат--.адырылмышда сақынур әрти- лмз../айрилган (ўлган) вақтда биз ғам чекдик' (ПМК., 45); тынғалы олурмышта, ән улуғы тигин ика шилэргінә ын- ча man mudu 'дам олишга ўтирганда, энг улуғы (шаҳзода) икки иниларига шундай деди' (Сувр., 608); оғлум йақы болмышта ӧгруйгум севән чим аз дрти. иккщат бўлга- нимда севинчим оз эди' (Сувр., 623) каби.

-мыш, -маш билан ясалган сўзлар ўрин-пайт келиши- гида кан кўмакчиси билан қўлланиб пайт эргаш гапнинг кесими бўлиб келади. Ўрин-пайт келишиги чиқиш келишиги маъносига тўғри келади...бирмиштә кин йәнэ инчә тип тигил 'бергандан сўнг яна шундай дегин' [ТТ]; аш қылу тӱкэмиштә кин он кўн эрмзз кнә 'ош қилиб тугатгандан кейин ҳам ўн кун ўтмаган эди' (Сувр., 154).

-мыш, -миш билан ясалган сўзлар ӱчӱн кўмакчиси би- лан сабаб маъносини англатади: будун ара болмышын ўчўн 'халқ бўлгани учун' (ЕнПТ., 38); ӧлўрмииі ўчўн ӧкӱнўп 'ўлдиргани учун ўкиниб' (Сувр., 156) каби.

-мыш, -миш акуатив формалари билан келади: ӧтӱн- мииі тәг 'ўтингандек' (Сувр., 157); ўнмииітәг 'унгандек' (ТТ VIII, 35); туғмышығ тәг 'туңңандек' (ТТ VIII, 35).

Айрим ўринда акуатив аффиксидан сўнг предикатив аф- фикси билан ңўлланади: биз әз ичи ташын тутмыиі тәг биз 'ўзимизни ўзимиз тутгандек қоламиз' (Тон., 61).

Шуни ңайд қилиш керакки, ўрхун-енисей обидаларида -мыш, -мгіиі аффикси билан ясалган сўзларнинг субстантив- лашган ҳолатлари кам учрайди. Руник обидаларида отлаш- ган сўзларнинг кўпчилиги III шахс эгалик аффикслари билан

Кўлланади: кәлмииіи алп 'келгани алп' (Тон., 63); анта цалнышы 'ўша жойда ңолгани' (КТб., 28) каби.

-мыш, -миш аффиксини ңабул қилиб келган сўзларнинг отлашиш ҳолатлари манихей, уйғур, брахми ёзув обидала- рида кенг тарқалган ҳодисадир: қарыіимыиілар 'курашчи- лар' (ТТ VIII, 49); әлтмишлэр 'элтганлар' (ТТ VIII, 9);атьі кӧтрӱлмииі 'юқори мартабали' (АГ., 37); ӧгмиш 'маңтов' (U III, 73; 2) каби.

-мыш, -миш аффикси билан келган феъллар аниқловчи вазифасида кенг ңўлланиб, предметнинг сифати, белгиси, аломатини билдиради: бармыш будун 'борган халң' (КТб., 31); кәлмиіи сӱ 'келган ңўшин' (МН., 16); кәтрӱлмиш ном 'мақталган китоб' (Сувр., 156); ағзанмыш савын 'айталган сўзинг' (ТТ, I, 13); қылмыш ишин 'қилган ишинг'(ТТ 1,8); кӧсәмаш кӧсўшўн 'истаган истагинг' (ТТ I, 14) каби.

-мыги, -миш аффикси билан келган феълларнинг бундай ҳолатларда ңўлланиши энт ңадимдан бўлгани учун, кўпгина сўзларда аниқланмиш билан ңўшилиб, ңўшма от ясашда иштирок этади: Озмыш тигин 'Ўзмищ — тегин' (ПМК., 35); Бӧтўрмиз тарцан 'Битурмиш — тарҳон' (Хуаст., 120); Қу- тадмыш барс 'Қутадмиш — барс (бахтиёр бўлган барс)' (ТТ IX, 40); Турмуиі Тәмур 'Турмуштемур'(Юр., XIII, 210); сықтамьш таму 'йиғлайдиган жой (жаҳаннам)' (АГ., 79); йәмиш цағун 'қовун' (ТТ VIII, 61) каби.

-мыш, -миш сифатдоши кәргәк сўзи билан келиб, иш- ҳаракатнинг бажарилиши лозимлиги, кераклигини кўрсата- ди: муняа сацынмыш әргәк 'шундай ўйлаш керак [бўлади]' (U III, 4;4) бу савығ уцмыш кэргэк 'бу сўзни тушуниш ке- рак' (U III, 24; 9-10).

-ғма, -гмә, -ығма, -игмә, -уғма, -ӱгмә, -ағма, -әгмә. Бу форма билан ясалган сифатдош руник текстларида истеъ- молда бўлиб, уйғур, манихей, турфдн текстларида эса ар- хаиклашган форма ҳисобланади. Ўрхун-енисей обидалар тилида -ғма, -гмә (ва бошңалар) кўпинча аниқловчи функ- циясида келади: бӧдкә кӧригмэ бәгләр 'тахтга бўйсунган беглар' (КТм., 28); сақынығма тўрк бэгләр 'ғамгин турк беклари' (МН.,16); кәлигмә бәгләр'келганбеклар' (Тон., 61); учуғма тынлығца 'учувчи жонликка' (Хуаст., 117); кэлиг- мә су 'келган қўшин' (МН., 17) ил бирагмэ тәнри 'эл бер- ган тангри' (КТб., 31); тдңиси оғлы йатығма тағда тәг- миш 'тенгеси ўлиб ётган тоқңа етди (Тон., 64); бағрын йо- рығма тынлығца 'бағри билан юрган жонликка' [Хуаст. 117]; учуғма бағрьін йорығма тынлығларығ ӧлўргўш бол- тумуз 'учувчи, бағри билан юрувчи жонликларни ўлдир- моңчи бўлдик' (ТТ IV, 57, 58); кӧктә учуғма цуиілар 'кўк-- да учувчи қушлар' (ТТ X, 209); имәригмә цамағ будунын 'мавжуд бўлган ҳамма халқни' (Сувр., 607); кӧрӱгмэ кӱн тәнри 'кўрувчи кун тангри' (U III, 79; 3) учуғма цуиілар (МГ4).

Руник ёдномалар тилида (-ғма, -гмә ва бошңалар) си- фатдошнинг отлашиб келган ҳолатлари ҳам қайд этилади: ӧлӱгмә ӧлти. 'ўлгани ўлди' (МН., 18); бәдиз йаратығма 'наққош' (КТб., 43); йәти йўз кишиг удызығма 'етти юз кишини бошқарувчи' (Тон., 61) каби.

Култегин обидасида бир ўринда -гмэ билан ясалган си- фатдошнинг отлашиб келган ҳолатини алоҳида ңайд қилиб ўтиш керак бўлади. Шу отлашиб келган сўздан кейинги сўз икки эгалик аффиксини ңабул қилади: бу бшпиг битиг- мә атысы 'бу хат ёзганнинг оти' (КТм., 28).

-ғма, -гмә билан ясалган сифатдошнинг маъно ва функ- дияларини ўша даврда кенг истеъмолда бўлган -мыш, -миш, -Р, -УР -ӰР (ва бошқалари), сўнгроқ -ғлы, -гли кабк сифатдошлар аста-секин сиқиб чиқара бошлаган. Шу са- бабли -ғма, -гмә аффиксларининг истеъмол доираси чек- ланган. Текширилаётган давр тнлида -р, -мыш билан ясал- ган сифатдошлар билан -ғма, -гмә билан ясалган сифат- дошлар баъзан синонимик конструкция ҳосил килади: қаным цағанығ ӧгўм қатунығ кӧтўрмиш тәнри, ил биригмә тәнри 'отамни хоқон, онамни бекач ңилиб кўтарган тангри, эл берган тангри' (КТб., 31); учуғма цуш'учар ңуш' (ТТХ,38) каби.

-ғучы, -гӱча, -қучы, -кӱчи. Бу аффикслар билан ясал- ган сифатдошнинг маъноси -дачы, -дәча ёрдамида ясалган сифатдошга мос келади. Мазкур сифатдошнинг руник оби- даларида истеъмол доираси жуда тор эди: бидгўчи эр 'йиғил- ган аскар' (ПМК., 36) айғучи 'маслаҳатчи' (Тон., 61, 62, 63, 64); барқ итгўчи 'ңаср ңурувчи' (КТб., 43); таиіитгў- чч 'тош кесувчи' (КТб., 43) каби.

Турфон, манихей, уйғур ёдгорликларида -ғучы, -гӱчи формалари сифатдош ясашда кенг қўлланган.

Отлашиб келади: цатығланғучылар 'қаттиңланувчилар' (U III, 46, 66); қойн ӧлўргўчи 'қўн ўлдирувчи' (ТТ IV, 55);, тацығу игидгўчи 'товуң ушловчи' (ТТ IV, 56); тавратғучи 'мажбур ңилувчи' (ТТ II, 92, 93); саңынғучылар 'ңаровчи- лар' (ТТ I, 12).

Аниқловчи вазифасида: ӧлўргўчи йилқы 'ўладиган йил- қи' (Сувр., 155); чамлағучы кииш 'баҳсчи' (Юр., XVI, 213);, цолунғучы тынлы 'тиланувчи жонлик' (U I, 10,5) каби.

-ғулуқ, -гўлўк, -қулуқ, -кўлўг баъзан -ғунуғ: болғунӱғ (ТТ I, 9). Бу сифатдош ясовчи кўрсаткич -ғу, -гӱ, қу, -кў ва -луқ, -луғ, -лўк, -лўг аффиксларининг бирикишидан ташкил топган.

Руник обидалар тилида мазкур сифатдош кам учрайди: йуйңа қалын, болсар, топлағулуқ алп әрмиш йингчә Ho­ran болсар, ӱзгӱлӱк алп әрмиш 'юпңа қалин бўлса тўпла- ган (тўпловчи) баҳодир бўлади, ингичка йўғон бўлса ўзув- чи ўзадиган баҳодир бўлади' (Тон., 62).

Уйғур, турфон, манихей обидалари тилида мазкур фор- малар билан ясалган сифатдошлар жуда кенг истеъмолда бўлган.

Аниңловчи вазифасида: асығлығ болғунуғ йолун кӧзӱн- мэз инггўлӱг болғулуғ бэлгӱлӱг бәлгўрмәз '(сен учун) фойдали бўлган йўл кўринмас, ранжийдиган белгини бер- майди' (ТТ I, 9); ишләткӱлӱк йонлағулуқ орун 'ишлӓтиш, фойдаланиш мумкин бўлган жой' (Сувр., 612); озғулуқ цут- луғучлуқ ӧдӱмӱз кӱнӱмӱз ''ңутулиш, озод бўлиш вақти- миз, кунимиз' (Сувр., 154); йғылғулуқ әвимиз 'йиғиладиган уйимиз' (ТТ VIII, 48).

Отлашиб келади: сӧзләгӱлӱкўг (ТТ VIII, 50); булқулу- цуғ (ТТ VIII, 32); уйатцулуқта (ТТ VIII, 14); йащулугун (ТТ X, 208); қылғулуқ (КТм., 31); умущулуқ ӱзә 'умид билан' (ТТ VIII, 14) каби.

Баъзан -ғулуқ билан ясалган сифатдош сўз ва форма ўзгартувчи аффиксларни қабулқилади: ӧз боғағулуқчы 'ўзи- ни бўғувчи' (ПВ., 136); оқшатғулуқсуз 'тенгсиз' (АГ., 77); билмәгӱлӱк 'тушунмаслик' (U III, 43, 31); әиіитмәгулук 'эшитмаслик' (ТТ VIII, 13); қылмағулуқ 'қилмаслик' (ТТ VIII, 43) каби.

*Р, ■УР, -ӰР, -ыр, -up, -ар, -әр, -йур, -йўр.* Бу сифат- дош ясовчиларнинг у ёки бу формаси ңўлланишида қатъий бир мунтазамлик сақланмайди. Ёдномаларда *-ур, -ӱр* шакл- лари қуйидаги феъллар билан қўлланади. Тубанда баъзи феъллар берилган: *бир-ӱр, ӱкӱл-ӱр, бил-ӱр, бол-ур, уцыт- ур, цыл-ур*, *кәл-ӱр, йӱгӱр-ӱр, ӧч-ӱр,ал-ур, кир-ӱр, тик-ӱр, қорқ-ур, ӧч-ӱр, әр-ӱр, тәкин-ӱр, кӧр-ӱр, тур-ур, кӧзӱн-ӱр, ӱнтӱр-ӱр, бил-ӱр, йат-ӱр, айыт-ур, әд-ӱр, ңыл-ур, сәбин- ӱр, йалбар-ур*, *ӱр-ӱр, ӧй-ӱр, башғур-ур, қылын-ур, тәгин- ӱр, сақын-ур, йӱкӱн-ӱр*, *бат-ур, қазған-ур, эш-ўр, олур-ур, пусан-ур, пусырцан-ур, кәнрән-ур, йат-ур, ӱләиі-ӱр, са- цыш-ур, царыш-ур, йӱкӱн-ӱр, эр-ур, бар-ур, кир-ўр, кәлӱр- ӱр, цал-ур*, *дмгдт-ӱр, ӱрӱл-ӱр, тәкзин-ӱр, илт-ӱр ӧл-ӱр, алңан-ур*, *ңал-ур, қол-ур, бил-ӱр, иркдклән-ӱр, чәчәклән- ӱр, ула-ур, ырғал-ур, йараш-ур, қатғлан-тур-ур, цатағ- лан-ўр*, *ўкләш-ўр*, *алқын-ур, сыңыл-ур, талаиі-ур, әгир- ӱр, ардат-ур, қавыт-ур, санчыт-ур, сачыл-ур* ва бошқалар.

Қуйида *-ар, -әр* шакллари билан келган сифатдошнинг баъзиларини берамиз: *уч-ар, кўй-әр, тис-эр (тиз-әр), йәд- әр, ӧгир-әр, бас-сір, тўш-әр*, *сат-ар, бэлгўр-әр, сат-ар, сән-әр, тәг-әр, сәв-әр, адыр-ар*, *цорц-ар*, *оз-ар, йат-ар, кўл-зр*, *сузләш-әр, бол-ар*, *сач-ар, ац-ар, қал-ар, тик-әр, ңал-ар* ва шу каби.

Қуйида -ыр, -up шакллари билан келган сифатдсшнинг баъзиларинй келтирамиз: кәл-ир, қабыиі-ыр, йағуиі-ыр, игзг-ир, /(гсд-ыр, ба/7-ыр, бил-ир, злгз/?г-ир, тикиләш-ілф, севинт-щ, ўркәл-ир ва шу кабилар.

Қуйида -р сифатдош ясовчиси ңўшилиб келган феъллар- нинг баъзиларини келтирамиз: қаршыла-р, тилэ-р, тшп- рә-р, ўртд-р, ти-р, ақла-$, озарла-\) каби.

Қуйида -йур, -йӱр сифатдош ясовчиси қўшилиб келган феълларнинг баъзилари берилади йоры-йур, йа-йүр, тилә- йүр, йалт-ра-йур, ағла-йур, ишлә-йүр, сѳзлә-йүр, титрә-йүр, мәңилә-йүр, тәбрә-йүр, йаңра-йүр, йалтры-йур, сѳзлә-йүр, йаша-йүр, кѳзләти-йүр, йайла-йур, қуры-йур, уғра-йур, үнтә-йүр, тапла-йур, ыдала-йур, ба-йур, уды-йур, алта-йур, булға-йур, ѳтлә-йүр каби.

Юқорида келтирилган мисоллардан кўриниб турибдики, у ёки бу формаларни ишлатишда мунтазам бир тартиб саңланмаган. Ёдномаларда -ур, -ӱр (ундош товушга тамом- ланган феълларда), -йур, -йӱр (унли товушгатугаган феъл- ларда) жуда кеиг, -ар, -әр, -ыр, -up ва -р шакллари эса анча кам ўринда қўлланган.

Шуии ңайд ңилиш лозим бўладики, у ёки бу формани ишлатишда ңатъий мунтазамлик сақланилмаганлиги учун бир феъл ўзаги билан турли шаклларнинг қўлланишини уч- ратиш мумкин: болар, бол-ур (ТТ VIII, 57, 12 62); тәгин-үр, тәгин-әр (U II, 80-64) тир, ти-йүр (КТб., ПВ.); тиләр-йүр (ТТ VIII, 13); титрэ-р, титрә-йүр (Сувр., ТТ VIII) каби.

Ҳозиргача юңорида келтирилган шаклларнинг ңайси би- ри энг қадимий деган саволга жавоб берилмаган. Эҳтимол, фонетик вариантларнинг кўплиги ва турлилиги эски ёдгор- ликларда турли диалектларнинг таъсири билан изоҳланар.

Мазкур сифатдошнинг отлашиб келиши руник обидала- рида саноқли ўринларда учрайди. Сабық басар 'киши оти' (ЕнПТ., 61). Субстантивлашган ҳолатлар сўнгги ёдномалар тилида ҳам кам учрайди: мана тәгәр алды 'менга тегишли- гнни олди' (Юр., XIII); от ӧчўри 'ўт ўчириши/ (U II, 9; 4);

Мӓзкур сифатдошнинг келишиклар билан қўлланиши ҳам кам учрайди:^ аз нызеанықа ағукуп артайу йоцатурурта

змврдіинлығ ӧт ўзэ ана йӱрӱнтәг цылтыниз 'у(лар) оч- кўзлик дардига гирифтор бўлиб, ўлар ҳолатга етган (ла- ри)да, сен(сиз) у(лар)ни ғазаб (Амварарадишн) дориси билан .даволадинг(из)' (ТТ III, 28,29) каби.

Акуатиз шакли билан келади: ӱнтдйӱр тәг 'чақирган- дек' (ТТХ, 282) каби.

-ур, -ӱр (ва бошқа вариантлар) билан сифатдошлар қа- димдан аниқловчи (сифат) функдиясида ңўлланган: кӧрӱр кӧзим 'кўрар кўзим' (КТб., 33); билир билигим 'билар би- лимим' (КТб., 33); ңалар әшим 'қолган дўстларим' (ЕнПТ., 73): йўкўнӱр кўн 'юкинар кун' (ПМК., 43); ағып кәлир сағығ сув 'оқиб келган совуқ сур/ (ТТ I, 11) каби. Бўлишсизлик формаси -ма I! мә+р—з.

-қан, -кан, -ған, -ггн, -ңын, -кан, -қун, -кўн, ғын, ~гин, -ғун, -гӱн. Бу сифатдош ясовчилар ўрхун-енисей обидалар тилида деярли учрамайди[[32]](#footnote-32).

Сўнгги давр тилида отлашиб келган:

*Йазқы булут йашлап кӧкўрәп, йамғурлар му ол йағыдур, йаіиы кияиг алғанларым,*

*Йашларын му ақыдыр* (Л., 5) каби.

-кән шаклининг -әр ёрдамчи феъли билан і^ўшилган ;ҳоллари учрайди: анасьі адиз ңалығтсі йатып удыйур эркэн, тўш тўиіэди 'онаси саройда ётиб ухлар экан туш кўрди' (Сувр., 620) каби.

Мазкур сифатдошга акуатив қўшимчаси -ча, -чэ цўши- либ, равишдош формаси ясалади.

-ғу, -гў, -қу, -ку. Сифатдош ясовчи бу формалар руник ёдномаларида кам учрайди. Мазкур форма айниқса уйғур, турфон, манихей текстларида кенг истеъмолда бўлган.

-ғу, -гў сифатдошнинг аниқловчи бўлиб келиши ёднома- лар учун характерлидир: баргу йолунуз 'борадиган йўлин- гиз' (ТТ 11,24-25); ңутрулңу йол 'ңутулиш йўли' (ТТ 111,60); қутқарқу тынлғларығ 'ңутулиш керак бўлган жонивор- ларни' (ТТ III, 61); тәнри йиранә барқу кӧни. йол 'танг- ри ерига борадиган ҳақ йўл' (ТТ III, 72-73) каби.

-ғу, -гу, -гў, -ку формадаги сўз жўналиш келишигида ңўлланганда иш-ҳаракатнинг бажарилиши лозимлигини, ке- раклигини билдиради: таңы илкә цаща ынанч болғуца 'яна элга хонга ишончли бўлишинг керак' (ТТ I, 15); абам бир адацын, сысар тинтәки татығ тӧкўлгўкә 'агар бир оёғи синдирилса, ичидаги оши тўкилиши керак' (ТТ I, 15) каби.

Акуатив формаси билан келади. Бунда -ғу специфик маъно ва функдияга эга: Ол ӧгрӱтӱмӱз тўкәти сӧзләгў- тәг әрмәз 'ўша шодлигимизни тўла сўзлаб бўлмайди' (ТТ II, 34-55).

ӱчӱн, ўзэ кўмакчилари билан келганда мақсад маъно- сини англатади: кӧсәйўр әрти биргәрў кўнтэмэк тык сизни кӧргў ўяўн 'кунда ва доимо сизни кўришни истарэди' (ТТ III, 96); ӧзғу ўзә 'бўшалиш учун' (ТТ III, 142).

*-ғлы, -гли, -ығлы, -игли, -уғлы, ўгли* [баъзан ағлы, әгли, — қлы].

Бу аффикс ўрхун-енисей обидалар тилида учрамайди. Бунинг ўрнида ўрхун-енисей ва бошқа руник обидалар ти- лйда -ғма, -гмэ сифатдоши қўлланади[[33]](#footnote-33). Эски ёдномалар- дан мазкур форма 'Хуастуанифт'та икки ўринда учрайди: азғуруғлы йолца 'озадиган йўлга' (Хуаст,, 117); кузратцлы (ўқилиши керак: қувратығльі) бристилар 'йиғилган бристи- лар' (Хуаст., 123). 'Хуастуанифт^да -ғлы, -гли сифатдоши билан параллел -ғма, -гмэ қўлланган. -ғма, -гмә кўпроқ қўлланади.

-Ғлы, -гла сифатдош ясовчи аффикслар манихей, уйғур,. турфон текстларида отлашади, сифатловчи вазифасида ке- лади: йаратьіғлы 'яратган' (АГ., 71); әддгу ӧгла 'дўст, эзгу ниятли' (U III, 7,13); ӧлўгўт тириглўгли бәг 'ўлик- ларни тирилтирувчи бек' (Ман., 1,24); оцығлы ўнтзгли тәнри 'чақирувчи, жавоб берувчи тангри' (АГ., 76) каби.

-ғалыр, -гәлир, -қалыр, -кәлир[[34]](#footnote-34). Сифатдош ясовчи бу формалар руник обидаларида учрамайди. Мазкур форма уйғур, турфон, манихей текстларида ңайд этилган.

-қалыр, -кәлир сифатдош формалари юқорида зикр ңи- линган обидаларда ҳам истсъмол доираси чекланган аффикс ҳисобланади: ол оғурда мунун әтӧзинә әмрәнмәк кӧнўл сәвин тўркдлар ўяўн бир ном иілокин, сӧзләдим 'шу ора- да бунинг вужудига севгили кўнгилни қувонтириш учунбир шеър сўзлаб бердим' (ТТ X, 553-554); анта ӧтрў батра цатун. илчг бәгкә әтӧзин сдвинткәлир ўчўн кўн кўни- нә тӧзўн йумшац савлар сӧзләйўр эрди 'шундан сўнгБат- ра — бегач Илиг—бекнинг кўнглини севинтириш йўлида кунда ёңимли сўзлар эди' (U III, 54; 16); тутцалыр ўчўн 'тутиш учун' (Сувр., 448); Қалмашапади илиг мана кир- тӱ сақынып браманца алтун йармац биркәлир ўчӱн мини мунта ыдты 'Калмашапади—хоқон менга ишониб брах- манларга олтин танга бериш учун мени бунга юборди' (U III, 68,27); адынлар смнат киргәлир әркән тыдығ ада цылмазун 'Смнанч роҳибга киришни истаганларга (кирмоң- чи экан) бошқалар йўлида ғов бўлмасинлар' (U III, 77,24).

Бошңа ёдномаларда ҳам учрайди (Ман., III,- 37; U, 1,41; U II, 92) каби.

-ма, -мә. Бу сифатдош ясовчилар саноқли феълларгаги- на ңўшилиб келади: йәлмә 'чавандоз' (АГ., 72).

Асосан аниңловчи функциясида учрайди:...ӧмн бәлгўртмә браман ' (ҳар томон)дан пайдо бўлган браманлар' (U III, 12,7); лаукик титмә йиртинчўдәки 'Лаукик дейилган (ном- ланган) ердаги7 (U III, 38,23); барма йил 'ўтган йил' (АГ.. 78) каби.

-сығ, -сиг, -суғ, -сӱг, -сақ, -сәк. Бу сифатдош ясовчи- лар руник, уйғур, брахми, манихей ёзув ёдномаларида уч- райди ва асосан булар ёрдамида ясалган сифатдошлар отла- шиб келади: кўн тоғсуқ 'шарқ' (КТм., 27; ЕнПТ., 84; Ман., III, 9,1); кун батсық 'ғарб' (КТм., 27; ЕнПТ, 84, Ман., III, 9,3); алцансъщ 'мақтов'■ (Хуаст., 96); тутсиқ 'ту- тадиган' (КТм., 28) йылсығ 'бой, бадавлат7 (КТб., 28).

Аниқловчи функциясида ишлатилади: ииіләмәсиг иш'иш- ланмаган ииБ (Хуаст., 118); сӧзләмәсик (Хуаст., 119); этӧз ңодьщарсуғ ед (Сувр., 190; 23); тосыц 'тўң' (ТТ V, 47); тапығсац (ТТ VI, 102); анчуласыц кәргэк (Хуаст., 248) адынсығ (ТТ VI, 195); ачсиқ (ТТ V, 4) каби.

РАВИШДОШ

Одатда равишдошга феълнинг шахс, сон ва замонда ўз- гармайдиган, асосий иш-ҳаракатга нисбатан бирор ңўшимча ҳаракатни билдирадиган ёки шахсли феълларга қўшимча маъно берувчи, маъносини кенгайтирувчи, гапда шахсли феъл формалари ўрнида қўлланувчи, асосий феъл функция- -сида келиб, ёрдамчи феъл билан бирга вид маъносини ифо- далашда хизмат ңилувчи феъл формаси деб таъриф бери- лади. Бу таъриф равишдошнинг энг кенг тарңалган функ- диясини ўз ичига олади.

Эски ёдномаларни текшириш асосида юқориаа равишдошга нисбатан берилган таъриф мазкур категориянинг ҳамма функцияларини ўз ичига қамраб олади деб бӱлмайди. Чунки қадимги ёдгорликларда равишдошнинг яна бошқа бир қа- тор функциялари ҳам мавжудки, бу билан равишдош номи- натив категорияларга яңин туради.

Унинг бу хил функциялари сифатдош каби аниңловчи вазифада келиши, келишиклар аффиксини ңабул қилиши, кўмакчи сўз билан ңўллана олиши кабиларни кўрсатмоқ. мумкин: бирики будуныг 'бириккан халңни' (КТб., 27); кәлипәнин... тутупанын... тийӱр 'келишини тутишини сўзлар' (Ман., II, 12: 2); кўлчирә йӱзин 'табассумли юзини' (ТТХ, 25, U III, 14); әрдини бирипә 'хазина бериб' (ПВ., 135); муны әиіитў бирлэ ӧк 'буни эшитиши биланоң' (Сувр., 621); тзнри йәринтән шшпәнин 'тангри еридан тушишини' (Ман., III, 36); инчә типў йарлықайур (Ман., II, 9; 4).

Равишдош қуйидаги аффикслар орқали ясалади: 1. *-пу -уп, -ўп, -ып, -ип;* 2. *-пан, -пән, -упан, -ӱпӧн, -ыпан, -ипән; 3. -у,.-ў, -йу, -йў, -ы, -и, -а, -ә; 4. -ин, -йин;*

1. *-мады, -мәда, -матын, -мәтан, -мадын, -мәдан;*
2. *гальі, гәли, қала, -кәли;* 7. *-гинчә, -ғынча, -қынча, -кинчә.*

-п, -уп, -ўп, -ып, -ип баъзан -an, -әп; барап (ЕнПТ, 69);. цанап (U III, 67: 6); тикиләп (ТТ I, 8).

Равишдошнинг бу шакллари кенг истеъмолда бўлган- -п аффикси унли билан тугаган феъл негизларига [тәбрәп, анлап], -уп, -ўп шакллари ундош товушга тугаган лаблан- ган ўзакларга [туруп, ӧндурўп], ~ып, -ип шакллари ундош билан тамомланган [ағытып, бинип] лабланмаган феъл не- гизларига қўшилиб келади. Бу ҳол бошңа формаларда ҳам қайд қилинади. Лекин ҳар вақт бу мунтазамлик сақлан- майди.

Равишдошнинг -п (ва бошңалар) формаси шахсли феъл орңали англашилган ҳаракат ё ҳолат билан бир вақтда рўй берган иш-ҳаракатня билдиради: йағы болып... йана ичик- миш 'душман бўлиб яна бўйсунди' (КТб., 29); ӧгләрин кӧ- нўлләрин ычқынып, нз цылынмышын, арыты билинмәз болтылар 'эс-ҳушдан кетиб, нима ңилишларини билмас эдилар' (Сувр., 625).

Шахсли феъл орңали ифодаланган иш-ҳаракатнинг та- момланишидан аввал содир бўлган ҳаракат ё ҳолатни бил- диради: Ыда ташда цалмыиіы кубранып йәта йўз болты 'ўрмонзор, тошлик (жойлар) да ңолгани ңўшилиб етти юд.

бўлди' (Тон,, 61); am бинип тэгди 'от миниб ҳужум қилди' (КТб., 31); улуғ йил кәлип, кӧл сувын токын... сув ііа- йылты йай цалти 'ңаттиқ шамол келиб, кўл сувини тош- тириб... сув ёйилди, чайқалди' (Сувр., 617); ал алтағ азун мацларығ шашцарып аддынларқа, асығлық ишиг іиилә- тиниз 'маккорлик ҳийлагарликни ташлаб, бошңаларга фой- дали иш қилдингиз' (ТТ III, 68-69).

Иш-ҳаракатнинг кетма-кет, навбатма навбат алмашил- ганлигини билдиради: ол ӧдӱн ңатун бу савьіғ әшитап, улуғ пусуста қадғута туруп, ачығы кәлип кӧзинтә толу йашы бпрлә тәркин илик бэгкэ барып 'ўша вақт бекач ойим бу сўзни эшитйб, чуңур қайғуга ботиб, аччиғи келиб, кўзида тўла ёш билан Илик бекка тезда бориб'.(Сувр., 622); анлап, билип, цорцуп 'англаб, билиб, қўрңиб' (ПВ., 135).

Иш-ҳаракатнинг асосий маъносини, шахсли кўмакчи феъл эса ҳаракатнинг турли оттенкаларини англатиб келади: ӱр- кӱп бар— (ПМК., 37); тирилип бар— (МН., 18); тәзип бар— (КТб., 31); ӧлўп бар— (ТТ II, 16); ӧнўп бар— (LJIII, 10-9); учуп бар— (ТТХ, 134); тирилип кәл— (МН., 17); кирип кәл— (ТТХ, 254); йанып кәл— (ПВ., 134) каби.

Айрим ўринларда мустақил ҳолатда қўлланиб шахсли феъл функциясини ўтайди: ай иниләрим мәнин бӱкўнки кўн әртингў қорқум бәлинләгўм кәлип 'эй иниларим бугун эртаги кун учун қўрңинч келди' (Сувр., 608); бирлә ка — а ӱпӱп ӱчўкӱ ^ирга учовимиз чиқдик' (Сувр., 620).

-пан, -пән, -упан, -ўпән, -ыпан, -ипән. Равишдошнинг бу формаси ҳам кенг истеъмолда бўлган. Руник обидалар тилида ҳам маҳсулдор аффикс саналади. Ҳажм жиҳатдан унча катта бўлмаган Култегин ёдномасида кўпгина феъл- ларда учрайди: сӧкапзн (КТб., 32); кәлипән (КТб., 29, 30); тутыпан (КТб., 29); олурыпан, (КТб., 28, 30); сӱ сӱләпән (КТб., 29) каби. Руник обидаларида -упан, -ӱпән шаклла- рини учратмадик. Эски ёдгорликлардан „Йрң битигда" уч- райди.

By равишда иш-ҳаракатнинг шахсли феълдан олдин ёки кетма-кет содир бўлганини англатади: ығач ӱзэ олурупан, мәниләйўрмән 'дарахт устида ўтириб ceвинмoңдaмaн, (Гкн., 80); йаш от кӧрӱпзн, йорыйу барыпан., сув ичипан, йаш йипән ӧлўмдэ озмьии 'кўк ўт кўриб, юриб бориб, сув ичиб, ўт еб, ўлимдан ңутулди' (Гкн., 81).

Бу равишдошнинг кўмакчи феъллар билан келиши жуда ҳам кам учрайди: қопупан. бар— (Гкн., 83).

'У, -Ў, -Ь1, ~и> -а> -9, -йу, -йў. Равишдошнинг -у, -ў шакллари кенг истеъмолда бўлиб ундош товушга тугаган лабланган ва лабланмаган феъл ўзак-негизларига ңўшилиб келади. Қуйида мазкур равишдош билан ңўлланган феъл- ларнинг баъзилари келтирилади: йӱгӱр-ӱ, удыиір-ў, иртир-ў, йандур-у, әіиит-ў, қйл-у, йӱкӱн-ӱ, боиіун-у, йат-у, тур-у, ӧл-ў, адьірыл-у, кдз-ў, айыт-у, ычғын-у, йоңад-у, кўй-ў, оқыт-у, уч-у, йалбар-у, йўтўн-ў, тут-у, әбир-ў, бар-у, ӧл-ў, йит-ў, қол-у, қазған-у, итин-ў, йаратун-у, уд-у, олур-у, бар-у, йат-у, бил-ў, таплан-у, кӧтўр-ў, кәгўр-ў, ўнтўр-ў, йантур-у, бўтўр-ў, ӧкўн-ў, қатын-у, цотур-у, ӧдўн-ӱ, тапын-у, ӧр-ў, тапыш-у, илт-у каби. Мисоллардан кўриниб турибдики, бу равишдош формаси асосан икки бў- ғинли феълларга қўшилган.

Равишдош ясовчи *-а, -э* аффикслар асосан бир ва икки бўғинли феълларга ңўшилиб келади: *тик-ә, ӧг-э, йыв-а, сун-а, кэч-э, йалвар-а, уч-а, тут-а, йўр-ә, тәз-ә*, *сўр-ә, ач-а, бат-а, бас-а, ағ-а, йыд-а, кәз-ә, тап-а, бўк-ә, бур-а, ӧгир-ә, сәбин-я, цықыр-а*, *тәгил-ә, адыр-а, ӧдур-ә, ӧн-ә, тоғ-а, уқ-а, чӧк-э, ин-ә*, *тыд-а, тын~а, кәс-ә, қавыр-а, днир-д, т.из-ә, тир-ә, йар-а, сач-а, йан-а, тарт-а* каби.

Равишдошнинг -ы, -и шакли жуда тор доирада ңўл- ланилган: ал-ы, йаз-ы, ңод-ы, улат-ы., кзл-и, тәг-и, цод-ы, ңал-ы, мәнзәт-и, узат-ы, әрит-а, тўпәт-и каби. Булар- дан баъзилари ёрдамчи сўзлар группасига ўтган.

Равишдошнинг *-йу, -йӱ* шакли фёъл ўзаги унли билан тамом бўлганда қўшилиб келади: *мунчула-йу, оила-йу, ал- та-йу, арқанла-йу, кӧрмә-йў, бити-йў*, *баиіла-йу, оқу-йў, отлә-йу*, *муныла-йу, йоры-йу*, *йилби-йў, сығма-йу, бўди-йў*, *йара-йу, туйурқа-йу, тэбрә-йў*, *қамша-йу, тэрклә-йў, оғырла-йу, номла-йу, муныла-йу, сўлә-йў*, *сығда-йу, баш- ла-йу, игдэ-йў, бошу-йу, айа-йу, тўшә-йў, сәкри-йў, сы- ныла-йу, тоқы-йу, оци-йу*, *тӧки-йў, ағыла-йу, бәлинлә- йў, йалына-йу, булға-йу, қыиіла-йу* кабилар.

Баъзи тадқиқотларда бу давр тилида -йы, -йа, -йа, -йә шакллари мавжудлиги ҳақида маълумот берилади. Ёдгор- ликларда равишдошнинг бу шаклларига дуч келмадик.

Келтирилган равишдош формалари баъзи феълларда ўза- ро алмашинуви мумкин: аиі-а, аш-у, ӧгирә сәбин-ә, ӧгир-э сәбин-ў, тол-а, тол-ы, тол-у каби.

-у, -ӱ (ва бошқалар) формалар шахсли феълдан англа- шилган иш-ҳаракатнинг бажарилишидан аввал содир бўлган ҳаракат ё ҳолатни англатади: аш цылу тўкәтмииігд 'ош ңилиб тугатганда' (Сувр., 154); ӧзи йанлуру йана ол арыққа кирип... 'ўзи ңайтиб яна ўша ариққа кириб'... (Сувр., 616).

Шахсли феълда ифодаланган иш-ҳаракат билан бир ваңт- да навбатма-навбат бажарилган ҳаракатни кўрсатади: кийик йийў, табышған йийў олурур әртимиз 'кийик еб, ңуён еб ўтирар эдик' (Тон, 61); оларца йалбару, ыняа тип титим 'уларга ёлбариб шундай дедим' (Сувр., 155); цылмыш. йа- зуқларьін аяа йада йалбару этўнў ӧкӱпӱ боіиуну кшанти цылтылар 'қилган гуноҳларини очиб, айтиб бериб, ёлбо- риб, ўтиниб тобиниб—кшанти ңилдилар' (ТТ IV, 6-7); аны кӧрӱп йдкләр бэги вайширвани, тәнри йаіилығ кӧзин йығ- лайу атаваки йәкнин ирйан ордусын кӧруп... 'уни кўриб арвоҳлар беги вайширвани тенгри ёшли кўзи билан атаваки ■арвоҳнинг ирйан ңалъасини кўриб' (ТТ X, 291-301J.

Шахсли феъл орқали ифодаланган иш-ҳаракатнинг мақ- садини, сабабини билдиради: әнди тзнрим йазуңда бошуну ютўнўрбиз 'энди тангрим гуноҳлардан кечир деб ўтинамиз'' (Хуаст., 118); алы йарлыцады 'олишга буюрди' (ПВ., 135); кӧрсәтў йарлықады 'сақлашга буюрди' (Сувр., 156); цылу кэл 'қилишга келди' (ТТ 111, 106).

Шахсли иш-ҳаракатнинг бажарилиш усулини билдиради: згирә тоқыди 'ңувиб ўлтирди' (КТб., 32); мунялайу йығ• лады 'дод-войлаб йиғлади' (Сувр., 627); йашын йутуну цатунын ӧтләйў иняа тип тади 'ёшини оңизмай (тўхтатиб), дотинини юпатиб шундай деди' (Сувр., t22).

Бу равишдош формалари синоним ва маънолари бир-би- •рига зид бўлган ҳаракатнинг жуфт ҳолда келганини кўрса- тади: ӧлу йитў (КТб., 31); тирў ӧлў (КТб., 28); йитинў йаратуну (КТб., 29); ырлайу бўдийў (ТТ X, 143); улыйу еығтайу (Сувр., 625): тэбрәйў цамиіайу (ТТ X, 210).

Кўмакчи феъллар билан келиб қўшма феъл ясайди: йў- рә кэл- (ПМК., 35); уш бар- (КТб., 30); адырылу бар- (ЕнПТ., 56); али бәр- (МН., 19); қықыра бәр- (Сувр., 156).

*-ғалы, -гэли, -қалы, -кәли.* Равишдошнинг *-ғалы, -гәли* шакллари кўп, *-қалы, -кәла* формалари эса кам уч- райди: *йайқалы, сатцалы, тутқалы, ӧриткдли, битит- мәли, истәдкәли.* каби.

Бу равишдош шахсли феъл томонидан ифодаланган иш- ҳаракатнинг маңсади, сабабини билдиради: Тўр будун олур- ғали, тўрк цаған олурғалы (Тон., 61); саняғалы тўшўр- тимиз (Тон., 62); йулғалы барды (МН., 17); тынлығлар арасынта издәткәли, ытды 'жониворлар орасидан ңидир- гани юборди' (Сувр., 156); цылыяын саняғалы оғрады 'ңи- лич билан санчгани отилди' (ТТ X, 356).

-ғалы, -гәла, -қальі, -кәли равишдоши одатда шахсли 4>еълдан олдин қўлланади. Айрим ўринларда шахсли феъл- дан кейин ҳам келади. Бу ҳол асосан шеърий парчаларда' келади: сини, цамағун таплаты бәг цылғалы 'ҳамма сени бек қилиб сайлади/ (ТТ I, 10); анунтумуз, сизинә асра кӧ- нӱлин йўкўнгәлп 'сенга итоатли кўнгил билан ҳурмат кўр~ сатгани ҳозирландик' (ТТ III, 3).

*-маты, -мәти*, *-мады, -мәди, -матын, -мәтин*, *-мадын, -мэдин,* Бу равишдош шаклларидан *-маты, -Ma­rtin, -мады, -мәдитт* истеъмол доираси тор, *-матын, -мәтин, -мадын, -мғдинтпт* истеъмол доираси кенг бўлган.

-мапгы, -мәтпи шаклининг маъноси -п, -у билан ясалга» равишдошнинг инкор маъносига тўғри келади: сәкиз оғуз пгоцуз mamap цалматы кдлти, 'саккиз ўғуз, тўққиз татар қолмай келди' (ПМК., 35); тӱн удыматы, кӱнтӱз олур- маты 'тунда ухламай, кундузи ўтирмай' (Тон., 64).

-матын, -мәтин, -мадын, -мәдин формалари ҳам инкор маъносида келади: сабын алматын... арылтығ 'сў- зига қулоқ солмай ҳоридик (КТм,. 28); оруқупуз учын бул- мадын улышығ сансарта цалтымз 'сенинг йўлингнинг учини (бошини) топмасдан ўралган Сансарда ңолдик' (ТТ III, 4-6); йәмә бир цодматын тугәл санаб алтымыз. 'деч нарса ңўймасдан тўла санаб олдик' (Юр., II, 206.);: тиләп, истәп булматын, йандуру йана кәлап 'ахтариб,. излаб топмай яна қайтиб келиб' (Сувр., 156).

Баъзан қўшма сўз ҳосил қилади: бплип бплмәтин '6\\- либ билмасдан' (Хуаст., 118).

-мадын, -мэдпн, -матын, -мзгппн формаларининг- фонетик вариаыти сифатида -мэйын, -мәйпн шакллари ҳам учрайди: цанын болмайын, Табғаяда адрылты '(Турк ҳал- қи) хоңони бўлмай Табғочдан айрилди' (Тон., 61); ңалдур- майын 'қолдирмай' (USp., 6).

-ын, -йын, -йин,. Равишдошнинг бу формаси саноқли феълларда учрайди: туйун 'билиб' (КТб., 35); тийин 'деб' (КТб., 29).

Текстларда тийин лексик элементга айланиб, қўшма гапда бир қатор функцияда ңўлланади[[35]](#footnote-35).

-ғынча, -гинчә, -цьшча, -кинчә. Бу равишдош фор- малари руник обидалар тилида ңўлланмайди Бу равишдош ҳа- ракатнинг бажарилиш пайтини билдиради: кӧзўг йумуп ач- цыняа 'кўз юмиб очгунча' (ТТ VIII, 152); кўяи йитгутә 'кучи етгунча' (ТТ V, A 73); тўгғгитә (Сувр., 36); ынан- маңыняа 'ишонмагунча' (Сувр., 162); кәлгинчә 'келгунча'’ (U III, 81); ынанмағыняа 'инонмагунча' (ТТ I, 10); бэргин- яә 'бергунча' (Юр., XX VII, 215) каби.

ФЕЪЛ ДАРАЖАЛАРИ

Даража категорияси иш-ҳаракатнинг бажарувчига бўлган- муиосабатини кўрсатади. Бу муносабат феъл ўзаги ёки феъл. ўзагига қўшилган махсус аффикслар орқали ифодаланади.. Даража категорияси феълдан феъл ясовчи аффикслар орқали. ҳосил бўлади[[36]](#footnote-36).

БОШ ДАРАЖА

Феълнинг бош даражаси махсус аффиксга эга бўлмай,. ҳаракатнинг эга билан ифодаланган шахс ёки предмет то- монидан бажарилганлигини ёки бажарилмаганлигини кўрса- тади. Феъл ўзаклари орқали ифодаланган маънога қараб феъллар ўтимли ёки ўтимсиз группаларни ташкил этади. Эски ёдгорликларда ўтимли ва утимсиз феъллар ҳали тўла шаклланмаган бир ҳолатда бўлган. Ўтимсиз феъллар ўтимли- феъллар каби тушум келишиги билак бошңариш хусусиятига эга бўлган. Масалан: йиряа, йир танылып боғузланты 'йўл кўрсатувчи йўлдан адашиб, ўлимга дучор бўлди' (Тон., 62); балгә Тонуцуц Ӧпіӱкән йәраг қонмыш 'билимли Тўнюқуң Ўтикан ерига ңонди 'Ўтикан ерни жой қилиб тан- лади' (Тон., 62); Кӧгмэн йашығ йорып 'Кўгман авомига бориб' (КТб., 32).

ЎЗЛИК ДАРАЖА

Эски ёдгорликларда ўзлик даража феъл ўзаклари унли: билан тамом бўлганда -н ва феъл ўзаги ундош билан та- мом бўлганда -ун (цолун-), -ӱн (кӧрӱн-), -ын (ңылын-), -ин (билин-) қўшимчаси билан ҳосил қилинади. Айрим ўринларда -л аффикси ҳам ўзлик даража мазмунини ҳосил. қилади.

XI аср тилига бағишланган баъзи тадқиқотларда -лан аффикси ўзлик даража ясовчи ңўшимчалар ңаторига кири- лади. Ўрни билан ўзлик даража аффикси ҳам мажҳуллик: маъиосида келади.

Маълумки, ҳозирги кўпчилик туркий тилларда феъл ўзагида -л ёки ўзакнинг сўнгги бўғинида -л ундоши бўлган- да мажҳул даража -н орңали ясалади. Текширилаётган давр ёдгорликларида айрим ўринда -н, айрим ўринда,-л ишлатил- ган: ңылын- (КТб.,); цылыл- (ТТ VIII); алын- (Сувр.,); алыл- (ТТ VIII) каби.

Мажҳул даража аффикслари модал мазмунни ифодалай- ди: ачыл- (ТТ I, 7); йаныл- 'янглишмоқ' (КТб.,28); ўкўл- 'кўпаймоқ', (Тон., 63); йўрәким йарыл- (Сувр., 625); йўрә- ким йарылып (U III, 18); бузул- (Сувр., 613); тәлин (ТТ' I, 8); цонрул- 'ўтмас бўлмоқ, тушиб кетмоқ' (Сувр., 627) каби.

Мажҳуллик маънони англатади:з/7шл- 'қилинмоң' (ЕнПТ. 73), сачылып йатур (Сувр., 625); йоқару цоды йайылты йайқалты (Сувр, 617); эд тавар сачылур (ТТ I, 10).

Мажҳул даража аффикси ўзлик маънода: адырылғай 'айрилгай' (Хуаст., 118);адырылтым 'айрилдим' (ЕнПТ.,80); адырындым 'айрилдим' (ЕнПТ., 63) каби.

Бу давр обидалар тилида саноқли феъллар билан бирлә кўмакчили конструкдия учрайди. Табғач будун бирлә тўз- әлтим 'Хитой халңи билан қўшилдим' (АТб., 28); Оғуз бу- дун тоцуз — татар бирлә тирилип кәлта 'оғуз халқи тўқңиз татар билан ңўшилиб келди' (МН., 17); Кәйрд ба- шынта ӱч Биркӱдә цан сӱси бирлә цатылтым 'r-эйра бу- лоғи бошида уч Биркуда хон лашкари билан қўшилдим' (ПМК); ӧг цан барлә цатылтымыз эрсәр 'она билан бирик- сак' (ТТ IV, 35-36).

Мисолларда бирлэ биргалик маъносида келиб, иассив конструкдия ҳосил қилмайди. Пассив конструкция ӱзә кў- макчиси ёрдамида ясалади: булун йынац барча бўтўрў царарды қара тўмән ўзэ ӧртўлди 'бутун ер юзи қорайди, қора туман бирлан қопланди' (Сувр., 617); йити әнўкләри әмгәк ўзә сықылып 'еттита болалари қийинчилик билан си- қилиб' (Сувр., 610); ачығы ўзә тыцылып 'аччиғи билан: тиқилиб' (Сувр., 622).

Ёдгорликларда -қ, -к, -сың, -йық, -дық (вариантлари) аффиксларнинг истеъмол доираси жуда тор бўлган: оцын урсуңмыіи 'ўң билан урилган' (Сувр., 625); кишикә мў алсыцды 'одам томонидан олинди' (Юр., I, 203); инчкўн. мәнин бултуқмаз 'тинчлик шодлик (сенга) топилмас' (ТТ I, 7);

тилади. Ўзлик даражага -лан қўшимчасини киритиб бўл- майди, чунки -лан махсус отдан феъл ясовчи аффиксдир[[37]](#footnote-37).

Ўзлик даража аффикси феъл ўзаги орқали англашилган иш-ҳаракатнинг эга томонидан бажарилганлигини ва ҳаракат бажарувчининг ўзига қаратилганини англатади: ӧзим сантым 'ўзим ңайғу чекдим' (КТб., 33); бурхонларца ынантымыз тайантьімыз (Хуаст., 118); алтун, әлиг, кәиіиг бэлимтә бантым 'олтинли эллик белбоғни белимга боғладим' (ЕнПТ., 17); эми, ӧкӱнӱрбиз билинўрбаз 'энди ўкинамиз, тан оламиз' (ТТ IV, 32).

Иш-ҳаракатнинг доираси чекланганлигини, медиал маъ- нони англатади: әр оғлы ӧгирә сәбинў кәлир 'эр ўғли қу- вониб, Єевиниб келур' (Гкн.,82); бир балыц цапығи кӧзўн- ти 'бир шаҳар дарвозаси кўринди' (Сувр., 156).

Мазкур маъно айниқса турфон, манихей обидалар тилида тез-тез учраб туради: ўзкўнгдә тнридәм ңут буйан ут- мац йигәдмәк китўн орнанты 'олдингдатангри бахт-саода- ти, ютуң ва ғалаба ўз-ўзидан ўрин олди' (ТТ 192-3); қатун. 'қощишмоң' (ТТ I, 15); ӧртән 'ўртанмоң' (ТТ IV, 1)

Ўзлик даража мажҳуллик мазмунида: йазуқда боіиунға- ли 'гуноҳдан бўшангани' (Хуаст., 119); нә басыналым 'ни- ма учун енгилайлик' (Тон., 63); боғинг чуғунг йолунтьі 'боғинг талон-торож қилинди' (ТТ I, 7). -

Феъл орқали ифодаланган маъно ўзлик даража аффикси қўшилгандан кейин ҳам ўзгарімайди: ағрынмац 'оғримоң' (Сувр., 156); кўн тәнри кўлўнти чәригинг ўзә 'Кунтанг- ри аскарларингдан кулди' (ТТ I, 8).

Ёдгорликларда ўзлик даража аффикси феъл ўзаги орңа- ли ифодаланган семантикани назарга олмаган ҳолда ңўши- лаверади: кәнрэн- 'фарёд ңилмоң'; алцын- 'ишдан чиқмоң, ҳоримоқ' йазын- 'гуноҳ қилмоқ'; ӧртӧн- 'ўртанмоқ'; цар- ған- 'ңарғамоң'; билин- 'ўрганмоң, билмоқ'; тапин- та- бын- 'топинмоң'; цолун- 'ўзига сўрамоң, тиланмоқ' каби.

МАЖҲУЛ ДАРАЖА

Ёдномаларда мажҳул даража -л (феъл ўзаги унлига ту- галганда), -ул, -ӱл, -ыл, -ил (феъл ўзаги ундошга тугал- ганда), -қ, -к, -сық, -туқ, -тӱк аффикслари орңали яса-

Ёдгорликларда орттирма даража қуйидаги аффикслар орңали ҳосил қилинади: *-т-, -ут-,* -ј*)т-, -ыт-, -ит-; -р-, -УР-, -ӰР-, -ыр-, -up-, -тур-, -тўр-, -дир-, -дур-, -дўр-- -ғур-, -гӱр-, -ңур-\ -3-, -тыз-, -кит- -чар-* каби.

-т аффикси асосан унли товуш билан тугаган икки бў- ғинли феъл ўзакларига қўшилиб келади: йарат- 'яратмоң', тўгәт- 'тугатмоқ7, ағрыт- 'оғритмоқ'', сӱләт- 'лашкар тортмоқ', йорут- 'юритмоқ', зксӱт- 'камайтмоқ', тартыт- 'торттирмоқ' (U III, 84-15).

Ёдномаларда унли товуш билан тамом бўлган уч ва ун- дан ортиқ бўғинли феълларга -т орттирилиши характерли эмас. Мазкур форманинг ундош билан тугагам феълларга ңўшилиши жуда кам учрайди: сғвит-, басыт-, йӱгӱрт ӧлутағыт- каби.

-р- (вариантлари) аффикси л, г, т, иі, с, д, и, н каби ундошлар билан тамом бўлган бир ва икки бўғинли феъл- ларга ңўшилиб келган: кәлӱрӧлўр-, кӧнӱр- (ТТ I, 18); кўйўр-, олур-, тәгӱр-, тўшўр-, кәяўр-, артур-, туғур- 'туғмоқ' (U III, 21-11); бўтўр- 'битирмоң' (ТТ III, 139); то- ғур- 'тикламоқ' (ТТ III, 60) каби. Орттирма даражанинг маз- кур формаси асосан ўтимли феълларни ясайди.

-тур- (вариантлари) аффикси тарихан -т- ва -р шакл- ларининг бирикишидан ҳосил бўлган. Бу давр ёдгорликла- рида ушбу аффикснинг истеъмол доираси -т- ва -р- аф- фиксларига ңараганда торроқ бўлган. Руник ёдномалар тилида -тур-, -тўр- вариантлари турфон, уйғур, манихей ёдномаларида -тур-, -тўр- ва дур-, -дўр- вариантлари параллел ңўлланган: йўкўнтўр-, ӧглэнтўр-, йантур-, йан- дур-, әшитдўр-, уртур-, ӧнтўр-, 'йўқотмоң' (ТТ III, 122); цантур-, билтӱр-, иринтӱр- 'ёмон ңилмоқ' (ТТ IV, 17) каби.

-3-, -ңур-, -ғур-, -гўр-, -тыз-, -кит-, -чир- каби аф- фиксларнинг истеъмол доираси бу давр ёдномаларида тор бўлган: ўтуз- 'ютқизмоң', тутуз- 'тутңазмоң' (U III, 29, ТТ III, 57); алтыз- 'олдирмоң'; турңур- 'турғизмоқ' (ТТ III, О III); турғур- 'турғизмоң', тиргўр- 'тирилтирмоң', бэлгўр- 'билдирмоң', озқур- 'бўшатмоң' (ТТ III, 47); кӧркит- 'кўр- сатмоқ' (ТТ 111,58); турқур- (ТТ V, 8; 55 )\йатғур- 'ётқиз- моң7, (U III, 14-7); азғур- 'бўшатмоқ7 (ТТ III, 119); кўлчир- 'кулдирмоқ' (LJ III, 21; 9; ТТХ, 25) каби.

Келтирилган мисоллардан кўриниб турибдики, баъзи феълларга орттирма даражанинг турли формалари ңўшила ■олади. Бунга яна ңуйидаги феълларни кўрсатиш мумкин:

<ӧлўр-, сықыр-, сығур- 'йиғмоқ' (ТТ III, 100, 119);

кӧркит-, кӧргит- (ТТ III 58, 73) каби.

Саноқли феълларда бир ўзакка икки орттирма даража аффиксининг қўшилиб келиши ҳам учрайди. Бу ҳолда маъ- но ўзгармайди: бэлгўрт- (U III 12-7); кәлӱр,-кәлӱрт- 'кел- тирмок' (ТТ III, 38, 12-16), анцыттыр- 'бўйсундирмоқ'

(ТТ 111, 78);

Орттирма даража объектга бўлган интенсив йўналишни билдиради. Бу маъно ўтимли ва соф орттирма маъноларни ўз ичига олади. Орттирма даража асосан шу икки маънода келади: цырцыз қағанын ӧлўртўмўз (Тон., 63); тылығ .кзлўрти 'айғоқчини келтирди' (Тон., 63); анар адынчығ туркутынуз 'унга бошқа тоғни турғаздингиз' (ТТ III, 54); аны нәгӱлӱк кәлўртўнўзләр 'нимага уни келтирдингизлар'' ^Сувр., 156).

Айрим ўринларда орттирма даража аффиксларининг се- мантикаси ўзлик-мажҳул даража аффикслари ифодалаган маънога тўғри келади: тәнриләрдә арьтд&ишз'тангрилар- дан ңутулдик' (Хуаст,, 118); әкисин ӧзи алтызди 'иккиси- нк ўзи олдирди' (КТб.); ӧчкә қанқа сәвинтмииі әртин 'онанг ва отанг севишар эди'(Сувр., 619); кииіи кўчи. қӧрасар йад кшиикә басытур 'киши кучи қуриганда, тамом бўлган- да, ёт киши томонидан енгилади' (ТТ I, 9); бу ырц кимкә кэлсәр сўдә әрсәр санчытур 'бу белги кимга келса (тегса), урушда бўлса санчилади' (ТТ I, 9); ынағы титир 'ишончли дейилади' (ТТ IV, 2) каби.

БИРГАЛИК ДАРАЖА

Биргалик даража -ш (-уш, -ӱш, -ыш, -иш) аффикси орқали ҳосил бўлади. Бу даражанинг маъноси иш-ҳаракат- нинг бир неча шахс ўртасида бўлганини, бирликда бажарил- •ганлигини ва ҳаракаткинг бажарилишида бир неча субъект иштирок қилганини кўрсатади: Утру ики, айлығ киши. оғ- лин соқуиімыш. 'сўнгра у икки ойлик болани учратди' (Гкн., 80); ӧз кӧнўлләрин — тэкисақынмышсавларын сӧз- лэшип...'ўз кўнгилларидаги ўйлаган сўзларини сўзлашиб'... (Сувр., 609); биш йәк талашур ўчўзўт ӧкләшўр 'бешжин талашмоқда, уч арвоҳ олишмоңда' (ТТ I, 8).

Ўрхун-енисей обидаларидан сўнгроқ ёзилган ёдномалар- да мазкур маънода келган феълларда -лар, -ләр аффикси қўллана бошлайди: дьіндарлар бирлә сӧзләшдиләр (ТТ, I, 28); .нәнгәштиләр (ПВ., 135).

Биргалик даража бирлә, бирлән кўмакчилари биланиш- латилганда комитатив маънода келади. Бирлә кўмакчилиг биргалик даражанинг конструкцияси қадимдан мавжуддир: Изгил будун бирлә сӱнӱіидимиз 'Изгил халңи билан уруш- дик' (КТб., 32).

Биргалик даража интенсив, медиал маънода келади: ол сӱг анта йоңцыиідым 'ңўшинларни ўша ерда йўқ қилдим' (МН., 16). Икка кӧнӱл царышды 'икки кўнгил ранжиди' (ТТ I, 9) каби.

Шуни қайд қилиш керакки, ёдгорликларда бир неча да- ража кўрсаткичи бир ўзакка қўшилиб келади-' йаратын,- 'яратилмоқ' (ТТ III, 79); соқлун- 'суқилмоқ' (ТТ III, 55); цатрун- 'қотирмоң' йӱрэки қатрунуп 'юрагини қаттиқ ңи- либ' (U III. 15-10); йапшын- 'ёпишмоқ' (U III, 32; 25); ту- дултур- 'асир қилмоң' (ТТ III, 79).

ФЕЪЛЛАРНИНГ ЯСАЛИШИ

Феъллар икки йўл билан ясалади: морфологик ва син- тактик. Феъл ясашдә бу икки усулдан морфологик йўл би- лан феъл ясаш обидаларда маҳсулдор ҳисобланади.

Морфологик усул билан феъл ясашда аффикслар ңатна- шиб, улар маҳсулдорлиги, янги феъл ясашда актив ишти- рок ңилиши ёки кам унумлилигига қараб иккига бўлинади.. Қуйидаги аффикслар феъл ясашда иштирок қилади.

-ла, -лә: бу аффикс экг актив сўз ясовчилар қаторига? киради ва кўпгина маънони англатади: бошла- сўлә- 'ңўшив. тортмоң'; сӧзлә- 'сўзламоқ'; бәдизлә- 'нақшламоқ7.

-ад, -әд: бунад- 'ңийналмоқ'; йигәд- 'яхшиламоқ' цу- тад- 'бахтли бўлмоқ, ңилмоқ'; йағыд- 'душман бўлмоқ';; кӧкәд- 'кўкка кўтармоқ'.

-а, -ә, -ы, -и, -у, -ӱ: атан- 'шуҳрат қозонмоқ'; аша- 'емоң'; мўнрәмәк ынчықламақ (жуфт. Сувр., 12); ула- 'ула- моц'\мўнрә- 'дод-вой қилмоқ'; тилә- 'истамоқ7; тӱл тўшз- 'туш кўрмоқ'; сығытпа- -йиғламоц'; бошу- 'бўшалмоқ'; цу- ру- 'қўримоқ'; тару- 'тораймоң'; уйу- 'ухламоқ'; ари- 'иримоң'; оцы-, оцу- 'ўқимоқ'; қаньі-, цана- 'ңонамоқ'; Қli­ny- 'кенгаймоң' каби.

-қ, -к: ташық- 'тошиқмоң, ташқарига чиқмоқ'; антыц- 'онт ичмоқ'; тағыц- 'тоңқа кўтарилмоң'; йолыц- 'йўлиқмоқ';; ичик- 'бўйсунмоқ, ичкарига кирмоң' каби.

-та, -тә, -да, -дә; унтэ- 'ундамоқ'; истә- 'изламоң';; алта- 'алдамоқ' каби.

-ка, -кә, ^ға, -гә: иринчкә- 'марҳамат этмоқ, ғам емоқ':, цурға- 'ңуримоқ'; йарлығқа-, йарлықа- 'буюрмоқ'; кинәш-

'кЄНГЭШМОң';

-ғар, -гар, -кар, -кғр: кӧнўлкэр- 'ўйламоң'; тўпкәр- 'охирига етказмоң'; биргәр- 'бирлаштирмоң'; цодъщартур- 'пастлатмоқ'; чьінғар- 'ростламоң'; тӧзкәр- 'асосламоң'; башғар• 'бошқармоқ'; ичкәр- 'ичкарилатмоц' каби.

-қыр, -кир, -қур, -кур,-ғыр,-ғур, -гўр, -гир: ңыјйјқыр 'қийқирмоқ', айқыр-'ҳайқирмоқ'; йанғур-, йачқыр-, йан- қурт-'янгратмоқ' каби.

-л, -ал, -әл (<а+л) тӱзәл- 'тузатмоқ'; онал- 'яхшиламоң'; йоцлун- 'йўңотмоқ'; тусул- 'фойдаланмоқ' каби.

-са, -сә, -сы, -си, -сын, -син: барығса- 'бормоқчи бўл- моң'; кӧрўгсэ- 'кўрмоқчи бўлмоқ'; әрксин- 'куч касб этмоң' каби.

-сыра, -сирә: ӧгсирэ-, тынсыра- 'беҳуш бўлмоқ'; ца- ғансыра- 'хоңонсиз бўлмоқ'; илсирэ- 'элсиз бўлмоң'; инч- сирә- 'тинчликни йўңотмоқ'; татығсира- 'бирор нарсанинг мазасини йўңотмоң, тотсизланмоқ' каби.

-ра^ -рә: кӧкрә- 'гулдирамоқ'; кәкрэш- 'ҳиддатланмоң' каби.

-р: йаныр- 'янгилатмоң' каби.

-шўр, -шур: кәниіӱр-, кәкшўр- 'уришмоқ, хафа қилмоқ'; йоншур- 'гижгижламоқ, олқишламоқ' каби.

-мсын, -мсин: цылымсын-'ңилимсинмоқ'; бәгимсин-

'бек бўлишга ҳаракат қилмоқ'; атақымсын- 'шуҳрат қозо- ниш учун ҳаракат ңилмоқ' каби.

-лаш, -ләш: ӧгләш- 'ўйлашмоқ'; кәниләш- 'кенгашмоқ'; -лан, -лән'- ашлан- 'банд бўлмоқ, мафтун бўлмоң'; йарықлан- 'чулдур кийим киймоқ' каби.

Ёдномаларда бир группа феъллар мавжудки, булар ба- жарувчи асосий феълларга қўшимча маъно оттенкаларини бериб ңўшма феъллар ҳосил ңилади. Етакчи феълга ңўшим- ча маъно оттенкалари ңуйидаги кўмакчи феъллар орңали бе- рилади.

-бир, -бэр 'бермоқ'; тута бир- 'ңўлламоқ' (КТб., 28); ити бир- 'жойлаштирмоң' (КТб., 28)\цазғану бир- 'эриш- моң' (Мн., 18); әиіидў бир- 'эшитмоң' (Тон., 62); сўйлэйў бир- 'уришиб бермоқ (КТб., 29); алы бир- 'олиб бермоқ' (Мн., 19); цылу бир- 'тайёрлаб бермоң' (Мн., 18); тикэ бир- 'тикламоқ' (Мн. 18); илтў би,р- 'элтиб бермоң' (ТТХ, 552); цыцыра бир- 'қичңириб бермоқ' (Сувр., 156); ача бәр- 'оч- моқ' (Ман., I, 13); йар/іықайу бәр- 'буюрмоң' (Ман., III, 25); сӧзләйў бәр- 'сўзлаб бермоқ' (Тш., 34) каби.

кәл- 'келмоқ'; йорыйу кәл- 'юриб келмоқ' (ПМК., 35); йӱрә кәл- 'йўлга тушмоқ' (ПМК.,-35; Мн., 17); тирилип кзл- 'тирилмоқ' (Сувр., 154); илтў кдл- 'ңайтиб келмоң' (Сувр., 156); кирип кәл- 'кириб келмоқ' (ТТХ, 254); йанып КдЛ- 'қайтиб келмоң' (ПВ., 134); тәркләйӱ кэл- (Гкн., 80); кӧрўп кәл- 'кўриб келмоқ' (ТТХ, 180); ақып кэл-'оқиб кет- моң' (Сувр., 621) каби.

бар- 'бормоц': адырылу бар-'ажралиб кетмоң' (ЕнПТ.,38); уча бар- 'учиб кетмоқ' (КТб., 30); ўркўп бар- 'ҳуркиб кет- моқ' (ПМК., 35); тирилип бар■ 'йиғилиб чиқмоқ' (Мн., 18); тәзип бар- 'ңочиб кетмоң' (КТб., 31); қушлайу бар- 'овла- моң' (Гкн., 83); цопупан бар- (Гкн., 83); қалыйў бар- 'қо- либ кетмоқ' (Гкн.. 82); цылийу бар- (Гкн., 83); йўгўру бар- (Гкн., 83); йорыйу бар- 'югуриб кетмоң' (Гкн., 81); учуп бар- 'учиб кетмоқ' (ТТХ, 134); йорып бар- 'юриб кетмоқ' (Сувр., 620); ӧлўп бар- 'ўлиб кетмоқ' (ТТ II, 16); ӧнўп бар- 'ташлаб кетмоқ' (U III, 10-9); ӧни ӧни тартып илтип ба- рырлар 'ҳамма томонга ташлаб кетдилар'(U III, 17-19); та- рықып бар- 'йўқолиб кетмоқ'(U III, 38, 36)-илтўбар- 'элт- моқ' (U III, 43, 5) каби.

ыт-, ыд-, 'юбормоқ': иртўрў ытымыз- 'юбордик' (КТб., 32)-,ычғыну ыдмыш 'тушкунликка келтирди' (КТб., 39); ығчыны ыд 'ҳайдатмоқ' (Онг. П., 8); айыту ы,д- 'айттир- моқ' (АГ., 129) каби.

қал- 'қолмоқ': олуру цал- 'ўтириб ңолмоқ' (ЕнПТ., 48, 95); йату ңал- 'ётиб қолмоқ' (Тон., 62; КТб., 33); туру қал- 'туриб қолмоқ' (Сувр., 618); дртип цал■ (АГ., 129) каби.

тур- 'турмо^: цолу тур- 'сўраб турмоқ' (U III, 12; 8); алтайу тур- 'алдаб турмоц' (АГ., 131); кўзәтип тур-, кӧзўнў тур- 'ңараб турмоң' (О II, 22, 6); киргәли тур- каби.

ал- 'олмоқ': қабраты ал- 'йиғмоқ' (ПМК., 34); авлапал- каби.

' олур- 'олмоқ': али олур- 'йиғиб олмоң' (Тон., 63); яӧкўдў олур- 'чўкиб кетмоқ' каби.

қод- 'қўймоқ': ӓәп ңод- 'еб ңўймоқ' (Сувр., 618); коп- лап қод- (АГҮ, 131).

тиган--. цылу тиган- 'қилиб бўлмоқ' (АГ., 130); тута тәгин, 'сақламоқ' (Сувр., 78); битийў тәгин- 'ёзиб чиң- моқ' (U II, 402) каби.

йарлықа-: әиіитў йарлықа 'эшитмоқ' (Сувр., 608); бәлтўрўі йарлиқа 'билдирмоқ' (АГ., 130) каби. йӱр-: йатып йўр- 'ётиб юрмоқ' (АГ., XI) тут: кўйў тут- 'саңлаб турмоң', алқ-:қылу алқ- 'тамомланмоқ'. кир~. севэ кир- 'севмоқ' каби феъллар.

**РАВИШ**

Ёдномалардаги равишлар иш-ҳаракатнинг бажарилиши- даги турли ҳолатларни, ҳолат ва белгининг белгисини бил- диришда ңўлланади. Равиш категориясига кирган сўзларнинг кўпчилигида равишдош ва келишиклар аффиксини кўриш мумкин. Бу сўзлар тарихан от, феъл категорияларига кир- ган бўлиб, равишдош, келишик аффикслари билан бирикиб аста-секин равишлашиб кетган.

Равишдош аффиксларини ңабул ңилиб келган феъллар- нинг равиш ҳолатига (адвербиализация) ўтганига куйидаги мисолларни келтириш мумкин: йантуру, йандуру 'яна, та- ғин' (Сувр., Юр.. I, ТТ VIII); іічкэрў 'ичкари' (Сувр., 609); бўтўрў 'тўла (Сувр., 156); анчалайу 'шундек' (ТТ IX, Сувр., 624); йана 'яна' (Сувр., ТТ); тозу тӱгәти 'тўла, батафсил' (Сувр., 624); цоды 'ңуйи' (ПМК., 35); эмти, әм- ди, эмты 'энди' (Хуаст., 117); тан ӱнтӱрӱ 'эрталаб'; ӧтрӱ 'сўнгра' (Сувр., 619); тацы 'яна' (Сувр., 158); тӱгәти 'тў- ла' (Хуаст., 119); тўзў 'тўла' (ТТ IX, 42); әдгўти 'яхши- лаб' (Хуаст., 119); титрў титирў 'алоҳида' (ТТХ, 168; Сувр., 612) -,толу 'тўла' (ТТх., 186; Сувр.); мунчулайу 'шундай қилиб' (ТТ X, 164); удышру 'бирин-кетин' (КТб., 32); сайу 'бўйлаб' (КТб., 31); ан башлайу 'энг аввал' (Сувр., 154); ташцару 'ташңари' (Сувр., 622); йумқы 'бирга' (Сувр., 623); йаіиуруқы 'яширин' (ТТ I, 29); тэгрә 'атрофдан' (ТТ I, 9); йантуру 'орңага' (ТТ I, 11); арыты 'тўла' (Сувр., 623,625); /£И<?и/?/гам'орңадан' (ТТ I, 12); ӧндўрти'олаилзн' (ТТ, 1,12; 14); узаты 'узоңдан' (ТТХ, 445); иргўрў 'даставвал' (ТТ I, 14); таштырты 'ташқаридан' (Ман. III, 19); ичкәрў 'ичкари' (U III, 10-12); ӧрў цоды 'юқори паст' (U III, 31; 8); икиләйў 'иккинчидан' (ТТ II, 84); тўкәти. 'тўла' (ТТ II, 3); ынчып 'шундай қилиб' (ПМК., 64); йанғырды 'янгидан' (ТТ I, 9);

цатығты 'ңаттиң' (Сувр., 208); аиіну 'аввал, бурун' (Ман., III, 6); йантуру 'яна' (ТТ VII, 41); анчолайу, анчу- лайу 'шунингдек' (Ман., I, 17, 24) каби.

Келишиклар аффикслари билан келган айрим сўзларда равишлашиш процесси кўринади. -н, -ин, -ын: йадағын йаланын 'яёв ва яланг^КТб., 3\)\йаңын 'яқин' (Сувр., 134);; тәркин 'тезда' (Сувр., 622); ўстӱн 'устида' (ТТ X, 208);: алтын 'остида' (ТТ X, 271); нәчўкин 'нечук' (U I, 6); ол ӧдўн 'ўша вақтда' (Сувр., 609; U III, 10; 12); йақын 'яқин' (USp., 46); қамағун 'ҳамма' (Сувр., 623); тимин 'аста-се- кин' (Сувр., 620); ӧнин онын' ҳар хил' (Сувр.); тәркин 'тезда' (Сувр.); әрксизин 'хоҳишсиз' (Сувр.); тӧрўн тоғук 'қоидага асосан' (ТТ); әдгўн 'яхшиликча'; тӧпсўзин, 'асоссиз'; чынсызын 'ңалбаки' каби.

-РУ, -РӰ> ~Ра, -рә, ӧңрд: 'олдинга' (ПМК., 34); биргэрў 'бирга' (Сувр., 623); ичрә 'ичкари' (Гкн., 84); ташра 'таш- ңари' (Сувр.); ынару бәрў (Сувр., Man., I) каби.

-та, -тә, -да, -дэ: бунда 'бу ерда' (Ман., 63); антаг анда 'у ерда' (КТм., 28); мунтада 'шунда' (U III, 21; 15); ол оғурда 'сўнгра' (ТТ X, 553); антада 'сўнг' (Ман., II, 7); анчата 'сўнгра' (Сувр., 619); цанта, цайуда каби.

-ғару, -қару, -гәру, -кәру, -қа, -кә, -ға, ~гә, -йэ~- турқару 'ҳамма ерда' (Ман., III, 45); йоқару 'юңори' (Тон., 62); йырғару 'чапга' (КТм., КТб., Ман., ПМК.); йанғару 'ён то- мон' (ТТ I, 10; 75); бирайа 'ўнгдан' (КТб., 30); цурыйа 'ғарбда' (ПМК., 35); аднағуца 'бошқача' (Ман., Ill, 21); нә- гә (КР., 10) каби.

-туң, -тўн, -дун, -дўн, -тын, -тин, -дын, -дин, -тан,

-тән, -дан,~дән: цантан 'қайдан' (КТб.); ӧнтўн 'ўнгдан' (КР., 25); цайудын (Сувр., ТТ) каби.

-ча, -чэ: мунча (Хуаст., 117); анча, бунча, шунча (КТм., 28; Ман., 17); нәчә 'кўп' (Хуаст., 120); ашнуча'даст- аввал' (Сувр., 155); антача 'яқинда' (ПВ., 135); ӧзининчд' 'ўзича' (Ман., III, 22); цанча 'қаёқңа, қаерга' (КР., 28); йыл йанынча 'йил янги бўлганча' (USp., 7) каби.

Айрим аффиксларни ңабул қилиб келган сўзлар сўзнинг такрорланиши, икки сўзнинг қўшилиши натижасида ҳам ра- вишлар ҳосил бўлган: кўндўз 'кундуз' (Сувр., ТТ); бўкўн, букўн 'бугун' (Ман., I, 31 ПВ„ 135); әртә кәд 'аввал' (Сувр., 154); кин бар 'бир кун' (Сувр., 154); толу тўкэл 'тамоман' (Сувр., 155); тусў тўкэл 'батамом' (Сувр., 154); әмтықа тәги 'ҳозиргача' (ТТ II, 40-41); әртў кич 'тез ора- да' (U III, 10-16); кўнтэмэк 'ҳар 'куни, кунда' (ТТ III, 96; Ман., III, 22); кўнтәм (ңиёсланг: биртэм (әк) кжлама II ина- ■рў бәру 'у ёкқа бу ёңңа'(и III, 42; 27); цалы 'шундай қи- .либ' (Хуаст., 118); бек 'қаттиң' (ТТ I, 8); ӧни ӧни 'аста-се- кин' (U III, 16-18; 19); ӧтрӱ ӧтрӱ 'сўнг' (Сувр., 609); топ 'тўла7 (to—р ТТ II, 20) каби.

Юқорида келтирилган мисоллардан кўриниб турибдики, равиш категориясига кирган сўзлар иш-ҳаракатнинг бажа- рилиш ҳолатини, ўрнини, пайтини, даража-миңдорини (оз, <қоп, тэлим ӧкўіи каби олмош баҳсига ңаранг) англатади.

КЎМАКЧИЛАР

Кўмакчилар асосан ўзи боғланиб келган сўздан кейиге келиб, хилма-хил маъноларни англатади. Ёдномадаги кўмак- чилар тўртга бўлинади:

1. Соф кўмакчилар
2. Ярим кўмакчилар
3. Кўмакчилашган равиш ва равишдошлар
4. Кўмакчи отлар.

Соф кўмакчилар. Соф кўмакчиларга бирлә, ўчўн, ўзз (ӧзә) кабилар кириб, булар келишик аффиксларини қабул ңилиб келмайди.

Бирлә 'билан'. Бу кўмакчи цуйидаги маьноларда келади.

Бирор иш-ҳаракатнинг бажарилишида шахс, прёдмет- ларнинг биргалигини (комитатив), бирга иштирок этганини, алоқадорлигини, даҳлдорлигини билдиради: Бииіинч дзгән- ти Кадазда оғуз бирлэ сўнўшдимиз 'бешинчи марта Эзген- ти Кадазда ўғуз билан уришдик' (КТб., 33); Илик қан ўч оғланы бирлә таштын... ' ликхон уч ўғли билан ташқа- ридан' (Сувр., 608); тапығчылары бирлә қамағун 'хизмат- чилари билан бирга' (Сувр., 623); атулайу ймә мән Ил тўзмиш бирлә 'шундай қклиб мен Элтузмиш билан' (ТТ IV, 15-16).

Иш-ҳаракатнинг бажарилишида восита, қуролни билди- ради: бадыр бирлэ он ики бадыр кӱнжад алдим 'бодир (ўлчов) билан 12 бодир кунжут олдим' (Юр., XXVII, 215);. Қууиі — тәмўр бақшытын узун цары бирлә 'Қууш—темир бахшидан узун ңарич билан'(Юр,, II, 206).

Иш-ҳаракатнинг бажарилиш ваңтини, пайтини, бир ҳара- катдан кейин иккинчи ҳаракатнинг мавжудлигини ва бирин- кетин рўй беришини билдиради: атымны әшидӱ бирлз 'отимни эшитиши билан' (Сувр., 156); муны әшитў бирл ӧк ӱркип 'буни эшитиши биланоқ ңўрқиб... '(Сувр., 621); ӧгләнў бирлэ ӧк 'ўзига келиши биланоқ... '(Сувр., 625).

Ҳаракатнинг бажарилишидаги белги, ҳолатни ва унинг таърифини кўрсатади: кӧзўнтә толу йашы бирлэ барып 'кўзида тўла ёш билан бориб '(Сувр., 622); йалын бирлэ 'оташ билан' (ПВ., 135).

Бу давр тилида тушум келишигида келган кўпгина сўзлар билан ңўлланишини ңайд қилиш лозим: ики цулын бирлә ӧл- ти (ЕнПТ., 61); цағанын бирлә (КТб., 32); Сизни бирлэ (ТТ II, I); бизни бирлә (Сувр., 620); сины бирлә (U III, 84,5); йитинч оғушутзларни бирлэ 'еттинчи авлодларингиз би- лан' (U III, 55; 11-2) каби.

учун 'учун'. Қуйидаги маъноларни билдиради: сабаб,

важ, боис; азу мун ўчўн 'ёки ңайғу (бор) учун' (Хуаст., 19); тӧрт оғлум бар ўчўн 'тўрт ўғлим бор учун' (ЕнПТ., 41); цутия бар ўчўн ўлўгим бар ўчўн 'бахтим бор учун, ома- дим бор учун' (КТб., ?>\)-,нәўчўн'үти&с&бабАт' (TTVIII, 40); нә ўчўн тисәр биз тәнри ырлығын адруц ңылмазбиз'чун- ки биз тангри сўзидан чиқмасмиз' (ТТ III, 44).

Иш-ҳаракат бирор шахсга, предметга аталганлигини, йўналганлигини, боғлиңлигини кўрсатади, әлим ўчўн 'элим учун' (ЕнПТ., 43); тўрк будун ўчўн 'турк халңи учун' (КТб., 31); тынлығлар ўчўн (Сувр., 615); Мамика қизўчўн <ТТХ, 524).

Иш-ҳаракатнинг маңсадини билдиради: әрдэмўчўнбардым 'шон-шавкат учун бордим' (ЕнПТ., 26); кӧргў ўчўн 'кўриш учун' (ТТ III, 96); нам әшитгў ўчўн 'ном эшитиш учун' (TTVIII, 13); тутқалыр ўчўн 'сақлаш учун' (Сувр., 448).

Қўшма ran структурасида эргаш гапнинг сабабини ва унинг натижасини англатади: тәнри кўч биртўк ўчўн..- 'тангри куч бергани учун'... (КТб., 29); мән ӧзўм қаған олуртуңым ўчўн... 'Мен хон бўлганим учун' (МН., 17);

ӱчӱн кўмакчиси юңоридаги мисолларда бош келишигида келган сўзлар билан ңўлланган. Ёдномаларда тушум, қа- ратқич, ўрин-пайт, восита келишикларидаги сўзлар билан ҳам келади: сәкиз адақлығ барымығ ўчўн (ЕнПТ 30); сиз- ләрни ўчўн (TTV А. 56); сизләрни ўчўн (ТТ VI , 26); ал- ты бағ будуньім кучлўгин ўчўн (ЕнПТ., 98); сэни адацлығ барымығ ўчўн 'саккиз оёқли жонли учун' (ЕнПТ., 30).

Айрим сўзлар ва сўз бирикмалари баъзан бош, баъзан тушум келишигида ўчўн кўмакчиси билан ңўлланади. Бу ҳол айниңса ўрхун-енисей текстларида учрайди: әр әрдәм ўчўн (ЕнПТ54); эр әрдэмин ӱчӱн (ЕнПТ., 62); тәнри йар- лықадуқ ўчўн (МН., 17);

ӱзә (ӧзэ). Бу кўмакчи қуйидаги маъноларни билдиради: иш-ҳаракат предметнинг устки ңисмида бўлганлигини бил- дириб, 'устйдӓ' мазмунига тўғри келади: алтун ӧрган ўзэ олурупан 'олтин тахт устида ўтириб' (Гкн., 81); тағ ўзэ йол суб кӧрўп 'тоғ устида ер сув кўриб' (Орк., 25); ал- тунлуғ ӧргин ўзә олурды 'олтин тахт устида ўтирди' (ТТ 11. 68); am, узә бинтурә 'отустига миндириб' (Тон.,62); ол тӧрудә узә әчим цаған олуртьі 'у тахтга тоғам хонбў- либ ўтйрди' (КТб., 30); топрағ ўзә топрағ ӧнди 'тупроң пайдо бўлди' (ТТ 1, 13); тон ўзэ тон кәталти 'тўн усти- га тўн кийилди' (ТТ I, 13).

Иш-ҳаракат предметга умуман йўналганлигини билдира- ди: тоцуз оғуз будун узэ ңаған олурты 'тўңңиз ўғуз хал- ңига хон бўлди' (Тон., 61); ол сӧнўк ўзэ кәмишип 'ўша сувакка ташлаб' (Сувр., 619).

Иш-ҳаракатнинг бажарилишидаги воситани билдиради: улуғ йрлықанчучы кӧнўл ўзэ (ӧзэ) 'улуғ кўтаринки руҳ билан' (ТТ 111, 18); ӧгмәк узэ 'маңтов билан' (U III, 17, 4); йилбикў ўзә йилбийў 'еллиғич билан елпиб' (Сувр., 625); ики илиги ўзэ кӧкўзин тоқыйу 'икки ңўли билан кўкси- ни уриб' (Сувр., 626); бириса уруқ ўзә бойинымыз баты 'бириси арңон билан бўйнимизни боғлади' (Сувр., 154).

Бирор нарсанинг мавжудллгини билдиради: чәчэк ўзә

толу болты 'чечак билан тўла бўлди' (Сувр.,617); әд та- вар ўзә толу алп 'бойликда жуда ңаҳрамон' (Сувр., 73).

Иш-ҳаракатнинг бажарилиш сабабини билдиради: аш ич- қў кәдим орун туіиәк am йана ңанли кӧлўк әрдани йин- чў, әд тавар ўзз тапынтым 'ош ичкилик, кийим-кечак, ўрин-тўшак, от яна арава, қимматбаҳо мол, инжу, бойлик учун топиндим' (Сувр., 613); ол тылтағ ўзә ӧгә йўкў- нурмн 'шу сабабдан кжунаман' (ТТ IX, 13); сизни аны ўзэ 'Сизни шу сабабли' (ТТ I, 7).

Ишҳарӓкатнинг пайтини, предметнинг белгисини, ңай тарзда бажарилишини кўрсатади: сатығ қылмыш кўн ўзэ 'бозор қилгаи кунда' (Юр., XIV, 210); ўркә бәлинлдйў ачы- ғы ўзә 'изтироб, ҳаяжон аламида' (Сувр., 622);

Яна бир қатор маъноларни билдиради: буларны ўзэ 'бу- лардан' (ТТ VIII, 11); Сизләрни ўзә 'сизлардан' (UIII, 14,5); чәригин ўзә кўлўнти 'аскарнинг устидан кулди' (ТТ I, 1,8) каби.

Мисолларда ӱзэ кўмакчиси бош [йил ўзә 'шамолда у (билан)' ТТ I, 77], ңаратқич [қутун ўзә 'бахтингга' ТТ, I, 8], тушум [сизни ӱзә 'сиз орңали' Ман., III, 89], ўрин-пайт {тӧрўдә ӱзә КТб., 30], чиқиш каби келишиклар билан кел- ган сўзлардан кейин қўлланади.

кин<^ка~; солиштиринг: кет (ки-\-т-\-н равишдо- ши). Бу кўмакчи кейин, сўнг, сўнгра маъносида қўллана- ди: анта кин тэнри 'ундан сўнг тангри' (ТТ II, 30); аш цылу тӱкәтмиштә кин'ош қилиб тугатгандан сўнг' (Сувр., 154); бирмиштэ кин 'бергандан сўнг' (ТТХ, 464); нзязтз кин 'шундан сўнг' (U III, 14—15); турк бурханлар- та кин интиниз 'турк бурхонлардан кейин тушдингиз' <ТТ III, 65-66).

Бу кўмакчи ўзга функцияларда ҳам келади: аз әмг&ки

бар, кан йана здгӱ болур 'озгина қийинчилиги бор, сўнгра яна эзгу бўлади' (Гкн., 84); ортущы кинки зтӧзлэртэ ^ўртадаги орқадаги вужудларида' (Тш., 194; 16).

Мазкур кўмакчининг кининтэ, кининдә шакли ҳам мав- жуд аз эрти кининдз оғулуғ йитўрдўктз (Сувр., 623); ән кининтә 'энг охирида' (Сувр., 514); кининтз 'келажак- да7 (U II 81).

киз, кәз. Бу кўмакчининг истеъмол доираси тор бўл- тан: мунтада киз (каз) 'бундан сўнг' (Сувр., 618).

кирў, кәрў. Бу кўмакчи ҳам орқа, сўнгра, кейин ка- <би маъноларни англатади: анта кэрў барып 'ундан сўнг орңага (ғарб) бориб' (ПМК., 27); кзрў, тәмир цапығцатэ- ги 'ғарбга Темир Қапиғгача' (КТб., 29); илгәрў кирў аты ишиПшлмииі 'атрофга оти эшитилган' (Ман., I, 26, 27).

тамин (<Стим, тэму>дам + ин восита келишиги): ан- чата тимин 'анчадан сўнг' (ТТ I, 21); нэязтэ кин тимик 'солдан сўнг' (Сувр., 625).

-сайу (<са + йу). Йир саӓу бармыиі 'бутун ер (юзи) бўйлаб борди' (КТб., 31); будунынсайу 'халқисари' (Тон.,61); орун орун сайу бардылар 'ҳар бир ерга бордплар' (Сувр; 622); тэбрзтўк сайу 'тебраган сайин' (ТТ I, 119).

айә. Бу кўмакчи билан маъносини англатади. Айығ то- ру ийә эврилўрлэр 'ёмон одат, истак билан ңайтишурлар' (U III, 79, 4); man ийэ асығ тусу цыл 'умид билан фойда келтир' (Сувр., 245, 22); айығ цылыня ийэ барып 'ёмоы ишлар, ңилмишлар билан бориб' (ТТ II, 195) каби.

1. Ярим кўмакчилар. Булар келишик аффиксларини қа- 'бул ңилиб келишлари мумкин.

сыңар. Бу кўмакчи вазифасида келиб томон, йўналиш каби маъноларни англатади ва бу билан келган сўз чиқиш келишигида қўлланади: ӧнтўн сынар 'олди томондан' (ТТ X, 267); ташдып сынар 'гашқаридан' (ТТ IX, 41); қоп~ тын сынар 'ҳамма томондан' (U III, 29, 2).

Шуни айтиш керакки, бу кўмакчи тўрт сони билан кел- ганда бу сон ҳам чиңиш келишиги аффиксини ңабул ңилиб> келади: тӧрттин сынар 'тўрт томондан' (Сувр., Ш1)\тӧрт.- тин сынар кӧруп 'тўрт томонга ңараб' (U III, 58, 7-8).

Баъзан сьінар ҳам чиңиш келишигида қўлланади:/гаӧ^отм«: сынартын, ӱзӱксӱз 'тўрт томондан чексиз' (U III, 24; 5-9)' тӧрт сынардин кәлти. 'тўрт томондан келди' (U III, 12-18)-

Бошланиш ўрнини билдиради: ичтин сынар 'ичидан тор- тиб' (U III, 30, 31).

Баъзан сынарқы шаклида ҳам келади: таштын сынар- цы (ТТ X, 412); ичтин сынарқы (ТТХ, 411).

йыңақ. Бу кўмакчи ўз маъно ва функцияси билан юқо- ридаги кўмакчига синонимдир: тӧртдин йынақ 'тўрт томон- дан' (U III, 27, 2); тпӧрт йынақтын (U III, 13, 13); тӧрт- дин йынацтын (U III, 11, 11-3)\ тағдын йынац 'тоғ томон- га' (Сувр., 156); қайулын йынак 'ңайси томондан' (ТТХ,. 82-4); солтун йынац 'чап томондан' (ТТХ, 159-161); тӧрт йынақ тўзўлти 'тўрт томон тузилди' (ТТ I, 22) каби.

Ара. Бу кўмакчи ўринни, пайтни билдиради- ич ара 'марказида, ичида' (ЕнПТ., 69); икин ара 'иккисининг ора- сида' (КТб.), тардум шад ара (Тон., 63); каши ара 'киши- лар орасида' (ТТ I, 13); анын ара 'шу орада' (U III, 46, 19); кэямэдин ара 'тез орада' (U III, 46; 19); кшмәдин ара, (U III, 31; 1-2); аын икин ара 'шу орада' (Сувр., 155).

Ара эгалик ва ўрин-пайт келишиги аффикслари билак қўлланади: анын арасынта 'шу орада' (U III, 41; 2-5)' анын арасынта ики йгрми 'щу орада 12' (U III, 44; 5); ца- лын цуврағ арасынта 'кўп одамлар орасида' (U 11,23, 18; U III, 53); мунун ики арасынта 'шу орада' (U II, 36; 41); тыллығлар арасынта (Сувр., 156); ӧларнын арасынта (Сувр., 612).

ӱскантә: цуврағ ўскинтә бағрын йатып 'халқи олдидЗ' бағрида ётиб' (ТТ IV, 4; 13); бодиствлар ускинтә 'бодиств- лар олдида' (U II, 79,51); анын ўстинтә 'унинг олдида' (U III, 85, 15); аллығ чәвишлиг кииіиләр алтайу турур ўскўндә 'алдамчи фирибгар кишилар (сенинг) олдингда ал- данмоқда' (ТТ I, 8).

1. Кўмакчилашган рӓвиш ва равишдошлар. Булар\* кӧрў, кӧрә (кӧр + 5\* + э): шадын кӧрӱ 'шодлигингга кўра' (USp., 44).

бәру. Бу кўмакчи бери, буён маъносида ишлатилган:: Кӧгмән йышығ бәрў кәлтимиз 'Кёгман ўрмонларидан бери келдик' (Тон.,); сансарда бәрӱ (ТТ IV., 19); иликсиздин бәрӱ 'бошланғичсизликдан бери' (Сувр., 612); ӧнрәдә бзрў 'аввалдан' (U III, 50, 10); онрәтин бәрў'авваллан' (ТТ VIII,7);. баряа бәрў кэлзўнләр 'барча буён келсинлар' (U II, 26, 6);, инәрў бэрў йорыды 'у ёққа, бу ёққа юрди' (U IV, 82); ил- китэ бэру 'бошидан' (ТТ III, 43); илкасизтэ бәрў 'азалдан' (ТТ IV, 23).

Баъзан кўмакчилик функциясини ўтамайди: Бәрў сизни дмгәттим 'ўшандан бери сизни қийнадим' (ТТ II, 37).

ынару, инәру: аз инәру бармыш 7аз илгарига борган' (Ман. I, 135, 4); бўкўнтә инәрў 'бугундан бошлаб' (U III,. 65, 23); тупрақта инзрў 'тупроқдан нари' (U III, 26; 2)..

ичрә-.сағыр илрз әлик кийик кирмиш 'чайир ичига ёв- войи кийик кирган' (Гкн., 84); супурған иярэ 'супурғаш ичида' (Ман., 6; 13).

кәрў: анда кәрў барып 'унда орқага (ғарбга) бориб' (ЕТУ 16; 138); илгәрў кәрў 'олдинга орқага' (Ман., 26; 27)..

кисрә. (<Ски-с-рә). Бу кўмакчи орқада, сўнгра, ғарб- да, ғарб каби маъноларни англатади: анда кисрә 'ундан, сўнгра' (ПМК., 28); кисрә Тардуш бәги 'орқада' (ғарбда. Тардуш беги) (МН., 18); йағру қондуңда кисрә 'яқин жой- лашгандан сўнг' (КТм; 28); кисрз кўн батысығына тәга 'орқада кун ботиши тодјон' (КТб.); антада кәсрә нә бол- ғай' ундан сўнг нима бўлади' (Хуаст., 118).

*қоды.* Бу кўмакчи *қуйи, паст, бўйлаб, ёңалаб* каби маъноларни англатади: *ўкўши Сәләнә цоды барди '*кўпж

Селенга бўйлаб борди7 (ПМК., 35); ол суб цоды бардымыз 'ўша сув ёқалаб бордик' (Тон., 62); тоған. цуиі тәнридин цоды қалмыиі 'лочин осмондан пастга тушди' (Гкн., 83);:. ймә йоцару цоды илгәрӱ кирў 'юңорига, пастга, олдинга орқага' (Ман., I, 26-26); бошларын цоды 'бошларини ңуйи' (ТС, 254-102); қыдыгдан цоды интим 'осмондан ңуйи туш- дим' (Ман., III, 23; 7); ўстўнтән цоды 'тепадан пастга' (ME., 13; 10).

тәги. Бу кўыакчи чегарани билдиради: Темир Капығгз- ча теги, 'Темир — Капиғгача' (КТб.); йышңа тәги 'аввом- гача' (Онг., II, 8); мын йил тўмән кәнкә тәги. ''минг йил туман кунгача' (Юр., XVI, 212); әмтәцатэги, 'ҳозиргача' <{TT III, 65); нәчәкә тәги 'қанчагача' (Ман., I, 16; 16); бир кӧзинә тәги 'бир кўзигача' (ТТ II, 28); йарингатэги 'эрта- лабгача' (ТТ II, 59).

Саноқли мисолларда тәги кўмакчисининг дәги. варианти ҳам учрайди: илиг бәгнин, баштьін адацынадэги, цоду йал- ғадылар 'илик бегнинг бошидан оёғигача силадилар, ардоң- ладилар' (U III, 15, 2).

Tana {man + а равишдош ясовчиси). Бу кӱмакчи ҳара- катнинг бирор томонга йўналганлигини кўрсатиб, сари, то- мон маъноларига, тўғри келади: йирпн тапа барды '(ўз)

* ерига томон борди' (ПМК., 37); атасы оғлы тапа барды 'отаси ўғли томон борди' (ПМК., 37); атасы оғлы тапа кәлмшитәк 'отаси ўғли томон келгандек' (ТТ X, 71); аны тапа барайын 'унга қараб борайин' (U III, 53); бурхан та- па 'бурхон сари' (ТТ X, 152).

Қарши маъносида: оғуз будун тапа 'ўғузларга ңарши' (КТб., 31); Табғачтапа 'Табғочларга ңарши' (КТб., 31).

Мақсад маъносида: отун сансар тапа тоғмыиі тғг му 'гўё гуноҳли Сансар учун туғилгандекми' (U III, 20; 3) иг тапа кӧрәрсән 'касал тўғрисида сўрасанг' (ТТ I, 10).

утру {-утур + -у равишдош ясовчиси). Бу кўмакчи ңарши, тўғри каби маъноларда келади: сан утру йорьі-

* дым 'мен қаршисиға юрдим' (ПМК., 36);қамағ бар тамақ утру кдлир 'нима бўлсатомоққа тўғри келади' (ТТ 1,11 ;84); ғтиц утру турдачы'унинг рўпарасида туради'(UIV, A 286); йўзўмўз утру 'бизга қарши' (ТТ II, 6); йўзўн утру' юзи олдида' (Ман., 22);

Бу кўмакчи „Ирқ битиг“да ўрта маъносида келади: кўн утру (отру) йўтўрўк тўп отру цанта 'кун ўртасида (тушда) ҳориди, ярим кечаси ңонга (бўялади)' (Гкн., 82); утру (отру) йирдэ сооқушмыш 'йўл ўртасида учрашди' (Гкн., 83).

Баъзан эгалик, келишик аффиксларини қабул қилиб ке- лади: утрунда асығ тусу йитэрў кэлти 'сенга томон етарли фойда келди' (ТТ I, 11),

Ӧтру, ӧтӱрӱ (<отур + ӱ равишдош ясовчи). Бир во- ;ңеа, ҳодисадан кейин иккинчисининг бошланганлигини бил- .диради: анта ӧтрў 'ундан кейин' (Тон., Сувр., ТТХ); ай- ■ӧуқта ӧтру...,' айтгандан сўнг' (ТТ II, 53); илтдўктә ӧт- рў... 'элтгандан сўнг../ (Сувр., 154); тәгдўктә ӧтрў... 'элт- гандан сўнг' (Сувр., 154); тәгдўктә б/и/?у../теккандан сўнг../ . (Сувр., 616).

Бу кўмакчи кўпинча- -дўктә, -дуқта формасидан ке- йин келади. Қўшма ran таркибида ңўлланиб, сўнг, кейин, маъносидаги боғловчи вазифасини ўтайди: ӧтру (қаранг:; U III, 5; ТТ II, 8-9; Сувр., 62).

ӧткўрў (<ӧткур, ӧтғур -}- У равишдош формаси). Бу кўмакчи шакл ва келиб чиңиш жиҳатидан юқорида келти- рилган ӧтру кўмакчисига ўхшаса ҳам лекин маънода фарк- ланади. Бу кўмакчи сабабидан, сабабли, туфайли, ор- қасада, учун, кўра\ натажасида, оқабатида каби маъноларни англатади: навыиіма-цынгтын ӧткӱрӱ 'ңовуш- ганлиги туфайли' (Сувр., 52); ол оқ тылтағтын, ӧткўрў 'у асослар, сабаблар орқасида' (Сувр., 118) кўчәдтўкинтә ӧткўрў 'кучайгани сабабли' (U III, 5).

*баса (<бас + а) бу савнын. баса сонынта 'бу* сўзнинг охирида' (Сувр., 611).

*ташқару (<ташқар* *\-у) балықтын, ташқару ӧнўп*

шаҳардан ташңари чиқиб' (Сувр., 100-22).

кидан. Бу кўмакчи ҳам орқа, кейан, ғарб каби маъ- ноларда ишлатилади: Сәләнә кидин 'Селенгадан кейин'

(ПМК., 35); кидин йинақ йўзләнип байақы тәг 'сўнг юз- ланиб боягидек' (ТТ I, 10; 99); ӧнтўн кидин сатығқа йулуғңа барсар бай олур 'шарңңа, ғарбга савдо-сотиқ ңил- са, бой бўлади' (PP., 26-1).

Баъзан эгалик, келишик аффиксларини ңабул ңилади:: анда удуқ баиі кидинтә.. 'ўща (жойда) Удуқ бошнинг ғар- бида' (ПМК.), балықнъін кидинтә туруп 'шаҳарнинг орңа- сида туриб' (U IV, 8-2).

*кидирта*: *кидирти тәбрәмииі* 'орьада тебрамиш'

(ТТ I, 132) улайу- (<ула 4- йў равишдош формаси). Бу кўмакчи маъносида қ\ччланади: ӧгўм ңатун улайу ӧгләрим әкәлэрим... 'онам — бегим каби оналарим акаларим' (КТб.,33).

улаты «улат -f ы равишдош формаси). Ӱгли цанлы улаты киши оғул 'она ва ота шунингдек қиз (хотйн) ва ўғил' (Сувр., 554); ӧлум ӧлўрмәткә улаты тоцуз карма- путлар 'ўлимдан бошқа тўққиз Кармапаіха' (ТТ IV, 11);; йўз мин тўмдн улаты 'юз минг туман каби' (TTV, А67);, улаты (ТТ VI, 77) каби.

баиілайу, башлаб (<.башла + йу; башла + 6): қа- ным ңағанңа. башлайу 'хон отам бошчилигида' (КТб., 30);; татабы будун башлайу 'Татаби халңи бошчилигида' (КТб.,33);0/геуз әриг башлайу '30 эр бошчилигида' (ЕнПТ., 63); мьісыр башлаб 'мисир бошчилигида' (Юр., II, 206).

башаду (<башад -[- у): Ласун Тай — Сәнун башаду 'Ли- сун — Тай — Сенгун бошчилигида' (Мн., 18).

<TT III, 65); нәчәкә тәга 'қанчагача' (Ман., I, 16; 16); бир кӧзинә тэги 'бир кўзигача' (ТТ II, 28); йарынгатәги 'эрта- лабгача' (ТТ II, 59).

Саноқли мисолларда тәги кўмакчисининг дэги варианти ҳам учрайди: илиг бәгнин баштын адақынадәги, ңоду йал- ғадылар 'илик бегнинг бошидан оёғигача силадилар, ардоқ- .ладилар' (U III, 15, 2).

Tana (man + а равишдош ясовчиси). Бу кўмакчи ҳара- катнинг бирор томонга йўналганлигини кўрсатиб, сари, то- мон маъноларига. тўғри келади: йирин тапа барды '(ўз) ерига томон борди' (ПМК., 37); атасы оғлы тапа барды 'отаси ўғли томон борди' (ПМК., 37); атасы оғли тапа кәлмшитәк 'отаси ўғли томон келгандек' (ТТ X, 71); аны тапа барайын 'унга қараб борайин' (U III, 53); бурхан та- па 'бурхон сари' (ТТ X, 152).

Қарши маъносида: оғуз будун тапа 'ўғузларга ңарши' ’(КТб., 31); Табғач тапа 'Табғочларга ңарши' (КТб., 31).

Мақсад маъносида: отун сансар тапа тоғмыш тэг му 'гўё гуноҳли Сансар учун туғилгандекми' (U III, 20; 3) иг тапа кӧрәрсэн 'касал тўғрисида сўрасанг' (ТТ I, 10).

утру (-утур + -у равишдош ясовчиси). Бу кўмакчи қарши, тўғри каби маъноларда келади: сән утру йоры- дым 'мен ңаршисира юрдим' (ПМК., 36)-,қамағ бар тамақ утру кэлир 'нима бўлсатомоққа тўғрикелади' (ТТ 1,11 ;84); лниқ утру турдачи 'унинг рўпарасида туради' (0 IV, A 286); йўзўмўз утру 'бизга карши' (ТТ II, 6); йўзўн утру' юзи олдида' (Ман., 22);

Бу кўмакчи „Ирқ битиг“да ўрта маъносида келади: кўн утру (отру) йўтўрўк тўн отру қанта 'кун ўртасида (тушда) ҳориди, ярим кечаси қонга (бўялади)' (Гкн., 82); утру (отру) йирдэ сооқуіимьии 'йўл ўртасида учрашди' (Гкн., 83).

Баъзан эгалик, келишик аффиксларини қабул қилиб ке- лади: утрунда асьіғ тусу йитәрў кәлти 'сенга томон етарли фойда келди' (ТТ I, 11),

Ӧтру, ӧтӱрӱ (<отур + ў равишдош ясовчи). Бир во- қеа, ҳодисадан кейин иккинчисининг бошланганлигини бил- диради: анта ӧтрў 'ундан кейин' (Тон., Сувр., ТТХ); ай- ӧуқт,а ӧтру...,' айтгандан сўнг' (ТТ II, 53); илтдўктә ӧт- рў... 'элтгандан сўнг../ (Сувр., 154); тәгдўктә ӧтрў... 'элт- гандан сўнг' (Сувр., 154); тәгдўктә ӧ/и/?у../теккандан сўнг../ , '(Сувр., 616).

Бу кўмакчи кўпинча- -дўктә, -дуқта формасидан ке- йин келади. Қўшма ran таркибида ңўлланиб, сўнг, кейин маъносидаги боғловчи вазифасини ўтайди: ӧтру (қаранг:: U III, 5; ТТ II, 8-9; Сувр., 62).

ӧткўрӱ (<ӧткур, ӧтғур -ј- у равишдош формаси). Бу кўмакчи шакл ва келиб чиқиш жиҳатидан юқорида келти- рилган ӧтру кўмакчисига ўхшаса ҳам лекин маънода фарк- ланади. Бу кўмакчи сабабидан, сабабла, туфайли, ор- қасида, учун, кўра-, натижасида, оқибатида каби маъноларни англатади: навыиіма-цынгтын ӧткӱрӱ 'қовуш- ганлиги туфайли' (Сувр., 52); ол оқ тилтағтын ӧткўрў 'у асослар, сабаблар орқасида' (Сувр., 118) кўчәдтўкинтә- ӧткўрў 'кучайгани сабабли' (U III, 5).

баса (<бас + а) бу савнын, баса сонынта 'бу сўзнинг охирида' (Сувр., 611).

ташқару (<ташңар — + у) балықтын ташңару ӧнўп шаҳардан ташңари чиқиб' (Сувр., 100-22).

кидан. Бу кўмакчи ҳам орқа, кейин, ғарб каби маъ- ноларда ишлатилади: Сәлэнә кидин 'Селенгадан кейин'

(ПМК., 35); кидин йинақ йўзлэнип байацы тәг 'сўнг юз- ланиб боягидек' (ТТ I, 10; 99); ӧнтўн кидин сатығқа йулуғқа борсар бай олур 'шарңқа, ғарбга савдо-сотиқ ңил- са, бой бўлади' (PP., 26-1).

Баъзан эгалик, келишик аффиксларини ңабул қилади: анда удуқ баш кидинтә.. 'ўша (жойда) Удуқ бошнинг ғар- бида' (ПМК.), балықнын, кидинтғ туруп 'шаҳарнинг орңа- сида туриб' (U IV, 8-2).

кидиртії. кидирти тәбрәмииі 'орьада тебрамиш' (ТТ I, 132) улайу- (<ула +- йӱ равишдош формаси). Бу кўмакчи маъносида ңўтіланади: ӧгўм цатун, улайу ӧглэрим. әкәләрим... 'онам — бегим каби оналарим акаларим' (КТб.,33).

улаты «улат.ы равишдош формаси). %гли цанлы улатьі киши оғул 'она ва ота шунингдек ңиз (хотйн) ва. ўғил' (Сувр., 554); ӧлум ӧлўрмәткә улаты тоңуз карна- путлар 'ўлимдан бошңа тўққиз Кармапаіха' (ТТ IV, 11);; йўз мин тӱмән. улаты 'юз минг туман каби' (TTV, A67); улаты (ТТ VI, 77) каби.

башлайу, башлаб (<башла + йу; башла + б)\ ца- ным қағанқа башлайу 'хон отам бошчилигида' (КТб., 30);; татабы будун баиілайу 'Татаби халқи бошчилигида' (КТб.,33);0/геуз зриг баиілайу '30 эр бошчилигида' (ЕнПТ., 63); мысыр башлаб 'мисир бошчилигида' (Юр., II, 206).

башаду (<башад + у): Лисун Тай — Сәнун башаду’]1и- сун — Тай — Сенгун бошчилигида' (Мн., 18).

баша (<.башаі; анта баша тӧрт йинағтацы 'ўшандан бошлаб тўрт томондаги' (U III, 54, 5).

*кәчэ (<кәч -\- ә): йиняў ӧгўзўг кәяә тэмир цапығца ліәги сӱләдимиз* 'Инжу дарёсини кечиб Темир Қапиғгача қўшин тортдик' (КТб.).

*аша (<јхш-\- а) \ кӧгмэн аша ңырқыз тәги* 'Кёгманни ўтиб қирғиз еригача' (КТб).

ашну (<уашун +у): башда ашну ииіләтӱрләр 'боши- ,дан ишлатадилар' (ТТ V, 58).

ӧңи «ӧң—и) \ Мунтада ӧни 'бундан бошқа' (ME., 13,22); бурхантын ӧни 'бурхандэн ўзга' (U II, 32, 63); тылта- ғыядын ӧна 'сабабинг, важингдан бошқа' (ТТ V, 13, 40).

ыйын, ийин, авин (<«#, ив- + ин): цылмыш ишлэрин ьійын (ийин) 'қилган ишларига кўра' (Сувр., 624); кӧнул ийин 'истагича' (ТТ II, 13-26); ӧд ийин, 'ваңтига кўра' (Сувр., 596).

адып (<ад - , 4 ын\ солиштиринг: айни, ўзгармоқ, ай- нимоң) мунтадын адын 'бундан бошқа, ўзга' (Сувр., 627); эдгў қылынята адын 'эзгу ишдан ўзга' (U II, 80; 62).

Бу сўз равиш ва сифат вазифасида ҳам қўлланган: адын- та 'иккинчидан'; адин киши 'бошқа киши' (UI, IV).

тәгрә, тәгарә (<Стагар-ә): йағымыз тәгрә 'душмани- :миз атрофда' (Тон., 61); әтӧзўн тәгрә 'вужудингда' (ТТ I, 219).

Баъзан -ки аффиксини қабул қилади тәгрәни будун 'ат- рофдаги халқ' (ТТ V, 41); кэнт тәгрәки 'шаҳар атрофида- ги' (ТТ X, 12); тәгрәки тапығяылар 'атрофдаги хизматчи- лар' (U II, 22; 2); яна: йоғун тулуцлар тэгрәсиндә.

йоқару, йўгәрӱ (йоңар -+- у равишдош формаси). Бу сўз равиш, кўмакчи каби функцияларда келади: кӧзи йўгәрў кӧрти 'кўзни юқорига ңаратди' (ПМК.); тиз йоцару билә- кзтәги 'тиззадан юқори билаккача' (ТТ V, 4, 4); башын йоқары кӧтўрўп 'бошини юқорига кўтариб' (Ман., I, 6; 1).

ташқару, ташғару (<ташқар-, ташғар -f- у). таиі- ғару илиняўкә 'ташқари томоша — сайрга' (PP., 17, I); ба- лыцтын ташғару ӧнўп 'шаҳардан ташқарига чиқиб' (Сувр., 1C0).

онгару (онғар 4- у): ўя йолы онгәрў тәгзинмәк 'уч мар- та олдида айланмоқ' (U II, 41; 17).

1. Кўмакчи отлар. Булар ўзларининг мустақил маъно- ларини ҳам сақлайди, келишиклар билан ҳам турланади.

башынта. бы ырң башынта аз әмгәки. бар 'бу фол бошида озгина қийинчилиги бор' (Гкн., 84); кзйрә башынта 'қайра бошида' (ПМК,, 35).

ал\ ңум алына илинсәр 'ңум тагида илинса' (Ман.,37, 4); <алтын ануқын 'остидаги Ануқ' (U III, 20, 6); алтьін йал- муқ 'остида инсон' (U IV, 28, 12-3); орнағлығ орун алын- та 'яхши ер остида' (ТТ I, 12; 130).

асра: кӱн тәнри асрасынта ағналым 'кун тангри бў- сағасига (ўзимизни) ташлайлик' (USp., 177; 3); асра йир ^пастки ер' (КТб.,); асра атын 'тубан отинг' (ТТ I, 7-7).

*йўз- йағыз йир йӱзи йаиіарды кӧклэди* 'ер юзи яшарди жўклади' (ТТ I, 7).

кўч: ол анын кўяинтә 'шу туфайли' (Сувр., 156). оғур: ағрығ оғрынта 'оғриғ туфайли' (Сувр.); ӧз альім- чиларнын оғурынта 'ўз қасд ңилувчиларинг туфайли' <Сувр., 165).

ичинтә: тӱргэиі әл ичинтэ 'Тургаш халқи ичида' (ЕнГіТ., 67). кӧгмән ияантә 'кӱчманда' (ПМК., 36); битиг ияинтэ 'китоб ичида' (Сувр., 155); тағ ияинтд ики йәк бар 'тоғда икки арвоҳ бор' (ТТ I, 9); ол цудуғ ияинтз (ПВ., 135); бир бӧк ияинә илтип 'бир зиндон ичига элтиб' (Сувр., 156); там ияинтә 'уйда' (ТТ I, 9); штинсиз 'ичи- данэмас' (ТТ VIII, 8).

йан: ймә кимавант тағ йаньінта Тимавант тоғ ёнида' 4U Ш. 30; 21); бәрӱ йанисынта 'бери ёнида' (Сувр.,44; 15).

йир: тағ йиринтэ тағ ӧнти 'тоғ ўрнига тоғ пайдо бўл- ди, унди' (ТТ I, 8).

ӧрунта: тынқулуқ орунта 'тирик жанвор ўрнида' (ТТ III,, 110).

ӧдўнтә: бурханлар ӧдинтә ном әрдини ӧдӱнтә бурсон әрдини ӧдинтә 'Бурханлар олдида, ңимматбаҳо номлар (қо- нунлар) олдида, ңадрли жамоа олдида' (ТТ IV, 16-17); ўя зрдини ӧдинтэ 'уч кимматбаҳо (нарса) олдида' (ТТ IV, 6).

ич- ияин ташын 'ичини устини' (Тон., 61); оруқунуз уяы 'йўлингни учи' (ТТ III, 24); тинтә бәкләдиләр 'ичига •солдилар' (Сувр., 110; 21); балық ияинтә (PP., 44; 21); ия~ тин синар (Ман , III, 9); ичтирти 'ичига' (ТТ V, 8, 54).

тӧпў: кӧк сачын тӧпўсинтә 'кўк сочини тепасида'

<{U III, М 84-10),

ӧң’ сизин онўнўздә 'сизнинг олдингизда'(Man., III, 24,4). ўст: сол қолынын ўстинтә базун 'сўл ^ўлинг устига •боғлансин' (U, 51); ўстўнки алтики таплады 'устидаги, остидаги розилигини берди' (ТТ I, 12); ўстўн тәнри 'усти- да тангри' (U IV, 28, 12-3); бироқ ўстўқдән 'фақаг юңсри- дан' (Ман., III, 23-24).

соң' сон йорьшу 'сўнг юриб' (Юр., I, 202); мунта (н) сон 'бундан кейин' (Юр., I, 202); анта сон 'ундан кейин' (Юр., I, 202); Бу савнын сонынта 'бу гапнинг охирида' (Сувр,, 611).

Кейинги мисолда сон изофат сўзи олдидаги сўз бйлан,. эгалик кўрсаткичи билан боғланган. оғрынта'- низванлар оғрынта 'низванлар таъсирида' (ТТ IV, 11); алымяыларнын оғурынта'олувчилар туфайлиг (Сувр., 155).

ӧтрў■ анта ӧтрӱ 'шундан сўнг' (Сувр., 607); анта әт- ру батра қатун 'шундан сўнг Батра хоним (U III, 54). ӧтинтә: ўя эрдини ӧтинтә'уч хазина туфайли'(Сувр.)„ тылтаңынта-. кин бир туіита ңыз ашы тылтақын- та 'бир кун ңиз оши сабабли' (Сувр., 154).

тоға: Кйгмән йашығ тоға йорып 'Кёгмен ўрмонига тўғри (ңараб) юриб' (ЕТУ, I Д 35; 1, 45).

арқа: арцада 'орқадан' (Тон., 61); узун саяын кидик арқасынта итип 'узун сочини орңасига ташлаб' (UII, 25,15)..

арт: саяларын артларында птдип 'сочларини орқала- рига ташлаб' (U IV, 8; 38).

орту. биргәрў кўн ортусынару 'жанубда кун ўртасида' (КТм., 37); кўн орту 'тушда' (ГКн., 74); тўн орту 'ярим кечаси' (Гкн., 36); ол кӧл ортасынта 'у кўл ўртасида" (ТТ V, 12; 125); ики ортун эрңәк 'ўртадаги икки бармоқни; (ТТ V, 8; 55). '

таш\ ияин ташын 'ичини ташқарисини' (КТб.); балығ таштын 'шаҳардан ташңари' (PP., 17, 2); таштан 'ташқа- ридан' (Ман., I, 16; 5); таштирти 'ташқарида' (Ман., III,. 19; 12); йальінўз ташынта 'ёлғиз ташңарида' (Сувр., 154)..

БОҒЛОВЧИЛАР

Гап бўлаклари ёки қўшма гапнинг ңисмларини боғлаш учун хизмат қилувчи ёрдамчи сўзлар ёдномаларда кичик бир группани ташкил этади.

йәмә; йәмә йәмә (С. Е. М а л о в: ещё, также; В. В.Рад- лов, П. Мелиоранский: Bee; В. М. Н а с и л о в: и, так- же, ещё).

Бу сўз кўп функцияга эга:

равиш функцияси: биз йәмә сӱләдимиз 'биз яна уриш- дик' (Тон. 64); йәмэ илки 'яна аввалги' (Хуаст., 117)-,йыл- қы йәмә кӧтӱрӱ уматтын турур 'яна йилңи кўтара ол- масдан турибди' (ПВ., 155) каби.

сўнгги воңеа-ҳодисани англатиш учун қўлланади: бир йәмә 'биринчи ңуйидагидан иборат' (Хуаст.. 117); бир йи- гирминч йәмә 'ўн биринчи ңуйидагидан иборат'(Хуаст., 118); алтыт йәмэ 'олтинчи ңуйидагича' (Хуаст., 117) каби.

кучайтириш маъносида: буйуруқты бәглэри йэмә ӧлти 'буйруңчиси ва беклари ҳам ўлди' (КТб., 30); олйәмә Ма- ғаради 'ўша мағаради' (Сувр., 607);цилынч ймә ӧкўиітўр- лўг эрўр 'ңилмиш ҳам кўп турли бўлади' (U III, 14);

боғлаш маъносида: *Қол цара энч цара йәмэ Мысыр* 'Қўлқора, энг ңора ва Мисир' (Юр., II, 206); *сақынчын сӧ- зин цылытын йәмә қӧзин кӧрўп* 'фикри, сўзи, қилмиши ва кўзи билан кўриб' (Хуаст., 119); *ӧтўндиләр ймә айқырды- лар* 'ўтиндилар ва ҳайңирдилар' (ТТ II, 82*)\нэ йма тынлығ- лар* 'ва агар сувдаги жонлилар' (ТТ IV, 8*)\ймә қамағ улуғ ймэ цунчуйлар тайшылар улуғ атлғлар башлағучы улуғ кичиг цамғ будун той қапғына тәги бардьілар* (ТТ 11,64-65) каби.

қиёслаш функциясида: бурсан қуврағлар ймэ кшанти бәрдиләр 'баъзи қубрағлар (община)каби кшанти бердилар' (ТТ IV, 7-8).

Уюшиқ бўлакли гапларнинг кесими инкор маъносини англатиб келганда ймә ймә боғловчиси на,.. на, ҳам функ- циясини бажаради: ил йәмә, будун йэмә йоқ әртәяи әрти 'на давлат, на халқ бор бўлар эди' (Тон., 64); бод йэмэ бу- дун йәмэ, киши йәмә ида йоқ әртәчи эрти 'давлат ҳам, халқ ҳам, инсон ҳам, бошлиқ ҳам йӱқ эди' (Тон., 64); Сан- сарца йимэ илинмдз кирванқа йимә будулмаз '(Тангриба- дисатва) Сансарга ҳам эгилмайди, Нирванга ҳам букилма-- ди' (Сувр,, 373); улуғ иіи кӧдӱг ймә ӧгрӱнглӱг әрмэз кишг иш кӧтўгләр ймә будун әрмәз 'улуғ ишлар ҳам севинчли эмас, кичик ишлар ҳам амалга ошмаяпти7 (ТТ V, 10) каби.

Уюшиқ гапнинг кесими инкор бўлмагантақдирдаайирув- чи маъносини билдиради: Тўрк будун йәмә булғаня ол, пги- мииі, оғузы йәмә тарканя ол — тимиш 'турк халқи васва- ғада цолди, ўгуз халци эса тарқалди' (Тон., 62).

Юқоридӓ кёлтирилган мисоллардан кўринадики, *йэмә, ймэ ймә, йимә* боғловчиси отдан (*барс йәмә\йолтайәмд\он*- *луцлар ііәмэ),* ӧлмошдан *{мин йғмә, биз йәмә.ол йғмә),*сондан (і*икинти йдмә\ алпгыня йәмә),* феълдан (*ӧтўнӧиләр йәмә),* равишдан (*буняа йәмэ*, *йана йэмэ)* сўнг қўлланади. Баъзан сўзларнинг бошида келищи мумкин: *йәмә игидин* 'яна кў- тарилинг' (МН., 19); *йәмә ңән ол айьіғ цылытнун әм- тыцы тәг Дцвлақ тўшин утлысын, билмәмә эртим* (Сувр., 158); *йэмә бароқ қылмадымыз әрсәр* 'ва агар қилма- ган булсак эди' (ТТ IV, 25) каби. ,

-ма, -мә: бизмәўбиз ҳам' (ME, 8); негўкә мә 'нима учун ҳам' (USp.f 12); бу йәркә ким ким мә 'бу ерда кимда ким' (Юр., II, 206).; ол битмгни ма бәшмкэ бцртим 'у хатни ҳам бсгп.\:г:і. бердим' (Юр., I, 202); Тигәй тайшы ма тақы ӧзгә кашиләр '!Тигай тайши ва бошқа кишилар' (Юр., 1,202) каби. , ү ■- •

азу, азуу, асу. Азу бу сабымда игид барғу 'ахир бу еўзимда хато борми?' (К'Тм., 28); азу мун ўяўн азу басу биргэла қьізғанып 'еки қайғу учун, ёки қурбон беришга қизғаниб (Хуает,: 119); азу біізан. әмрэк ӧкўнўмаз 'ёхуд биз- нинг. севйкли боламиз' (Сувр., 622); азу йәмә тииіи тынлығқа бутулмӓц йапшынмак оғырынта 'ёки аёлларга ёпишганим учуМ' (Сувр.,! 402); азу әзруа тнринин. му ӧруньш пьиләй- ўр сн' ёки Азруа тайгрйнинг ўрвиними истайсан' (UIII, 61; 5).

*азуў., аЗӱу азуллйт йзу улўғ баяағ кўн азў кияиг ба- яағ кўнкэ* (ТТ II, 13); *азу бағу борлуцы тарығ... йа бэ- дўк бдргзн цатығ цағалын. тоқып...* (ТТ I V, 5-7).

, абам агар абам ■. бир адаңын сысар 'агар бир оёңини синдирса' (ТТ I, 15).

ара... ара: ара кўн тоғмыиі бусанч ара мәни, кәл- мииі\ 'гоҳи кун туққанда (эрталаб) қайғу, гоҳи шодлик кел- гандаі/ (Гкн., 80).

та, тә, да, дә: оғлы та цаған болмыш 'ўғли хоқон бўлган шекилли' (КТб.) нэчә тә кин тимин ӧгләнипбир оз- дан сўнг аста-секин ўзига келиб' (Сувр., 619; 620); бизни та адын ким- болғай 'биздан яна ўзга ким бўлади' (Сувр., 611); вжыр да ймә цатығрац 'ва яна диамантдан ңаттиқроң' <U III, 26; 58) каби.

-лы, -ла: бу боғловчи текширилаётган давр тилида кенг истеъмолда бўлган инли әчала 'кичик ука, ини ва ака' (КТб.. 29); бзгли будунлы 'бек ва халң' (КТб., 29); тӱнли кўнліі 'тун ва кун' (МН., 19); туруц буқалы сәмиз буцалы 'озғин буқа ва семиз буңа' (Тон., 61); кулсабади хатун лы випулачантра тигин ли булар иккикӱ мәнинләр ол 'Қумбади хотун ва Випулачантра тигин булар иккови ме- никидир/ (U III, 27; 15-16); ӧтли, сувлы 'ўт ва сув' (ТТ VI, 64); адығлы тонузлы 'айиқ ва тўнғиз' (Гкн., 80)-,бәгли цатун- лы әшитип 'бек ва унинг хотини эшитиб' (Сувр., 625); тэрсли онлы әдгӱли айығлы 'тескари ё ўнг, яхши ё ёмон' <ТТ VI, 196);

Баъзи ўринда -лы, -ли ңўшимчаларидан сўнг келишик аффикси келиши мумкин: тәнрили йирлидә 'осмон ва ер- да' (ТТ VI, 02).

кам: бу боғловчининг фуикцияси турли синтактик му- носабатларни кўрсатишдан иборатдир. Ким қүшма ran тар- кибида мустаңил гапнинг изоҳлаш, аниңлаш, ўзи орқали муносабатга киришган гапни тобелик ҳолатини кўрсатиш учун ишлатилади.

Ким сўзининг боғловчилик функдияси руник обидалар тидида учрамайди. Мазкур боғловчи сўнгрок бошңа, чунон- чи санскрит, хитой, тўхор каби тиллардан ңилинган таржи- ма асарлар тилида кенг равишда учрайди. Бу ҳолат эски •ёдномалар тилига, айниңса, таржима асарларга юңорида са- наб ўтилган тилларнинг бевосита таъсири борлигидан келиб чиқади. Қуйида ким боғловчиси билан келган мисолларнинг баъзиларини келтирамиз.

ймә бу тӧрт арығ дындарлар ким тавғач йирантә әрўрлэр 'бу тўрт пок диндорларки, Табғоч еридандирлар' <ТТ II, 12-13); ол тылтағын ким инчә діиидти 'шу сабаб- лики, ңуйидагиларни эшитди' (ТТ II, 31); ол айағ цылынч йоқ ким биз цилмадимыз әрсәр 'ҳеч бир ёмон ишлар йўқ- ки, ібиз қилмасак' (ТТ IV, 23); йарынға тэги улуғ ӧгрӱнч «огирмәк ким ӧгирди сәеанти 'эрталабгача катта шодиёна бўлдики, (ҳамма) севинди, қувонди' (ТТ II, 59-6®); Бурхак цуты нәгӱ болурким ни ӱчӱн исиг ӧзўнгин ыдалайур сн- 'Бурхон бахти қандай бўлурки,(ўша бахт учун) ўз ҳаётинг- дан кечмоқдасан' (U III, 71; 26-7) каби.

Кам „Олтун ёруқ“, манихей, уйғур, турфон текстларид» кенг истеъмолда бўлган боғловчи саналади (ңаранг: Сувр.„ 609; 175; 155; 154; ПВ„ 134; Хуаст., 117; ТТ VIII, 50, 19;: ТТХ, 501 кабилар).

тақьі: тангунтан маныстан тацы кичиг динтар 'тан- гунтан, манистан ва кичик диндор' (Гкн., 85); тақы ур 'ва яна ур' (Гкн., 82); аны кӧрўп тақы артуқрақ 'уни кўриб>- ва яна ортщроқ' (Сувр., 621);мунтада адын тацы ӧни аш, ичкў йоң 'бундан ўзга яна бошқа озиқ-овқат йўң' (Сувр.„. 610); тақы йэмэ мэн. кәлтим 'мен яна ҳам келдим' (ТТ II, і\)\ тацы йзмә 'ва бошқа' (ТТ IV, 33); бу мунтағ цы- лынчын ўз ўтўнуз башунмағай таңы дыңа дындар қэл - гэй 'бундай ңилмиши ўз вужудини озод ңилмайди ва диқ® диндор келмайди' (ТТ II, 45-46) каби.

Айрим ўринларда дағы шаклга ҳам эга: дағы 'ва' (U III, 55).

Ёдномалар тилида боғловчи вазифасида ти- феълида» ясалган равишдошлар пгип, тәйин, тийин. кенг истеъмол- да бўлган[[38]](#footnote-38).

УНДОВЛАР

Ёдномаларда кичик бир гуруҳ сўзлар борки, булар ҳис- ҳаяжон, туйғу, кишининг турли кечинмалари ва эмоцияла- рини англатиш учун хизмат қилади. Буларга ыйу — эвоҳ: йыта —- афсус; a — эй; ай — a — о; ай — эй; у — эй; ай — эй кабилар киради. Мисоллар: сәкиз оғлум адырылдым ыйу 'саккиз ўғлимдан айрилдим, эвоҳ' (ЕнПТ., 35. В. В. Р а дл о в йыу сўзини равишдош деб изоҳ беради); адырылтым Pu­ma 'мен ўлдим, афсус' (ЕнПТ., 55); кӱн ай азыдым йыта 'ңуёш ва ойни кўрмас бўлдим, афсус' (ЕнПТ., 80); ііа Қў— may 'эй Кю — тау' (Сувр., 156); ай эра 'эй эр, баҳодир' (Сувр., 155); ail әдгўләрим 'эй' эзгуларим! (Сувр., 155); ай — а 'эйГ (ТТ X, 24); анча-ку (ПВ., 135); қамағ сингил- ләрим-а! 'ҳаммаси сингилларим! (U III, 14;17); ун анаяым—а! 'эй менинг онажоним' (U III, 9;2) каби.

**ЮКЛАМАЛАР**

Юкламалар тузилиши жиҳатидан иккига бўлинади: соф юкламалар ва аффикс характерига эга бўлган юкламалар. Соф юкламаларга нә, ош, чў, кўк кабилар киради.

Аффикс характерига эга бўлган *му, мў; ңына*, *кинә*, *цыа, кийә, киа, каә, аң, оқ, агў, кўк* кабилар.

нэ\ нә ймә мән Ил Тузмиш бирлә 'ва мен Элтузмиш билан' (ТТ IV, 19); бу савығ нә зшитпў бирлэ 'бу сўзни эшитиш билан' (Сувр., 155) каби.

ош || уш кучайтириш юкламаси. Руник обидалар тилида учрамайди.

кўк: Бу сўз С. Е. Малов ва А. Габэнларнинг фикрича, ҳаракатнинг бажарилишидаги тахмин ва имкониятни кўр- сатади.

В. В. Радлов кўк сўзини кучайтириш маъносида келади деб таъкидлайди. Бизнингча ҳам кўк кучайтириш маъноси- га эга: цая нән әрсәр ӧлӱртпэяи кӱк /нима бўлса ҳам ўл- диради, албатта' (Тон., 62)\қая нән әрсәр бизни ӧлӱртәяи, кӱк 'нима бўлса ҳам бизни ўлдиради' (Тон., 63); йандуц йолтпа йәмә ӧлти. кӱк 'қувланган йўлда ўлди' (Тон., 62) каби.

Гў: Гӱ йаңылтаяы сиз 'ахир сиз янглишасиз' (КТм., 28).

-му, -мў\ бу юклама отдан [ңаған му, кшиикә мў\, феъл- дан сўнг келиб, сўроқ мазмунини англатади: бар му нэ 'борми ахир?' (Тон., 62); Қаған му цысайын. 'хоңонга раҳм қилайми' (Тон., 61); ириня тынлығ болғай му 'бахтсиз жонлилар топиладими' (Сувр., 610); киши кэ мӱ алсыцды 'кишига олдирдими' (Юр., I, 203); аяығ болур му 'очиқ, бўлурми' (ТТ I, 14); алқанмазму /йўқолмасми?/ (TTIII.65).

Сўроқ юкламасидан сўнг баъзан предикативлик аффикс- лари ңўлланади: ыяцынмыш эргәй мӱ биз 'йўқотдикми' (Сувр., 622); аняа ймә цутлуғ цывлығ әрмәз мӱ мән 'ахир мен шундай бахтли ва олқишга сазовор эмасманми' (UIII, 85-5).

-қына, -кинә, -ғина, -гинә. Бу кжлама чегаралаш маъ- носида келади: аз қына 'озгина' (Тон., 61);илтмәзкина 'ҳа- ли олиб бормасдан' (Сувр., 154); он кўн әртмәз кинә 'ўн кун ўтмасдан' (Сувр., 154); ашнуцына 'ҳозиргина'(ТТI, 13); әмтыцына 'эндигина' (ТТ I, 13) каби.

-ңыа, -киа, -қыйа, -кийә. Бу кжлама юқоридаги юк- ламанинг фонетик вариантидир: ўчәгў бирлэ кийә 'учови бирла' (Сувр., 620); азцыйа 'озгина' (Сувр., 61 ь); биркийә 'биргина' (Кр., 19); әдгўкийэ 'яхшигина' (U 111,31; 11) каби.

оқ, ӧк. Бу юклама ёдномалар тилида кенг истеъмолда бўлган оқ, ӧк юкламасининг асосий семантикаси кучайти- риш, айириш, чегаралаш каби маъноларни англатишдан иборат бўлган.

Отлардан сўнг келади: цуруғ сӧнўкләри ӧк туру цалты 'қуруң суякларгина қолди' (Сувр., 618); бақиіынун оқ 'бах- шини ҳам' (Сувр.).

Олмошлардан сўнг келади: ол оқ тўн 'ўша тун' (Тон., 63); булар оқ 'худди булар' (U 111, 25; 3); бу оң 'бугина' (U III, 43;11); кднтў ӧзи ӧк 'фақат ўзи' (U III, 20;8);

равиш билан: йәнз ӧк 'яна' (U III, 12-6); ырақтын оқ 'узоқдан' (U III, 70;4); анта оқ 'шундан сўнг' (0 III, 18;4) каби.

Боғловчилар билан: йәнә ӧк 'тез орада' (ТТ IX,). Сифатдошлар ва феъллар билан: ӧғузуғ ӧлўртэш ӧк 'ўғузларни ўлдиради' (Тон., 61); кэлўртим ӧк 'келтирдим' (Тон., 62) каби.

Равишдошларга қўшилиб, иш-ҳаракатнинг бирин-кетин, тез орада содир бўлишини кўрсатади:. аны, кӧрўп ӧк 'уни кўриши билан' (Сувр., 619); йалын қылыч тутуп оц ўзкә- лир 'яланг ңилич тушибоқ узади' (ТТ I, 13) каби.

Сифатдошнинг -мыш, -маш, -дуқ, -дӱк формалари ўрин-пайт келишиги аффикси билан келганда ӧк, оқ юкла- маси иш-ҳаракатнинг бирин-кетин, тез орада содир бўлиши- ни англатади: тәнрим сизни кӧрминтә ӧк 'тангрим сизни кўриши биланоң' (ТТ III, 145); бу мунтағ савын әиштдўк- тә ӧк браманнин илгин ыдып цодты 'бү шундай сўзлар- ни эшитганда, Брахманнинг қўлини ңўйиб юборди (U III, 30; 2-3).

Ушбу маъно равишдош ва бирлә кўмакчисидан сўнг қўлланганда ҳам англашилади: бу савығ нд эшитў бирлә ӧк 'бу сўзни эшитиш биланоқ' (Сувр., 11).

Баъзан акуатив ңўшимчасидан сўнг ҳам келади: анытэг ӧк ӧкўіи тәлим браман 'ўшандек кўп брахманлар' (UIII, 12-17).

а. Бу юклама кучайтирнш, ундов мазмунида ңўлланади (ундов баҳсига қаранг).

МОДАЛ СЎЗЛАР

Модал сўзларга әринч, әрки, әркли, әркән, кэргәк кабилар киради.

Модал маъносини англатувчи дринч сўзи ўрхун-енисей обидалар тилида ңайд этилган.

Сўнгги давр ёдномаларида, Маҳмуд Кошғарийнинг „Де- вону луғотит турк“ асарида ҳам учратамиз. әринч сўзининг келиб чиқиши ҳақида бнр қатор фикрлар мавжудки, булар проф. П. М. Мелиоранскийнинг асарида келтирилган1.

’) Форма әринч в позднейшем языке как глагольная неизвестна, да и в орхонском она употребляегся только от глагола әр—„быть“; надо думать, что это — остаток какого-нибудь очень древнего образоваиия. Гіо окоичанию скорее всего ее можно было бы сблизить с именными отглагольными образованиями на -ынч, -инч, -ын+ч, -ин + ч, как на- пример, қылынч — образ действия (от цыл- или ңылын-), сәвинч- ра- дость и т. п. Интересно, что в „Кутадгу билиг“ есть слово әринччо зна- чением „спокойствие, удовольствие". He есть ли әрин своего рода воз- вратный залог от әр- „быть“—как „думать для себя, иметь досуг, от- дыхать.

Я думаю, что әринч в орхонских надписях есть именно причастие или отглагольное имя, от которого могли образовываться (а может и обра- зовывались) так называемые Nomenal formen окончательного глагола. Гіо мнению В. Томсена это — gerundium, т. е деепричастие, но мне ка- жется, что за деепричастие синтаксически эту форму принять нельзя,так как ею, по-видимому, оканчиваются самостоятельные главные предло- жения.

В. В. Радлов, наоборот, считает эринч за Verbum finitum и дает ей пе совсем для меня ясное название die Form der vollendung (форма за- вершения, совершенности). Несомненно, во всяком случае, что значение этой (быть может первоначально деепричастной) формы в большинстве мест орхонских надписей ослаблено, как выражается В. Томсен, до зна- чепия,наречия вроде того, прибавляю я от себя, как это случилось, нап- ример, в киргизском языке по крайией мере отчасти с формами „еди“ и „екан.". Точное значение подобных форм в языке определить очень труд-

П. М. Мелиоранский әринч сўзининг келиб чиңишини эр- феълига боғлаб (эр -ан -ч) В.Томсенни ўринли равиш- да танңид ңилган. Бу сўз Маҳмуд Кошғарийнинг „Девони“ да ҳам келади:

о ° 2

ј\ иринч 'маишат билан кун кечириш, яхши туриш'

демакдир. Мазкур сўз турфон, уйғур, манихей обидаларида ҳам учрайди: иринч чығай (U III, 10-3).

Баъзан иринч 'бахтсиз, кулфатли7 каби маъноларда ҳам келади: иринч ҳылып ӧлӱртӱм — 'бахтсиз ңилиб ўлдирдим' (IT II, 15).

Модал сўзи әринчта проф. С. Е. Малов берган изоқ (ітожалуй, надо думать, возможно[[39]](#footnote-39)) ҳақиқатга яңиндир. XI аср автори Маҳмуд Кошғарий әринчнинт 'эҳтимол, бал- ки, зора' каби маъноларини келтиради: ол кэлди, әринч 'балки у хелгандир7; 'у келган чщар' (МК I, 152).

Проф С. Е. Малов әринч сўзига берган изоҳида („по- жалуй, надо думать, возможно“ С. Е. Малов, Памятники древнетюркской письменности) М. Кошғарийнинг фикрига асосланиб тўғри ңилади.

Руник обидалар тилида әринч кенг истеъмӧлда бўлган: ӧзи.нинолтәңриқағанолурпгы эринч 'ўзимниу тангрихоқон қилиб тахтга ўтқазди' (КТб., 31); цаған цуты тапламды әринч 'хоқон бахтини ҳурматламади, шекилли' (МН., 17); Огуз әриг боиілайу туғқа бады әринч 'ўттиз эрни бошлаб байроңни (туғни) боғлади' (ЕнПТ., 63); йэр сут баса бәр- ти эринч 'ер кўкни босди, шекилли' (Тон., 63); баэдуқ йардэ әдгӱг ол әринч 'борган ерда бахтдир' (КТб., 30); йәг зрдўкўм ол әринч 'энгяхши ишимдир шекилли' (ЕнПТ., 44); анта кисрэ иниси әчисин тәг цилынмадуц эрит оғлы қанын тәг кчлынмадуқ эринч, билигсиз. қаған олырмыіи әринч, буйурқы йәмә билигсиз әринч йаблаң әрмииі әринч 'шундан сўнг иниси акасидек бўлмаган чиқар, ўғли хони- дек бўлмаган чиңар, билимсиз хоқон тахтга ўтирган чиқар, буюриқи ҳам билимсиз шекилли, ёмон экан шекилли' (КТб., 29) каби.

Сўнгги давр ёдномалар тилида *әранч* кам учрайди: *был- мадын уқмадын ӧкўш тўрлўг тсуп иринчу цылтымз қаз- ғантымз әрит* 'билмасдан, тушунмасдан кўп турли гуноҳ- лар, айблар ңилдик, эришдик, афсус' (ТТ IV, 22); *ол бодисатв эриня 'ү* балки Бадисатва' (Сувр., 26);

дрки 'балки'[[40]](#footnote-40). Иккиланиш, шубҳаланиш, сўроң мазмуни- ни ифодалайди. Руник обидалар тилида учрамайди. Бу сўнг- ги давр тилига характерлидир: бу нә сав әрки, 'бу сўз нима экан' (Сувр., 622); Қайтунца йарлыцады му әрки 'бекам буюрдими экан' (Сувр., 621); ким әрти әрки ӧлӱртәчи 'жаллод ким экан' (Сувр. 623); нәгў эрки әтти 'нимага экан энди' (Сувр., 621); әмты әртип цалыр әрки сән 'энди балки қарамай ўтарсан' (ТТ II, 15); алтунлуғ йитўлўгҳап йиртә йатьім йӱрӱр әрки сән 'олтинли, инжули кўп ерда ётиб (сен) юрарсан шекилли' (ТТ II, 15); йана кәлгәіі әрка 'балки яна ңайтади' (U III); цанта әрки ол 'қай ерда экав у? (U III, 45; 6) каби.

Әркән. Бу сўз ҳаракатнинг ҳолатини англатишда ишла- тилади. Қадимги ёдгорликлардан „Хуастуанифт“да қайд этил- ган. Руник обидаларида учрамайди. дркән асӧсан -р, -ӱр, -ур, -йур, -йӱр формаси билан ңўлланади ва иш-ҳаракат- нинг бажарилиш ваңтини, ҳолатини англатади: йорыйур әр- кэн 'юрар экан' (U III, 6); савлар сӧзләйў турўр әркән 'сўзлаб турган пайтда' (U III, 58); алқанур әркэн 'маҳтар экан' (Хуаст., 118); йатар әркән. 'ётар экан' (Сувр., 620) каби.

дракли. Бу сўзни проф. С. Е. Малов таржима қилмас- дан ңолдирган. П. Мелиоранский әрикли сўзини сифатдош деб тахмин қилган.

Мазкур сўз Култегин, Тўнюқуқ, Моғилонхон, Мўянчур каби обидалар тилида учрайди ва ҳолат, ваңт, пайт маъно- сини англатади: Туғ таиіыңыр эрикли йзлмә әри кәлти 'туғ (байроқ) лилар йўлга тушган пайтда отли аскарлар кел- ди' (ПМК., 35); ктә йаруң батўр эрикли сўнўшдим 'кеч қуёш ботар пайтгача уришдим' (ПМК., 35); аняа олурур әрикли оғуздан тан кӧруг кәлти 'шунча ўтирганда ўғуз- лардан жосус келди' (Тон., 61) каби.

Кәргэк: Бирор иш-ҳаракатнинг бажарилиши лозимлиги, кераклигини кўрсатади: қолмағ кәргәк әрти 'сўраш керак эди' (Хуаст., 119); сақынмыіи кәргәк 'ўйлаш керак' (Ман., Ill, 13); тутмаң кәргәк әрти 'тушиш керак эди' (Хуаст., 119); муны, билииі кәргәк 'буни билиш керак' (ТТ II, 16); муняа сақынмыш кәргәк 'шундай фикр юритиш керак' (U III, 4); кӱнжид кэргэк болды 'кунжид керак бўлди' (Юр., XXVII, 215) каби.

Мазкур сўз мустақил маънода келиши ҳам муімкин: ма- на эд тавар кәргәки. йоғ 'менга мол-мулкнинг кераги йўң' (U III, 47; 23-4).

- а, - ә

* а, ■■ д — жўналиш келишиги 32—39
* а, - э — равишдош 120
* а, - ә — феъл ясовчи аффикс 128
* ағ, - әг — от ясовчи аффикс 51
* ағ, - әг — сифат яс.овчи аффикс 56
* ағ, - әг — тушум келишиги 24—29
* ағлы, - әгли — сифатдош 116 -ағу, -әгу — жамловчи сон 73
* айым, - әйим — истак майли (I шахс кўплик) 79—80
* айын, - әйин — истак майли (I шахс кўплик) 79—80
* ак, - әк — от ясовчи аффикс 50
* ак, - әк — тушум келишиги 24—29
* ал, - эл — сифат ясовчи аффикс 56
* аласы, - әләси — жамловчи сон 73
* алым, - әлим — истак майли (I шахс кўплик) 79—80
* алың, - әлиң — истак майли (I шахс кўплик) 79—80
* ам, - әм — эгалик аффикси (I шахс бирлик) 15
* ан, - эн — восита келишиги 29—32
* ан, - зн — кўплик аффикси 14
* аң, - әң — эгалик аффикси (II шахс бирлик) 15—16
* аң(лар), - әңләр — буйруқ майли (II шахс кўплик) 81
* an, - әп — равишдош 118—119
* ар, - эр — якка сон 73

-ар, -др — феъл ясовчи аффикс 129

* ар, - әр — сифатдош 113—114
* ат, - әт — кўплик аффикси 14

б

* быз, -биз — эгалик аффикси 15

ғ, г

* ға, - гә — келаси замон (III шахс бирлик) 90
* ға, - гә — жўналиш келишиги 32—36
* гә — сифат ясовчи аффикс 56
* ғай, - гәй — келаси замон (III шахс бирлик) 89—90
* ғақ, - гәк — от ясовчи аффикс 50
* ғалы, - гәли — равишдош 121 —122
* ған, - гән — сифатдош 115
* rap, - гәр — феъл ясовчи аффикс 129
* rap, - гәр — жўналиш келишиги 32—34 -ғару, - гәру — жўналиш келишиіи 32—34
* гәт — орттирма даража 126—127
* ғы, - ги — сифат ясовчи аффикс 56
* ғыл, - гил — буйруқ майли (II шахс бирлик) 81
* ғын, - гин — от ясовчи аффикс 50
* ғыр, - гир — орттирма даража 126—127 -ғьіт,-гит — орттирма даража 126—127
* ғыч, - гич — от ясовчи аффикс 51
* ғу, - гу — сифатдош, ҳаракат номи 115—116 ,

-ғу,-гу—от ясовчи аффикс 50

* ғулуң, - гулук — сифатдош 113
* гун — жамловчи сон 73

-ғур,-гур — орттирма даража 126—427

* гусы. - гуси — сифатдош 115 -ғусу,-гусу — жамловчи сон 73
* гучы, - гучи — снфатдош, ҳаракат номи 112

Д

* да, - дә — ўрин-пайт келишиги 39—42 -даг,-дәг — акуатив формаси 44—45 -дай, -дәй — акуатив формаси 44—45 -дақ,-дәк — акуатив формаси 44—45

-дам, -дәм — ўтган замон феъл формаси (I шахс бирлик) 93—96\*

-дам, -дәш — сифат ясовчи аффикс 55—56

-дамаз, - дәмэз — ўтган замон феъл формаси (I шахс кўплик) 93—96

* дан, - дән — чиңиш келишиги 42—44
* дачы, - дәчи — сифатдош 108—109
* даш,-дәш — от ясовчи аффикс 48
* ды, - ди — ўтган замон (III шахс бирлик, кўплик) 93—96 -дыг, - диг — ўтган замон (I—III шахс бирлик, кўплик) 97—99 :
* дық, - дик — ўтган замон (I—III шахс бирлик, кўплик) 97—99
* дылар, - диләр — ўтган замон (III шахс кўплик) 93—96 ^

-дым, -дим—-ўтган замон (I шахс бирлик) 93—96 •

* дымыз, - димиз — ўтган замон (I шахс кўплик) 93—96
* дын, - дин — чиқиш келишиги 42—44

-дыңыз, - диңиз — ўтган замон (II шахс кўплик) 93—96

* дыр, - дир — орттнрма даража 126 : ■ •
* ду, - дү — ўтган замон (II шахс бирлик) 93—96

-дуг, -дүг — ӱтган замон (I—III шахс бирлик, кӱплик) 97—99 ‘

* дуқ, - дүк — ҳаракат номи
* дуң, - дүк — ўтган замон (I—III шахс бирлик, кўплик) 97—99 у;
* дум, - дүм — ўтган замон (I шахс бирлик) 93—96 .
* дун, - дүн — чиқиш келишиги 42—44 ■ : . ф . .
* дуң, - дүң — ўтган замон (II шахс бирлик) 93—96



* дур, - дүр — орттирма даража 126

з

-з — кўплик аффикси 14

-зу, - зү — истак майли (III шахс бирлик) 79-- 80 :

* зун, - зүн — истак майли (III шахс бирлик, кўплик) 79—80

ы, и

* Ы, - и — равишдош 119—120
* ы, - и — эгалик аффикси (III шахс бирлик) 15—16
* ығ, - иг — тушум келишиги 24—25
* ығ, - иг — сифат ясовчи аффикс 56
* ығ, - иг — от ясовчи аффикс 51 -ығлы, - игли — сифатдош 112, 116
* ығма, - игмә — сифатдош 111—112
* ығчы, - игчи — ҳаракат номи
* ық, - ик — от ясовчи аффикс 51
* ық, - ик — сифат ясовчи аффикс 56
* ықлы, - икли — сифатдош 116
* ыл, - ил — сифат ясовчи аффикс 56
* ыл, - ил —- мажҳул даража 124—125
* ым, - им — эгалик аффикси (I шахс бирлик) 15—16
* ым, - им — от ясовчи аффикс 50
* ын, - ин — восита келишиги 29—32
* ын, - ин — тушум келишиги 26
* ын, - ин — сифат ясовчи аффикс 56
* ын, - ин — от ясовчи аффикс 51
* ын, - ин — ўзлик даража 123—124
* ынды — тартиб сон 71—72
* ынти — тартиб сон 71—72
* ынч, - инч — от ясовчи аффикс 50
* ынч, - инч — тартиб сон 71—73
* ың, - иң — эгалик аффикси (II шахс бирлик) 15—16
* ыңыз, - иңиз — эгалик аффикси (II шахс кўплик) 15—16
* ыңыз, - иңиз — буйруқ майли (II шахс кўплик) 80—81 -ың(лар), -иң(ләр) ■—буйруқ майли (II шахс кўплик) 80—81
* ып, - ип — равишдош 118—119
* ыпан, - ипән — равишдош 118—119
* ыр, - up — сифатдош 113—115
* ыт, - ит — кўплик аффикси 14
* ыч, - ич — от ясовчи аффикс 48
* ыил, - иш — биргалик даража 127—128

й

* йа, - йә — равишдош 120
* йақ, - йәк — от ясовчи аффикс 48—51
* йын, - йин — равишдош 122
* йу, - йү — равишдош 119—120
* йуқ, - йүк — сифатдош 107—108
* йуқ, - йүк — от ясовчи аффикс 49 -йур, -йүр — сифатдош 113—115

қ, к

* қ, -к — мажҳул даража 124—125
* қа, - кә — жўналиш келишиги 32, 35—36
* қа, - кә — келаси замон 90 -қа, -ңә — от ясовчи аффикс 51
* қақ, - кәк — от яеовчи аффикс 50
* қан, - кән — от ясовчи аффикс 51
* қар, - кәр — жўналиш келишиги 32—34
* қару, - кәру — жўналиш келишиги 32—34
* /{б(, -ки — сифат ясовчи аффикс 56
* қын, - кин — от ясовчи аффикс 51
* қыр, - кир — орттирма даража 126—127
* қыт, - кит — орттирма даража 126—127
* қу, - кү — сифатдош 115—116 -қун, -күн — от ясовчи аффикс 51
* ңур, - күр — орттирма даража 126—127

л

* ла, - лә — феъл ясовчи аффикс 128
* ла, - лә — восита келишиги 31
* ла, - лә — якка сон 73
* лағ, - лэг — сифат ясовчи аффикс 56
* лай, - ләй — якка сон 73
* лайу, - ләйү — якка сон 73
* лақ, - ләк — от ясовчи аффикс 48—51 -лар, - ләр — кўплик аффикси 12—14
* лб(, - ли — боғловчи (жуфт сўзларни) 147
* лығ, - лиг — сифат ясовчи аффикс 56
* лы/f, - лик — от ясовчи аффикс 48—50
* лым, - лим — истак майли (1 шахс кўплик) 79—80

м

* ма, - мә — от ясовчи аффикс 51
* ма, - мә — бўлишсизлик формаси 77
* ма, - мә — сифатдош 117
* маэ, - мәз — сифатдош (бўлишсиз формада) 115
* май, - мәй — равишдош (бўлишсиз формада) 122
* майын, - мәйин — равишдош (бўлишсиз формада) 122
* мақ, - мәк — инфинитив, от 51
* мән — олмош 57—58

-маңыз, -мәңиз — буйруң майли (II шахс кўплик) 80—81

* масун, - мәсүн — буйруқ майли (III шахс бирлик, кўплик) 80—81
* матын, - мәтин — равишдощ 122
* мыз, - миз — предикатив аффикси (I шахс кўплик) 78
* мыз, - миз — эгалик аффикси (I шахс кўплик) 15—16
* мыш, - миш — сифатдош 109—111
* мыш, - миш — от ясовчи аффикс 50—51
* мур, - мүр — от ясовчи аффикс 50

н

* наң, - нзң — қаратңич келишиги 21—24
* ны, - ни — тушум келишиги 24—26
* ның, - ниң — қаратқич келишиги 21—24
* нуң, - нүң — қаратқич келишиги 21—24

п

* пан, - пән — равишдош 119

р

-pa, - рә — жўналиш келишиги 35

* рар, - рэр — якка сон 73
* раң, - рәк — даража аффикси 54—55 -ру, - рү — жўналиш келишиги 35

с

* са, -сэ — шарт майли 81—85
* сақ, - сәк — сифат ясовчи аффикс 55—56
* сән — предикатив аффикси (II шахс бирлик) 78
* cap, - сәр — шарт майли 81—85
* сы, - си — эгалик аффикси (III шахс бирлик) 15—16
* сыз, - сиз — привативлик аффикси 78
* сық, - сик— мажҳул даража 124—125
* сық, - сик — сифат ясовчи аффикс 56—57
* сын, - син — буйруқ майли (III шахс бирлик, кўплик) 80—81 -су, - сү — буйруң майли (III шахс бирлик) 80—81
* суз, - сүз — привативлик аффикси 78
* сун, - сүн — буйруқ майли (III шахс) 80—81

т

-т — орттирма даража 126—127

* та, - тэ — феъл ясовчи аффикс 129
* тағ, - тәг — акуатив формаси 45—46
* тамаз, -тәмэз — ўтган замон (I шахс бирлик) 93—96
* тачы, - тәчи — сифатдош 108—109

-ты, - ти — ўтган замон (III шахс) 93—96 -тығ, -тиг — ўтган замон (II шахс) 97—99

* тым, - тим—■ ўтган замон (I шахс бирлик) 93—96
* тымыз, - тимиз — ўтган замон (I шахс кўплик) 93—96
* тын, - тин — чиқиш келишиги 42—44
* туқ, - түк — мажҳул даража 124—125
* тум, - түм — ўтган замон (I шахс бирлик) 93—96
* тумуз, - түмүз — ўтган замон (I шахс кўплик) 93—96
* туңуз, - туңуз — ўтган замон (II шахс кўплик) 93—96
* тур, - түр — орттирма даража .126—127

У. Ү

* У> -Ү — равишдош 119—121

■ У> - Ү — феъл ясовчи аффикс 128

* уб, - үб — равишдош 118—119
* уғ, - үг — от ясовчи аффикс 51
* уғ, - үг — тушум келишиги 24—29
* уғ, - үг — сифат ясовчи аффикс 56
* уғлы, - үгли — сифатдош 1 іб -уғма, үгмә — сифатдош 111—112, 116
* уз, -үз — орттирма даража 126—127
* ум, - үм — эгалик аффикси (I шахс бирлик) 15—16
* у(ма), - ү(мә) — бўлишли, бўлишсизлик формаси 77
* уқ, - үк — сифат ясовчи аффикс 56
* уқ, -үк — от ясовчи аффикс 51

-- ун, - үн — тушум келишиги 24—29

* унч, - үнч — тартиб сон 71 — 73
* ун, - үн — восита келишиги 29—32

~УЦ> 'ҮҢ — эгалик аффикси (II шахс бирлик) 15—16

* УҢ. - ҮҢ — буйруқ майли (II шахс бирлик) 80—81 ~ уң, - үң — буйруқ майли (II шахс кўплик) 80—81
* уң(лар), - үң(ләр) — буйрук майли (II шахс кўплик) 80—8!
* уңуз, - үңуз — эгалик аффикси (II шахс кўплик) 15—16
* уп, - үп — равишдош 118—119
* ур, - үр — сифатдош 113—115

~.УР’ ' ҮР — орттирма даража 126—127

ч

* ча — акуатив формаси 44—45
* чан, - чәң — сифат ясовчи аффикс 55—56
* чы, - чи — от ясовчи аффикс 47—48
* чығ, - чиг — сифат ясовчи аффикс 55
* чур, - чүр — орттирма даража 126—127

ш

-ш — биргалик даража 127—128

S

* шар, - шәр — якка сон 73

Азимов П. Туркменский язык (Словообразовательные аффиксы).. Ашхабад, 1950.

А й д и т о в а Г. О языке иамятников Тоньюкука и его отношение к неко- торым современным тюркским языкам, Алма-Ата, 1959, авто- реферат кандидатской диссертации.

А л е к с а н д р о в П. П. Послелоги в современном турецком языке, авто- реферат кадиданской диссертации, М., 1956.

В. И. А с л а н о в. О соотношении категории переходности и категории залога при управлении, Известия АН АзербССР, 1959, №6.

Бартольд В. В. Новые исследования об орхонских надпнсях, Ж-, МНП, т. 325, 1902.

Баскаков Н. А. Залоги в каракалпакском языке, Ташкент, 1951.

Б а с к а к о в Н. A. К вопросу об отношении языка горных алтайцев к древнетюркскому языку, Известия АН КазССР, Серия' филологии и искусства, 1959, Алма-Ата, вып. 1—2.

Баскаков Н. А. Қаракалпакский язык, II, Фонетика и морфология,. ч. I (части речи и словообразование), М., 1952.

Батманов И. А. Язык енисейских памятников древнетюркской пись- менности, Фрунзе, 1959.

Б а т м а н о в И. А. Употребление падежей в киргизском языке, Фрун- зе — Казань, 1938.

•Батманов И. А., Арагачи 3. Б., Бабушкин Г. Ф. Современная, и древняя Енисейка, Фрунзе, 1962.

Бернштам A. Н. Руническая надпись в уйгурской рукописи, За- писки Института востоковедения AH СССР, Сборник статей, посвященный В. В. Бартольду, 1927.

БогородицкийВ. А. Введение в татарское языкознание в связи с другими тюркскими языками, изд. 2-ое Казань, 1953.

В л а д и м и р ц о в Б. Я- Заметки к древнетюркским и старомонгольским-; текстам, Доклады AH СССР — В, 1929.

Владимирцов Б. Я- Географические имена орхонских надписей, сохранившиеся в монгольском, Доклады AH СССР — В., 1929.

v

ВладимирцовБ. Я- По поводу древнетюркского Otiiken уёэ, Докла- ды AH СССР — В, 1929.

Гордлевский В. А. Числительное 50 в турецком языке (к вопросу о счете в тюркских языках), Известия AH СССР, т. IV, вып. 3 — 4, М., 1944.

Грамматика алтайского языка, составленная членами алтайской миссии, Казань, 1869.

Гребнев В. О значении древнетюркского термина ЭШ, Тувинский научно-исследовательский институт язъша, литературы и истории, Ученые записки, вып. VI, Кызыл, 1958.

Г у л я м о в А. Г. Проблемы исторического словообразования узбекского языка, I, Аффиксация, ч. I, Словообразующие аффиксы имен, Автореферат докторской диссертации, М., 1955.

Г у л я м о в А. Г. О суффиксе -даш в узбекском языке, «Белек», Сборник статей, посвященный С. Е. Малову, Фрунзе, 1946.

ГулямовА. Г. К некоторым вопросам аффиксации в узбекском языке, Сб. «Акад. В. А. Гордлевскому», М., 1953.

Ғуломов А. Узбек тили морфологиясига кириш, Тӧшкент, 1953.

Ғ у л о м о в А. Узбек тилида сўз ясаш йўллајри ҳаңида, A. С. Пушкин номидаги тил ва адабиёт институти асарлари, биринчи китоб, Тошкент, 1949.

Ғ у л о м о в А. Феъл, Тошкент, 1954.

Ғ у л о м о в А. Узбек тилида келишиклар, СССР Фанлар Академияси Узбекистои филиалининг асарлари, II серия, фнлология, 2-китоб, Тошкент, 1941.

Дыренкова Н. П. Грамматика шорского языка, М.— Л., 1940.

Дмитриев Н. Қ. Грамматика башкирского языка, М.— Л,, 1948.

Д м.и т р и е в Н. К. Служебиые имена в турецком языке, «Советское языкознание», т. III, Л., 1937.

Дмитриев Н. Қ. Указательные местоимения в османском языке, Док- лады AH СССР — В, 1926.

Д м и т р и е в Н. Қ. 06 указательных местоимениях в башкирском языке, Труды МИВ, сб. 4, посвященный В. А. Гордлевскому, М., 1947.

Дмитриев Н. Қ. О парных словосочетаниях в башкирском языке, ИОГН, 7:501 — 22 —30.

Дмитриев Н. К. Грамматика кумыкского языка, М,—Л-,1940.

Д м и т р и е в Н. К. Қатегория принадлежностей, ИСГТЯ, II.

Д ы и т р и е в Н. Қ. Категория числа, Исследования по сравиительной грамматике тюркских языков, часть II, М., 1956.

Дмитриев Н. К. О парных словосочетаниях в башкирском языке, Известия AH СССР, Отделение гуманитарных начк, cep. VII, №7,1930.

Ефтюхова Л. А. Археологические памятиихи енисейских киргизов (хакасов), Абакан, 1948.

Ефтюхова Л. и КиселевС. Чаа-тас у села Копеиы, Труды Госу- дарственного исторического музея, вып. XI, М., 1940, стр. 21 и сл.

Ефтюхова Л. и Киселев С. Открытия Саяно-алтайской археоло- гической экспедиции . в 1939 г., Вестник древней истории, ј\'° 4 (9), стр. 159—168.

Ефтюхова Л. А. и Қиселев С. В. Десятый сезон раскопок Саяно- алтайской экспедиции ИИМК и ГИМ. Краткие сообщеиия

о докладах и полевых исследованиях Института историй материальной культуры, III, 1940, стр. 39—42. a О. В. Дательно-направнтельный падеж в языке «Кутадгу билиг», Ученые записки филологического факультета ҚиргГУ, вып. 3, Фрунзе, 1957.

3 a x a p o в

И c л я м o E

И. слямов

Исхаков

Киселев

K o к o в ц o

К о м и л о в К о н о н о в

К 0 р ш Ф.

Кошғари

М а н з е л ь М а л о в С.

М а л о в С.

М а л о в С. М а л о в С. М а л о в С.

М а л о в С. М а л о a С, М а л о в С. М а л о в С.

М а л о в С. 164

А. Употребление падежей в языке древнетюркеких памятни- ков. Ученые записки Семигіалатинского Государственного педагогического института им. Н. К. Крупской, вып. II, Семипалатинск, 1957.

A. М. Строй предложения в языке древнетюркских памят- ников, Ученые записки Семииалатинского Государственного педагогического института, Алма-Ата, 1959, вып. 3.

Ф. Г. Числительное, ИСГТЯ, П-

С. В. Саяно-алтайская археологическая экспедиция 1935 г., Советская археология, 1936, № 1, стр. 282 — 284. в П. К. Несколько новых надгробных камней с христианско- сирийскими надгшсями из Средней Азии, Известия АН, СПб., 1907, № 12.

a X. Узбек тилида сон ва олмош, Тошкент, 1953.

A. Н. Грамматика современного турецкого литературного язы- ка, М„— Л„ 1956.

Е. По поводу второй статьи проф. П. М. Мелиоранского о турецких элементах в языке «Слово о полку Игореве». От- дельный оттиск из «Известий Отделения русского языка и словесности АН», т. XI, кн. I. СПб., 1906.

іі Маҳмуд. Дсвону луғотит турк, Таржимон ва нашрга тайёрловчи филология фанлари кандидати С. М. Муталли- бов, I том, 1960; II том, 1963.

С. С. Қатегория уникалыюсти и гілюральности, Труды МИВ, №4, М„ 1947.

Е. Древнетурецкие надгробия с надписями бассейна р. Талас, Известия АН СССР, Отделение гуманитарных наук, 1929, Перевод и объяснение двух надгробий. Заметки на восьмую идругие строчки памятника Тоныокука.

Е. Образды древнетурецкой письменности с предисловием и словарем (Стеклография), Издание Восточного факультета САГУ, Ташкент, 1926. Первые 33 строчки памятника Тонью- кука в латинской транскрипции, со словарем.

Е. Иовые памятники с турецкими рунами, Язык и мышление VI —VII, стр. 251 — 279 (с рисункамй).

Е. к изучению турецких числительных, в кн. «Академику Н. Я. Марру», М,— Л„ 1935.

Е. Уйгурские рукописные документы экспедиции С. Ф. Оль- деіібург, Записки Института востоковедения AH СССР, т. I, Л„ 1932.

Е. Два уйгурских документа, Из работ Восточного факульте- та САГУ, Ташкент, 1927.

Е. Sitatapatra — dharani в уйгурской редакции, Доклады AH СССР, 1930, текст, перевод и языковые примечания.

Е. Новые памятники с түрецкими рунами, Язьїк и мышление, VI—VII, М.

Е. Қ истории открытия древнетурецких рунических надпи- сей в Средней Азии, Материалы Узкомстариса, вып. 6—7, Л„ 1936.

Е. Таласские эпиграфические памятники, Материалы Узком- стариса, вып. 6—7, Л., 1936.

Мелиованский П. М. Краткая грамматика казак-киргизского языка, ч. I, СГіб., 1894.

М елиоранский Гі. М. 06 орхонских и енисейских надгробных памят- никах с надписями, ЖМНП, ч. 317, 1898, июнь, отд. 2.

Мелиоранский П. М. Рец. на Vambery. Н. Noten zu dem altturki- schen inschriften der Mongolei und Sibiriens, Mamolres de la soc. Finno-Ougr, XII, 1899, ЗВО, XII (1900), crp. 0146—162, № 275.

Мелиоранский П. M. Два серебряных сосуда c енисейскими надпи- сями, ЗВО, XIV, вып. I, 1902, стр. 017—022. С таблицей.

М е л и о р а н с к и й П. М. Небольшая орхонская надпись на серебряной кринке Руменцевского музея, ЗВО, XV, 1903, стр. 034 и сл. С таблицей.

Мелноранский П. М. Араб-филолог о турецком языке, СПб., 1900.

Муталлибов С. XI аср ёзма ёдгорликларида феъл категорияси, Тош- кент, 1955.

.Муталлибов С. М. Морфология ва лексика тарйхидан қисқача очерк (XI аср ёзма ёдгорликлари асосида), Тошкент, 1959.

'Н а с и л о в В. М. Язык орхоно-енисейских памятников, М., 1960.

."Насилов Д. К вопросу о модальных словах ӓринч, ӓрки, ӓркӓн в дре в нетюркских языках, Труды Самаркандского Государственного университета им. А. Навои, Қафедра узбекского языкознания, № 102, Самарканд, 1960.

Н а с и л о в Д. О некоторых сложных глагольных формах в древнетюрк- ских языках, Труды Самаркандского Государственного уни- верситета им. А. Навои, кафедра узбекского языкознания, N° 102, Самарканд, 1960.

йасилов Д. М. Урхун-енисей ёзма ёдгорликларида равишдош катего- рияси, Узбек тили ва адабиёти масалалари, № 1, 1961.

’Радлов В. В. и М е л и о р а н с к и й П. М. Памятники в Котшо-Цайдаме, Сборник трудов Орхонской экспедиции, вып. IV, СПб., 1897.

Радлов В. В. Опыт словаря тюркских наречий, I-IV, СПб., 1893—1911.

Рамстедт Г. Перевод надписи Селингинского камня, Труды Троицко- савско-кяхтского отделения Русского географического общест- ва, XV, вып. I, СПб., 1914.

■Рамстеді Г. И. Введение в алтайское языкознание, Морфология, М.,

1957.

Раҳматуллаев Ш. Ҳозирги замон тилидаги сон туркуми хақида баъзи мулоҳазалар, В. И. Ленин номидаги САГУ асарлари, Узбек тили масалалари, Тошкент, 1957.

Решетов В. В. Об одном узбекском падеже, Тюркологический сборник, I, М.,—Л„ 1951.

■ € е в о р т я н Э. В. Категория принадлежности, М., ИСГТЯ, II.

С е в о р т я н Э. В. Словообразование в тюркских языках, ИСГТЯ, II.

■Севортян Э. В. Об историческом положении категории переходности и непереходности в тюркских языках, Вопросы языкознания,

1. № 2.

-Севортян Э. В;. О глаголообразующем аффиксе -са, -си, -син, в тюрк- ских языках. Исследования по истории культуры народов Востока, Сборник статей, посвященный акад. И. А. Орбели, М,—Л„ 1960.

<С е р е б р е н н и к о в Б. А. О залоге в финно-уйгурских и тюркских язы- ках, Тезисы доклада на координационном совещании по проблемам простого предложения и категории залога, Уфа,

'Ж е н и ш е в Э. Р. Грамматический очерк древнеуйгурского языка по со- чинению «Золотой блеск», кандидатская диссертация, Л., 1953.

Вильгельм Томсен как тюрколог, Труды 'Гроицкосавско-кяхтского отделе- ния Русского географического общества, XV, вып. I, 1912, СПб., 1914.

Убрятова Е. И. Парные слова в якутском языке, Сб. «Язык и мыш- ление», т. XI, 1949.

Ф е р д а у с. Феъл даражалари, Труды Среднеазиатского Государственно- го Университета им. В. И. Ленина, Новая серия, вып. IV, филологические науки, кн. II, Ташкент, 1957.

Щ е р б а к A. М. Способы выражения грамматических явлений в тюрк^- ских языках, Ж. ВЯ, 1957, № 1, стр. 18—26.

Щ е р б а к A. М. Грамматический очерк языка тюркских текстов X—XIII вв;. из Восточного Туркестана, М.—Л., 1961.

Шчербак A. М. Узбек тилида ур феълининг сўз ясашдаги роли, Ж- «Узбек тили ва адабиёти масалалари», 1961, № 2.

Шчербак A. М. Турк ва мўғул тилларининг ўзаро муносабати, Ж. «Узбек тили ва адабиёти масалалари», 1959, № 4.

Шчербак A. М. Мўғулистонда топилган қадимги бир бош ёзма, Ж. «Узбек тили ва адабиёти масалалари», 1959, № 3.

Юлдашев A. А. Система словсюбразования и спряжения глаголов в башкирском языке, М., 1958.

Юнусалиев Б. М. Синтаксический способ образования корневых слов..

Труды Института языка и литературы и Института Истории АН КиргССР, вып. V, Фрунзе, 1956.

Юнусалиев Б. М. К вопросу о корне в киргизском и родственных Єму языках. Первая научн. сес.сия АН ҚиргССР, 1956.

Мелиоранский П. М. Рец. на Vambery, Н. Noten zu dem alttiirklschen Inschrlften der Mongolei und Sibiriens, Memoires de la Soc. Rinno — Ougr., XII, 1895. 3 Bo, XII (1900), стр. 0146—0162, № 278.

Bang W. Von Koktiirkisehen zum Osmanischen, 1. Mitteilung, APAW„ Phil. Histor. Klasse, No. 6, 1917; 2, 3. Mitteilung, APAW, Phil.-Histor. Klasse, No. 5. 1913; 4 Mitteilung, APAW, Phil. Histor. Klasse, No. 2, 1931, Berlin.

Bang W. Zu den tiirkischen Zeitbestimmungen, Turan, 1914, S. 91—96.

Bang. W. Das negative Verbum der Tiirksprachen, Sitzungberichte d. Preuss. Akad. d. Wissenschaft, XVII, 1923.

Bang. W. Zur Erkldrung der Koktiirkisehen Inschrlften, из журн. „Wie­ner Zeitschr. f. d. Kunde d. Morgenl.“, Bd. XII

Bang W. Tiirkische Manichaica aus Chotscho I, Bulletin de la Classe des Lettres, et des morales et politiques et de la Classe des Beaux- Arts, No 6, 1912.

Bang W. Zu den Koktiirkisehen Inschriften, журн. „Archives T'oung pao\*.

Bang W. und A. von Gabain. Uigurische Studien. Ungarische Jahrbiicher.. Band X, Juli, 1930, Heft 3.

Bang. W. Turcica, журн. MVAG, 1917, Leipzig, Mitteilungen der Vorder asiatischen Geselschaft, Jahrgang 1916.

Bang. W. Vom Koktiirkisehen zum Osmanischen Vorarbeiten zu einer vergleichenden Grammatik des Tiirkischen, Mitteil. 1, 4, Ber­lin, 1917-21, Bd. 2

Bang. W. Studien zur vergleichenden Grammatik der Tiirksprachen I.

v

Uber die osmanische Fluchformel adzaji yanasi und ihre Verwandten, SPAW, 1916, XXII,522—5-35 II. Uber das Ver­bum al „nehmen“ als Hilfszeitwort, XXVII, 920—928. Ill, Uber das Possesivsuffix si und einige seiner moglichen Verwand­ten, SPAW, 1916, LI, 1236-1254.

Bang W. Zu den koktiirkischen Inschriften und den tiirkischen Turfan- fragmenten, WZKM, XVIII, 1909, S. 415-419.

Bang W. Zur koktiirkischen Inschriften, JS, 19—21. TP VII, 1896, S. 611.

Bang W. Tiirkologische Briefe aus dem Berliner Ungarischen Institut, UJ, Bd. IV, V, VII, X.

Bang W. Tiirkologische Briefe aus dem Berliner Ungarischen Institute Dritter Briefe, Ungarische Jahrbiicher, Band V. Heft 4.

Bang W. und Rachmati O. Z. Die Legende von Oghuz Qaghan, Ber­lin, 1932. Sonderausgabe aus den Sitzungsberichten der Preus- sischen Akademie der Wissenschaften, Phil.-Hist. Klasse, 1932, XXV.

B a n g W. Studien zur vergleichenden Grammatik der Tiirksprachen,. SPAW, XXXVIII, 1916.

Bang W. Uber die koktiirkische Inschrift auf der Siidseite des Kill— Tagin—Denkmals, Leipzig, 1896.

B6htlingk O. Uber die Sprache der Jakuten, SPb., 1851.

Brockelmann K. Osttiirkische Grammatik den isiamischen Litteratur- sprachen Mittelasiens, Leiden, 1954.

v

Caferoglu Ah. Tiirkgede da§ iahikasi, Istanbul, 1929.

Clauson G. The Turkish numerals, Journ. of the Royal Asiatic Soc. of. Great Britain and Ireland, L., 1959, pt. 1—2, p. 19—31.

Deny J. Tiirk diii gramari, Istanbul, I 1941, II, III, 1942. IV, 1943;—V,, 1943; VI, 1944 VII, 1945: VIII, 1945

Deny J. Tiirkgede — ler edatuun mensei iigiincu tiirk dil kurultayi (1936)». Istanbul, 1937.

Donn er O. Worterverzeichniss zu den Inscriptions de 1‘Enissei, Memoi- res de la Soc, Finno-Ougr., IV, Helsingfors, 1892.

Denner Kai und Marti Rasanen Zwei neue tiirkische Runenin- schriften, Journal de la Societe Finno-Ougrienne, XLV, 2.

Duran Suzan Turkgede cihet ve mekan gosteren ek ve sozler, TDAYB, 1956.

Gabain A. Alttiirkische Grammatik, 2. Verbesserte Auflage, Leipzig, 1950.

Gabain A. Alttiirkische. Phllologiae turcical fundamenta, Jussu et aucto- ritate Unionis Universal studiosorum rerum orientalium, edi- derant J. Deny, K, Gronbech, H. Scheel, Zeki Velidl Togan. I, 1959, Wiesbaden.

Gabain Annemarie. Die Pronomina im Altturkischen, ZDMG

Gabain A. Uber Ortsbezeichnungen im Alttiirkischen. Helsinki, 1950 (Studia Orientalia 14,5.

Gabain A. v. Briefe der uigurischen Hiien-tsang-Biographie, Berlin,

1938, SPAW, Phil.-Hist. Klasse 1938, 29.

Gabain A. v. Muller E. W. ve Gabain A. Uygrca iig hikaye. Is­tanbul, 1946.

Gabain A. v. Alttiirkisches Schrifttum. Berlin, 1950.

Gabain A. v. Die Verbform auf n im Uigurischen, in Annale, der R„ Istito Superiore di Napoli Neue Folge I, Rom, 1940.

Gronbech K. Der tiirkische Sprachbau , Kopenhagen, 1936.

Em re Ahmet Cevat. Tiirkgede isim temelleri. Istanbul, 1943.

Kissling. H. J. Mazii nakli. Zum Gebrauch der — mis — Vergangenheit' im Osmanisch-Tiirkischen, ZDMg Wiesbaden, 1959. Bd. 109, Hf. 2, S. 286-302.

л л

Koseraif Fuat H. £ogul takimizin gikanagi (men§ei) nedir? Turk

Dili, seri III, v. 10-11, 1947.

^Kotwicz Z. Le monument turc d'Ikhe-khuchotu en Mongolie Centrale, Rocznik Orientalistyczny. t. IV, (1926). Lwow, 1928.

Kotwlcz Wladyslaw. Les pronoms dans les langues altaiques, Kra­kow, 1936. -larler in den Tiirksprachen, 1936.

Kotwicz W. Studia nad jezykamialtajskimi/wydal M. Lewicki „Rocznik orientalistyczny", t. XVI (1950), Krakow, 1953.

Kowalski T. Zur semantischen Funktion des Pluralsuffixes -lar, -ler in den Tiirksprachen, Krakow, 1936.

Kowalski T. Die altesten Erwahnungen der Tiirken in der arabischen Litteratur, Korosi csoma — archivum, II kotet, 1926—32.

Kraelitz F. Tiirkische Etymologie, BZKM. 27, 1913.

Kraelitz F. Osmanische Urkunden in tiirkischen Sprachen ausder zwei- te Hhlfte des 15. Jahrhunderts, Akademie der Wissenschaft in Wien, Hhil. -Hist Klasse, Sitzungsberichte, Bd. 197, 3. Abhand- lung, Wien, 1921.

C Q q v o n 1 e A. Koktiirkisches aus Turfan, Sonder.ibdriicke aus den Sitzungs- berichten, 1909—10(4 Tafeln).

Munkacsi B. Von Koktiirkischen zum Osmanischen, Ksz, XVIII.

Nemeth J. Die koktiirkischen Grablnschriften aus dem Tale des Talas in Tiirkestan, Korosi Csoma-Atchivum, Bd. II, 1—2, Budapest, 1926.

Orkun Hiiseyn Nam Ik Ecki tiirki yazitlari, I, Istanbul, 1936, II, 1939, III, 1940, IV, 1941.

Pel Hot P. La version ouigoure de 1‘histoire des princes Kalyanamkara et Papamkara. Toung Pao, vol. XV, Leiden, 1914.

Pentti Aalto Zu den Pferdenammen der Orchon-Inschriften, JSFOu, Heft 1-3, 1946.

‘Profile W. Zur Frage der negativeu Verbalformen in den Tiirksprachen, Enlekonyr Dr. Mahler Ede Festschrift, Budapest, 1937.

Si nor D. On some ural-altaie plural suffixes, Asia Major, 1952, New Series, Vol. II, part 2.

Thomsen V. Inscriptions de 1‘Orkhon, MSFOu 5, Helsingfors, 1895.

Thomsen V. Inscriptions de 1‘Orkhon dechiffrees par... Memoires de la Soc. Finno-Ougr., V. Helsingfors, 1896.

Thomsen V. M. A. Stein's Manuscripts in Turkish „Runic" Scrips from Miran and Tun-Huang, Journ. of the R. As. Soc. London, 1912.

Thomsen V. Ein Blatt in Tiirkischer „ Runenschrift' aus Turfan, SPAW, Phil.-Hist. Klasse, XV, 1910.

Thomsen V. Turcica. Etudes concernant ^interpretation des inscriptions turques de la Mongolie et de la Siberie, Memoires de la Sos. Fin.-Ougr., XXXVII, Helsingfors, 1916.

Thomsen V. Alttiirkische Inschriften aus Mongolei, ZDMg, t. 78, Leip­zig, 1924.

Temir A. Konjunktionen und Satzeinleitungen, Oriens. 1956, 9, 2.

Radloff W. Die Altturkischen Inschriften der Mongolei, I, Das Denk- mal zu Ehren des Prinzen Kiil-Tegin, SPb., 1894.

Radloff W. Die Alttiirkischen Inschrifter der Mongolei, 1—3, SPb., 1895.

'Radloff W. Die Alttiirkische Inschriften der Mongolei. Neue Folge, SPb , 1897.

Radloff W. Chuastuanit, SPb., 1909.

Radloff W. Alttiirkische Studien I, SPb., 1900,

Radloff W. Alttiirkische Studien III, S Pb., 1910.

Radloff W. Alttiirkische, Studien, V. SPb., 1911.

Radloff W. Alttiirkische Studien, VI, SPb., 1912.

Radloff W. Die Alttiirkische Inschriften der Mongolei, Zueite Folge,

Die Inschriften des Tunjukuk, SPb., 1899.

Rams ted t J. J. Uber die Zahlworter der altaischen Sprachen, Journal

de la Soc. Finno-Ougr. XXIV, 1 Helsingfors.

RamstedtJ J. Zwei uigurische Rurieninschrilten in der Nord-Mongo- lei, Journal de la Soc. Finno-Ougr. XXX, 3. Helsinki, 1913.

Ramsted t G. J. Die Piuralendung mo. -nar, til. -lar, Journal de la Soc. Finno-Ougr. Nr 55, 2, Helsinki, 1951.

Ramstedt G. Die Verbalnammen auf i in den altaischen Sprachen, Studia Orientalia, XI, 1945.

R a nr s t e d tG. J. Das verbalnammen auf -m in den altaischen Sprachen, ISFOu, XCVIII, 1950.

Rasa nen M. Beitrage zu den Tiirkischen Runeninschriften, Studia Orien­talia edidit societas orientalis Fennica XVII, 6, Helsinki, 1952..

Rasanen M. Zu den tiirkischen Runeninschrifteintrag in der uigurischen Ubersetzung des buddhistischen Sutra Sokiz Jiikmarc, Studia Orientalia edidit sicietas Orientalis Fennica, VI, 1.

R asanen M. Aus der tiirkischen Forrr enlehre, I. Das tiirkischen Plural- suftix -lar, -ler, Helsinki 1939 (extrait du „Journal de la So-

ciete Finno-Ougrienne“, Nr. 50).

Rasanen Marti. Materiaiien zur Morphologie der ttirkischer Sprachen,. Helsinki, 19:7.

Ross E. Denisson. The Tonjukuk Isciiptions. Bulletin of the School of Oriental Studies, London, t. VI, 1930—1932.

Vamberv H. Noten zu den alttiirkischen Inschriften der Mongolei und. Sibiriens JSFOu XII, 1898—1899.

Китобда қабул қилинган шартли қисқартмалар .

Сўз бошй

Кириш :

ЮТ :

Кӱплик категорияси

Эгалик категорияси

Келишик категорияси

Бош келишик

Қаратқич келишиги

Тушум келишиги

Восита келишиги ......

Жўналиш келишиги

Урин-пайт келишиги

Чиқиш келишиги

Акуатив формаси

Отларнинг ясалиши

СИФАТ

Сифатларнинг ясалиши

■ОЛМОШ

Кишилик олмошлари

Кўрсатиш олмошлари

Узлик олмоши

Сўроң олмоши

Биргалик олмоши . . .

Белгилаш олмоши

сон

-ФЕЪЛ

Истак майли

Буйруқ майли

Шарт майли

Феълнинг аниқ майли

Ҳозирги-келаси замон

Утган замон феъллари

Сифатдош

Равишдош

Феъл даражалари

Бош даража .......

Узлик даража 123

' Мажҳул даража 124

Орттирма даража 126

Биргалик даража 127

Феълларнинг ясалиши 128

РАВИШ 131

[КУМАКЧИЛАР 134](#bookmark7)

[БОҒЛОВЧИЛАР , 145](#bookmark9)

[УНДОВЛАР 149](#bookmark10)

ЮКЛАМАЛАР 150

[МОДАЛ СУЗЛАР 151](#bookmark11)

Грамматик формалар кўрсаткичи 155

Адабиёт : 161

ha узбекском языке Эргаш Фазылов ИСТОРИЧЕСКАЯ МОРФОЛОГИЯ УЗБЕКСКОГО ЯЗЫКЖ

Издательство „Наука" УзССР Ташкент. 1965

Муҳаррир Д. Мўминова Рассом В. С.Тий Техмуҳаррир X. Карабаева Корректор Ҳ. СаъЬуллаееа, А. Ҳолиқов

P12369. Теришга берилди 27/VIU-64 й. Босишга рухсат этилди 23/X1-64 Ш:~ Формат бОхЭО1/,„=5,375 Қоғоз. л. — 10,75 босма л. Ҳисоб нашриёт л. 9,5=» Нашриёт № 1020. Тиражи 1200. Баҳоси 57 т. .Чуқаваси 20 т.

ЎзССР „Фан“ нашриётининг босмахонаси, 2-чи Високовольтная,.2ї.\_

Заказ 1060.

Иашриёт адреси: Гоголь кўчаси. 70..

3 -лар аффиксининг этимологияси ҳақида бир ңатор олимларнинг фикрлари билан қуйидаги ишларда танишиш мумкин: Н. А. Б а с к а к о в, К вопросу о происхождении условной формы на -са, -се в тюркских языках, Сб. „Акад. В. А. Гордлевскому“ М., 1953, стр. 57—58; В. А. Б о- городицкий, Введение в татарское языкознание в связи с другими тюркскими языками, 2-е изд., Казань, 1953, стр. 167—168; A. Н. Коно- н о в, Грамматика современного турецкого литературного языка, М.—Л., 1956, стр. 99; A. Ғ. Ғуломов, Ўзбек тилида кўплик категорияси, Тош- кент, 1944, 3—10-бетлар; Г. И. Рамстедт, Введение в алтайское языко- знание, Морфология, М., 1957, стр. 25. I. Deny, Tiirk?ede ,ler“ edatinin men§ei Ugiincli Tiirk Dil Kurultayi, 1936, Istanbul, 1937, S. 291—295. A. C. Em re, Tiirkgede gogul belgisi—lerin etimolojesi iizerine bir ara§tir- ma Tiirk Dili, seri II N 5—6, 1941, S. 105; Fuat Koseraif. (Jogul takimizin gikanagi (—mensei) nedir? Tiirk Dili, seri I!!, N 10—11, 1947, S. 13—15; W. Bang, Studien zur vergleichenden Qrammatik der Tiirksprachen. SPAW, XXXXII, 1916, S. 924, T. Kowalski. Zur semantischen Funk tion des Plural suffixes lar, lar In den Tiirksprachen. Krakow. 1936. O Pristak Tschuwaschische Plural suffike. Studia Altaica, v, 1957, S 137—155;

1. Brockelmann. Osttiirkische Grammatik der islamischen Littefatur- sprachen Mittelasiens, Leyden, 1954, S. 150—152; G. J. Ramstedt, Die. Pluralendung mo.—nar tfl—lar. 1SFO, N 55, 2, Helsinki, 1951, S 35—36’ M. R ӓ s ӓ n e n. Aus der tiirkischen Formenlehre I, Das tiirkische Plural- suffix lar—lar. Helsinki 1939; M. Rasanen. Materialen zur Morphologie der tiirkischen Sprachen. Helsinki, 1957, S. 52—56; K. Granbech, Der tiirkische Sprachbau, I, Kopenhagen, 1936, Kapitel II, Die Mehrzahl, S. 65—111; P. Aalto Altaistica, II. The suffixes — lar, — nar — lar. Studia Orientalia, XVIII, 7, Helsinki, 1952, S. 10—17; N.Poppe. Plural suf­fixes in the Altaic Languages. UAJ, Bd. XXIV, 1952 N 3 — 4, S. 65 — 83. N. Poppl. studies on Altaic and Uralic Plural Suffixes. Finnischugrische Fors- chungen. Helsinki, Bd. 31, 1953 S. 26—31, Э. Si nor. On some ural—altaic ^plural suffixec. Asia Majior, 1952 new series, vol . II, part 2; W. K o t - wicz. Les pronoms dans les langues altaiques. Krakow, 1936,S. 23—30,

3Маҳмуд Кошгарий, Девону луғотит турк, Тошкент, 19-бет; К. Gronbech. Der tiirkische Sprachbau. Kopenhagen, 1936, S. 58; A. von Gabain. Altturkische Grammatik, Leipzig, 1950, S. 61; D. S1- n o r. On some ural—altaic plural suffixes, AM, N 5, vol. II, pt. 2, Leip­zig, 1951, S. 208.

\* -3 аффикси ҳақида C. E. Малов, A. H. Кононов, H. K. Дмит- риев, H. A, Баскаков, A. Ғулом, T. Ковальский, В. Банг, М. Рясянен, Г. И Рамстедт. Б. Мункачи, Ю. Немет, Л. Ли- гети каби олимларнинг ишларида батафсил маълумот берилган.

6 В. М. Н а с и л о в, Язык орхоно-енисейских памятников, М., 1960, стр. 27.

12 А. И с л я м о в, Употребление падежей в языке древнетюркских памятников, ,Уч. зап. Семипалат. гос. пед. ин-та“, вышЗ, Семипалатинск,

13 С. В. Я с т р е м с к и й, Падежные суффиксы в якутском языке- Иркутск, 1898; В. А. Богородицкий, Имя существительное: склоне- ние (простое и притяжательное) и сравнительный очерк падежных окон- чаний татарского языка. Введение в татарское языкозиание в связи с дру, гими тюркскими языками. Изд. 2-е, Казань, 1953; Э. В. Севортян. К истории падежной системы в тюркских языках. Уч. зап. Воен. инст, иностр. языков, № 6, 1948, стр. 95. Н. А. Б а с к а к о в, Соотношение зна- чений местоимений в тюркских языках, Институт языкознания. „Доклады и сообщения, т. 1, М., 1952, стр. 135. М. R ӓ s ӓ n е n. Materialien zur Могр- Iiologie.,.. S. 56—57. J. D e rry Qrammaire de la langue turque, Paris, 1921.

15 И. А. Б а т м а н о в, Язык енисейских памятников древнетюркской письменности. Фрунзе, 1959, стр. 106. Э. В. С е в о р т я н, К истории па- дежей, стр. 52 — 53; Г. И. Рамстедт, Введение в алтайское языкозна- ние, М„ 1957, стр. 37, 229.

N. Р о р р е. Bemerkungen zu О. J. Ramstedts Einfiihrung in diealta- iscbe Sprachwissenschaft, STO 19; M. Rasanen. Materialien zurMorpho logie der tiirkischen Sprachen, Helsinki, 1957.

1. Муталлибовнинг фикрича XI acp тилида тушум келиши- ги аффикси феълларга ҳам қўшилиб келган: Кечар кун ичиндан. кера- гинг олин. Бу мисрада керагинг сўзида тушум келишиги аффикси қисқарган ҳолда ўзидан кейинги ол сўзига қўшилиб келган; керагингни ол демакдир' („Морфология ва лексика тарихидан қисқача очерк“, 37-бет).

Шуни қайд қилиш лозим бўладики, тушум ва бошқа келишик аф- фикслари ҳеч бир ёдномада феъл ўзагига қўшилиб келиб, ўша феълнинг турланишида иштирок этмаган. Феъллар умуман келишиклар билан тур- ланмайди. Келишиклар от ва отлашган сўзларга қўшилади, холос.

Юқорида С. Муталлибов келтирган мисолда ол феълига тушум келишиги аффикси қўшилмаган. Бунда ўзлик аффикси -ин орңали олии Ҳосил бўлган ва 'ўзинг учун ол' дегаи маъно ифодаланади.

17 W. Radi off. Alttiirkischen Jnschriften der Mongolei, Nene Folge, SPb„ 1897, S. 83; A. K. Боровков. Очерки истории узбекского языка, Советское востоковедение, VI, М—Л., 1949, стр. 29; В. М. Н а с и л о в. Язык орхоно-енисейских памятников. М., 1960, стр. 26; Р. И. Р а м с т е д т. Введение в алтайское языкознание. М., 1957, стр. 49; М. R ӓ s ӓ п е п. Ма- terialien zur Morphologie der tflrkischen Spachen, S. 69.

25 С. Ф. Ф у з а и л о в, А. 3 а й о н ч к о в с к и й, Г. И. Р а м с т е д т, М. Р я с я н е н, К. Брокельман каби олимларнинг фикрлари ҳақида-

ги маълумот A. Н. Кононовнинг „Грамматика современпого узбекского литературного языка" асарида келтирилган, 363-бет; A. Н. К о н о н о в ва Ж. Дени этимологияси бўйича: -ча < чағ — ваңг, чоғ. Ж. Дени,

Грамматика, стр. 918. В. Kombuc-za < zafa W. Kotvitz. Studra nad Jezykami altajskimi, RDI—318 Krakow, 1953. S. 15; 2. Korkmaz. Turk dilinde caeki ve bu ek ile yapilan isim teskilleri iizerine bir deneme, TDAJB, 1948. S. 43.

26 Бунинг этимологияси A. H. K o н o н o в, H. K Дмитриев, Ж. Дени, Ю. Банг, К. Броккелман, Г. И. Рамстедт, М. X а р т м а н каби олимлар томонидан текширилган; Н. A. К о н о н о в, Грамматика современного узбекского литературного языка, стр. 285.

27 Бу аффиксиинг этимологияси бир қатор олимлар, чунончи

В. Банг, A. К. Боровков, A. Ғ. Ғуломов, Ф. А. Абдуллаев,

Н. Ф. К а т а н о в, Ш. М. М е л и о р а н с к и й, Ж. Д е н и, Г. И. Р а м-

с т е д т, М. Р я с я н е н томонидан текширилган.

2S G. J. Ramstedt. Alttiirkische und mondolische titul, JSFOu,

1939.

1. Бу аффикснинг этимологияси ҳақида B. В. Р а д л о в, П. М. Мели-

Н. А. Б а с к а к о в, В. Б а н г, В. К о т в и ч, Ж. Д е н и, Г. И. Р а м- с т е д т, А. У. Элове каби олимларнинг фикрлари мавжуддир.

30 W. Radi off, Alttiirkische Inschriften der Mongolei, NFs 47—49. П. M. Мелиоранский, Памятник в честь Кюл-Тегина, ЭВО, T.,XJI., вып. II—III, СПб., 1899, 95-бет. Ф. Е. Корш бошқачароқ фикрда бӱл- ган: Ф. Е. Корш По поводу второй статьи проф. П. М. Мелиоранского о туреаких элементах в языке „Слово о полку Игореве\*. Известия От- деления русского языка и словестности АН, т. XI, кн. I, СПб., 1906, 32-бет. А. Г а б э н от ва сифат ясовчи аффикс деб қарайди A. von Ga­bain, Alttiirkische Grammatik, S. 60.

1. О. Bohtlingk. Uber die Sprach der Jakuten, SPb., 185, S. 171.

Э. K. П e к a p c к и й, Словарь якутского языка, СПб„ 1907, 1,стр. 938

W. Bang. Vom Koktiirkischen zum Osmanischen 1. APAW, 1917, N. 6,

S. 36. Г. И. Рамстедт, Введение в алтайское языкознание, стр. 74. Ф. Д. А ш н и н, Указательные частицы в тюркских языках, Известия AH СССР, О л я, 1958, том XVIII, вып. 5, стр. 420-421.

1. Қиёсланг: чув., анчағ, ўзб„ ундай бошқ., қозоқ., ққалп., иғ., тат., турк., туркм., ўзб., ана, уйғ., хак., тат., әнә., уйг., айна, әйнә қум., она, шўр., оно каби.

6 A. von Gabain. Alttiirkische Grammatik, S. 95

7 A. H. Кононов, Юқорида кўрсатилган acap, 178-бет; M. Ряся- нен, Морфология... 38-бет. Буларга яна қуйидагиларни қўшиш мумкин: В. Банг икки ўринда бу сўзнинг этимологиясигатўхталган әз<ә + з бун- да ѳ 'ўйламоң, эсга олмоқ'; ѳз 'ўйловчи, ўйлаш' сўнгра 'вужуд, ҳаёт'; ѳтәз 'эт ва руҳ'; W. Bang. Das negative verbum, S. 115. әз<ә 'эсга ол-

моқ, ўйламоқ'; W. Bang, Tilrkologische Briefe IV JI. Лигети бу сўз- нинг атимологиясини бошқачароқ берган: оч

oir + oftys~0Viir || ср. obes—ііп

/

ѳг

oper > ejyp~oviiz

л

[<epes—iin<ryb+yvar>var || ср. монг. eber, eger<oper] L. Ligeti A. t5- гӧк hosszu maganhdnzok. 3—4, 75. Гомбоц мўғул тилидаги ӧчи, ич 'юрак артерияси' сўзи билан солиштиради: 2 gombocz. Az albaji nvelve... 1905, S. 248-249.

5 A vonGabain, Altturkische Grammatik, S. 114. A. Габэннинг сўнгги асаридаги таъриф ҳақиқатга яқинроқ. A. von Gab a in, Das. Altturkische. Philologiae turcicae fundamenta. S. 36.

но, иногда опи употребляются плеонастически. В. Томсен сравнивает эринч с латинским jam (уже), одпако это сравнение едва ли удачно.

П. М,- Мелиоранский. Памятник в честь Кюль-Тегина, СПб., 1899, стр. 101, примечание 25.

2 Маҳмуд Кошғарий, Девону луғотит турк, 1 том, Тошкент, 1960, 152-бет.

1 Едномаларни ва туркий тиллар грамматикасини ўрганишга бағиш- ланган адабиёт рўйхати С. Е. М а л о в, A. Н. Қононов, Н. А. Баска- к о в, Э. В. С е в о р т я н, A. М. Ш ч е р б а к, А. Г а б э н, М. P. Р а с я- н е н каби олимларнинг китобларида келтирилади.

Бунда биз фақат айримларинигина берамиз.

1. A. von Gabain. liber Ortsbezeichnungen im Alttiirkischen. Ber­ [↑](#footnote-ref-1)
2. lin, 1950. [↑](#footnote-ref-2)
3. W. W. R a d 1 о f f, Die Alttiirkische Inschriften der Mongolei, N- F. SPb., 1897, S. 60. [↑](#footnote-ref-3)
4. И. A. Батманов, Язык енисейских памятников древнетюркской письменности, Фрунзе, 1959, стр. 110—111. [↑](#footnote-ref-4)
5. В. М. Н а с и л о в, Язык орхоно-енисейских памятников, ИВЛ, М., 1960, стр. 24—34. [↑](#footnote-ref-5)
6. А. И с л я м о в, Употребление падежей в языке древнетюркских памятникоғ, „Ученые записки Семипалат. гос. пед. ин-та“, вып. 3, Се- мипалатинск, 1957, стр. 244.

   Проф. А. Г а б э н эски ёдгорликлардаги келишикларни қуйидагича бўлади: Kasus indefinitus, Genetiv, Dativ, Accusativ—Ablativ, Instrumen­tal, Aguativ, Direktiv. A von Gabain. Alttiirkische Grammatik, Leip­zig, 1950, S. 88-89. Ҳозирги замон туркий тиллардаги келишиклар систе- масини текширган олимлар ҳам келишиклар сонини турлича белгилашади. Киёсланг: Э. В. Севортян, Категория падежа. ИСТТЯ, т. II, М., 1956, стр. 45—65.

   А. Ғулом, Ўзбек тилида келишиклар, СССР ФА Ўзбекистон фи- лиалининг асарлари, II том, филология, 2-китоб, Ўзбек тилининг илмий грамматикаси учун материаллар, Тошкент, 1941. [↑](#footnote-ref-6)
7. Шу сабабли бўлса керак, баъзи тадқиқотларда мазкур келишик ҳақида ҳеч нарса айтилмаган. С. М. Муталлибов, Морфология ва лексика тарихидан қисқача очерк, Тошкент, 1959, 35—36-бетлар. [↑](#footnote-ref-7)
8. 1957, стр. 244. [↑](#footnote-ref-8)
9. Қ. К а р и м о в, „Қутадғу билик"' тилида келишик аффикслари ва уларнинг ишлатилишидаги фонетик қонуниятлар, „Ўзбектили ва адабиёти масалалари", 1962, № 2, [↑](#footnote-ref-9)
10. W. W. R a d 1 о ! f. Die Alttisrkische Jnschriften der МппгчігіЫ Fr SPb., 1897, S. 59. [↑](#footnote-ref-10)
11. A. von Gabain, Das Alttiirkische, S. 29. [↑](#footnote-ref-11)
12. A. von Gabain. Altturkische Grammatik, Leipzig; M. R a s a n e n. Materialien zur Morphologie der tiirkische Sprache, S. 61. 1. Nemeth. Probleme der T.iirkischen Urzeit Analecta Orientalia Memoriae Alexandri Csoma Koros Dicata, Budapest, 1942—1947. [↑](#footnote-ref-12)
13. W. Bang. Ungarische Jahrbiicher V, S. 392—408; M. R ӓ s ӓ n e n. Aus der tiirkischen Formenlehre, ISFOu, S. 45;M. Rasanen. Materialien zur Morphologie der tiirkischen Sprachen, S. 62; Y. Benzing. Tschuwas- sische Forschungen, 2 DMg, 96; N Poppe. Tiirkisch — tschuwassische ver- gleichende Studien, Islamica 1, s. 421. A. von Gabain. Uber Ortsbeze- ichnungen im Altturkischen, STO 14, 5, 5, 13. G. Y. Ramstedt. A Ko­rean Grammar, M. SFOu 82, 5. 154. Г. И. Рамстедт. Введение в ал- тайское языкознание, стр. 33. [↑](#footnote-ref-13)
14. W. W. R a d 1 о f f. Altturkischen Inschriften derMongolei, NF, SPb, 1898 p. 64-65. [↑](#footnote-ref-14)
15. H. K. Дмитриев, Грамматика башкирского языка, стр. 61;Грам- матика кумыкского языка, стр. 67. Л. Н. X а р и т о н о в, Современпый якутский язык, АКгиз, 1947, стр. 108. А. И. И с х а к о в, Қазыргі қазақ: тііі, Алматы, 1954, 232-бет.

    42 [↑](#footnote-ref-15)
16. Э. В. С е н о р т я н, К истории падежной системы в тюркских язы- ках, стр. 96. А. И с л я м о в, Употребление падежей в языке древнетюрк- ских—текстов, стр. 283. A. von. Gabain. Alttiirkische Grammatik, S. 88-89. [↑](#footnote-ref-16)
17. оранский, Е. В. Корш, Н. К. Дмитриев, A. Н. Коионов, [↑](#footnote-ref-17)
18. Ахмед Джеват Эмре қадимги ёдгорликларда асосан ўрии маъносини англатган аффикс деб санайди. Бу фикрга қўшилиш қийин. A. Е. Ашг е. Tiirkede isim temelleri. Istanbul, 1943, S. 168. [↑](#footnote-ref-18)
19. в. В. Радлов бу аффиксларни -ку, -қу, -ғу, -гу, -ға,-гэ шакл- лардан ташкил топган деб ёзади: W. W. Radloff. DIa Alttiirkische In- schriften der Mongolei, NF, 1897, S, 56. [↑](#footnote-ref-19)
20. 33 К. Брокельман -цан < ық, -ын; О. Бётлингк -қын<-қы, -и; Н. К. Дмитриев -қын, -қан, -ған сифатдошидан. Н. К. Дмитри- е в, Аффикс в новоосманском языке Қаранг: Н. К. Д м и т р и-

    е в. Строй тюркских языков М,, 1962, стр. 109. [↑](#footnote-ref-20)
21. W. Radloff. Die Alttiirkische Inschriften der Mongolei, SPb., 1897, S. 572. C. E. Малов, Памятники древнетюркской письменности, стр. 51—52; И. А. Баскаков, О соотношении значений личных и ука- зательных местоимений в тюркских языках, Ин-т языкознания, Доклады и сообщения, I, М., 1952, стр. 132 — 142. [↑](#footnote-ref-21)
22. биз, саз олмошларидаги з ни кўпчилик олимлар қадимда кўплкк ясовчи аффикс деб қарашади. [↑](#footnote-ref-22)
23. Бу сўз ҳақида бир қатор олимларнинг (чунончи, С. Е. М а л о в, Е. И. У б р я т о в a, A. Н. К о н о н о в) фикри мавжуд. Ф. Крэлитц фикрича, венгер тилидан ўзлаштирилган: F. von Kraelitz Tiirkische

    § 132-133 [↑](#footnote-ref-23)
24. Масалан, ҳозирги япон тилининг сон системаси тарихан хитой ти- лидан ўзлашган. Шундай тиллар ҳам борки, уларда иккитадан ортиң са- ноң сон бўлмайди, қолган сонлар ўрнида қўшма сўзлар, мураккаб ибора- лар ишлатилади. Морис Сводеш, К вопросу о повышении точности в лексикостатическом датировании, Сб. .Новое о лингвистике“, вып. L Издательство иностранной литературы, М., 1960, стр. 61. [↑](#footnote-ref-24)
25. С. Е. М а л о в, К изучению турецких числительных, Сб. Академия, Наук СССР акад. Н. Я. Марру, Л., 1935, стр. 271—277. С. Е. Малов. Язык желтых уйгуров, Алма-Ата, 1957, стр. 178. [↑](#footnote-ref-25)
26. Проф. Кааре Гренбекнинг фикрича, -нти, -анди аффикси -« ва -т -д қисмларга бўлинади. Кейинги элементни у -ти аффикси билан боғ- лайди. Бу аффикс эдгут каби сўзларда учрайди. A. М. Шчербак бу фикрга қўшилмаган ҳолда, мазкур аффиксни ңадимда кенг тарқалган си- фатдош формаси -инди, -анти билан боғлаш керак дейди; A. М. Щ е р- бак, Грамматический очерк языка тюркских текстов X-XIII вв..., стр. 121. [↑](#footnote-ref-26)
27. В. В. Виноградов, Современныйрусскийязык, М., 1936, стр. 142.. [↑](#footnote-ref-27)
28. щахснинг бирлик ва кўплик формаси истак, хоҳиш, ҳаракатнинг муңаррарлиги, бажарилиши лозимлиги каби маъноларни билдиради. У ёки бу маъноларнинг ишлатилиши конкрет контекст билан боғлиқ: йазы цонайын 'чўлда қо- лайин (КТм., 28); тӱрк будун ӧлӱрәйин уруғсыратайын 'турк халқини ўлдирайин, уруғсиратайин (КТб., 29); йынақ сочайын 'ҳар томонга сочайин' [U III, 12; 5]; адынағуны ӧлўрмәйин 'бошңани ўлдирмайин' (U III, 1-3); аиіайын йәйин 'емоқчиман' (ТТ I, 14-8); йулайын, алайын (Юр., XVI, 213) каби. [↑](#footnote-ref-28)
29. W. Radlof f. Alttiirkische Studien II, SPb., 1896, S. 222. [↑](#footnote-ref-29)
30. П. М. Мелиоранский Араб-филолог о турецком языке, A. Н. К о н о н о в, Происхождение прошедшего категорического времени в тюркских языках, „Тюркологический сборник,” 1, М.-Л., 1951, стр. 112- 119. Н. А. Б а с к а к о в, Причастие на -ды (-ты) в тюркских языках, Труды Московского ин-та вос-ня, № 6, 1951, стр. 205-217. Б. О. О р у з- боева, Формы прошедшего времени в киргизском языке. Г. И. Р а м- с т е д т, Введение в алтайское языкознание. [↑](#footnote-ref-30)
31. М. Кошғарий, Девону луғотит турк, II том, Тошкент, 1961, 62— 194-бетлар. Девоннинг таржимони ва нашрга тайёрловчиси С. Муталли- бов -дуғ феълининг бу хусусияти Фарғонанинг айрим районларида сақ- ланган деб, А. Қодирийнинг „Меҳробдан чаён“ романидэн парча келтира- ди. Бироң парчада -дуғ аффиксли феъл учрамайди. [↑](#footnote-ref-31)
32. Айрим феъллар билан ңўлланиши тахмин ңилинади: И. А. Б а т м а- и о в, Язык енисейских памятников древнетюркской письменности, стр, 93. [↑](#footnote-ref-32)
33. С. М а л о в, Памятники древнетюркской письменности, М.—Л., 1951,. стр. 127. [↑](#footnote-ref-33)
34. Гіроф А. Г а б э н-калыр формасининг анализига икки асарида тўхталган: W. Bang und A. von Gabain. Tiirkische Turfan—Texte, Berlin, 1929. S. 26; Alttiirkische Grammatik, S. 364. Биринчи китобда Б. Банг ва А. Габэн мазкур формани кэл-ёки /(ал-феъллари деб изоҳлаган. Сўнгги асарда ҳам бу фикр такрорланган. Бу ўринда бу икки олимнинг фикрларига қўшилиб бўлмӓйди. A. М. Шчербак буни бош- ңачароқ тушунтиради: A. М. Щербак Грамматический очерк языка тюркских текстов Х-ХШ вв. из Восточного Туркестана, М.—Л., 1961. [↑](#footnote-ref-34)
35. A. Н. К о н о н о в, О синтаксической функции формы тәйин []•; мийин. Сб. „Белек С. Е. Малову", Фрунзе, 1946, стр. 44-46. [↑](#footnote-ref-35)
36. ј\* Феъл даражалари тарихи ҳаңида ңаранг: Э. В. Севорія н, Аф- фиксы глаголообразования в азербайджанском языке, ИВЛ, 'I;-, -1962; стр. 448-525. [↑](#footnote-ref-36)
37. XI асрда -лан аффиксининг отдан феъл ясашини іМаҳмуд Кош- ғ а р и й ҳам қайд қилади ва бу аффикснинг бир талай маънода феъл ҳосил қилишига мисоллар келтиради: Маҳмуд Кошғарий, Девону луғотит турк, II том, Тошкент, 1961, 163, 170, 174, 185-бетлар. [↑](#footnote-ref-37)
38. Бу ҳақда қаранг: A. Н. К о н о н о в, О синтаксической функцню формы тәйин || тийин. Сб. „Белек С. Е. Малову“„ Фрунзе, 1946,. стр, 44-46. [↑](#footnote-ref-38)
39. С. Е. Малов, Памятники древнетюркской письменности. [↑](#footnote-ref-39)
40. А. Габэ н әрки юкламасини әркән > әркан > әкин, әкәнтнг фонетик варианти деб қарайди. A. von Gabain. Altturkische Gram- matik, § 359. M. Рясянен әрки юкламасини тува тилидаги әрги билан ңиёслайди. М. Rasanen. Matrialien zur Morphologie.., .S. 215. K. Б o p o k- кельман әр- феълидан келтириб чиқариб, әрки кейинчалик әркән> икән, икан билан яқинлашиб кетган деб тушунтиради. С. В r о с k е 1- шапп, Osttiirkische Grammatik...S. 189. Д. Н а с и л о в. К вопросу о мо- дальных словах ӓринч, ӓрки и ӓркӓн в древнетюркских языках. стр. 127-132. [↑](#footnote-ref-40)